He Gazette of India

्रपाधिकार से प्रकाशित ₹७८८।ऽमहळ्डार ४७७म०८। १४

सं० 33]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 13, 1983 (श्रावण 22, 1905)

No. 33]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 13, 1983 (SRAVANA 22, 1905)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

साग III--खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 जुन 1983

मं० ए० 32013/1/83-प्रणा० II—इस कार्यालय की सम-मंख्यक अधिमूचना दिनांक 13 अप्रैल, 1983 के अनुक्रम में मंघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी इंजीनियर श्री प्रदीप मेहता को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद् द्वारा 23-6-83 से तीन मास की अप्रेतर अवधि के लिये अथवा भर्ती नियमों के अधिमूचित होने तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में व्हारिट इंजीनियर (ग्रुप क' रु० 1100-50-1600) के पद पर तदर्थ अधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियक्त करते हैं।

2. र्वारष्ठ इंजीनियर के पद पर श्री प्रदीप मेहता की _नियुक्ति पूर्णतः नदर्थ आधार पर है और इसमे इन्हें वरिष्ठ ्इंजीनियर के पद पर नियमित नियुक्ति का अथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं भिलेगा।

> य० रा० गांधी अवर सचिव (प्रधा०) **कृते** अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1983

सं० 2/1/82-प्रणासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री ए० के० गारड़े, जो केन्द्रीय सिववालय सेवा में सिलेक्शन ग्रेड अधिकारी है और जिनका निदेशक के पद पर चयन हो चुका है, को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में विभागीय जांच आयुक्त के पद पर स्थानापन्न रूप में रुपयें 2000-2250 के वेतनमान में दिनांक 16 जून, 1983 पूर्वाह्न से, अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 जुलाई 1983

सं० 2/23/82-प्रशासन—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियन्ता श्री आर० पी० शर्मा, जो केन्द्रीय सनर्कता आयोग में सहायक तकनीकी परीक्षक के पद परस्थानापत्न रूप से कार्यभार संभाने हुए थे, अपने पैतृक विभाग में वापसी पर दिनांक 8 जुलाई, 1983 अपराह्म से भार मुक्त हो गए।

कृष्ण लाल मल्होता अवर सचिव कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह भंत्रालय का०एवं प्र०सु० विभाग केन्द्रीय श्रन्वेषण क्ष्युरो

नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई 1983

सं ० ए-19036/3/80-प्रभा०-5—सी० डी० टी० एस० कुलकत्ता से प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री डी० एम० दास, उपाधीक्षक (अंगुलि-छाप)/केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, ने दिनांक 27 जून, 1983 (पूर्वाह्न) में केन्द्रीय अंगुलि-छाप ब्यूरो, कलकत्ता में उसीपद परकार्यभार ग्रहण कर लिया।

विनांक 25 जुलाई 1983

सं० बी-5/69-प्रणासन-5---राष्ट्रपति, अपने प्रसाद से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के निम्नलिखित वरिष्ठ लोक अभियोजकों को विनांक 2 जून, 1983 के पूर्वाह्न से नियमित आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में उप-विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं:--

- 1. श्री बी ० वाई ० रांजु, उप-विधि, सलाहकार, जोन-4 ।
- श्री ए०टी० दान्ते उप-विधि सलाहकार सा० अ० स्कंध केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मद्रास ।
- श्री जे०पी० गर्मा, उप-विधि, सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, जोन-III।

सं० ए-19036/7/83-प्रशा०-5---निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा श्री मोहिन्दर कुमार, पुलिस निरीक्षक, दिल्ली पुलिस को दिनांक 20-6-1983 (पूर्वाह्म) से अगले आदेण तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर स्थानागन पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

राम स्वरूप नागपाल प्रणासनिक अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिवेशालय केन्द्रीय रिजर्वपुलिस बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 22 जुलाई 1983

सं ० ओ ० दो ० 1756/82-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर विजय कुमार डागडे को 24 मई, 1983 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए प्रथवा उस पद पर नियमित होने तक इनमें से जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में किनिष्ट चिकिस्सा अधिकारी के पद्मिरतदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 25 जुलाई 1983

सं० एफ-दो-18/82-स्थापना (के० रि० पु० बल)—इस महानिदेशालयकी, अधिसूचना इसी संख्या दिनांक 12/10/82 के 'आंशिक संशोधन के अन्तर्गत राष्ट्रपति, श्रीृद्दन्द्रजीत सिंह 'को के ० रि०पु० वल में सहायक कमार्डेट के पद पर अब दिनांक 19-3-81 से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

सं ० ओ ० दो ० - 1797/83-स्थापना — राष्ट्रपति, खा० शंकर दयाल सिंह को अस्थाई रूप से आगामी आदेण जारी होने तक_ केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल में जनरल डयूटी आफिसर ग्रेड-II (खीं ० एस० पी०) कम्पनी कमान्डर के पद पर 25 मार्च, 83 पूर्वाह्म से नियुक्त किया है।

> ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 20 जुलाई 1983

सं ० ई-31013(2)/2/82-सा ० प्रशा ०—राष्ट्रपति, निम्न-लिखित ग्रिधकारियों (सहायक कमांडेट तदर्थ) को 13-1-83 से नियमित ग्राधार पर स्थानापन्न सहायक कमांडेंट के रैंक में पदोन्नत करते हैं:—

- 1. श्रीपी०के० दास गुप्ता
- 2. श्री बी०पी० प्रभाकरन
- 3. श्री टी० एस० मक्कर
- 4. श्रीपी० शुक्ला
- 5. श्री एस० एस० कादियान
- 6. श्री मंगल सिंह
- 7. श्री वासुदेवन नैयर
- 8. श्री आर० एम० अहलूवालिया
- 9. श्रीए० एस०पने सर
- 10. श्री एम० आरविन्दाक्षन
- 11. श्री डी० विश्वनाथ
- 12. श्रीबी०के० मेहता
- 13. श्री एस०पी० किनरा
- 14. श्री एस०एस० पठानिया
- 15. श्री आर० एस० श्रीवास्तव
- 16. श्री जी ० एस ० बालागन
- 17. श्री एस ० के ० अबरोल
- 18. श्री जी० एस० कपूर
- 19. श्री वाई ०पी ० सभरवाल

दिनांक 22 जुलाई 1983

सं० ई-31015/1/83-सा ०प्रशासन-I—के ० औ० मु०ब० के महानिदेशक, श्री जनक राज शर्मा, स्थायी सहायक (तदर्थ अनुभाग अधिकारी) को 3 मार्च, 1983 के पूर्वाह्न से के ० औ० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली में प्रोन्नित पर, स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

.सुरेन्द्र नाथ महा निदेशक भारतं के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 जुलाई, 1983

सं० 11/98-79-प्रशा ०-I—-राष्ट्रपति, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह प्रशासन के मुख्य सचिव श्री आर० डी ० कपूर को अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह, पोर्ट ब्लेयर में जनगणना कार्य निदेशालय में दिनांक 7 जून, 1983 के पूर्वाह्म से अगले आदेशों तक पदेन क्षमता में निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

 श्री आर० डी० कपूर का मुख्यालय पोर्ट ब्लेयर में होगा।

सं० 11/98-79-प्रणा ०-1---राप्ट्रपति, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह प्रशासन के मुख्य सचिव श्री आर ० पदानाभन को अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह, पोर्ट-ब्लेयर में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 28 मई, 1983 के अपराह्म से 7 जून, 1983 के पूर्वाह्म तक पदेन क्षमता में निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

 श्री आर० पद्मनाभन का मुख्यालय पोर्ट-ब्लेयर में होगा ।

सं० 11/43/80-प्रशा ०-1—इस कार्यालय की तारीख 14 फरवरी, 1983 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, कार्यालय अधीक्षक श्री दीनानाथ शर्मा की, हिमाचल प्रदेश, शिमला में जनगणना कार्य निदेशालय, में, सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ नियुक्ति को तारीख 31 दिसम्बर, 1983 तक की और अवधि के लिये बर्तमान शर्तों के अधीन सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्री धर्मा का मुख्यालय धिमला में होगा।

सं० 11/25/81-प्रणा०-I—इस कार्यालय की तारीख 26-12-1981 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति उड़ीसा प्रणासनिक सेवा के अधिकारी श्री एम० एम० दास को उड़ीसा, भुवनेश्वर में जनगणना कार्य निदेशालय, में तारीख 30 सितम्बर, 1983 तक की और अवधि के लिए या जब तक पव नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर स्थामान्तरण द्वारा पूर्णतः अस्याई रूप से तदर्थ आधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री दास का मुख्यालय भुवनेश्वर में होगा।

सं० 10/17/82-प्रशा०-1—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, कलकत्ता में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय (भाषा प्रभाग) के विरष्ट तकनी की सहायक श्री एस०पी० दत्त को उसी कार्यालय में तारीख 23 मई 1983 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सीधी भर्ती द्वारा अस्याई रूप से अनुसंधान अधिकारी (भाषा) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते है।

2. उनका मुख्यालय कलकत्ता में होगा

सं० 11/5/82-प्रणा०-1—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के सामने दिशात जनगणना कार्यालयों में और तारीख से, एक वर्ष से अनिधक अवधि के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर पूर्णत: अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (आंकड़ें संसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:---

ऋम सं०	नाम			कार्यालय जिसमें कार्यरत हैं	विहित मुख्यालय	नियुक्ति की तारीख
1	2			3	4	′ 5
1.	श्री एस० एस० निकेत			. भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली	नई दिल्ली	6-6-83 (ग्रपराह्न)
2.	श्री आर० एस० लाल	•	•	. भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली	नई दिल्ली	6-6-83 (अपराह्म)
3. 4	श्री सुभाष गर्ग		•	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	न ई दिल्ली	6-6-83 (अपराह्म)
4. 3	श्री गणेश दास		•	. भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	नई दिल्ली	6-6-83 (अपराह्म)
5.	श्री ज्ञान प्रकाण	•	٠	. भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	न ई दिल्ली	17-6-83 (पूर्वाह्न)
6.	श्री ख्याजा मोइनूदीन	•	•	. जनगणना कार्य निदेशालय,आंध्रप्रदेश	हैदराबाद	8-6-83 (पूर्वाह्न)

				، ر حر صرعم مرجم <u>من من من حروما من من مرمم من من</u>		
1	2			3	4	5
7.	श्री एस० के० सिन्हा		` ` `	जनगणना कार्य निदेशालय, बिहार	पटना	9-6-83 (पूर्वाह्न)
8.	श्री जी० एत० गोवडा	• •		जनगणना कार्य निदेशालय, कर्नाटक	बंगलौर:	8-6-83 (पूर्वाह्न)
9.	श्री एस० आर० राघवेन्द्ररा	ৰ .		जनगणना कार्य निदेशालय, कर्नाटक	बंगलीर	8-6-83 (पूर्वाह्न)
10.	श्री एच० आर० के शव मृ	्ति .	•	जन गणना कार्य निदेशालय, कर्नाटक	बंगलीर	8- <i>6</i> -8 <i>3</i> (पूर्वीह्न)
11.	श्री एमं० पीताम्बरम		•	जनगणना कार्य निदेशालय, केरल	त्रिवेन्द्रम	1 3-6-8 3 (पूर्वा ल)
1 2	श्री के० के० अकोलकर	• •		जनगणना कार्य निदेशालयः महाराष्ट्र	सम्ब ई	1 0- 6-8 3 (पूर्वाह्म)
13.	श्री वी० एस० नागले		٠	जनगणना कार्य निदेशालय, महाराष्ट्र	बम्बई	1 3-6-8 3 (पूर्वाह्न)
14-	श्री हरभजन सिंह	•		जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश	लखनऊ	9-6-83 (पूर्वाह्न)
1 5.	श्रो एम० सी० पडालिया	•	•	जनगणना कार्यं निदेशालय, उप्तर प्रदेश	ल ख नऊ	9-6-83 (पूर्याह्न)
16.	श्री के० सी० उपाघ्याय			जनगणना कार्य निदेशालय [⊺] उत्तर प्रदेश	्र ल खन ऊ	9-6-83 (पूर्वाह्न)
17.	श्री एल० सी० रस्तौगी		•	जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश	लंखनऊ	9-6-83 (पूर्वाह्न)
18	श्री के० के० महरोत्ना	.* .		जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश	ल खन ऊ [:]	∦9-6-83 ∦(पूर्वाह्न)
19	. श्री राम सहाय		•	जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश	लखनऊ	9- <i>6</i> -83 (पूर्वाह्न)
20	. कु० शेफाली चक्रवर्ती		•	जनगणना कार्य निदेशालय, पश्चिम बंगाल	क लक त्ता	13-6-83 (पूर्वाह्र)

2. उपरोक्त 20 अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति पर सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर नियुक्ति, समय-समय पर संशोधित, वित्त मंत्रोलय के का० का० सं० एक० 10(24)-ई०-Ш(बी०)/60, तारीख 4-5-1961 में उल्लिखित प्रतिनियुक्ति की शर्तों के अधीन मानी जाएगी। उपरोक्त तदर्थ नियुक्तियों को, सक्षम अधिकारी के विवेक पर किसी भी समय विना कोई कारण बताए, रद्दिया जा सकता है।

पी० पद्मनाभा भारत के महारजिस्ट्रार

श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय श्रम व्यूरो किमला-171004, दिनांक 6 अगस्त 1983

सं. 23/3/83-सी. पी. आई. — जून 1983 में आँबोगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) मई, 1983 के स्तर से बाहर बढ़ कर

533 (पांच को तेतीस) रहा । जून, 1983 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 648 (छ: सौ अढ़तालीस) आता है ।

> आनन्द स्वरूप भारद्वाज न्दिशक, श्रम भ्यूरो

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश हैदराबीद, दिनांक 22 जुलाई 1983

मं० प्रणा ०-I/8-132/83-84/539—महालेखाकार श्रांध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के निम्निलिखित सदस्यों को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद ढारा वेतनमान ए० 840-40-1000-ई०बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन लेखा श्रिधकारी के पद पर उनके नाम के आगे बताई गई तारीख से जब तक आगे आदेश न दिए जाए नियुक्ति किये जाते हैं:——

नाम	भारग्रहण तारीख
श्री एन० श्रीनिवासन-2	14-7-83
	(पूर्वाह्न)
श्री एस० कृष्णमूर्ति-३	13-7-83
	(अपराह्न)
श्री एस०वी० सुब्रमण्यम-2	13-7-83
	(अपराह्म)
भ्श्री के० आदिनारायण	13-7-83
	(अपराह्न)
श्री एस०टी०जी० बिदुमायवा	18-7-83
•	(पूर्वाह्न)
श्री एस० वी० सीतारामाराव	19-7-83
	(पूर्वाह्न)

यह पद्योन्निति उनसे विरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रभाव डालने वाली नहीं है तथा आंध्र प्रदेण उच्च न्यायालय, उच्चतम न्यायालय में अनिर्णीत याचिकाओं के अधीन हैं।

> बी० मेसन वरिष्ठ उप महाले<mark>खा</mark>कार

महालेखाकार का कार्यालय, उत्तर प्रदेश इलाहाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1983

सं ० प्रणा ०/1 1-1 4/अधिसूचना/29 08—निम्नलिखित लेखाः अधिकारी, गण सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेनें पर दिनांक 30-6-19 83 अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गये हैं:—

- भी एस० बी० एल० श्रीवास्तव, स्थायी लेखा
 अधिकारी, कार्यालय महालेखाकार-द्वितीय, उत्तर प्रदेश
 इलाहाबाद ।
- श्री घनश्याम दास, अस्थायी लेखा अधिकारी, कार्यालय महालेखाकार (प्रथम) उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।

एस० जे० एस० आहलूवालिया वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय: निदेशक, लेखा परीक्षा डाकतार दिल्ली-110054, दिनांक 23 जुलाई 1983

कः संः प्रशाल-HI/169/23 (ए) (2) अधिसूचनाएं — निदेशक लेखा परीक्षा डाक-तार ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों में स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के पद परपदोन्नत एवं नियुक्त करने तथा उनके सामने दर्गाए डाक-नारणाखा लेखा परीक्षा कार्यालयों में अगने आदेशों तक नियुक्ति के लिए सहर्प आजा दे दी है। उनकी पदोन्नतियां तदर्य आधार पर है, तथा संशोधित की जा सकती है: —

ऋ∘ सं∘ •	, नाम			डा०ता० गा० ले० प०का० जिसमें अ० अ० के रूप के संबंध में	डा०ता०मा०ले०प०का० जहां ले० प० अ०नियुक्त किया गया है	
1	2		. = =	3	4	5
	सर्वश्री दुर्गादास शर्मा			. कपूरथला	दिल्ली	14-3-83 पूर्वाह्न
2.	देवीदास चम्पत् राव गौ धरी	•	•	नागपुर	उनके नीचे नियम के - अन्तर्गत प्रोफार्मा पदोन्नति की गई ।	29-1-83 पूर्वाह्न
3.	विष्णु दयाल कि गो री लाल			. नागपुर	अहमदाबाद	29-1-83 पूर्वाह्न

1	2					3	4	5
4.		ारव ड े	•			नागपुर	बम्बई	28-2-83
5.	चमनलाल खुराना		•			कपूरथेला	दिल्ली	पूर्वा ह्य 12-2-83
6.	देवराजपत्रूजी खण्क	•				नागपुर	अहमदाबाद	पूर्वाह्न 21-3-83
7.	निमेलेन्दुदेव नाथ		٠.			कलकत्ता	पटना	पूर्वाह्न 10-3-83
8.	जनक राज			•	•	कपूरथला	लखनऊ	पूर्वाह्न 14-3-83
9.	अतलुरी सूर्यनारायण				•	हैदराबाद	बगलीर	पूर्वाह्न 28-3-83 पूर्वाह्न
10.	बिहारी लाल कादलबाज	7	•			कपूरथला	उनके नीचे नियम के अन्तर्गत प्रोफार्मा	10-5-83 पूर्वाह्न
11.	मुरलीधर विट्ठल पाढेकर			•		नागपुर	पदोन्नति दी गई । अहमदाबाद	10-5-83 पूर्वाह्न

के० के० थापर उप निदेशक लेखा परीक्षा (मु०)

वाणिज्य मंत्रालय मुख्य नियन्त्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1983 आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं ० 6/1172/77-प्रशासन-"राज"/4765—श्री डी ० सी ० चक्रवर्ती, संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में सहायक मुख्य नियन्त्रक, ग्रायात-निर्यात, का 26-4-1983 को निधन हो गया है।

सं० 6/1367/81-प्रणासन-''राज''/4771— सेवा निवृत्ति की ग्रायु होने पर श्री ए० एन० राजगोपालन, केन्द्रीय सिवालय सेवा के चयन वर्ग के ग्रिधिकारी और इस कार्यालय में अवर मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, को 30 जून, 1983 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से मुक्त होने की ग्रनुमति दी जाती है।

वी ० के ० मेहता उप मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात कृते मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात

(वस्त्र विभाग)

पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक जुलाई 1983

सं० जूट (प्र०)/147/58 वा०—श्री भूपेन्द्र नाथ बसु, सहायक निदेशक (जूट विनिर्माण) को राष्ट्रपति पटसन आयुक्त के कार्यालय में औद्योगिक सलाहकार (जूट उत्पादन) के रूप में नियुक्त करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करते हैं। यह अधिसूचना 4 जून, 1983 मध्याह्न से नये आदेश तक लागू होगी।

एस० पी० मल्लिक पटसन आयुक्त

उद्याग मत्नालय

आर्थिक सलाहकार का कार्यालय नर्ह दिल्ली, दिनांक 30 जून 1983

सं० ए०-32013(1)/81-आ० स०—राष्ट्रपति, भारतीय आर्थिक सेवा के ग्रेड-2 के एक अधिकारी डा० एम० एल० लखेडा की इसी सेवा के ग्रेड-1 के एक पद पर उप आर्थिक सलाहकार के रूप में दिनांक 30 जून, 1983 की पूर्वाह्न से आर्थिक रालाहकार के कार्यालय, उद्योग मंत्रालय, में नियुक्ति करते हैं।

> मनमोहन सिंह अपर आर्थिक सलाहकार

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-6) नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1983

सं० प्र०-6/247(555)/76-II----राष्ट्रपति, निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) श्री ए० के० राय को उसी कार्यालय में 20 अप्रैल 1983 के पूर्वाह्म से छः महीने की अवधि के लिए सदर्थ आधार पर निरीक्षण अधिकारी (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेष्ट-III के समूह "ए" की (अभियांत्रिकी शाखा) के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री राय ने दिनाक 20-4-83 (पूर्वाह्म) को कलकत्ता में सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) के पद का कार्यभार छोड़ा तथा उसी स्थान पर उसी तारीख से निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

> एस० एल० कपूर . उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंद्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 16 जुलाई 1983

सं० 6304-बी/ए०-19012(4-पी॰एम॰जी॰एन॰)/82-19-बी॰—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी उहायक (द्रीलिंग) श्री पी॰ एम॰ गोपाल कृष्णन नायर को श्रीलर के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द॰ गो॰-35-880-40-1000-द॰ रो॰--40-1200 रु॰ के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 2 मई, 1983 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 6317-बी/ए-19012 (4-एन० के० सी०) /82-19बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रीलिंग) श्री नरेश कुमार चोपड़ा को ड्रीलर के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-840-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 17 मई, 1983 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 6330-बी/ए-19012 (4-सी॰एल॰एन॰) / 82-19बी०-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के विष्ठ तकनीकी सहायक (क्रीलिंग) श्री चिरंजी लाल नौटियाल को ड्रीलर के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-10-1200 र० क वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेण होने तक 2 मई, 1983 के पूर्वाह्म में नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 18 जुलाई 1983

सं० 6378बी/ए-19012 (4-बी० वी० एन० आर०)/82-19बी०—श्री बी० वी० नागेश्वर राव की ड्रीलर के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के न्यूनतम वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 18 मई, 1983 के अपराह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 20 जुलाई 1983

सं० 6475बी/ए--19012 (1आर० के०)/82-19ए०--श्री राजेन्द्र कुमार को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रू० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो० -35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 27-4-1983 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

ए**स**० के मुखर्जी महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

सं० ए०-19011(174)/75 स्था० ए०-श्री एम० टी० देवासीया, सहायक खनिज अर्थशास्त्री (सांख्यिकी) को दिनांक 16 मई 1983 के अपराह्म से आगामी आदेश तक भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न उप खनिज अर्थशास्त्री (सांख्यिकी) भारतीय सांख्यिकी सेवा, ग्रेड 3, के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई है।

व० च० मिश्र कार्यालय अध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

पर्यावरण विभाग भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण निदेशक का कार्यालय

हावड़ा-711103, दिनांक 20 जुलाई 1983

सं० भा० व० स० 66-150-83-स्था०—श्री सुरेन्द्र कुमार जन, सहायक (कार्यालय) भारतीय प्राणि सबक्षण, देहरादून, जिन्होंने भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण में हिन्दी अधिकारी (प्रति नियुक्ति पर) ग्रेड 'वी' राजपतित का पदभार 11-4-83 के पूर्वाह्न में ग्रहण किया, 2-7-83 के अपराह्म में भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण में हिन्दी अधिकारी का पदभार स्वेक्छा से छोड़ दिया और अपने पहले

कार्यभार को ग्रहण करने की इच्छा व्यक्त करने पर इस सर्वेक्षण से 2-7-83 के अगराह्म में निवृत्त हुए ।

एस० एन० कार प्रणासन अधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई. 1983

सं० 4(76)/77-एस० एक—श्री पी० एस० गोपालकृष्णन, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी मद्रास को, साहित्य अकादमी, मद्रास में क्षेत्रीय सचिव के रूप में नियुक्ति होने पर, आकाशवाणी मद्रास में 17 मई, 1983 की पूर्वाह्न से उनके कार्यभार से मुक्त कर दिया गया था।

सं० 4(59)/82-एस०आई०—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री मुरेश पांडे को 31 मार्च, 1983 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 र० के वेसनमान में आकाशवाणी जबलपुर में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 जुलाई 1983

सं० 4(33)/82-एस० एक—महानिवेशक, आकाशवाणी एतद-द्वारा कुमारी एम० कलावती को 28 मई, 1983 से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेसनमान में आकाशवाणी, मद्रास में अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 जुलाई 1983

सं० 4/63/82-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्री भगवान मीरचन्दानी, को 31-3-1983 से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में आकाशवाणी, बम्बई में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4/83/82-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्री शिखर रे को 24-6-83 से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेसनमान में आकाशवाणी, इम्फाल में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 जुलाई 1983

सं० 4(90)/82-एस-I—-महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्री प्रबीन चन्द्र भट्टाचार्य को 15 जून 1983 से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द्य० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में आकाशवाणी डिब्रूगढ़ में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> हरींग चन्द्र जयाल प्रणासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1983

मं० 2/3/71-एस-2(खााा)—महानिदेशक, आकाशवाणी एतव्हारा श्री आर० एन० राठी, लेखाकार की आकाशवाणी जयपुर में दिनांक 16-7-83 (पूर्वाह्म) से प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुवत करते हैं।

रूनिमणी दास गुप्ता प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई 1983

सं० ए० 12025/21/81-प्रणासन-I (भाग-2)—राष्ट्रपित ने श्री डी० आर० मांडिया को 4 जुलाई 1983 पूर्वाह्न से आगाभी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय-नई दिस्ली के केन्द्रीय डिजाइन ब्यूरों में वास्तुविद् के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12025/21/81-प्रशासन-ा (मुख्यालय)— राष्ट्रपति ने श्री बी॰ के॰ बग्गा को 6-7-1983 पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली के केन्द्रीय डिजाइन ब्यूरों में बास्तुबिद् के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

> विलोक भन्द जैन उपनिदेशक प्रशासन (ओ० एण्ड एम०)

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1983

सं० ए०-19024/1/81-प्र०-III---इस निदेशालय के अधीन केन्द्रीय एगमार्क प्रयोगशाला, नागपुर में कनिष्ठ वैज्ञानिक अधि-कारी के पद पर श्री आर० डी० गुप्ता की तदर्थ नियुक्ति को आगे की अवधि के लिए दिनांक 1-4-83 से 6-4-83 तक बढ़ाया गया है।

> गोपाल णरण णुक्त कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत् परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग बम्बई-5, दि*र्जा*क 7 जुनाई 1983

सं० पी० पी० ई०डी०/4(899)/81/प्रमा०-9424— इस प्रभाग की स्थायी सहायक लेखा अधिकारी तथा स्थाना-पन्न लेखा अधिकारी-II कुमारी एन० एम० मर्चेट ने, सेवा से स्थेच्छा से सेवा-निवृत्त होने की अनुमृति मिलने पर इस प्रभाग में अपने पद का भार 1 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्न में छोड़ दिया।

दिनांक 19 जुलाई 1983

सं० पी०पी० ई० डी०/4(712)/77/प्रणासन-7884— इस प्रभाग के स्थायी लेखापाल तथा स्थानापन्न लेखा अधि-कारी-11 श्री सी० आर० वालिया ने स्वेच्छापूर्वक सेवा से निवृत्त होने की अनुमति मिल जाने पर इस प्रभाग में अपने पद का कार्यभार 14 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्न में छोड़ दिया। वी० वी० थट्टे प्रणासनिक अधिकारी

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना नरोरा, दिनांक 18 जुलाई 1983

क० न० प० वि० प०/प्रणा/26(1)/83/एस/7219—मुख्य परियोजना अभियन्ता, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना अधीलिखित फोरमैन/वैज्ञानिक सहायकों को, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में दिनांक फरवरी 1, 1983 के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक के लिए ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/— के वेतनमान में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं :—

ऋ ७ सं ७	नाम	वर्तमान पदनाम	ग्रेड जिसमें नियुक्त किया गया
1. श्री एस्०	बी० संक्सेना	फोरमैंन फोरमैंन	वैज्ञानिक अधिकारी/ इंजीनियर ग्रेड एस०बी०
2. श्रीओ०ष	ी० हिन्तिया	वैज्ञानिक सहायक 'सी'	–तदैव
3. श्रीए०ए	स० खान	–त दै व–	–तदैव
4. श्री एस० -	के० अग्रवाल	वैज्ञानिक सहायक 'ए'	–तदैव–

कु० न० प० वि० प०/प्रणा०/26(1)/83/एस/7220— मुख्य परियोजना अभियन्ता, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना स्थायी वैयक्तिक सहायक तथा स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधि-कारी श्री आर.० एन० मुक्ला को दिनांक 13-7-1983 के पूर्वाह्म से अग्रिम आदेणों तक के लिए नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न औद्योगिक सम्पर्क अधिकारी के पद पर रू० 840-40-1000-द० रो०-40-1200/— के वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

क्र० न० प० वि० प०/प्रणा०/26(1)/83/एस/7221— मुख्य परियोजना अभियन्ता, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न चयन श्रेणी लिपिक श्री ओमप्रकाण को, श्री आर० एन० शुक्ला, सहायक कार्मिक अधिकारी जिन्हें तदर्थ आधार पर स्थानापन्न औद्योगिक सम्पर्क अधिकारी नियुक्त किया गया है के, स्थान पर र० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960/— के वेतनमान में नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में दिनांक 13-7-1983 के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक के लिए, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 जुलाई 1983

क० न० प० वि० प०/प्रणा०/26(1)/83/एस/7360:——
मुख्य परियोजना अभियन्ता, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना,
स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना, कोटा, के स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी, श्री जे० सी०
मोड़बल को नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में, ६० 650-30740-35-800-द० रो०-40-960/— के वेतनमान में, दिनांक
11-7-1983 के पूर्वाह्म से अग्रिम आदेशों तक के लिए स्थानापन्न
सहायक लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 जुलाई 1983

% न ० प ० वि० प ० प्रशा | आर | 12(2) | 83-एस | 7965— मुख्य परियोजना अभियन्ता, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना, स्थानापन्न सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री विजय पान सिंह, को दिनांक 18-7-1983 के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक के लिए नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 | के वेतनमान में तदर्य आधार पर स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

> आर० के० बाली प्रणासन अधिकारी-III

ऋय और भन्डार निदेशालय

बंबई-400001, दिनांक 15 जुलाई 1983

सं० डी॰ पी॰एस॰/2/1(3)/82-प्रणा॰/22768— परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भन्डार निदेशालय के निदेशक ने परमाणु ऊर्जा विभाग, भाभा पःमाणु प्रनुसंधान केन्द्र, बंबई के स्थायी वरिष्ठ लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखापाल, श्री मोंकित्तिल नारायणन को रुपए 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में ता० एक जुलाई, 1983 (पूर्वाह्म) से अग्निम आवेश होने तक अस्थायी तौर पर इसी निवेशालय में स्थाना-पन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

दिनांक 19 जुलाई 1983

सं० डीपीएस/41/1/83-प्रशा०/22947:--परमाणु ऊर्जा विभाग के कय और भंडार निवेशालय के निवेशक ने सहायक कय अधिकारी श्री डी० डी० नायक की छुट्टी मंजूर किए जाने पर स्थायी कय सहायक, श्री कोयर मुकुन्द नाईक को रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/-के वेतनमान में ता० 6-6-1983 (पूर्वाह्न) से 8-7-1983 (अपराह्न) तक के लिए तदर्थ आधार पर इसी निवेशालय में स्थाना-प्रशास्त्र से सहायक कय अधिकारी नियक्त किया है।

दिनांक 20 जुलाई 1983

सं० डी पी एस/41/16/83-प्रशा०/23092—परमाण ऊर्जा विभाग के क्य और भन्डार निवेशालय के निवेश के ने सहायक भन्डार अधिकारी, श्री एच० आर० दुआ की छुट्टी मंजूर किए जाने पर स्थायी किन्छ भन्डारी, तथा स्थानापन्न भन्डारी, श्री एम० आर० मेनन को रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/— के वेतनामन में तारीख 10-5-83 (पूर्वाह्म) से 18-6-1983 (अपराह्म) तक के लिए तदर्थ आधार पर इसी निवेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भन्डार अधिकारी नियुक्त किया है।

पी॰ गोपालन प्रशासनिक अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र 30-5-1983 हैवराबाद-500762 दिनाक----

0 2-6-1983 आदेश

संबर्भ: नाईस/का प्र० 5/2606/ 1126/665—जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के समृद्ध यूरेनियम आक्साइड संयंत्र के कारीगर "क", श्री बी० नरसिंह रेड्डि दिनांक 29-12-1980 से 10-02-1981 पर्यंत अप्राधिकृत अवकाश की बिना पूर्वसूचना दिए/अवकाश का बिना पूर्वानुमोदन करवाए काम पर से अन्पस्थित रहे थे ;

और जब कि श्री नरसिंह रेड्डि विनांक 11-2-1981 को काम पर उपस्थित हुए तथा 42 दिनों के असाधारण अवकाश के लिए आवेदन प्रस्तुत किया;

और जब कि अनकाश अनुमोदक प्राधिकारी ने उदारता पूर्वक इस अवकाश का अनुमोदन कर दिया;

और जब कि श्री नरसिंह रेड्डि दिनांक 25-4~1981 से अप्राधि-इत: पून: काम से अनुपस्थित रहे; और जब कि श्री नरसिंह रेड्डिको दिनांक 1-6-1981 को एक तार भेज कर उन्हें काम पर तत्काल आने के लिए निर्देश दिया गया;

और जब कि तार की डाक प्रति सं० नाईस/का प्र II/1126/ सं~ यू० आ० सं०/1515, दिनांक 1-6-1981 की उनके निवासीय पते 2-5, बख्शीगुडा, मल्लापुरम्, हैदराबाद-500040, पर पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित किया गया;

और जब कि तार की डाक प्रति डाक प्राधिकारियों द्वारा बिना वितरित किए हुए इस अभ्युक्ति के साथ लौटा दी गई, "प्रेषिती दि० 5-6-1981 से 12-6-1981 पर्यंत निरंतर प्रनुपस्थित रहा, अतः केन्द्र को लौटाया जाता है";

और जब कि श्री बी॰ नरसिंह रेड्डि अप्राधिकृत काम से निरंतर अनुपस्थित रहें तथा इस प्रकार केन्द्रीय नागरिक सेवा (आचरण) नियम 1964 के नियम 3(1) को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थाई आदेश के अनुच्छेद 39(5) के साथ संयोजित निषंधनों के अनुसार कदाचरण का कार्य किया;

और जब कि उक्त श्री बी॰ नरसिंह रेड्डि को झापन सं॰नाईस/ का॰ प्र॰ 5/2606/1126/1765, दिनांक 11-10-1981 द्वारा उनके विरुद्ध आरोप नथा प्रस्तावित कार्यवाही की सूचना दी गई;

और जब कि पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा उनके उपरि-लिखित स्थानीय पते पर प्रेषित दिनांक 11-10-1981 के आरोप के ज्ञापन को डाक प्राधिकारियों द्वारा बिना वितरित किए हुए इस अभ्युक्ति के साथ लौटा विया गया, "व्यक्ति 7 विनों से अनुपस्थित था अतः केन्द्र को लौटाया जाता है"।

और जब कि उक्त श्री बी० नरिसह रेड्डि अप्राधिकृतः काम से निरंतर अनुपस्थित रहे तथा नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को अपना अता-पता सूचित नहीं किया जिसका तात्पर्य नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र से स्वेच्छ्या सेवा का परित्यागन है ;

और जब कि उक्त श्री बी० नर्रासह रेड्डि के विरुद्ध लगाये गये आरोप की जांच करवाने का विचार किया गया तथा तदनुसार आदेश सं० नाईस/का प्र 5/2606/1740/2072, दिनांक 3-12-1981 द्वारा एक जांच अधिकारी नियुक्त किया गया;

और जब कि जांच अधिकारी ने अपनी रपट दिनांक 9-2-83 को प्रस्तुत की जिसमें लिखा कि अभियुक्त सरकारी कर्मैचारी श्री बी० नर्रासह रेड्डि की जांच में उपस्थिति प्रायः असंभव रही है तथा इस कारण से एक पक्षीय जांच कार्यवाही पूर्ण की गई तथा उन पर असरेप सिद्ध हो गया;

और जब कि दिनांक 9-2-1983 की जांच रपट सह मामले के अभिलेखों का सावधानी पूर्वक मनन करने के पश्चात् अधोहस्ताक्षरीं आरोप को सिद्ध हुआ मानते हैं तथा इस अनंतिम निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री बी० नर्रासह रेड्डि सेवा में रखने के योग्य उपयुक्त व्यक्ति नहीं रहे तथा उन पर सेवा से निष्कासन का दंड अधिरोपित किया जाए;

भीर जब कि उक्त श्री बी॰ नरसिंह रेड्डि को ज्ञापन सं॰ नाईस/ का प्र 5/2606/1126/1577, दिनांक 10-5-1983 के द्वारा इस अनंतिम निष्कर्ष की सूचना दी गयी;

और जब कि विनाक 10-5-1983 के उक्त ज्ञापन को जिसे उनके निवासीय पते 2-5, बख्शीगुड़ा, पत्नालय मल्लापुरम्, हैदरा-बाव-500040 पर पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित किया था, उसे भी डाक प्राधिकारियों ने बिना वितरित किए ही इन अभ्युक्तियों के साथ लौटा दिया: "वितरण समय में व्यक्ति 7 विन तक उपस्थित नहीं था, अतः प्रेषक को लौटाया जाता है";

और जब कि मामले के अभिलेखों तथा जांच रपट के आधार पर अधोहस्ताक्षरी इस अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री बी॰ नरसिंह रेड्डि पर सेवा से निष्कासन का दंड अधिरोपित किया जाए;

अतः अव केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण, तथा अपील) नियम, 1965 के नियम 19(ii) के साथ नाभिकीय इंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 43 तथा परमाण ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22(1)/68-प्रशा० II, दिनांक 07-7-1979 को संयोजित कर उनमें प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी उक्त श्री बी० नर्रासह रेड्डि को सेवा से तत्काल प्रभाव से निष्कासित करते हैं।

आर० राजेन्द्रन, उप मुख्य कार्यपालक (ईंधन)

र्श्वा बी० नरसिंह रेड्डि 2-5, बखमी गुडा पत्रालय मल्लापुरम हैदराबाम-500 040

हैदराबाद-500762, दिनांक 16 जून 1983 श्रादेश

सं० नाईस/का प्र 5/2606/1860/705—जब कि नाभि-कीय ईंधन सम्मिश्र के जर्केलॉय गढ़न संयंत्र के कारीगर "ख" श्री एल० सत्यनारायण, कार्मिक कूटांक 1860, दिनांक 15-5-1982 से (अवकाश लेने की बिना पूर्व सूचना/अवकाश के बिना पूर्वानुमोदन के) काम से अनुपस्थित रह रहे हैं;

और जब कि उक्त श्री सत्यनारायण को ज्ञापन सं० नाईस/का प्र 5/2606/1860/1446, दिनांक 26-8-1982 द्वारा उनके विश्व आरोप सथा प्रस्तावित कार्यवाही की मुचना दी गई ;

और जब कि उक्त श्री सत्यनारायण ने दिनांक 2-9-1982 को आरोप पत्न स्वीकार किया किन्तु कोई अभिवेदन प्रस्तुत नहीं किया;

और जब कि उक्त श्री सत्यनारायण को ज्ञापन सं० नाईस/ का प्र 5/2606/1860/1829, दिनांक 9-11-1982 द्वारा उनके विरुद्ध लगाए गए आरोप को सकारने या नकारने का एक और अवसर दिया गया ; , और जब कि उक्त पत्न डाक प्राधिकारियों द्वारा इस अभ्युक्ति के साथ लौटा दिया गया, "लौटाया जाता है";

और जब कि आरोप की जांच करवाने का विचार किया गया ृप्तथा तदनुसार आदेण सं० नाईस/का प्र 5/2606/1860/764, दिनांक 10-2-1983 द्वारा एक जांच अधिकारी नियुक्त किया गया।

और जब कि जांच अधिकारी ने दिनांक 14-5-1983को अपनी रपट प्रस्तुत करते हुए उसमें लिखा कि उक्त श्री सत्यनारायण के जांच में भाग न लेने के कारण से एक पक्षीय जांच की गयी जिसमें आरोप सिद्ध हो गया ;

और जब कि जांच रपट (प्रति संलग्न है) सह मामले के अभिलेखों का सावधानी पूर्वक मनन करने के पश्चात् अधोहस्ताक्षरी आरोप को सिद्ध हुआ मानते हैं तथा अनंतिम निश्चय पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री सत्यनारायण सेवा में रखने के योग्य उपयुक्त व्यक्ति नहीं हैं तथा उन पर सेवा से निष्कासन क्या वह अधिरोपित किया जाये;

और जब कि उक्त श्री सत्यनारायण को ज्ञापन सं० माईस/ का प्र 5/2606/1860/647, दिनांक 25-5-1983 द्वारा उपरिलिखित अनंतिम निष्कर्ष सूचित किया गया तथा इस ज्ञापन की प्राप्ति के 10 दिन के अंदर प्रस्तावित दंड के लिए अभिवेषन प्रस्तुत करने का एक अवसर दिया गया;

और जब कि दिनांक 25-5-1983 के उक्त ज्ञापन को, जिसे पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा उन के ज्ञात पते पर भेजा गया था, उसे डाक प्राधिकारियों ने इस अभ्युक्ति के साथ लौटा दिया, "लौटाया जाता है";

और जब कि दिनांक 14-5-1983 की जांच रपट सह मामसे के अभिलेखों के आधार पर अबोहस्ताक्षरी इस अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री सत्य नारायण सेवा में रखने के योग्य उपयुक्त व्यक्ति नहीं हैं तथा उन पर सेवा से निष्कासन का दंड अधिरोपित किया जाए;

अतः अब परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेण संख्या 22(1)/68-प्रणासन II, दिनांक 07-7-1979 को नाभिकीय देंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 43 के साथ संयोजित कर उन में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी उक्त श्री सत्यनारायण को सेवा से तत्काल प्रभाव से निष्कासित करते हैं।

भ्रनुलग्नक: एक जं10 जी0 **कुलकणी** भ्रं: एल० सत्यनारायण, प्रबंधक, कार्मिक व प्रशासन 4-49, बालानगर, हैदराबाच-500 032

पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा दिनांक 16 जुलाई 1983

सं० नाईस/का प्र भ/1702/1939—-नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के इप मुख्य कार्यपालक जी (प्रशासन), सहायक लेखाधि-कारी श्री सी० एच० नर्रासह चारी को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में दिनांक 14-5-1983 (के मध्याह्न) से आगामी आदेशों पर्यंत स्थानापन्न लेखाधिकारी-II के पद पर नियुक्त करते हैं।

> जी० जी० कुलकर्णी प्रबंधक, कार्मिक व प्रशासन

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना श्रणुशक्ति, दिनांक 21 जुलाई 1983

रापविष/04637/अनुशासनिक कोष्ठ/जाभ/44/83/ स्थल/3394---श्री एस० सी० मिश्रा आत्मज श्री डी० एस० मिश्रा, निवासी परानीपुर, इलाहाबाद, इस परियोजना में कार्यरक्ष कार्यदक्ष "सी" को 16-11-1981 से 18-11-1981 तक लीम दिन की छुट्टी मंजूर की गई थें। तत्यश्चात् उनकी छुट्टी 23-11-81 तक बढ़ाई गई और 24-11-81 को रिपोर्ट करने के लिए अनुदेश दिया गया था लेकिन श्री एस० सी० मिश्रा 24-11-81 को ड्यूटी के लिए रिपोर्ट नहीं कर सके और वे उक्त तिथि से ड्यूटी से अनु-पस्थित रहे । 30-11-81 को उन्हें एक तार भेजा गया कि वे ड्यूटी के लिए रिपोर्ट करें लेकिन वे लगातार अभी तक अनुपस्थित रहे हैं। इसके पश्चात् उन्हें रजिस्टर्ड ए० डी० डाक द्वारा पन्न संख्या: रापिबप /09002/(167)/82/स्थल/1453 ता॰ 9-2-1982 के मार्फत सूचना यह अनुदेश देते हुए भेजी गई कि वे इस पत्र प्राप्ति के 10 दिनों के अंदर ड्यूटी के लिए रिपोर्ट करें। साथ ही उन्हें यह भी सुचित किया गया कि अगर वे ड्यूटी के लिए रिपोर्ट नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ अन्मासनिक कार्रवाई की जाएगी। डाक प्राधिक।रियों की निम्नलिखित अभ्युक्तियों के साथ वह पत्र बगैर सुपूर्दगी के लौट आया:--

- 1. जिसके नाम से है घर पर मौजूद नहीं है। 17-2-82
- 2. लेनेवाला कहीं बाहर रहता है अतः वापस । 19-2-82

श्री एस० सी० भिश्रा को सूचित किया जाता है कि उनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाहियां चालू कर दी हैं। उनके आरोप इस प्रकार हैं:—

- गृह्यूटी से तारीख 24-11-81 से अनिधकृत रूप से अनुपिस्थित इयूटी हेतु रिपोर्ट करने के लिए अनुदेश देते कुए सरकारी सूचनाओं की अवज्ञा।
- एक सरकारी कर्मचारी के लिए शोभनीय व्यवहार का कृत्य।

श्री मिश्रा को निदेश दिया जाता है कि वे आरोप ज्ञापन मय अनुलग्नकों को इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के 15 दिनों के अन्वर किसी भी कार्य दिवस पर निम्नहस्ताक्षरकर्ता से प्राप्त करलें श्रीर अथना बचाव श्रगर कोई है प्रस्तुत करें। श्रगर वे उगर्वं तर उत्तिलिखत अवधि में इन अनुदेशों की अनुपालना करने में असमर्थ रहते हैं तो केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1965 के नियम 19(ii) के अन्तर्गत उनके विरुद्ध निश्चित रूप से अगली कार्रवाई की जाएगी।

सं० रापविष /04637 /अनुशासनिक /कोष्ठ/जांच-44/83/स्थल/340—रापबिद्य प्रचालन एवं अनुरक्षण अनुभाग के कार्यवक्ष "ई" श्री एच० सी० गुप्ता को ता० 19 मई 1982 का एक आरोप ज्ञापन सं० रापबिद्य/04637/82/प्रशासन/अनु० को/जॉ/122/271 भेजा गया था । उनके विरुद्ध आरोप इस प्रकार थे:——

- (1) बगैर सूचना दिए अथवा पता छोड़े परियोजना त्यागते हुए सुरकारी कर्मचारी के लिए एक अशोभनीय कार्य करना।
- (2) त्यागपत्र के नोटिस की अवधि के दौरान परियोजना में सेवा करने की अनिवार्यता को पूरा नहीं करना ।
- (3) ड्यूटी से 20 मार्च 1982 से अनिधकृत रूप से अनु-पस्थिति।

"पिछले जात पते पर उन्हें रिजिस्टर्ड ए० डी० डाक द्वारा भेजें गए आरोप का उक्त जापन के कवर पर डाक प्राधिकारियों द्वारा नीचे लगाई गई अभ्युक्तियों सहित बगैर सुपूर्वगी के लौट आया"

"पाक्ती ने स्थान छोड दिया"

अतः यह मालूम नहीं है कि उक्त श्री एच०सी० गुप्ता कहां हैं।

इस अधिमूचना के जिर्थे श्री एच० सी० गुप्ता की सूचित किया जाता है कि इस मामले में अनुशासनिक प्राधिकारी के नाते निम्म-हस्ताक्षरकर्ता उनके विरुद्ध उपरिलिखित आरोपों पर विभागीय कार्यवाही प्रारम्भ करेगा। अतः इस प्रयोजन के लिए श्री एच० सी० गुप्ता को निदेश दिया जाता है कि वे भारत के राजपन्न में इस अधिस्वना के प्रकाशित होने की तारीख से 15 दिनों के अन्वर निम्म-हस्ताक्षरकर्ता के सम्मुख पेश हों। अगर श्री गुप्ता निर्धारित अवधि तक अथवा अवधि में निम्नहस्ताक्षरकर्ता के सम्मुख पेश नहीं होते हैं तो उनके खिलाफ केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1965 के नियम 19(ii) में उल्लिखित कार्रवाई की जाएगी।

एम० एस० आर० शर्मा, मुख्य परियोजना अभियंता

म्रणुमित दिनांक 21 जुलाई 1983

सं० रापविष /भर्ती /7(8) /83/स्थ/327--राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियंता, रापविभ के स्थायी व्यक्तिगत सहायक श्री आर० के० चोपड़ा को राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानापन्न रूप से रुपए 650-960

के ग्रेड में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर 1 जून, 1983 के पूर्वाह्न से अस्थायी तौर पर नियुक्त करते हैं।

> आ० ना० कट्टी, प्रणासन अधिकारी (स्थापना)

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 20 जुलाई 1983

सं० 05052/कर० 83/2427—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रमुख कार्यकारी, श्री सेवर राधाकृष्णन गजपति, कारीगर 'सी' भारी पानी परियोजना (कोटा) को, उसी परियोजना में पूर्वाह्न 1 फरवरी, 1983 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस बी) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/फर० 83/2428—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रमुख कार्यकारी, श्री करन सिंह सिंधवी, वैज्ञानिक सहायक "बी", भारी पानी परियोजना (कोटा) को, उसी परियोजना में पूर्वाह्म 1 फरवरी, 1983 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस बी) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/फर० 83/2429—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रमुख कार्यकारी, श्री अनिल कुमार आवार्य, वैज्ञानिक सहायक-"सी", भारी पानी परियोजना (कोटा) को, उसी परियोजना में पूर्वाह्न 1 फरवरी, 1983 से आगे आदेण होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस बी) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 जुलाई 1983

सं० 05012/आर 5/2450--भारी पानी परियोजनाओं के, प्रमुख कार्यकारी, श्री वी० कुष्णन पोट्टी, वरिष्ठ आशुलिपिक, ककरा-पार परमाणु विद्युत परियोजना, परमाणु ऊर्जा विभाग को, पूर्वाह्न मई 24, 1983 से आगे आदेश होने तक के लिए भारी पानी परियोजना (तलवर) में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/फर० 83/2451—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रमुख कार्यकारी, श्री बुध्यन्त कुमार कान्तीलाल जोणी, वैज्ञानिक सहायक "सी" भारी पानी संयंत्र (बड़ौदा) को, उसी संयंत्र में पूर्विह्म 1 फरवरी, 1983 से आगे आदेण होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

, दिनांक 22 जुलाई 1983

सं० 05012/आर 7/2468—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रमुख कार्यकारी, श्री वडलामुदी हनुमन्ता राव, सहायक लेखा अधिकारी, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, परमाणु ऊर्जा विभाग को, भारी पानी परियोजना (मनुगुरु) में पूर्वाह्म 6 जुलाई, 1983 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न लेखा अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 जुलाई 1983

सं० 05052/फर० 83/2492—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रमुख कार्यकारी, श्री अमृतलाल मोहनलाल पटेल, वैज्ञानिक सहायक "सी" भारी पानी संयंत्र (बड़ौदा) को, उसी संयंत्र में श्रपराह्म 31 जनवरी, 1983 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस बी) नियुक्त करते हैं।

के० मुत्तुस्वामी र प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विभानन मंत्रालय (नागर विमानन विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1983

सं० ए० 32013/डी जी एम/सी एम ए एस/82-ई-I---राष्ट्र-पति ने भारत मौसम विज्ञान विभाग में मौसम विज्ञान के अपर महानिदेशक, श्री एस० के० दास को 1-7-1983 से 31-8-1983 तक की दो महीने की और अवधि के लिए अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी विभाग में तदर्थ आधार पर मौसम विज्ञान के महानिदेशक नियुक्त किया है।

> आर० एन० भार्गव, भ्रवर सचिव

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1983

सं ए० 32013/8/82-ईंग्(पार्ट)—-राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित विमान क्षेत्र अधिकारियों की तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति 30 जून, 1983 तक बढ़ा दी है:——

क्रम सं० नाम, सर्वश्री

- 1. एम० एस० मलिक
- 2. के० सी० विश्वास
- वी० वी० दिवाकर
- 4. एस० एल० बिण्वास
- 5. सी० बी० यदनायक
- एस० ए०' कृष्णन

म्य सं ० नाम सर्वेश्वीः	कम सं० नाम सर्वश्री
7. ए० सी० दास 8. इन्द्रजीत सिंह 9. वाई० पी० साहनी 10. जी० बी० सिंह 11. एम० एस० रावत	19. एच० बी० खुराड़ें 20. सी० बी० रार्यासवानी (30-11-82) जगदीभचन्द्र गर्ग, सहायक निदेशक प्रशासन कृते महा निदेशक नागर विमानन
 12. जे० पी० कपूर 13. एन० सी० एडबोरे 14. पी० एन० धनराज 15. ए० सं० जस्सल 16. जे० सं० कर्तानिया 17. शी० के० जैन 18. एस० बी० काम्बेले 	नद्द ादल्ली, विनाक 14 जुलाई 1983 सं० ए०-32013/3/82-ई० सी० (पार्ट)—-राष्ट्रपति ने रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री एस० डी० बंसल, तकनीकी अधिकारी को दिनाक 31-1-83 से छः मास की भवधि के लिए तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधि कारी के ग्रेड में नियुक्त किया है तथा उन्हें उसी कार्यालय में तैनात

दिनांक 16 जुलाई 1983

सं ए-32013/9/82-ई ० सी०--राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक संचार अधिकारियों को उनके द्वारा उच्चतर पद का कार्य-भार ग्रहण करने की तारीख से छ: मास की ग्रनिध के लिए संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है तथा उन्हें प्रत्यें के के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया गया है:---

क्रम सं०		नाम		,,,,		वर्तमान तैनासी स्टेशन	_	हार्यभार ग्रहन रने की तारी ख
	सर्वश्री बी० एन० करनजय	 _				वै० सं० स्टेशन, गुवहाटी	वै० स० स्टेशन, दिल्ल	T 31-5-83
	•	•	•	, •	•	-		(पूर्वाह्न)
2.	के० राजागोपालन्	•	•	•	•	वै० सं० स्टेशन, जामनगर	व० स० स्टशन, बम्बा	र्दे 7-5-83 (पूर्वाह्न)
3.	जी०के०राव .	•		•	•	वै० सं० स्टेशन, विजयवाङ्	ा वै० सं० स्टेशन, हैदराबाद	1-7-83 (पूर्वाह्न)
4.	एम० सुब्रहमण्यन्	•	•	•	•	षै० सं० स्टेशन, बम्बई	वै० सं० स्टेशन, बम्बर	
5.	एस० एन० दसा	•		•	•	वै० सं० स्टेशन, गुवहाटी	्वै० सं० स्टेशन, इलाहाबाद	13-6-83 (पूर्वाह्म)
6.	एंम० पी० कुलकर्णी	•	•	•	•	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	
7.	आर० एन० मुखर्जी	•			•	वै० स० स्टेशन, सिलचर ∦		सा 14-3-83
۰	पी॰ एन॰ कुप्प ुस् वामी					वै० सं० स्टेशन, मद्रास ·	आर० आर० सी० एस आफिस	ro, 10-3-83 (पूर्वाह्न)
		•	• .	•	•	्रिवै ० सं ० स्टेशन, महास	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	10-3-83
9.	एस० अरोकियम	•	•	•	. •	•		(पूर्वाह्न)

विनांक 18 जुलाई 1983

सं० ए० 38013/8/82-ई०-सं/०—नागर विमानन विभाग के बैमा निक संचार संगठन के निदेशक संचार के कार्यालय, बैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता से सम्बद्ध श्री ए० बी० सेनगुप्ता, सहायक तकतीकी अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर 30-6-83 प्रपराह्न से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

विनांक 21 जुलाई 1983

सं० ए-31011/2/81-ई० सी०—-राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सत्ताईस अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप में नियुक्त किया है:--

ऋम सं०	नाम			विनांक
	सर्वंश्री		_	
1.	विश्वनाथ .	•	•	9-7-79
2.	आर० सम्पत कुमारन्		•	1-8-79
3	यू० एन० सिंह		•	11-1-80
4.	पीं० के० बी० नायर		• 1	4-7-80
5.	डी ० के० चड़ा	, .		4-7-80
6.	जे० आर० डांवर			4-7-80
7.	वाई० पी० बन्ना		•	4-7-80
8.	एस० सी० दुग्गल			4-7-80
9.	श्रवण कुमार .			4-7-80
10.	के० विश्वनाथन्	• .	•	4-7-80
11.	पी० डी० खन्ना			4-7-80
12	कुलदीप सिंह .			4-7-80
13.	एस० सुन्दरारमन्			4-7-80
14.	एन० पार्थासारथी		•	4-7-80
15.	एम० के० पाल ्		•	4-7-80
16	आर० के० सिंघला		•	4-7-80
17.	वी'० अन्नतामूर्ति		•	4-7-80
18.	पी० जे० अय्यर			4-7-80
19:	एन० शंकर .		•	4-7-80
20.	एस० पी० जैन		•	4-7-80
21	कन्हैयालाल .			4-7-80
22.	ए० एन० श्रीवास्तव	• .	•	4-7-80
23.	जे० सी० गुप्ता	•	•	4-7-80
24.	एस० सी० दुरेजा	•	•	4-7-80
25.	एस० के० शर्मा		•	4-7-80
26.	रवि प्रकाश			4-7-80
27.	डी० के० शर्मा			4-7-80

विनांक 22 जुलाई 1983

सं० ए० 19011/24/80-ई० 2——महानिवेशक नागर विमानन के कार्यालय के श्री एच० बी० सिंह, निवेशक विमान सुरक्षा निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर 30 अप्रैल, 1983 अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> एस० के० अरोड़ा, सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1983

सं० ए० 32016/8/83-ई एस—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्निलिखित अधीक्षकों की प्रशासनिक अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति की अविधि उनके नामों के सामने दी गई तारीखों, तक अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, सामान्य शर्तों पर जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की हैं:—

क्रम सं०	नाम	तदर्थ आधार पर प्रणासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्ति किए जाने की तारीख
1 श्री	· एच०जी०दास .	19-5-83 से 31-7-83 तक
a a4	एस० आर० वर्मा	5-5-83 से 5-11-83 तक
ટ⊦ અહ	24110. 4-11	" • • • " •

दिनांक 23 जुलाई 1983

सं० ए०-38015/3/80-ई० एस०—क्षेत्रीय निवेशक का कार्यालय, दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के श्री एम० सी० माहे प्रशासनिक अधिकारी (समूह "ख" पद) ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप दिनोक 30 जून, 1983 अपराह्म को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

जे० सी० गर्ग, सहायक निवेशक प्रशासन

नई किल्ली दिनांक 15 जुलाई 1983

सं० ए० 12025/1/82-ई०डब्ल्यू०-संघ लोक सेवा मायोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने श्रं। एम० सुब्बाराय को विनाक 31 मई 1983 (पूर्वीक्ष) श्रीर श्रन्य श्रादेश होने तक नागर विमानन विभाग में ६० 1100-50-1600 के वेतनमान में वरिष्ठ विद्युत श्रीर यांत्रिक श्रिधकारी के पद पर स्थानापरन रूप में नियुक्त किया जाता है।

र्श्वा एम० सुब्बाराव को महानिवेशक नागर विमानन के कार्यालय नई दिल्ली में तैनात किया गया है।

सं० ए० 12025/1/82-ई० उक्त्यू०--संघ लोक सेवा आयोग की अनुशंसा पर राष्ट्रपति ने श्री सरताज सिंह ताज को दिनाक 30 मई, 1983 (पूर्वाह्म) से और अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में रु० 1100-50-1600 के वेतनमान में वरिष्ठ विद्युत् और यांत्रिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

श्री सरताज सिंह ताज को विश्वुत् और यांक्रिक वर्कशाप सफदरजंग एयरपोर्ट में तैनात किया गया है।

> ठाकुर दत्त, सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 22 जुलाई 1983

संव 1/11/83-स्था०—विदेण संचार सेवा के महा-निदेशक, एतद्ग्रारा मद्रास णाखा के वरिष्ठ फोरमैन, श्री एस० केलासुधन् को स्थानीय व्यवस्था के रूप में और तदर्थ आधार पर 17-1-83 से 3-3-83 तक की प्रविध के लिए अल्प-कालिक खाली जगह पर उसी भाखा में स्थानापन्न रूप से मुख्य यांत्रिक के पश पर नियुक्त करते हैं।

सं० 1/523/83-स्था० विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतब्द्वारा मद्रास शाखा के पर्यवेक्षक, श्री के० पी० सेल्बराज को उसी शाखा में 17 मई, 1983 के पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक नियमित तौर पर स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/523/83-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा मद्रास साखा के पर्यवेक्षक श्री के० पी० सेल्वराज को स्थानीय व्यवस्था के रूप में और तदर्थ आधार पर अल्पकालिक खाली जगह पर 19-3-83 से 23-4-83 तक की प्रविध के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

> वा० दि० कुलकणीं निदेशकः (प्रशा०) इते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय बड़ौदा, दिनांक 22 अप्रैल 1983

सं० 5/1983 — श्री वी० टी० मेघराजानी, सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन शृल्क, मण्डल-5, अहमदाबाद (वर्ग "क") वृधावस्था में पेन्शन की आयु प्राप्त होने पर दिमांक 31-3-1983 के प्रपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

सं० 6/1983---श्री सी० एस० सोलंकी, अधीक्षक, केन्द्रीय-उत्पादन शुल्क (वर्ग "ख") मण्डल-IXI अहमदाबाद वृधावस्था में पेन्शन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-3-83 के प्रपराहुन से निवृत्त हो गये हैं।

सं० 7/1983—श्री एस० जे० रावल, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुरूक (वर्ग "ख") आणंद मण्डल को दिनांक 7-4-83 से स्वैच्छिक आधार पर सेवा निवृत्त होने की अनुनति दी जाती है, क्योंकि उन्होंने 20 वर्ष से अधिक नी अहंक सेवा पूरी कर ली है।

दिनांक 4 मई 1983

सं० 8/1983—श्री पी० एम० पिल्लई, वेतन तथा लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (वर्ग "क") मुख्या-लय, बड़ौदा वृधावस्था में पैन्शन की आयु प्राप्त होने पर दिमांक 30-4-1983 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

> जे० एम० वर्मा, समाहर्ता केर्न्द्राय उत्पादन शुरुक

बड़ौदा, दिनांक 6 जुन 1983

सं० 9/1983---श्री सी० एच० जरदोश, वरिष्ठ अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (वर्ग "क") मण्डल-र्र, अहम-दाबाद वृधायस्था में पेन्शन की आयु प्राप्त होने पर विनांक 31-5-83 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 16 जुलाई 1983

सं० 10/1983--श्री एन० डी० भद्रेशा, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (वर्ग "ख") मण्डल-II बङ्गोद्धा दिनाक 10-6-1983 से स्वैच्छिक रूपू से निवृत्त हो गये हैं।

सं० 11/1983—श्री के० बी० वोरा, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय-उत्पादन शुरूक (वर्ग "क") मुख्यालय (तकनीकी) बड़ौदा वृधावस्था में पेन्शन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-1983 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

"सं० 12/1983—-श्री एम० आर० परांजपे, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन णुल्क (वर्ग "क") मण्डल-I बड़ौदा वृधावस्था में पेन्शन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-1983 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

सं० 13/1983 ---श्री जी० एम० देसाई, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुरूक (वर्ग "क") मण्डल-5, अहमदाबाद वृधावस्था में पेन्शन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-1983 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

सं० 14/1983 — श्री एस० एन० प्रधान, वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शृल्क (वर्ग "क") मण्डल-6, अहमदाबाद युधावस्था में पेन्शन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-1983 के अपराह्म से निवृत्त हो गये हैं।

सं० 15/1983 — श्री डी'० क्षे० ढेकाणे, अधीक्षक, केन्द्रीय-उत्पादन शुल्क (वर्ग. "ख") मण्डल-I^I **बड़ौदा वृधा**-वस्था में पेन्शन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-1983 के अपराहुन से निवृत्त हो गये हैं।

सं० 16/1983—-श्री सी० के० शाह, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (वर्ग ''ख'') मण्डल-II बड़ौदा दिनांक 1-7-1983 से स्वैच्छिक रूप से सेवा निवृत्त हो गग्ने हैं।

सं, 17/1983—-श्री एसं जे० थान्की, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क (वर्ग "ख") मण्डल-4 बड़ौदा दिनांक 1-7-1983 से स्वैच्छिक रूप से सेवा निवृत्त हो गये हैं। एन० बी० सोनावणे समाहर्ता,

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क,

महानिदेणालयं (निर्माण) केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

 श्री एस० पी० माधुर जो कि सम्प्रति आई०सी०ए०ओ०, जसोथी में प्रतिनियुक्त है, द्वारा स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति के दिनांक 16-5-1983 के नोटिस को स्वीकार कर दिया है। तदनुसार श्री माथुर 30-6-1983 (दोपहर बाद) सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 22 जुलाई 1983

सं० 27-एस०/जे० (4)/70-ई०सी०-2—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के अधीक्षक इंजीनियर (सिविल) श्री डी० एन० जोशी द्वारा स्वैष्ट्या से सेवा निवृत्ति के विनाक 28-2-1983 के नोटिस को स्वीकार कर विया है। तदनुसार श्री जोशी 5-3-1983 (पूर्वान्ह) सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

सं० 27-ई०ई०/सी० (14)/76-ई०सी०-2--भारत के राष्ट्रपति ने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत्) श्री ए०सी०ई० कोरेरा के सरकार की सेवा से निवृत्ति से संबंधित स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के नोटिस को स्वीकार कर लिया है। तबनुसार श्री कोरेरा को 31-5-1983 की पूर्वार्न से सेवानिवृत्त किया जाता है।

सं० 27-सी०/टी० (1)/81-ई०सी०-2,---राष्ट्रपति ने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के मुख्य इंजीनियर (सिविल) श्री एम० एस० तेलंग द्वारा स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति के विनांक 17 मई, 1983 के नोटिस को स्वीकार कर लिया है। तदनुसार श्री तेलंग 15-5-1983 (पूर्वाह्रन) सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

श्रीमिति नीना गर्ग उपनिदेशक (प्रशासन)

विधि, त्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय, (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी अधिनियम 1956 और लाइसुर ड्रग्स एन्ड केमीकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, विनांक 21 जुलाई 1983

सं० जी० स्टेट/3896/2877 — कम्पनी अधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लाइसुर ड्रग्स एन्ड केमीकल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृत कारण धींगत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर वी जाएगी।

"कम्पनी अधिनियम 1956 और सीमेंट फैक्किन्स (इन्डिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। जालंधर, दिनांक 21 जुलाई 1983

सं० जी० स्टेट/560/3022/2879 — कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के 3—196G1/83 अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सीमेंट फैंबिक्स (इन्डिया) प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिन्कूल कारण दिशान न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी ।

> बी० एम० जैन कम्पनी रजिस्ट्रार पंजाक, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम 1956 और सप्लाई सिंडिकेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 19 जुलाई 1983

सं० 33667/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर सप्लाई सिंज्जिकेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और रोस्टार फूड प्रडाक्टस् प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

भलकत्ता, दिनांक 19 जुलाई 1983

सं० 30873/560(3) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर रोस्टार फूड प्रडाक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और छोटानागपुर माईका सिंडिकेट (1932) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 19 जुलाई 1983

सं० 7435/560(3) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (.3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना वी जाती हैं कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर छोटानागपुर माईका सिंडिकेट (1932) प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण विश्वत न किया गया तो रजिस्ट्रर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और इकार साडेलो एयारकाफ्ट कारपेरिशन (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 19 जलाई 1983

सं० 9573/560(3) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर इकार साडेलो एयारकाफ्ट कार्पोरेशन (इंडिया) प्रार्डवेट लिमिटङ का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्णित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ए० सि० ई० इलेक्ट्रिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 19 जुलाई 1983

सं० 29073/560(3) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर ए० सि०ई० किलैक्ट्रिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायगी।

> एस० श्रार० वि० वि० सत्यनारायन कम्पतियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स वेदीका फायनेन्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड, इन्दौर के विषय में ग्वालियर, दिनांक 22 जुलाई 1983

क्रमांक 1302/सी० पी०/939 — क्रम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैंसर्स वेदिका फायनेन्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड, इन्दौर का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सैना कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश, ग्वालियर

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना का कायलिय
शुद्धि-पक्ष

नोटिस 269 डी॰ (1) के अनुबन्ध 2, मास्टर प्रदीप सिंह मुंजराल का नाम निम्नलिखित पढ़ा जाएें :—
"मास्टर रणदीप सिंह मंजराल"

सुखदे वचन्त्रः (ह०) ग्रपठनीय सहायक ग्रायकर भाणुक्तः (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, लिधयाना प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 जलाई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/11-82/15—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्ताम करने का कारण है कि स्थावर संपिता, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० यू० बी०-12 है तथा जो 21, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर आधिनियम, 1961 के अधीन, नारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह रिक्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोध्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उल्ल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विभा के लिए; आरे/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) अंसल प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०, 115, अंसल भवन, नहीं दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री धर्म प्रकाश, श्रीमती आशा प्रकाश, निवासी डी-37, कालकाजी, नई दिस्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध नो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य श्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० यू० बी०-12, 21, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली तादादी 360 वर्ग फीट ।

नरेन्द्र सिह्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख : 6-7-1983

प्रक्ष वार्षः, टी., एम्., एस्.,------

भायकर माधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

आरत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई विरुली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/11-82/ 16--अत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपहित जिसका उचित वाबार मृन्य 25,000/- रूज. से अधिक है

और जिसकी सं० यू० बी-11 है तथा जो 21, बारखम्भा रोड, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कर्मिस नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त लिख-नियम के जभीन कर बोने के अस्तरक के वाधित्य में कभी करने या उत्ते बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय पा किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) अंसल प्रापर्टीज एण्ड इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, 115, अंसल भवन, नई दिस्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री धर्म प्रकाश, आशा प्रकाश, निवासी बी--37, कालकाजी, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त तम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेपत्र---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अवधि वाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ध्रितयों में से किसी स्पित्त द्वारा;
- (स) इस सूचना क राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्ष्री के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीक रूणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट मं० यू० बी०-11, 21, बाराखंभा रोड, नई दिल्ली सावावी 370 वर्ग फीट ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 6-7-1983

प्रकृष् आर्चः दी. एन्. एस्.-----

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मुभीन सुम्ता

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 जलाई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/11-82/ 17-अतः मझे, नरेन्द्र सिंह

आयक्तर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 120 है तथा जो बिल्डिंग नं० 9, भिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान शितफल के सिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्निजित्ति उव्योध्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्त्विक रूप से किशत नहीं किया नवा है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आयुक्ती बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने के अंसरक के दायित्व में कभी करने था उत्तरे बुक्त में सूबिशा की लिए; बार्ट/वा
- (क) ऐसी किसी जान मा किसी धून मा अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) सोमयस बिल्डर्स प्रा० लि०, 56, कम्युनिटी सेन्टर, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली-65 ।

(अन्तरक)

(2) भनोत प्रापर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०, 102, 103 राजा हाऊस, 30~31, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक की 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जनत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 120, पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० 9, भिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 361 वर्ग फीट ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1, नई दिल्ली

तारीख : 6-7-1983

मोहर ः

मक्प माई• टी• एन• एस•--

आयकर पश्चितियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 26%म (1) के प्रधीत सूचना

भारत बर्कान

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/11-82/ 18-अतः मझे, नरेन्द्र सिंह,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूक्य 25,000/- इ॰ से प्रधिक है

और जिसकी सं० 128/9 है तथा जो भीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, वर्षक दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह्म प्रतिकात से प्रक्षिक है भीर भन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, इक्त प्रक्रिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने पाउससे व्यक्ते में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अनकर प्रधिनियम, या अनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री अशीक रतन, निवासी बी-2/73, आजाद एपार्टमेंट्स, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 (2) मैं० भानोद प्रापटींज एण्ड इंन्डस्ट्रींज प्रा० लि०, 102-103, राजा हाऊस,
 30-31, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-19 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उत्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकामन की तारीज से 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, वौ भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीश्वरण:--इसमें प्रपृक्त शब्दों और पर्दों का, जो खकत अधिनियम के मध्याय-20क में परिभाषित है, यही सर्व होगा जो छस मध्याय में विया बया है।

अनुसूची

भाप नं० 128, पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० 9, भिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, एरिया तादादी 126 वर्ग फीट ।

> नरेद्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 6-7-1983

मोहरः

प्रस्य नाइं.टी.एन.एड. -----

बायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीत सुचना

भारत सुरुकार

कार्यालय, सहायक बायंकर बाय्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/11-82/ 19-अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रुपये से अधिक ही

और जिसकी सं० 103/9 है तथा जो भीकाजी कामा प्लस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवस्बर, 1982

का पूर्वा बत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके टर्यमान प्रतिफल से, एक र्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भागकी जानत, रुचक अधिनियम के त्रधीन कर दोने के जन्तरक के बाबिरव में कमी करमें या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य क्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के सिए;

(1) सोमदत्त बिल्डर्स प्रा॰ लि०, 56, कम्युनिटी सेन्टर, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली--65 ।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश वर्मा और श्री प्रेम प्रसाद, निवासी 5-एच, 51-ए, एन० आई० टी०, फरीदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूजेंक्त संपर्तित के अर्थन के लिए कार्यशाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितनकृष किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्यक्कीकरणः --- इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उनके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं क्षं होगा को उत अध्याय में दिय यवा है।

वनुसूची

दुकान नं 103, पहली मंजिल, बिल्फिंग .- ८, भीकाओ कामा प्लेस, नई विल्ली, तादावी 208 वर्ग फीट।

> नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीज, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

तारीख: 6-7-1983

प्रकृष वार्व द्वी पुन् पुर्व वानावाना

आयक र अधितियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-च (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य्०/1/37ईई०/11-82/22--मतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रुवे परवात् जिस्त को धिन्यम कहा गया है), की बारा 269-क के अभीन सक्तम प्राह्मिकारों को यह दिववास करने का अप्रकृष्ट कि स्वाव्द सम्पत्ति, हिन्सका जिल्हा वाचार मुख्य 25,000/-क. से अधिक है

और जिसकी सं० 805/76 है तथा जो देविका टाथर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर आधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती । अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-पल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :--- (1) मै० एव० के० क्रोस, 134, मजीद टावर खान, नया क्रांस, दिस्लीं—6।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मार्ग मलहोत्ना पत्नी श्री सतीश कुमार मलहोत्रा, निवासी 46-44, 218, स्ट्रीट बेयसाइट, न्यू थार्क द्वारा जनरल श्रटानी श्री प्रेम मलिक, निवासी ई-35, किसी नगर, नई विल्ली-15 ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के मुर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के नर्जन के बुव्यन्त में काई ही आर्मपूर्व---

- [क) इस स्वान के प्रावप्त में प्रकारण की तारीय से
 45 दिन की अन्तिय या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी
 नविध बाद में समाप्त होती हो, में भीत्र प्रवेक्त
 व्यक्तियों में से दिन की व्यक्ति क्षाप्त
- (क) इस स्थान के राजपूत्र में प्रकाशन की वार्रीक से 45 विन् के शीवर उपल स्थायु संपृत्ति में हित्तवृथ कियों जन्म महिन्द प्रवाहा स्थाहस्तालहीं के पास सिहित में किए वा सकेंगे।

स्यव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

maran A

प्रो० नं० 805 देविका टावर, 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली तादादी 325 वर्ग फीट ।

> नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 6-7-1983

प्ररूप आर्थ, टी. एन, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ् 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई बिल्ली, दिनोंक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/11-82/ 25---अत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 1105/7 है तथा जो टालस्टाय मार्ग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योदयों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उनका अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैं ॰ अंसल प्रापर्टीज एण्ड इंडस्ट्रीज प्रा॰ लि॰, 115, अंसल भवन, 16, के ॰ जी॰ मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती संध्या अस्थाना, निवासी डी-36, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

क्रो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खें) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से. 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं॰ 1105, 7 टालस्टाय मार्गे, नई दिल्ली, ताबादी 268 वर्गे फीट ।

> नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-1, नई दिल्ली

सारीख: 6-7-1983

प्रकप आहर् .टी .एन .एस . ------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन मृच्या

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

. निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/11-82/ 24--श्रतः मुझें, नरेन्द्र सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं भकान नं 11 है तथा जो ब्लाक बी-2, सफदर-जंग डेबलपमेंट निवासीय पोजना में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिरों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्मरण से हुक किसी भाग की बाबत, उक्स अधिनिश्रम है प्रीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिय था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित् :--- (1) श्री प्रभु दयाल डज़ीवाला, निवासी 8, डाक्टर लेन, गोल मार्केट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीण प्रसाद गुप्ता (एच० यू० एफ०), श्रीमती लता गुप्ता पत्नी श्री जगदीण प्रसाद गुप्ता, श्री प्रदीप कुमार (माइनर) सुपुन्न श्री जगदीण प्रसाद गुप्ता, निवासी ए-2/144, सफदरजंग इन्क्लेव, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की बविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्यीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कन्यों जौर पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के बन्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

मकान नं० 11, ब्लाक बी-2, सफदरजंग विकास निवासीय योजना, नई दिल्ली तादादी ग्राउण्ड फ्लोर 1800 वर्ग फीट, पहली मंजिल--1800 वर्ग फीट, बरसाती--500 वर्ग फीट।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 6-7-1983

प्रकार आही. टी. एच. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/11-82/27---अत: मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 617/6 है तथा जो देविका टावर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयकर आधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नि में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिक्त के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिल्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में गृतिशा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नतिस्तित स्पक्तिरमों सर्थात्—ः (1) श्रीमती सुमित्रा नरायनी और कुमारी बिन्दु नरायनी, निवासी ए-289, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती देवेन्द्र मोहिनी खन्ना और मास्टर राहुल खन्ना (माईनर), निवासी सी-1/17 सफदरजंग डेवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

एक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्यक्ष्यक्षी अविकासों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हों, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तिस्य के से रहे कि स्वीक्त स्वाहित्य के से रहे कि स्वाहित्य हैं
- (क) इस स्मना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भक्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास विकित में किए जा सकेगे।

स्यक्तीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्दो का, जो नकतः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्लैंट नं० 617, देविका टावर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली , तादादी 560 वर्ग फीट ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीखाः 16-7-1983

पोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस . --=----

भावकार भौभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारतं सरकार

कार्यालय्, सहायक जायकर जायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/11-82/ 26---अत: मुझे, नरेन्द्र सिंह

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शाक पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. ते अधिक है

और जिसकी सं जी- 9 है तथा जो हंसालय बिल्डिंग, 15, बाराखभा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नथम्बर, 1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान मित्रक के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, हुने दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-काल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उसते इचने में सुविधा के सिए; औष्ट/या
- (प) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर विधिनियम, या अन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किना जाना आहिए था, जियाने में सुनिधा के निए;

अतः अव, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन_{मा} निम्निलिखित व्यक्तियों। अर्थात् संस्थ (1) ओ० पी० कपूर एण्ड सन्स,
 (एच० यू० एफ०),
 डब्स्यू० 24, ग्रेंटर कैलाग-1,
 नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र मोहन, निवासी 12, लखनऊ रोड, दिल्ली:—7
 श्री विरेन्द्र मोहन,
 13, लखनऊ रोड, विल्ली:—7 ।

(अन्तरिती)

फो बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के नर्चन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकांकन की तारील के 45 दिन की जबिध या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में दितवढ़ किसी शन्य स्थावत द्वारा, अधोत्त्रसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकर्णः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पृथों का, को उपत् क्रीभिनयन, भी वश्याय 20-क में प्रिशादिक ह⁵, वही वर्ध होगा को उस क्ष्याय में दिशा गया है।

जन्स्ची

फ्लेट नं० 9-जी, हंसालया बिल्डिंग, 15, बाराखंभा रोड, नई दिल्ली, तादादी ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

ता**रीख**ः [6-7-1983

मोह्र 🛭

प्रकृष भाष . टी., एम्. एच्.,-च्या-न-क

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्धीन सूचना

शारत चरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/11-82/

28--अत: मु, झो नरेन्द्र सिंह,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 हुए से अधिक हैं

और जिसकी सं० डी-14 और 15 है तथा जो पुष्पांजली, बिजवाणन, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, नारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्त-विक रूप से किथात नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरम वे हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्निचित्रत व्यक्तियों, अर्थात् व्र (1) अंसल प्रापर्टीज एण्ड इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, 115, श्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रेनु शर्मा, निवासी ई-12, ग्रीन पार्क (मेन), नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुमन् जारी करके पृत्रों का सम्पृतित के वर्णन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

ज्ञान बुम्पृत्ति के अर्थन के बुम्पृष्ध में कोई भी जाक्षेप्≥ल

- (क) इस सूचना की राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृद्दोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इद तुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धु किसी वस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्म्थ्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्यों का, जो उक्त अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही नर्भ होगा को उस अध्याय में दिया क्या हैं 12

अनुसूची

फार्म नं वी-14 और 15, तादावी 2.5 एकड़ जी पुष्पांजली, एरिया बिजवाशन, नई दिल्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारी**ख** : 6—7—1983

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/11-82/ 14--अत: मझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं 1402/98 है तथा जो हेमकुन्त टावर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप्र से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर उपाल्या 1061 के अपीन नारीय नामार 1982

अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं० संतोश बुसर,
 ए-50/1 ओखला इंडस्ट्रीयल एरिया,
 फेस-II, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जोगिन्द्र कौर पत्नी स्व० एस० सोहन सिंह कोहली और श्रीमती जगमोहन साहनी पत्नी एस० रिवन्दर सिंह साहनी, निवासी जे—162ए, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली-27

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होया जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

प्रो० नं० 1402, हेमकुन्स टावर, 98, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, सावादी 440 वर्ग फीट।

> नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 6--7--1983

प्ररूप आर्ड. टी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा . 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 250/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रह. में अधिक है

और जिसकी सं० एफं० नं० 504 है तथा को श्रीनिवास टावर्स बेगमपेट, हैदराबाद में स्थिन है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्युलिय, बल्लभनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किमी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था जिल्पाने में सुविधा के लिए;

अतः अकः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीप, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) मैसर्स श्रीनिवासा बिल्डर्स प्रा० लि०,
 एम नं० 1-2-583/4/ए,
 रामचन्द्र मिशन रोड,
 हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० राजन, 17, पेगा कालोनी, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

फ्लैंट नं० 504, श्रीनियासा टावर्स, 'ए' एम० नं० 6-3-1187, बेगमपेट, हैदराबाद विस्तीर्ण 1600 चौ० फुट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2209/92, रिजस्ट्रीकर्ता क्षधिकारी, वस्लभनगर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-7-1983

प्ररूप जाइ. टी. एन. एस. ------

यायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)की भारा 269-थ (1) के संजीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 251/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६ तके पणवात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गजार मृत्य 25,000/- छपये से प्रिक्ति है और जिसकी सं० एफ नं० 404 है तथा जो श्री निवासा टावर्स, सेंगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभ नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के वृत्र्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, तमके वृत्र्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृत्र्यमान प्रतिफल का पन्त्रष्ट प्रतिकृत से प्रधिक है और मन्तरक (जन्तरकों) धौर मन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नविधित जहेश्य से उनत सन्तरण लिखित व बाल्सिव इप स कथित नहीं किया। गया है!---

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधिन कर देने के अस्तरक से दावितन में कमी करने या इसते बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (बा) ऐसी किसी प्राप पर किसी प्रत या भन्न आस्तियों को, जिन्हों भारतीय प्राय-कर पश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धत-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए वा छिपाने में भविधा के लिए;

श्रत: भव, उत्तर मिनिनम की बारा 269-य के मनुसरण में, में, उक्त श्रीविनयम की बारा 269-म की अपबारा (1) के अभीन, निम्नलिबित व्यक्तिकों, अर्थाव् :--- (1) मैससं श्रीनिवासा बिल्डसं प्रा० लि०,
 1-2-593/4-ए,
 रामचन्द्रा मिणन रोड,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ऊषाकिरन लाल, 902, श्रीनिवासा टावर्स 'ए', बेंगमपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हु—।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धासेप !--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण से 45 वित की अवधि या तरमंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 वित की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती तो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होरा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 विन के भीतर उचत स्थावर सम्मत्ति में हितवह किसी भस्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास जिक्ति में किये जा सकींगे।

स्वक्तीकरण :-- इसमें प्रयुक्त गन्दों ग्रीर-पदों का, जो उक्त ग्राध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रय होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गरा है।

अन<u>ु</u>सुची

पलैट नं ० 404, श्रीनिवासा टावर्स 'ए', बेंगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1600 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 2210/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वस्लभ नगर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैवराबाव**

ता**रीख:** 8-7-1983

मोहर

प्ररूप आर्इ. टी, एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 252/83—84—अतः

मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 906 है तथा जो श्रीनिवासा टावर्स, बेंगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है). र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभ नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्च रय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्) एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 5---196GI 83

(1) मैं० श्रीनिवासा बिल्डर्स प्रा० लि०,
 1-2-593/4 ए,
 रामचन्द्रा मिशन रोड,
 हैदशुबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० क्रष्णास्वामी आयंगार पार्टनर मैसर्स आमीत इस्टेट, 'थीलोथमा', घर नं० 6-3-853/1, जेंगमपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं० 906, श्रीनिवासा टावर्स बेंगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1600 चौ० फुट, र्राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2218/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वल्लभ नगर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त. (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 8-7-1983

प्रक्प आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निंदेश सं० आर० ए० सी० नं० 253/83-84--अतः मुझे, एम० जेगम मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 507 हैं तथा जो श्रीनिवासा टावर्स, बेंगमपेट, हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभ नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयगान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैंसर्ज श्री निवासा बिल्डर्स प्रा० लि० 1-2-593/4-ए, रामचन्द्रा मिणन रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चीत्रा कपूर, फ्लैंट नं० 507, श्री निवासा टावर्स 'ए', बेंगमपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वां की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त गड़्यों और पूर्वे का, ज़ो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

पलैट नं० 507, श्रीनियासा टावर्स 'ए', बेंगमपेट, हैवराबाव, विस्तीर्ग 1700 चौ० फुट, र्राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2211/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वल्लभ नगर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अ़र्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-7-1983

प्ररूप आर्ड, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाब, दिनांक 8 जलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 254/83-84—अतः मझें, एम० जेंगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 307 है तथा जो श्रीनिवासा टावर्स, बेंगमपेट, हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभ नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हिखित में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- ्(क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैंसर्स श्रीनिवासा बिल्डर्स प्रा० लि०, 1-2-593/4-ए, रामचन्द्रा मिशन रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स यूनियन कारबाइड इण्डिया लिं०, फ्लैट नं० 307, बेंगमपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त जिंधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

पलैट नं० 307, श्रीनिवासा बिल्डर्स, बेंगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1700 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2243/82; रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वल्लभ नगर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-7--1983

सोहर :

प्रस्प आई. टी. एन. एस.-----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सुभ्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० अ।र० ए० सी० नं० 255/83-84 अत: भुक्षे, एँम० जेंगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 15/6-598 से 603 है तथा जो सिदम्बर बाजार हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्त, जिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानी में स्विधा के लिए;

अतः, अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भे अधीन, निम्निसिंत व्यक्तियों, अर्थात् :--- '1) श्री महादेव और अन्य, 15-6-419, बेगम बाजार, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2) श्री मुकुन्द लाल और अन्य दो, घर नं ० 4-1-1056, (फर्स्ट फ्लोर), बोगुलकुण्टा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, सो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी से पाच लिस्ति में किएं जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, श्री उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

ं घर संगत्ति नं० 15-6-598 से 603, सिदम्बर बाजार, हैंदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7820/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० अगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निलीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख : 8-7-1983

प्रकप बाई.टी.एन्.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 256/83-84- अतः मुझे, एम० जेंगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्लंट नं० 611 है तथा जो रेड हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; बार्-श्रा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) मैसर्स भाग्य नगर कन्स्ट्रक्शन कं० बाई
 श्री वीन वयाल,
 11-4 656/1,
 रेड हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीता बेबी पत्नी
 श्री जमना दास घनश्याम दास,
 फ्लैंट नं० 611,
 एम० नं० 11-4-656/1,
 रेख हिल्स, हैदराबाद ।

(अन्सरिती)

को यह स्थाना जारी करके प्वांकित सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गृंगा हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 611, एम० नं० 11-4-656/1, रेड हिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1218 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2141/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खैरताबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

सारीख : 8-7-1983

प्रक्य **गाइ** , टी. एन्., एस्.,-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269-मुं(1) के मुनीन सुनना

नारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 257/83-84--अतः मुर्झे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं 11-5-393 से 396 है तथा जो रेड हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कद्भ दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आम या किसी भन मा अन्य जास्तियों को, जिन्हु भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) श्रीमती तायबा बेंगम,11-5-327/1,रेड हिल्स हैवराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री भीर आसादुल्ला गाहा कादरी 10-3-761/36 विजय नगर कालोनी हैदराबाद ।

अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिन्त- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यकिरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जे उनक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नं॰ 11-5-393 से 396 रेड हिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 360 चौ॰ गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 2110/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खैरसाबाद ।

> एम० जेगन मोहन र्रे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-7-1983

प्ररूप आहें , टी , एन , एस , - - - ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 258/ 83-84-अतः मुझो, एम० जेगन भोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हुँ

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 23 है तथा जो बेंगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लम नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1909 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्ने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था जा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधां के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री के० व्ही० गाइड़न ,
 5-9-552, गन फाउण्ड्री, ,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मसर्स अशोक विहार को-आपरेटिय हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी, बाई सेकेंटरी: श्री ठेंगने, नेशनल मीनरल डेंबलपमेंट कारपोरेशन, 6-3-653, सोमाजीगुडा, हैवराबाद ।

(अन्सरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

खुली जमीन प्लाट नं० 23, भेथडीस्ट कालोनी, बेंगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 340 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० .2241/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वल्लभ नगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-7-83

मोक्षर:

प्ररूप आई.टी.एन:एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 259/83-84-अतः मुझें, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6-3-1216/91 है तथा जो बेंगमपेट, हैदरम्बाव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और एणं रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वल्लभ नगर में रजिस्ट्रीकरण अपधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह जिर आस करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरकं के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) डा॰ जो॰ एस॰ मुर्ती; घर नं॰ .126 एस॰ डी॰ रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) डा० ई० ए० रामस्वामी,
 घर नं० 6-3-1216/91,
 मेंथडीस्ट कालोनी, बेंगमपेट,
 हैदराबाध

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्वाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति नं० 6-3-1216/91, मेंथडीस्ट कालोनी, बेंगमपेट, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2236/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बल्लभ नगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

अतः अस, उक्त आधानयम का धारा 269-ग क अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिय, अर्थात् ः—

तारीख: 8-7-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश **हा**ं आर० ए० सी० नं 260/83-84—अतः मुझें, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं प्रतिट है तथा जो ए० सी० यार्डस, हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनिमि, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 (1) मैसर्स वेंकटरमना कन्स्ट्रक्शन कों०, बाई श्रं∴सी० एच० कुल्णाराव, डी-4, मातृश्री एपार्टमेंट्स, हैदरगुडा, हैदराबाद ।

(अन्त**रक**)

(2) श्रीमती आलिया बेगम,
 घर नं० 8-2-351/1,
 रोड नं०3, बंजारा हिल्स,
 हैरराबाद ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितवह्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पतिद प्रथम तल, एम० नं० 11-4-634/1 और 2 एं० सी० गार्डस्, हैदराबाद विस्तीर्ण 2960 चौ० फीट, रिजे-प्रोफ्त विशेष नं० 7658/82, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आपुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

. अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

नारीख : 8-7-1983

मोहरः

5 - 1957 1 83

प्र<u>रूप</u>्त वार्दः टी. एन. एस., -----

आयकर अधिनिय्म., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैतराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 261/83-84--अतः मुक्ते, एम० जेगन मोहन

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस्की पं० पलैट है तथा जो ए० सी० गार्डस्, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्वयमान प्रतिफल में, एसे क्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलियित उद्देश्य से जक्त अंतरण लिखित में बाम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उज्ले अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के किए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;-

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

(1) मैंसर्स वेकटरमना कस्ट्रक्शन को०, बाई श्री सी० एच० कृष्णाराव, डी 4, मातृश्री एपार्टमेंट्स, हैदरगुड़ा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री सैय्यव मकबूल आलम,
 घर नं० 8-2-351/1,
 रोड नं० 3, बंजारा हिल्स,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूधना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैक के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायण सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट प्रथम तल, प्रेंमीलेस नं० 11-4-634 और 634/1 और 2, ए० सी० गार्डस्, हैदराबाद विस्तीर्ण 1050 चौ० फोट, रिजस्ट्रोकृत विलेख नं० 7659/82, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैदराबाद**

तारीख : 8-7-1983

प्रकल आहाँ.टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० म्रार० ए० सं:० 262/83-84---भ्रतः

मुझे, एम० जेगत मोहत,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जिक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-धा क ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं 10-4-25 है तथा जो मसाब टैंक, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अकिकारी के आर्यालय, हैदराबाद में रिजर्ड़ाकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अथीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके रश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत्रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से अधिक नहीं किया गया हैं।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (श्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्री मिर्जा विलायत अली और अन्य जीव पोव एव, श्री क्षेत्रिड, आरव का मारान, 4, डायमंड हारबर रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुबा फातिमा,
 घर नं० 16-8-436/1/2,
 मलक,पेट, हैदराबाद ।

(अन्तरिसी

का गृह सूचना जारी करके पृत्राक्तत सम्परित् के अर्थन के निए। कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ता में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

'घर सम्पत्ति मासाव टैंक, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7563, 7564 और 7565/82, रिजस्ट्रीकर्ता ॄ्रैंअधिकारी हैदराबाद ।

्एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैबराबाद

तारीख: 8-7-1983

श्रक्ष वार्द् . टी . एन . एस . ------

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-म (1) के मधीन** सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 263/83-84--अतः मुझें, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा़ गया है, की भारा 269-ख के अधीन समन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छन्ति बाजार मृत्य 25,000/- दें से अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-30 है तथा जो अणीर बाग, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1008 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकार अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरितीं (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिशा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, जिपाने में गृविश के लिए;

अतः, भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात् :— (1) मैंसर्स भारत बिल्डर्स, बगीर बाग, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रेनुका मोर एलियास रेनुमोर, 5-9-30, बसीर बाग, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रशेक्त सम्पत्ति की वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 किन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 किन की अविधि, जो भी जबिध साद मा समाप्त हाती हो। के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तित्यों में साफित होती व्यक्ति दावारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपता स्थावण मम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उस्त अधिनियम के अध्याय 2.0-क में परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विका गुना है।

अनुसूची

पलैट नं० 5-9-30, बणीरबाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1300 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7740/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराब्राद

तारीख : 8-7-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आर्च्, टी. एन्. एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक,र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 264/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-30 है तथा जो बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उधित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके ६ श्यमान प्रतिफल से, इस इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कार अस्तिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अत्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :----

(1) मैसर्स भारत विल्डर्स बसीर बाग हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मदन लाल णरत कुमार मोर, चेरीटेबल ट्रस्ट, 5-9-30, बसीरबाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शुक्यों और पदों का, जो उक्त विधिनियमः को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यनसंची

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-7-1983

प्रकार कार्र, टी. एन्, एस्. --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 265/83-84-अतः मुझ, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० 5-9-30 है तथा जो बसीरबाग, हैंदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस्ति उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिसित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दन के अन्तरक क दावित्व में कमी करने भा उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (था) ऐसा किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अर्थ उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मसर्स भारत विल्डर्स, बसीरबाग, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आमीना खटून,5-9-30, बसीरबाग,हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हुं।

उसत रूपित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध आह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में संक्रिमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन को सारीस से 45 दिन को भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति मे हित-बब्ध किसी अन्य क्राक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखिस मा किए जा सकी ।

स्पाकतीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त, अधिनियम की अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होया जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

प्लैंट इन 5-9-30, बसीरबाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 3000 घौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत ,विलेख न० 7739/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9~7-1983

मोहरु ।३

बरूप सार्घ. टी. एन. एस. ----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 266/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं011-68 लोड आर है तथा जो गोदाम, संगारेड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, मेदक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वाक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान गितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह गितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा गितफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुंद किती जाय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दक्ते में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥——

(1) श्रीमती फकीर्हानसा बेगम और अन्य 4, 17-9-57, कुरमागुडा, हैंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री हाफिज मोहम्मद उस्मान पिता लेट रफीज मोहम्मद, हसन, मोगलपुरा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के गर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वना के युवपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षें का, जो उक्त अधिनियम के सध्याय 20 क में पीरभाजित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गुया है।

मन्सूची

भूमि और गोदाम नं० 11-68, संगारेड्डी, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4931 और 4888/82, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी, में π

एम० जेगन मोहर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 8-7-1983

परूप आईं. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 267/83-84—अत: मुझे, एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु सं अधिक है और जिसकी सं० 4-1-10/बैं०/9/1 है तथा जो तिलक रोड, हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजन है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा सिया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।
- अतः अतः, प्रका प्रियमिक्त की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मो अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्रीनती लक्ष्मीयाई पित सी मदन लाल अग्रवाल, 4-1-10/बी/9/1, तिलक रोड, हैदराबाद।
 - ं (अन्तरक) हांतिशार्ट प्रदेल पिता
 - (2) श्री कांतिभाई पटेल, पिता श्री दोरी भाई पटेल, 3-5-347, नारायणगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथेंक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: --- .

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्यव्दोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया 'गया हैं।

अनुसूची

घर संपास नं॰ 4-1-10/बी/9/1, तिलक रोड, हैदराबाद रिजस्ट्रं कृत विलेख नं॰ 7603/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिक।री हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-7-1983

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 268/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-297 और 298 है तथा जो द्रप बाजार, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गर्द है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (ख) अन्तरण से हुई िकसी आब की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- . (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों. जेन्हें भागतीय आय यह विधिनियम. 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोग नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्नीलिखित व्यक्तिया, अर्थात्:---

7-196 G1/83

(1) श्री सी० पी० कृष्णा कुमार, पिता श्री पी० पद्मया, घर नं० 3-5-32, रामकोट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2), श्री मीर अक्राहिम अली हाणमी पिता लेट मीर वजीद अली हाणमी, कोटला अलीजा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरः करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अत्रिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति नं० 4-1-297 और 298, ट्रप बाजार, हैदराबाद, विस्तीर्ण 182 चौ० गज और पिलथ एरिया 784 चौ० फीट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 7901/82, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 8-7-1983

सोहर 🖫

प्रकप बाइ . टी . एन . एस . -----

बाएकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-2 (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 269/83-84—अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 5-3-617 और 618 है तथा जो शंकर बाग, हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को प्यों नित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों नित सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नित उद्देश्य से उन्त अन्तरण किहत में वास्तिवक हम से किथत नहीं विधा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; स्पैर/या
- (ख) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री शहा गह्नरचन्द पिता श्री शाहा गनेशमल जैन, 5-2-967, निजाम शाही रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री बादामी लाल पिता लेट श्री तावर चन्द शाही, 5-3-629, तोपखाना रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगें।

स्यव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मलगीज एम० नं० 5-3-618 और 617, शंकर बाग, उस्मान गंज, हैदराबाद, विस्तीर्ण रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7884/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

बायकरु अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांभ 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 270/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है तथा जो नारायणगुड़ा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चं किड पर्ला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घर्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उस्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन हैनम्नुसिस व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती विजयता देवी पति एम० अशोक रेड्डी, 3-5-1039, नारायणगृडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० मोहन रेड्डी, अध्यक्ष, नोहायत राज टीचर्स एसोसिएशन, 27/ए, ओल्ड एम० एल० ए० क्यार्टर्स, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुयारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबदृश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

. स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 330 चौ० गज, नारायणगुडा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1031/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चीक्कडपल्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-7-1983

मोइर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन्.एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 271/83-84—यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की शारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6-176/ए बी, सी, है तथा जो हिमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या

(1) श्रीमती सईदा मिर्जा पति लेट मिर्जा मुजांबा अली और अन्य, 3-6-176/एं, बी, सी, हिमायत नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री इशरातुल्ला खान पिता शमशूला खान, 16-3-533, चेंचलगुड़ा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 145 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्छीक कण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधानसम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति नं० $3-6-176/\sqrt{0}$, बी, सी, हिमायत नगर, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7512/82, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैवराबाद**

अतः जब, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मै, उक्त अभिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-7-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 272/83-84-अतः मुझे, एमं० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षण प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपंति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

अके जिसकी सं० शाप नं० 116 है तथा जो पुतली बावली, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1982

को पूर्विक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) भाग्य नगर कन्स्ट्रक्शन, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स यादव टाइल्स और सीमेंट वर्क्स, 5-1-908, पुतली बावली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुंः।

. उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

णाप नं० 116, शापिंग कम्पलैक्स, पुतली बावली, हैदराबाद, विस्तीर्ण 236 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7624/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-7-1983

मोह्यर: ,

प्रस्य बाह्र , टी., एन., एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-ष (1) के ब्रुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 273/83-84-अतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या शाप नं 132, 133 है तथा जो पुतली बावली, हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पामा नवा प्रतिफल, जिन्निवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित्र में बास्तिवक रूप से कियत मुन्तरण कि बित्र में बास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है ——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की अवत, उक्त जिम्हीनयम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे व्युने में सुनिभा के सिए; जाँद्र/या
- (का) एसी किसी बाव या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा छिपान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनीयमं की धारा 269-गं के, अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) भाग्य नगर कन्स्ट्रवशन, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद राइ, डी० हिंदोचा,5-1-908, पुतली बावली,हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी अविकासों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदृष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त श्रुव्यों आरैर पदों का, जो उक्ता, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभुसूची

माँप नं० 132 और 133, मापिंग कम्पलैक्स, पुतली बावली, हैदराबाद, विस्तीर्ण 342 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7626/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहनं मक्षम प्राधिकारीं सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-7-1983

प्ररूप आइ[†]. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 274/83-84—अतः, मझे, एम० जेगन मोहन

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० णाप नं० 103 है तथा जो पुतली बावली, हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया ः—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--

(1) भाग्यनगर कन्स्ट्रवशन्स, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वी० लक्ष्मी देवी,5-1-908, पुतली बावली,हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्मच्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाष नं 103, शाषिण कम्पलैक्स, पुतली बावली, हैदराबाद, विस्तीर्ण 111 भी पीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 7625/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-7-1983

मोष्ठर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 275/83-84— अतः, मुहो, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० धाँप नं० 51 है तथा जो पुतली बात्रली, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवों कत संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) भाग्यनगर कन्स्ट्रवशन्स, हैदराबाद (अन्तरक)

(१) जेनरल बॉटरीज कार्पोरेशन, 5-1-908, पुतली बावली, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के बुध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

भाँप नं० 51, भाषिग कम्पलैक्स, पुतली बावली, हैदराबाद, विस्तीर्ण 7900/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जिंग रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-7-1983

त्रक्ष् वाद् . टी . एन . एस . -----

अगमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) न रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 276/83-84--अतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम, करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 881 है तथा जो नेलौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1932 का !1) या उक्त अधिनियम, या धन- क्रर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थे, किंपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

; -196 GI/83

(1) श्रीमती टी० विश्वालक्ष्मी आमल पित टी० सुक्रमियम, पुलिस स्टेशन के करीब, रेनीगुंटा, चिसूर जिला ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती डी० प्रमीला द्वारा पी० रमेश रेड्डी, श्रीनिवासा आग्रहारम, नेलौर-2 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएं कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकागा।

स्पक्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 2 एकड़, नेलौर, रिजर्स्ट्राकृत विलेख नं० 5361/82, रिजर्स्ट्राकर्ती अधिकारी, नेलौर ।

> ्एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-7-1983

मोहरः

प्रस्तृ वार्षः टी. एम. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 277/83-84-अतः मझे, एम० जेगन मोहन

श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम श्रीधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5 है तथा जो सेकण्ड फ्लोर, बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित आजार मुल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित आजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी लाव की बाबत उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और, 'बा
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) भारत बिल्डर्स, बसीरबाग, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी संगीता मोर,5-9-30, बसीरबाग,हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की बामील से 30 दिन की सर्वधि, जो भी अविधि बाद में संमोप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्दुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्प्रिकेरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, वहीं पर्य होगा जो उस प्रध्याय में दिया नेपा है।

अनुसूची

फ्लैट नं ० 5, दूसरा मंजिला, प्रणांति कर्माणयल कम्पलैक्स, विस्तीर्ण 200 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 7729/ 82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्रांधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैन्यानाम

तारीख : 8-7-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आरं ए० सी० नं० 278/83-84 यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन आयकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह 'विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु से अधिक हैं और जिसकी सं० पलेंट नं० 5 है तथा जो फर्स्ट फ्लोर, बसीरवाग, हैदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,तारीख नवम्बर, 1982 को पूर्वीक्त सपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्व्यमान प्रतिफल से ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्कत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ने हुई जिल्ही जाब की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे थ्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का. जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम 1927 भनकर अधिनियम, था भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1)भारत बिल्डर्स, बसीरबाग, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री संजय कुमार मोर,5-9-30, बसीरबाग,हैदराबाद ।

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिएं कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्दितं में अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हित- सब्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अअहिस्ताक्षरी के पास सिस्तिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

नन्स्ची

फ्लैट नं० 5, प्रथम तल, प्रशांति कर्माशयल कम्पलैक्स, बसीरबाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 200 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7729/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी. हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-7-1983

मोहराः 🕝

प्ररूप नाहाँ दी . एन् . एम . -------

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के बंधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

. हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 279/83-84-अत:, मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर मस्पित जिसका उचित जाजार मूल्य 25,000/रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख तबम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सिया जाना आहिए था, स्थिपाने में अधिविधा के निए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) भारत विल्डर्स, बसीरबाग, हैदराबाद ।
- (2) कुमारी प्रणांतिः, कुमार भृपाल,5-9-30, बसीरबाग,हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के .सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ को से किसी स्पन्ति हुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअब्ध किसी अन्य त्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पब्सीकरण—इसमें प्रयुक्त गढ़दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लैट, प्रणांती कर्माशयल कम्पलेक्स, बसीरवाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1700 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7727/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-7-1983

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना-4 11004, दिनांक 9 जून 1983

निर्देश सं० सी०ए०5/37ई०ई०/1983-84/186—यतः मुझे, शशि कांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 13, पेशवे पार्क सहकारी हाऊसिंग सोसाइटी साने गुरु जी रोड, गुलमोहर पूण-30(क्षेत्र-850 स्ववेयर फीट) है तथा जो पूना-30 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरिश की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निसित में बांस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् ः—

- श्री माधन भास्कर पारणकर
 न्लाक नं० 5 श्रीपाद को-आपरेटिव हार्जिस सोसायटी लिमिटेड 483, नारायण पेठ, पूणे-30। (अन्तरक)
- श्री सूर्यकांत श्रीराम पाठक,
 505, कस्बा पेठ पूणे-11।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशभ की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, अमें भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों हों।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकरेंगे।

स्मष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो ज्या के विका गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 13 पेशवे पार्क को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड गुलमोहर बिस्डिंग साने गुरुजी रोड, पूना-30।

क्षेत्र 850 स्क्लेयर फीट

जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं 2773 विनांक मार्च 1983 को सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के वफ्तर में लिखा है।

> शशि कान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 9-6-1983

मोहर 🔅

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 23 जून 1983

निदेश सं० सी० ए०5/908/एस०आर०कराड/83-84---यदाः मुप्ते, शशि कांत.कुलकर्णी,

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं कायनल पलाट नं 318, फ्लैट नं 16,टी पि क्लीम नं 1 शिवाजी नगर को-आपरेटिव हार्डीसंग सोसायटी, तालुका कराइ है तथा जो जिला सतारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुम्यम निबंधक कराइ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरियधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- (1) श्री शंकरराव तात्या साहेब धोलप, 16, शिवाजी नगर, कराड ।
 - (2) सुनील गंकररावं धोलप 15, शिक्षक कालनी, सतारा ।

(अन्तरक)

श्री महादेव, अंतोबा कुमार
 207, शनिवार पेठ, कराड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख धे 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकी।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

• फाइनल प्लाट नं० 318, फ्लैट नं० 16, शिवाजी नगर को-आपरेटिव हार्जीसंग सोसायटी, टी०पी० स्कीम नं० 1 तालुका • कराड, जिला सतारा।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख कि 3433 जो नवम्बर 82 को दुय्यम निबंधक कराज के दफ्तर में लिखा है)।

> णणि कांत जुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 23 जून, 1983

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस. ------

आयक्**र प्रधित्यम, 1961 (1961 का 43)** की वारा **269-व(1)** के **प्रधीत सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना,दिनांक 27 जून 1983

निदेश सं० सी०ए० 5/37 ई ई /1983-84/189--यतः मुझे, शिषा कांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारा की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या सि॰ स॰ नं॰ 1192 और 1193 सदाणिव पेठ पूणे 30 क्षेत्र 204 स्ववेयर मीटर है तथा जो पूणे 30 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं (रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नं॰ 534 दिनांक 29-11-1982

को पृथों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-कत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिंदित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त विभिनियम, के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ, कार्य, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, विश्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मौत्रभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्रीमती एम० ए० भागवत
 838, णिवाजी नगर धारपुरे बंगला पूना-4।

(अन्तरक)

2. श्री पुखराज बझल मल जैन पार्टंनर आफ पोरवाल बिल्डर्स 1482 टिकाऊ रोड, पूना-30

(अन्सरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्रीप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (छ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नवा हैं।

मनुस्ची

सि॰ सं॰ नं॰ 1192 और 1193 सदामिव पेठ, पूणे-30 क्षेस्र 204 स्क्वेयर मीटर

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 534 दिनांक 20-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> णिश कांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक सायक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूमा

तारीख: 27-6-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 जून 1983

निर्देश सं० सी०ए० 5/37 ईई/1983-84/188—यत: मुझे, शशि कात कुलकर्णी,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 4 सरस्वती बिल्डिंग प्लाट नं० 4 सं०० 45 और 43 नवधर गांव तहसील बसई जिला ठाणा क्षेत्र 565 स्ववेयर फीट है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नं० 374 दिनांक 11-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एमें श्रूयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रति- क्क निम्निस्बित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के जभीन कर रोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुन्तिभा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, क्रियाने में स्तिभाकों विष्:

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् ः—— मेसर्स रोहित इन्टरप्राइसेज
 11. टीनवाला बिल्डिंग
 त्रिभुवन रोड, बम्बई-400004।

(अन्तरक)

 श्री कमलाकर हरीशचन्द्र सावत चौरी वाडी, सोलाली गांव,

ता० व पोस्ट बसई, जिला ठाणा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीं क्या क्यां सर्वों में से किसी व्यक्तिय दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए ता सकेंगे।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त जिथिनियम, के जध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैट नं० 4, सरस्वती बिल्डिंग प्लाट नं० 40 स० नं० 45 और 43 नवधर गांव ता० बसई जि० ठाणा।

क्षेत्र 565 स्क्वेयर फीट।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत न० 374 विनाक 11-11-1982 को सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

षशि कांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, पूना

तारीखा: 28 ज्त 1983

प्रस्थ आहर् . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृष्टना

भारत सरकार

कामासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक- 28 मई, 1983

निर्देश सं० सी०ए० 5/37 ई ई/1983-84/187-यतः मुक्षे, शशि कांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रानिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दो कर्माणयल य्निट्स सि० स० म० 126/ए और 127/बी बुधवार पेठ, पूणे-2 (क्षेत्र 1200 स्क्वेयर फीट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नं० 177 दिनांक 27-4-83

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्निविधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदल अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधार (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--9--196 GI/83

श्रीमती आणा यु० पुंगलीया
 81/11 बाणेर रोड. पूना-7।

(अन्तरक)

डॉक्टर गंगेश जी पुरोहित
 1478,सदाशिव पेठ, पूजे-30।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस मूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवीध, जो भी अवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुशरा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्यो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

दोकार्माणयलयूनिट्ससि० सं० नं० 126/ए और 127/बी बुधवार पेठ पूणे-2 (क्षेत्र 1200 स्के० फीट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 177 दिनांक 27-4-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

णिश कांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अंर्जन रेंज, पूना

तारीख: 28-5-83

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 13 जुलाई, 1983

निदेश सं० एल० सी० 648/83-84--यतः मुझे पी० जे० भोमसक्टी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है, जो कोल्लाम में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक, नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजारं मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह हैं और मूझे यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति किंका उजित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्या प्रतिफल निम्नसिसित उद्विष्य से उक्त अन्तरण निम्नसिसित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से इन्हाँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे ब्यन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निकलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) (1) श्री जैयिन
 - (2) जेरोम

(अन्तरक)

(2) श्री सुजीर वासुदेवनायक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त संपति को अर्थन को संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिला के फिए जा सकरेंगे।

स्परतीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दा और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

10 Cents of vacant land in Sy. No. 9557 & 9558 of Quilon Village as per schedule attached to Doc. No. 3061/82 of Sub-Registry Office, Quilon.

पी० जे० थोमसकुटी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरनाकुलम

तारीख: 13 जुलाई, 1983

माहरु 🛭

ब्रस्य वार्ड टी. एन. एस.----

बायकर मिषिनियम्, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचीन-16

एरणाकुलम, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० एल० सी० 646/83-84--यत: मुझे, पी० जे० तोमसंकुटी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्रान्धिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है, जो कोजिकोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोजीकोड में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशंत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिल नहीं किया गया है क्ष्रे

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

अतः अब् , उक्त अधिनियम की भारा 269 ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्री जोसफ जेकब, कालीकट

(अन्तरक)

- (2) श्री नडुकन्डिअब्दुस्ला
 - (2) जाफर
 - (3) अब्बुल्ला
 - (4) श्री कुंजी मुसा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरों के पास तिसित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उम्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

193/4 Cents of land with foundation for multistoreyed building on Mayoor Road in Kozhikode as per schedule attached to Document No. 1375/82 of SRO Kozhikode.

पी० जे० तोमसकुटी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 8-7-1983

मोहर 🖫

प्ररूप, आई. दी. एन. एस. ----

(1) मैंसर्स चेम्पक शेरी बिल्डर्स कालीकट-2।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायकर (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचीन-16

एरणाकुलमं, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० एल० सी० 647/83-84--यतः मुझे, पी० जे० तोमसक्टी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है^{*}

और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है, जो कोजिकोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अणिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काजिकोड में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-11-82

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के शरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में ब्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ३.––

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अभीन कर दोनं को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सविधा के लिए: और/या
- (ख) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ::--

को यह सुचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

(2) श्रीटी०टी० उन्नीकृष्णन और श्रीमती के० सी० उषा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

10.23 Cents of land in T.S. No. 183, Ward No. 19 in Kozhi-Kode as per scheduled attached to Doc. No. 1331/82 of SRO Kozhikodo.

> पी० जे० तोमसक्टी सक्षम प्राधिकरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 8-7-1983

प्रस्प आहें.टी.एन.एस.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 11 जुलाई 1982

निदेश सं नोटिस नं 575—यत: मुझे, श्रीमती मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या सी०टी०पास नं०1911 है, तथा जो कडोलकर गली बेलगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगांव में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत दिनांक

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिशत सं अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिषों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण, से हुई किसी बाय की बाबत, उक्क अभिनियम के बुधीन कर देने के अस्तरक के बाबित्व में कभी करने या उबते क्वने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हे-- (1) श्री काखिम साहब पीरसाहब नदाफ पी० मा० छोटर आफ श्रीमती रमजाबे सुलेमान साहब नदाफ स्थान संकेश्वर

(अन्तरक)

(2) श्री खलीव इत्राहीम शौकत मुल्ला घर नं० 900 अरलीकट्टी देशपांडे गली बेलगांव। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की वविष या सत्संबंधी अयिक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थायर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्तियाँ द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकू नं ० 2752/82-83 दिनांक 24-11-1982 संपत्ति जिसकां सी० टी० पास नं ० है 1911। संपत्ति कडोलकर गली बेलगांव में उपस्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

तारी**ख**ः 11—7—1983

मोहरः :

प्रक्षप धार्ष• बी• एन• एस•

भायकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा **269-प(1) के धर्मीन** सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 29 जून 1983

नोटिस नं० 36709/82-83—यतः मुझे, भंजु माधवन, आयकर प्रक्रिमयमः, 1961 (1961 का 43) (किसे १समें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनिधम' कहा गया है), की शारा 269-ख के भ्रष्टीन सम्माम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्वाचर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/ द० से प्रक्रिक है

और जिसकी संख्या 4/3 है, तथा जो सौन्दरस रोड, क्लेबेलेन्ड टाउन सिविल स्टेशन, बंगलौर

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजर्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-12-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पंचाह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उन्नेश अन्तरण निखित में बाक्नविक अप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के सिए; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त नोधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना आहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—- भुत्र स्वगाय नारायण स्वामप्पा करियनापालया, बंगलौर-84।

(अन्सरक)

 श्री श्रीमती एलिजाबेथ दयालू परनी क्याप्टन दयालू 4/3, सौन्दरस रोड, क्लेक्लेन्ड टाउन, सिविल एरिया, बंगलौर ।

(अन्तरिती)

को पह सूचना जारी करके पुर्वोच्त सम्पत्ति के प्रजान के लिए कार्यथाहियां करता है।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाफ्त होती हो, के भीतर पूर्वी-क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कि एजा सकरें।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस् अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2955/82-83 दिनांक 24-12-82) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 4/3, जो सौन्वरस रोड, क्लेबेलेन्ड न, सिविल स्टेशन, बंगलौर ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

तारीख: 29-6-83

मोह्य 🛭

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाम्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलीर, दिनांक 6 जुलाई 1983

नोटिस नं० 36354/82-83--यतः मुझे, मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ंख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 1599 और 1600 है, जो VI मेन "ई" ब्लाक II स्टेज, राजाजीनगर बगलौर-10 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अंतरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्यत्य से हुई किसी आय की अवस्त, उक्स अधिनिग्रम के अधीन कर दोने के अन्सरक के बायित्व में कमी करने मा उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री ए० फरनानधीस
 नं० 1599 और 1600/36
 II स्टेज, राजाजीनगर, बंगलौर-10 ।

(अन्सरक)

 श्री लक्षमम्मा नं 17, III कास पादरायनापुरा, बंगलौर

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप 🏗--

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 पिन की अविधि या तर्सवंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जौ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

(वस्तावेज सं० 3348/82-83 विनांक 22-11-82) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 1599 और 1600, जो VI मेन, "ई" ब्लाक II स्टेज राजाजीनगर, बंगलौर में स्थित है।

> मंजु माधवत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख: 6-7-83

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भाषक र मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीम स्चना

भारत सरकार

कार्बास्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अंगलौर अंगलौर, दिनांक 6 जुलाई 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 36500/82-83-- यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 706 है, जो एच०ए०एल० II स्टेज, इंदिरानगर, बंगलीर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च) में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3 नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिक लिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (अन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

को यह प्रवान जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नधाहस्ताक्षरी के पार्श निविद्य में किए जा सकरो।

स्वक्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिलामित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्रवस्तावेज सं० 2307/82-83 विसांक 3-11-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 706, जो, एच०ए०एल० II स्टेज इंदिरानगर बंगलौर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

दिनांक: 6-7-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

ग्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के कथीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 1 जुलाई 1983

नोटिसनं० 36554/82-83--यतः मुझे, मंजू माधवन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2-69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य् 25,000/-रा. से अधिक **हैं**

और जिसकी संख्या 1667 है तथा जो V कास, बनगंकरी I स्टेज, बंगलीर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुड़ी में रिजस्ट्रीकरण अधि नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रक्रि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए. खीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य बास्तियों को, जिम्हें भारतीय भाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ता किया जाना चाहिए था, छिपा। में सविद्या के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री आर० जानकी 11, बसप्पा ले और गविपुरा एक्सटेंगन, बंगलौर-19 ।

(अन्तरिक)

2. श्री डी० आर० लक्ष्मन 14, X कास, हन्मन्तानगर, बंगलीर-19।

(अन्तरिति))

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2809/82-83 दिनांक 12-11-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 1667, जो V क्रास, बनर्शकरी I स्टेज II ब्लाक बंगलीर में स्थित है।

> मंज माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

दिनांक 1-7-83

हर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलीर, दिनांक 1 जुलाई 1983

नोटिस नं० 36496/82-83---यतः मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 63, 11 मेन रोड है, तथा जो गेगाद्रीपुरम, बंगलौर-20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-11-82

को पूर्वेक्ति संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती फन, सिम्नलिखित उद्बंध्य से उचित जन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भरता साहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, भे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्रीमती तिम्मा, नं० 73,
 मंजुनाथनगर, IV मेन रोड,
 वेस्ट आफ कार्ड रोड,
 राजाजीनगर, बंगलीर-10।

(अंतरक)

श्री के० वेंकटम्मा
नं० 5, लाल मस्जिव स्ट्रीट बी
ओ०पी०एच० रोड, ऋास, बंगलीर-51।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाकीप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों करा स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए का सुकोंगे।

स्वव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्यस अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दम्तावेज सं० 2615/82-83 दिनांक 22-11-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 63 जो II मेन रोड, श्रेशाद्रिपुरम, बंगलीर-20 में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

तारीख: 1-7-83

प्ररूप आई.टी.एस.एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलौर बंगलौर, दिनांक 2 जुलाई 1983

नोटिस नं० 36297/82-83--यतः मुझे, मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं0357 है, था जो एच० ए० एस० II स्टेज VII मेन बंगलीर 38 में स्थित है (और इपसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-11-1982

को प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ख्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पृत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके द्रमान प्रतिफल से, एसे द्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्षदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- मैसर्स तिरुपति एसोसियेट्स रिजस्टर्ड पार्टनरिशप फर्म, उसके बिसिनेस, नं० 1 मायेनिवल्ले रोड, लांगफोर्ड टाउन, सिविल स्टेशन बंगलीर में है।
 - (अन्तरक)
- श्री एन० पुरुषोसम
 पुत्र स्वर्गीय नारायण रेड्डी
 नं० 33/1, मीनी एवेन्यू रोड,
 सिविल स्टेशन, बंगलौर।

(अन्तरिती)

कार यह सूचना आरी कारके पृत्रों क्ता सम्पत्ति के अर्थन के निर्ण कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यापत में में किसी व्यक्ति व्यापत,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्योकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स बाधिनियम को अध्याय 20-कः में परिभाषित हूँ, वहीं वधि होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2333/82-83 दिनांक 3-11-82) मब सम्पत्ति है जिसका सं० 357 जो एच०ए०एन० II स्टेज, VII मेन, बंगलौर-38 में स्थित है।

> मं**जु** माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

तारीख: 2-7-83

मोष्ठर:

प्रकप भाई• टी• एन• एस•

अधिकर अधितिसम्, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-थ(1) के समीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 4 जुलाई 1983

नोटिस नं० 37170/82-83---यतः मुझे, मंजु माधवन धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त यिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत संक्षम प्राधिकारों को यह विषवाम करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

और जिसकी संख्या 210/3 है तथा जो हेरना विलेज, उडुपी तासुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उडुपी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनोक 10-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के दिवा बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाआर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इप से कथित महीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रीध-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वार्यिख्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

 श्री स्टानली प्रभाकर कुन्दर पुत्र हसाइल कुन्दर मैनेजर, सिंडिकेट बैंक, लिंगनपल्ली, हैदराबाद-27।

(अन्तरक)

श्री केनेत संतोष विलसन
पुत अन्चन सत्यनाथ विलसन
सेंट मार्कस केतेहल, न० 1, एम० जी० रोड,
बंगलूर-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्यति के ग्रार्गन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त स्थक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर एक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यक्ष्वोकरणा-व्यवनें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त प्रधि-ियम के खब्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही यें होगा, जो उस धब्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

(दस्सावेज सं० 673/82-83 दिनांक 10-11-82) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 210/3, जो हेरगा विलेज, उड्डपी तासुक में स्थित है।

मंजु माधवन स्थाम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीखा: 4-7-1983

मोहरः

प्ररूप आई., टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जेन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 6 जुलाई 1983

नोटिस नं० 36505/82-83---यतः मुझे, मंजु माधवन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1665 है, तथा जो एघ०ए०एल० III स्टेज, इंदिरानगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाणी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-11-82

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्निशित उद्देश्य से उसत अन्तरण सिशित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/जा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए भा, छिपाने में सुविधा के निष्।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :— श्रीमती सितिया

नं० 338, मकान का ऊपरी खण्ड

VII क्लाक, कोरामन्गला,
बंगसूर।

(अन्तरक)

 श्री एन० आर० मुदलियार नं० 338, मकान का ऊपरी खण्ड VII क्लाक, कोरामन्गला, अंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों परे सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मे यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

(दस्तावेज सं० 2382/82-83 दिनांक 8 नवम्बर82) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 1665 जो एच० ए० एल० III स्टेज इंदिरानगर बंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक: 6~7~83

प्रकृष अरही, द्री , एन् , एक् ,,------------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 जून 1983

नोटिस नं 0 36740/82-83 यतः मुझे, मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या पुराना सं० 6:17 नया सं० 6:35 है, तथा जो IV मेन रोड, चामराज पेट, 24 डिविजन, बंगलौर में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुड़ी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-11-1982

को पृथिनित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापवाँक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल क पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अप्रस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्रीमती के० लीला नं० 6:65, IX कास मेन रोड, चामराज़पेट, बंगलौर।

(अन्तरक)

श्री एस० करुणा
नं० 398, एघं० ब्लाक,
बिक्षीपेट, बंगलौर सिटी।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित है अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

जक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शम लिखित में किए जा सकी।

स्वक्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 26 के में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तम्बेज सं० 3483/82-83 दिनांक 4-11-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० पुराना सं० 6:17 नया सं० 6:35 जो IV मेन रोड 24वें डिविजन चामराजपेट, बंगलौर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख: 29 जुन, 1983

प्रसप भाई • टी • एन • एस •---

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व्य (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 7 जुलाई 1983

नोटिस नं० 36327/82-83--यतः मुझे, मंजुभाधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-क० मे अधिक है,

और जिसकी संख्या 11 है, तथा जो मरपैन्टैन स्ट्रीट, सिविल स्टेशन रिचमंड टाउन, बंगलौर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के दिनांक 17-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण जिखान में वास्तिक हम में कथा नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किशो आय को याजत, उना श्रिष्ठिनियम के श्रष्ठीन कर देने के श्रम्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राप मा किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियीं की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधितियम, या धन-कर श्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा : लिए;

अतः प्रवः, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- लेफ्टनेंट कर्नल सी०एन० स्वामी (रिटायर्ड) नं० 21, सर्पनैटैन स्ट्रीट रिचमंड टाउन, बंगलौर--25।

(अन्तरक)

2. श्री हीरा लाल जैन और श्रीमती सुदेण जैन निं नं 1, पूरणय्या चत्रम रोड, आस स्ट्रीट, बंगलीर-53।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्वास्ति सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनल सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस पूजना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रषं होगा, जो उस प्रध्याय में धिया गया है।

वनुसूची

(दस्तावेज सं० 7498/82-83 दिनांक 17-11-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 11 जो सर्पेनट न स्ट्रीट, सिविल स्टेशन रिचमंड टाउन, बंगलीर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख: 7-7-83

प्ररूप जाइ. ही. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूज्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलूर, दिनांक 7 जुलाई 1983

नोटिस नं ० 36342/82-83-यतः मुझे मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या 50 है, तथा जो बानसवाडी रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उचित क्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथित नहीं किया गर्या है है—

- (॰) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे व्यन में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबा अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धोजनार्थ अन्तरियो इतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिये था, क्रिपाने में सविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्निलिखित अमित्तयों, अभीत :--- मेजर आर० जगक्षाथन, दूस्टार हाउस, टलवोरा--144216।

(अन्तरक)

 मेसर्स एसोसिएटेड बिल्डर्स, 1069, एच०ए०एल० II स्टेज XI मेन रोड, बंगलीर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई बाक्षेप:---

- क) इस सूचनों के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2641/82-83 दिनांक नवम्बर 1982) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 50 जो बानवाडी रोड, बंगलीर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

तारीख: ७ जुलाई 1983

प्रस्य मार्ड, टॉ. एन. एस्......

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के जबीन मुचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

वगलूर, दिनांक 7 जुलाई 1983

निवेश सं० 36312/82-83--यतः मुझे, मंजु माधवन जायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रः. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या सर्वे नं 19 है, तथा जो मै कि द्र विलेज, केंगरी होडली में स्थित है (और इससे उपार अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर सोन तालु हु में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-11 1982 को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्सि का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकां) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिक्त कल निम्नलिखत उद्वेदय में उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक हमा से किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान को नावत उक्त अपि निवय के नभीव कर दोने के कन्तरक के नायित्व में कभी करने वा समसे नचने में सूविशा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी अय या किसी अन या कत्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, जा भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्याग प्रकट नहा प्रकट गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सविभा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीभृष्टित काविसयों, अभीत् ...

- (1) श्री एम० एम० रामन,
 32/1, IV मैन रोड, मल्लेक्बरम, बंगलूर
 (अन्तरक)
- (2) श्रो जरीर मीनू भारूचा, 7 सी गुलमोहर कानवेन्ट रोड, बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-वाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्में:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस न बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय '20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 4496/82-83 दिनांक 8-11-82) सब सम्पति है जिसका सं० 19, जो सैनासन्द्रा विलेज कगरी होक्ली, बंगलूर सौत तालुक में स्थित है।

> मंजु माघवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 7-7-83

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 369-म (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर भागवत (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदर्शि सं 36294/82-83--यतः मुक्ते, मंजू माधवन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रुपये से अधिक ही और जिसकी सं 758 है, तथा जो एच ए. एल. ।। स्टेज, बेंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालये, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीख 3-11-1983 को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रशितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिवियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क)) बृज्यून तं शुर्च किसी बाय की बाबता, उचता अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शासित्व मों कनी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; आहर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री ती. एस. मन्तुनाथ नं 12, चर्च , एंड शांती-नगर, बेंगलूर।

(अन्तरक)

 डाक्टर आर. के. बम्मी नं. 20/5 लेवले रोड बेगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कार के प्वेक्ति संपरित के अर्थन के लिए एतबुद्वारा कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी बाखेंच :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की वारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित, जो मे यवि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में म किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपन्न में प्रकारन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति म
 हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लीहस्ताकारी
 के पाप निकार में किए का सकते।

स्पच्छोकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा छन। अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ ्रीमा, की उप भड़वान में दिया गया है।

जनसंची

(दस्तावेज सं. 2309/82-83 ता. 3-11-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं. 758, जो एच. ए. एल. ।। स्टोज, बेंगलुर में स्थित है ।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारौ सहावक बायकर बायक्त (निरक्षिण) अर्जन रोजः बंगलर

तारीख: 8-7-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 जुलाई 1983

निर्देश सं० 36212/82~83---यतः मुझे मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 116-117, है, तथा जो सुल्तान्तपेट मैन रोड़, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, में रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को द्वामान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल में, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्विध्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बै॰ वीरप्पा और कुछ लोग नं॰ 2733, टेम्पल स्ट्रीट वी॰ वी॰ मोहला मैसूर – 2

(भन्तरक)

(2) श्री के० एम० चन्द्रप्पा प्रोप्नैटर, मलनाड रोडवेस 170/12, सुलतानपेट मैन रोड बंगलूर-53 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम जिल्ला में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

(दस्तावेज सं० 2402/82-83 दिनांक 15-11-82) सब सम्पति है जिसका सं० 116-117 जो मुल्तानपेट मैन रोड बंगलुर में स्थित है :

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I मद्रास

दिनांक : 7--7--83

प्रकृप भारिक ही । एव । एव । -----

आध्यकार **चवित्यमः, 1961 (1961 का 43) की बारा** 2**69-व (1**) के अधीन सूचना

बाध्य बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर चायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 83

निर्देशसं०पी० आर० नं० 2469-श्रर्जन रेंज-23-I/83-84----अत: मझे, आर० आर० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 75-76-77/1 एस पी० नं 3 टी० पी० एस 7 एफ० पी० 108 है - तथा जो फ्लेट नं० बी० 2, श्रीली एपार्टमेन्ट खोखरामहमदाबाद सीय, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (स) जन्तरण से हुई किली माय की बाबत; क्ष्में मधि-निवन के बधीन कर बेने के बन्तरक के बाधिस्थ में कमी करने या जनमें मचने में बुविका के किए; बीर/या
- (च) ऐसी चिक्षी बाथ या किसी घन या धन्य धारिवयों को जिन्हें भारतीय धायकर घितियम, 1922 (1828 का 11) या उनत बितियम, या धन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनामें धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया वया या या किना जाना चाहिए वा, जिनाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री कान्तीपात हरगोवनदास परीख 28, जयनगर सोसायटी, राम बाग, मनीनगर अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) सुधाकरभाई हीरालाल देसाई पटेल सोसाइटी जवाहर चौक के नजदीक मनीनगर, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्सवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्य्ची

फ्लेट जिसका क्षेत्रफल 72 वर्ग यार्ड है जो खोखरामह-मदाबाद सीम अहमदाबाच स्थित है तथा रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 1580 ध/2-11-82 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I अहमदाबाद

चातः श्रेब, तक्त पश्चिमियम की बारा 269-ग के श्रेनुसरण में, ये, तक्त पश्चिमियम की गारा 20%-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

विनाम : 23-6-83

प्रकृषं प्राप्ति हैं। हिन्द एस र ----

भायकर श्रक्षितियम, 1931 (1961 का. 43) की शारा 269-व (1) के अधीन सुचना

मारत संस्कार

कार्यास्य , सहायक मायक र मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांकः 23 जून 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2470~म्प्रर्जन रेंज-23-I/ 83-84 ∸अत: मुझे आर० आर० शाह

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का जारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ पी० नं० 388 एस पी० नं० 12, टी पी एस -6 हैं । तथा जो सर्वे नं० 142, पालंडी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6--11-83

को पूर्वोक्त सम्मिति के उति। बाजार पूष्ण में कम के वृष्णपान प्रतिकृत के लिए सन्तरित की गई है और पृष्ठ यह विश्वास करने का सारण है कि वशापृत्रोंकत सम्मित का उपित बाजार पृष्ण, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, है प्रीप्त वृष्णमान प्रतिफल के प्रमुख प्रतिकृत प्रधिक है प्रीप्त अस्थरक (अस्तरकों) भी अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच हैसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नविधित स्वरंग से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तिक क्या से किसत नहीं किया बया

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे अचने में त्विभा के लिए; और/वा
- (का) एंसी किसी बाब वा किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

अतः प्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— मोहर : (1) श्री कान्तीलाल मनीलाल गार प्रशांतयार्क, फतेहपुरा, पालडी, अहमदाबाद, ।

(अन्तकर)

(2) श्री फुलबंतसिंह लढासिंह 1, जनकल्याण सोसायटी बेहरामपुरा अहमदाबादा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचनः जाः। करके पूर्वीकत सम्यान के अर्जन के लिए कार्यवाद्विया करता हुं।

उक्त सम्मलि क अध्यद के सम्बन्ध में की। भा आक्षेत्र :---

- (क) इत सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना को तामीच से 30 दिन की अवधि, जो भी जनकि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्द्रीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के बच्चाद 20-क में परिशाधित हैं,, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्यास में दिवा एवा है।

बन्स्ची

मकान जिसका जमीनका क्षेत्रफल 300 वर्ग यार्ड है जो पालडो अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदा-बाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 16080/6-11-82 है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद।

दिनांक 23-6-83 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.,-----

नायक र वीभीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के कथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 1983

निदेश स० पी० आर० न० 247/अर्जन रेज-<math>23-I/83-84—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

बारकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन देशम प्रिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से बिधिक है

और जिसकी स० सर्वे न० 1158, बगला न० 34, सेक्टर न० 3 है तथा जो सत्याग्रह, पेजलपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाग्रद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त तम्मित के उचित नावार मूक्त से कन के क्यमान प्रतिकत के सिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह निकास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित नावार मूक्त, इसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिवात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकाल निम्नीसित उच्चेश्य से उक्त जंतरण लिखित में नास्तिक रूप से कीचत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबता, उक्त विधितियम के वधीन कर दोने के बंतरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त मधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण भें, में, उक्त जिम्मिनयम की भारा 269-च की उपधारा (1) औ अधीन, निम्मिनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अनुभाई ए० झवेरी की ओर से फल मुख्तयार :
श्री जोतिन्द्र कांतिलाल शाह,
8, मीनलयार्क सोसाइटी,
स्वस्तिक चार रास्ता,
नवरंगचुरा स्टेडियम के नजदीक,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० मोहन कौल, 502, इण्डियन इन्स्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट, वस्झापुर, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को मह स्वना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपरित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

जमीन जिसका सर्वे न० 1158, ब्लाक नं० 34, सेक्टर नं० 3, जो सत्याग्रह छावनी, वेजलपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका सब~रजिस्ट्रार, अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्कीखत नं^ 16537/22-11-82 है ।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 23-6-1983

ال. حسمت

प्रक्ष आहाँ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्**ध**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुन 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2472/अर्जन रेंज-23-I/. 83-84--अतः सुझे, आर० आर० शाह

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 1158, फ्लोर नं० 45, सत्याग्रह् छावनी है तथा जो बेजलपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पदह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्यों से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; औद/या
- (ख) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--

(1) श्री गोविन्द भाई विठ्ठल भाई पटल, धरमनाथ प्लैट, गाहीबाग, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामधन जी रामजीवन का**ग्रा,**20, सुहास नगर, सोसा**इटी,**दिनेश होलके सामने,
नवरंगपुरा,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अन्सची

जमीन जिमका सर्वे नं० 1158, प्लॉट नं० 45, जो सत्याग्रह छावनी, वेजलपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब–रजिस्ट्रार, अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्मा बिक्रीखत नं० 15787/2–11–1982 है ।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 23-6-1983

मोहर 🗅

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुन 1983

निदेण सं० पी० आर० नं० 2473/अर्जन रेंज—23-1/83—84— अतः मुझे, आर० आर० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संव सर्वे नंव 113 से 131 नंव 77 है तथा जो शारदा नगर, वासना, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 नवम्बर, 1982

कां प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीपर्ताः तारावेन पूनमचन्द मेहता की ओर से फूल मुख्तयार : श्री दिनकर भाई पूनमचन्द मेहता, बंगला नं० 9, अध्यापक मिंत्रमंडल सोसाइटी, ओल्ड सचिवालय, अहमदाबाद-380011 ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती ज्योर्तः बेन रोहित कुमार,
2. श्री रोहित कुमार हीरा लाल पटेल
पटेल टेनामेंट नं० 77,
शारदा नगर, बासना पालखी,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण : ---इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

टेनामेंट नं० 77, जो णारदानगर को-आप. हार्ङीसग सोसाइटी, वासना (पालडी) अहमदाबाद में स्थित है तथा सब–रजिस्ट्रार, अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 15411-/8-11-1982 है ।

> आर० आर० माह ं सक्षम प्राधिकारी सहाचक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, अहमदाबाद

गरीख: 23~6-1983

प्ररूप बार्इ.टी.एन.एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1,अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2575/अर्जन रेंज-23-I/83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 1 से 12 एफ० पी० 320, टी० पी० एस० 22 है तथा जो फ्लैट नं० 3, दीप छाया सोसाइटी, वासना अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 नवम्बर, 1982

को प्वेंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिपत्त को लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रितिफल से, एसे द्रयमान प्रितिफल के पंद्रह प्रित्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रितिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--12-196 GI/83

(1) श्री बीरवाला दिनेश कुमार चोकसी, 5, सुविधिनाघ सोसाइटी, शांतिवन, पालडी, अहमदाबाद-380007 ।

(अन्तर्क)

(2) श्री मांतिलाल हरीलाल पटेल. खांडकी गेरी, जमास पुर, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनसंची

फ्लैट जिसका क्षेत्रफल 86 वर्ग यार्ड है जो वासना, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 16219/9-11-82 है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख: 23-6-1983

मौहर:

प्रकृप आहु , ही एस, एस ----

श्रा≀कर श्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारः 269-ष (1) के भंधीन सूचना

धारत मरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 183

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2475/अर्जन रेंज-23/-1 83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह प्रायकर अधिनयम 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है); को धारा 269-ख ं प्रधीम सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्तः, जिसका उचित काजार मून्य 25 000/- द० से अधिक है और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 499, टी० पी० एस० 3, पैकी पलैंट सी 16 है तथा जो जलदर्शन को० आप० हा० सोसाइटी, आश्रम रोड, अहमदाबद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्ष्य से विणित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्निरत की गई है और मुझे यह किण्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रद् प्रतिणत से ग्रीवक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण कि जिल् में नामनिक क्य थे कविन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उन्तत अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--

 श्रीमती जयाबेन परणोत्तम दास पटेल, बंगला नं० 5, प्रीतम नगर, एलिस ब्रिज, अहमवाबाव ।

(अन्तरक)

(2) र्श्वः मती रमीना बेन ठाकरसी पारीख, श्रेय कालोनी, स्टेडियम के नजदीक, नवरंगपुरा, अहमवाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उयह मध्यति के अर्रन के सम्भय्य में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पान के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अपिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो ज़क्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्**स्**ची

. पलैंट जिसका क्षेत्रफल 131 वर्ग गज है जो जलदर्शन को०-आप०-हा० सोसाइटी, अहमदाबाद में स्थित है तथा जो सब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 14855/नवस्बर, 1982 है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-6-1983

मोहर

प्ररूप आहु . टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2476/अर्जन रेंज-23-I/ 83-84--अतः मुझें, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं क्वें नं 34, 35, 37, 37-2 और 82 प्लाट नं 26 है तथा जो सरवार स्मृति को अप हा सोसाइटी, मफतमपुरा, वासना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 नवम्बर, 1982 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की सावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचन में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी कि सा जाम मा कि सा धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री मुकुंद राय शंकर लाल घोंलात, 3, सोमीली अपार्टमेंट्स, हीरा बाग, आंबावाड़ी, अहमदाबाद ।

(अन्सरक)

(2) श्री किरन कुमार बेचर लाल भट्ट, 9-ए, चन्द्रगुप्त सोसाइटी, ओल्ड सचियालय के पीछे, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को टारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अन्सूघी

जमीन जिसका क्षेत्रफल 537 वर्ग यार्ड है जो मफतमपुरा, (बासना), अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 15817/2-11-1982 है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 23-6-1983

प्ररूप बार्च. दी. एत्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाव, दिनांक 23 जून 1983

निदेश मं० पी० आर० नं० 2477/अर्जन रेंज-23-I/83-84--अतः मुझें, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परदात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 451/3, फ्लैट है तथा जो चंगीसपुर मीहाखाली, टी० पी० एस० 3, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबक अनमूची में और पूर्ण रूप सेवणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्री—करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपिल नाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय धाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति से नास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अप्तारण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सविभा के लिए;

वतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्लित व्यक्तियों, मुर्थात् :— (1) श्री कांतिझाई शामलदास पटेंल और अन्य, मीहाखली बस स्टैंड के नजदीक, एलीस क्रिज, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री अजीत कुमार मनसुखलाल माह, श्री जितेन्द्र कुमार मनसुख लाल मेठ, मीहाखली बस स्टैंड के नजदीक, एलिस क्रिज, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विनं के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

अनुसूची

दूसरी मंजिल पर फ्लैंट जिसका क्षेत्रफल 78.95 वर्गं यार्ब है जो चंगीसपुर उर्फ मोहाखाली टीं० पीं० एस० 3, एफ० पीं० नं० 551/3, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 16256/10-11-1982 है ।

आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1, अहमदबाद

ता**रीज** : 23-6-1983

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 1983

निदेश सं० पी॰ आर० न० 2478/अर्जन रेंज 23-I/ 83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं एफ पी नं 20/2, एस पी 2 ए टी पि एस 3, मेखपुर खानपुर है तथा जो प्रेम नगर को आप हा सोसाइटी, स्टेडियम रोड के नजदीक, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मृतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किननिलिक उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण विश्वित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबतू, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मनोहर लाल आधानन्द भाटिया, (एच० यू० एफ०), 2, प्रेमनगर, को० आप० हा० सोसाइटी लि०, स्टेडियम रोड, अहमदाबाद-380009 ।

(अन्तरक)

(2) श्री संस्कारन जैन,288, न्यू क्लाथ मार्केट,अहमदाबाद-380002 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतए पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जिसका जमीन का क्षेत्रफल 253.30 वर्ग यार्ड मीटर है जो शेखपुर, खानदूर, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 16242/23-11-1982 है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 23-6-1983

प्ररूप आहें.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीने स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

श्रहताबाद, दिनांक 23 जून 1983

निदेश सं० पी॰ आर॰ नं० 2479/अर्जन रेंज 23/I/83-84--अतः मुझे, आर॰ आर॰ शाह

अग्रयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 1158, सेक्टर नं० 5, फ्लोट नं० 50 है सथा जो सत्याग्रह छावनी, वेजलदूर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहु प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरिकां) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से काभित नहीं किया ग्या है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के निए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः मध्, उनत अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् ।— (1) श्री रमेशचन्द्र प्रेमशंकर दवे, 25, सुझद्रा सोसायटी, सेटेलाइट रोड, अहमदाबाद,।

(भन्तरक)

(2) श्री उसम चन्द लाल चन्द मेहता, सी 4, सुरेश एपार्टमेंट, नवरंगपुरा, अहमदबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उम्रुत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्या के राषपत्र में प्रकाशन की तारी स् से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गार्ड है 45/2 स्ट्रक्चर जो 'सत्याग्रह छावनी' अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रिजस्ट्रार, अहमदबाद में रिजस्ट्रीकर्ता विकीखत नं॰ 15982/नवस्बर, 1982 है।

आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदबाव

तारीख: 23-6-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

· कार्यालय, सहायक आवक्तर आयुक्त (नि**रीक्षण**)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2480/अर्जन रैंज 23/I/ 83-84--श्रतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित 'बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी०नं० 37 ए० पैकी सर्घे नं० 116 और 152 पैकी है तथा जो अचीर साबरमती, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उभके स्हथमान प्रतिफल से एसे सहयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) (त्नी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसर्ध में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री धनराज मंघालाल, महावीर क्लाथ मार्किट, रेलवेपुरा, स्टेशन रोड, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री विमलासन त्रिलोकचन्द माह, नेनोवा मेटल, 133, भंडारी स्ट्रीट, नल बाजार, बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्धीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टेनामेंट नं० 51 जो अचीर साबरमती, ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत सं० 16703/26-11-1982 है ।

> आर० भ्रारं० भाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबद

तारीख: 23-6-1983

प्ररूप आई० टी• एन० एस•---

आयकार अधिनियमा, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 ज्न 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2481/अर्जन रेंज-23-I/ 83-84--अतः मृझे, आर० आर० शाह भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्या, 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 201, टी० पी० एस० 22, फ्लैट नं० 7 है तथा जो जैन विहार फ्लैट्स, पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 नवम्बर, 1982

को पूर्वों कत संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिपत्त को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्त से एसे दश्यमान प्रतिपत्त के पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के कीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिपत्त, निम्नितिद्वित उद्वेदेश से उपत अन्तरण जिस्ति में वास्तिवक रूप से किथान नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुदं किसी नाय की बाबत उनत जीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूषिधा के सिए; और/या
- (का एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री श्ररवींद भाई मनसुख भाई लाल शाह, 'दयाल निवास', सुविया शापिंग सेन्टर के सामने, यहालक्ष्मी रोड, पालडी, अहमदाबाव ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश भाई भोगीलाल शाह, प्लैट नं० 7, जैन विहार प्लैट्स, बानकोर निसंग होम के पीछे, पालडी, नारायण नगर रोड, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्थारा;
- (स) इस स्वाना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-१२८ १८०। अन्य व्यक्ति व्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

पनैट्स जिसका क्षेत्रफल 77 वर्ग यार्ड है जो पालडी, अहमवाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमवाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं॰ 16590/23-11-1982 है।

> आर० आर० भाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1, अहमदाबाद

तारीख : 23-6-1983

प्रकृष आई. टी. एन . एस . -----

आयक<u>र क्षित्</u>यम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2482/अर्जन रेंज- 23/1/83-84--ग्रतः मुझे, आर० आर० शाह शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे स्समें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 166, एस० पी० नं० 3, टी० पी० एस० 3 है तथा जो आफिस नं० 5, मेट्रो कर्माशयल सेन्टर, गुजरात, 'सारफोर्ट' फेंन के नजदीक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदावद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 नवम्बर, 1382

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धृन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिया के लिए;

(1) श्री पंकज रतीलाल णाह एच० यू० एफं० और कर्ता बेक आफ वड़ीदा के सामने, पंचवटी, एलिसक्रिज, अहमदावाद ।

(अन्तरक)

(2) एन० आर० फेंमिली ट्रस्ट, की ओर से मैनेजिंग ट्रस्टी, श्री रावजी भाई डाद्रामाई अमीन, 6 बी, जंतन फ्लैट, गांघी बाग, ला कालेज के सामने, एलिस द्रिज, अहमदावाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पृवाँकत सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सभ्यन्थ में नाई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अदाध का नामके व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हिए- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफित नं० 5 जिसका क्षेत्रकल 329 वर्ग याई फीट है जो मेट्रो कर्माशयल संन्टर, श्रहमदावाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकिती विकीखत नं० 16182/8-11-1982 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 23-6-1983

प्रक्रप माई० टी० एन० एम० → -

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2483/अर्जन रेंज—23// 83~84—-यतः मुझे, आर० आर० माह ग्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (असे इसमें इसके परचात् 'उस्त अधिनियम' कहा स्या है); की घारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्मति, जिने ता उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 35, पैकी फ्लोर नं० 6, टी० पी० एस० 23, सर्वे नं० 1352 है तथा जो टेनामेंट्र नं० 11, जुलेलाल सौसाइटी, अचीर, अहमदाबाद में स्थित है (और हमके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण च्य के विणित है), रिजिस्ट्री मिन अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 नवम्बर, 1982

को पूर्वोस्त समाति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्णमा प्रतिक्रत के निए प्रश्निति की गई है सोर मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्यास्त समाति का उचित बाजगर सूल्य, उसके तृष्ण व एकि का ते ऐसे दृश्यमान प्रतिकार का पर्वत् प्रविश्वत से प्रविश्व है और धन्तरत (अन्तरकों) और अन्तरिकों (यन्तिविद्या कि प्रविश्व विद्या सामा प्राप्त प्रविश्व कि प्रविश्व विद्या सामा प्राप्त प्रविश्व कि प्रविश्व विद्या सामा सामा प्रविश्व कि प्रवि

- ि अराध्य से हुई कि से आप को आपना, उस्ताकिक्सिम अंअधीत कर देने के अस्तरण के दर्गिता में एक जा पर समये जबते में मुखिशा के लिए; और्यूय
 - (प) देशी िता जा पा कि ते बत पा अन्य जीते के की जिल्हों भारतीय आयकर भिवित्यम, 1922 (1922) भा 11) या तक्त भवित्यम, या बत-कर अधितियम, स्था बत-कर विद्या जिल्हा कर तहीं किया गया था ता किया जाउ। चाहिए अद्धा के में मुखिया के सिए;

श्वतः अतः, जकारियोति । को वादा 269-ग के मार्तरण में. में, उक्त कोचित्रा को बादा 269-च को उपधारा (1) के सधीत निम्नोधिका व्यक्तियों सर्घात् ≔- (1) श्रीमती जानकी बाई पेणुमल टोरानी, 11, जुलेलाल शेसाइटी, जवाहर चौक, साबरमती, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री लालचन्द मुराजमल, 4, जुलेलाल कोसाइटी, जवाहर चौक, साबरमती, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

की य**ह सूचना जारी करके पूर्वो**क्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वता बनाला । अर्वत ह तंत्रच वे होहिया आक्षेत्र :--

- (त) इस सूबता के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मनधि, वो भी भनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा:
- (ख) इस श्रुवना के राजनत में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर छक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी जम्म क्यक्ति हारा, सभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

हरध्दोत्तरगः --इनमे प्रयुक्त शक्दों श्रीर परीं का. जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही धर्म होगा, जा उन अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

टेनामेंट जिसका क्षेत्रफल 109.08 वर्ग यार्ड है जो 11 जुनेवाल सोप्राइटी, जवाहर चौक, साबरमती, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-राजिस्ट्रार, अहमदाबाद में राजिस्ट्री-कर्ज़ा जिकीजन नं० 16267/10-11-1982 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 25-6-1983

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०

नायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज $-{f I}$, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जून 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2484—-अर्जन रेंज-23/L/ 83-84—-यत: मुझे, आर० आर० शाह

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है को धार 269-क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिस की सं० सर्वे नं० 712, एस० पी० नं० 16, वेजलपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूर्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तिरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिक्त निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सि्श्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनन अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मी कमी करने या उससे अधने में स्विधा के जिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपिनायी को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्नारा प्रकट नहीं किया गण भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबित के लिए;

बतः बद, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग को, बन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निविखित स्थितियों, अर्थात् :-- श्री रिष्मिबेंन अिष्यिनी कुमार पाटक,
 बी, स्टेंट बैंक स्टाफ सोसाइटी,
 नवरंगपुरा,
 अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री हमीद खान अमीर खान पडान, हलीमकी खाकी, शाहपूर, अहमदाबाद ।

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्तं सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूबना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अवधि या तत्समान्धी व्यक्तियों पर गुणना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णिकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सुचना के राजपत्र मी प्रकाशन की नार्या से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मी हिल-बद्ध किसी अना व्यक्ति द्वारा अवेह्याधार के पास लिखित मी विस् का संकार।

स्पष्टीकरण:—हममें प्रयुक्त शस्यों और पढ़ों का, जो उउस अधिनियम के अध्याय 20-क भी परियाजित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय भी दिया गया है।

अनुसूची

प्रतित जिसाल क्षेत्रफन सर्वे नं० 71% एउट है। 16, श्राह्मक्तार में स्थित है तथा सम-रकित्य १८८८ है। में रुप्तिहीसमें बिक्किस्त नं० 16244/10-14-36% है।

> आंगल का का लाल लाका का का का कि सहायक आयक्तर आधुक्त (किंक्किक्ट) अर्थन रीतिमी, अहकका का

ৰ্টিজা : 25-6-1983

महिनुष्ट

प्ररूप आई. टी. एन. एस.,-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

निदेश सं० पी० आर० नं० 2485/अर्जन रेंज~23/1/ 83-84--यतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० डी/20 है तथा जो जलदर्शन को० आप० हा० सोसाइटी, आश्रम रोड, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्री—करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ने अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिजित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयं की याबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिंग्त व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री प्रवीत अस्ता संकर आदियाड, $62/\sqrt{0}$, साउण्ट एक्च्यू, फ्लैंट नं० 53, 7, डी० जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-400026 ।

(अन्सरक)

(2) श्री जयकृष्णा जयती लाल फोटक, डी० 20, जलदर्शन को० आप० हा० सोसाइटी लिमिटेड, नटराज सिनेमा के सामने, आश्रम रोड, अहमदाबाद~380009 ।

(अन्तस्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उथत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **सं**45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

र्षष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पलैट जिसका क्षेत्रफल 128 वर्ग यार्ड है जो आश्रम रोड, अहमदाबाद में स्थित है तथा प्राप्त किया दिनांक 22-11-1982 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--I, अहमदाबाद

तारीख : 25-6-1983

प्ररूप. आई. टी. एन्. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, अहर्मदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2486/अर्जन रेंज 23-1/ 83-84--यतः मुझे, आर० आर० णाह्

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षप्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मर्वे नं० 819/2 है तथा जो मकरबा, जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) 'रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्फो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त रंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तियक रूप से किथा नहीं किया वया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरतः के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा फेलिए; और/या
- (हा) ऐसी किसी आय या किसी धन ए। अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए।

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिया बाबितयों, अर्थात् '---

(1) श्री जयन्ती लाल सेंधाभाई पटेल,
2. श्री नटवर भाई सेंधाभाई पटेल,
गांव मोहम्मदपुरा।
जिला अहंमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) आम्प्रपूज प्रान्टेंसेन प्राइवेट लि०, की ओर से : श्री जिनेन्द्र मनी लाल मिस्त्री, 'मह भालती' हारकोर्ट रेलवे कासिंग के नजदीक, नवरंगपुरा, अहम शबाद ।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन वे भीतर उत्तत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किभी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्माणत में किए जा सकरी।

स्पष्डीकरणः--इसकं प्रयोजत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।•

अनुसूची

जिमीन जिनका क्षेत्रफल 38 गृटा है जो गांव मकरबा, जिनकी महमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद में रिजर्ट्राकर्ता विकीखन नं 16660 और 16661/29-11-1982 है।

आर० आर० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I. अ**हमदाकाद**

तारीख : 25-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जुन 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2487/अर्जन रेंज 23-I/83-84--वतः मुझे, आर० आर० णाह

अगयक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 797/1 है तथा जो मकरवा, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, तारीख 29 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '--- (1) श्री मानेक लाल जोइता राम पटेंल, 54, रंग सुजलाम सोखाइटी, नवरंगपुरा, अहमदावाद ।

(अन्तरकः)

(2) आम्प्रकुंज प्लांटेशत प्राइवेट लिए, 'मधु मालतो', हारकोर्ट रेलवे क्रांत्रिम के नजिक्त, नवरमपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निष्टित में किए जा सकेंगे।

म्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गुया हैं।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 1 एकड़ 39 एउट है जो गांव मकरबा, जिला अहमदाबाद से स्थित है लेश राज-रिक्ट्रार, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकर्ता विश्वीदान में० 16663, 16665, 16666, 16668/29--11--1982 है।

> आरण्आरण्णाह् भाजमा प्राधिकारी सहायक आयाम् जासमा (निशिक्षण) अजेन र्रज-1, अनुमदाबाद

तारीखा । 25-6-1983 मोहर : प्रथ वाहा. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जून 1983

निदेण सं० पी० आर० नं० 2488/अर्जन रेंज 23-I/ 83-84-- अत: मुझें, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

25,000/ स्ता सायक है और जिसकी संव टीव पीव एसव नंव 3, एफव पीव नंव 621, एसव पीव नंव 621, एसव पीव नंव 9-बी है तथा जो पाटीदार कोव आपव हाव सोमाइटी, एलिस क्रिज, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपायद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्ट्र कत्ती सिकारी 37-ईई फार्म पर से के कार्यालय, निम्न हस्ताक्षरकर्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 4 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निव्निलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्त्रीयक रूप से कथिया नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण में हाई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए और/मा
- (स) एनी किसी आय या फिसी धन या बन्य आस्तियों को., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री हर्षवर्दन अंबालाल तख्तावाला, 9 ए, पाठीहार सोसाइटी, पंचवटी, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री उपाकांत कनुभाई पटेंल, श्रीमती मीनाक्षीबेन ऊषाकांत पटेल, बी-12, फ्रेंड्स कालोनी, नवरंगपुरा, घार रास्ता, अहमदाबाद-380014।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्स्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विकत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

खुली जमीन का फ्लोर जिसका क्षेत्रफल 690 वर्ग यार्ड है जो पाटीहार सोसाइटी, एलिस विज, अहमदाबाद में स्थित है तथा 37 ईई फार्म प्राप्त किया हुआ निम्न हस्ताक्षरकर्ता किया 37 ईई फार्म पर से दिनांक 4-11-1982 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख : 25-6-1983

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

नायकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्याज्य, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 जन 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2489/अर्जन रेंज 23-I/ 83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह,

कावकर जिभिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 263 बी-1, एफ० पी० नं० 297, टी० पी० एस० 14, एफ० पी० नं० 1 है तथा जो दिरियापुर-काजीपुर, शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित्त है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी 37 ईई फार्म परसे के कार्यालय, निम्न दस्तखत किया हुआ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 नवम्बर, 1982

की पूर्णेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाम बितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुच्च उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया बतिकस, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उपसे यचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सृविधा के लिए;

ब्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अधीत :—

 श्री नवनीत लाल बालाभाई, 'नोबिल्स, बिल्डिंग ए, तीसरी मंजिल, आश्रम रोड, नेहरू क्षिज के सामने, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) हरी मंदिर को० आप० हा० सोसाइटी लि०, चेयरमैन : श्री अमृधलाल जोरता राम पटेल, 7/38, प्रभु नगर, असाखा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त संप्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अपक्षेप रू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारि ते 4.5 दिन की ज्विधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ¹ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**व से**45 दिन के भीतर उक्त स्थार सम्पत्ति में हितवध्य
 किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा मुधाहस्ताक्ष्री के पाड़
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही क्षे होगा, जो उह अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 829.50 वर्ग मीटर+509.64 वर्ग मीटर है जो दरियापुर काजिपुर महामदाबाद में स्थित है तथा 37 ईई फार्म प्राप्त किया दिनांक 13-11-1982 और प्राप्त किया दिनांक 19-11-1982 है।

आर० आर० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, अहमदाबाद

सारीख: 27-6-1983

मोहरः

प्ररूप नाइं. टी. एन. एस..=---=

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाव

अहमदाबाद, दिनांक 27 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2490/अर्जच रेंज 23-]/ 83-84--अत: मुझें, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 263 बी-1, एफ० नं० 297, टी० पी० एस० 14 है तथा जो एस० पी० नं० 1, दिरयापुर-काजीपुर, शाही बाग, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में 37 ईई फार्म पर से के अधीन, तारीख 13 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एर्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके एर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अविनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें सिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री पुरुषोत्तम बालाभाई, 48, सत्याग्रह छावनी, सेटेंलाइट रोड, (जोधपुर), अहमदादाद । 'नोबल्स' ए बिल्डिंग, 3 फ्लोर, आश्रम रोड, ग्रहमबाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री अमृतलाल जोरता राम पटेल,
7-38, प्रभु नगर,
असाखा, अहमदाबाद ।
चेयरमैन:
हरी मंदिर को० आप० हा० सोसाइटी लिमिटिड

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के उर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बर्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 829.50 + 509 64 वर्ग मीटर है जो दरियापुर, काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा 37 ईई फार्म प्राप्ट किया दिनांक 13-11-1982 है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहदाबाद

तारीख: 27-6-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जून∙1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2491/अर्जन रेंज 23-I/ 83-84--अत: मुझें, आर० आर० शाह,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं.

और जिसकी सं सर्वे नं 263-सी, एफ पी 297, टी पी एस 14 है तथा जो एस पी नं 2, दिरयापुर काजीपुर, शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद 37 ईई फार्म पर से के अधीन, तारीख 13 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1 श्री पुरुषोत्तम बालाभाई और पुल सगीर देवल परषोत्तम ।
 - 2. श्री नवनीत लाल बालाभाई और उसके पुत सगीर कुलदीत नवनीत लाल, सगीर भूषण नवनीत लाल, 'नोबल्स' बिल्डिंग ए, तीसरी मंजिल, आश्रम रोड, नेहरू ब्रिज के सामने, अहमदावाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री अमृत लाल जोहताराम पटेल, 7-38, प्रभु नगर, आसाखा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—हसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 2662 वर्ग यार्ड है जो दरियापुर काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा 37 ईई फार्म प्राप्त किया दिनांक 13-11-1983 और उस पर से प्राप्त किया दिनांक 19-11-1982 है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–Iृ, अहमदाबाद

तारीख: 29-6-1983

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयुक्तर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अहम्दाबाद, दिनांक 29-6-83

निदेण सं० पी० आर० नं० 2492/अर्जन रेंज 23/I-83-84--अतः मुझे, आर० आर० णाह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रुक्त से अधिक है

और जिसकी मं० एफ० नं० 202/2 पैकी है तथा जो गांव वेजनपुर, जिना अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अपधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे स्रयमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रितिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रितिक्त निम्निलिति उद्देश्य से सकत बन्तरण सिचित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दूबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह (1) श्री रमाजी श्राताजी ठाकोर, गांव वेजलपुर, जिला अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री चतुरभाई अंबालाल पटेल, केयर आफ प्रमिलाबेन पटेल, 3/54, सुन्दर नगर, नारनपुरा, अहमदाबाद-380013 ।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीए :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यध्यीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन (बांधकाम सहित) जिसका क्षेत्रफल 660 वर्ग मीटर है बेजलपुर, जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 16152/ 8-11-1982 है।

> आर० आर० **गाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजें , अहमवाबाद

तारीख : 29-6-1983

मोहरू 🕄

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस•-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद,दिनांक 29 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2493/अर्जन रेंज 23/I/ 83—84——अतः मुझे, आर० आर० शाह,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित्र वाजार मृत्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पीं० नं० 202/2 पैकी है तथा जो गांव वेजलपुर, जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का परवह प्रतिशत श्रीधक है श्रीर श्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखिन में वास्तविक का से कांग्रित नहीं किया गया है।——

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्तु अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्य में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी मान या किसी धन या मन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय म्रायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत मिनियम, या धनकर मिनियम, या धनकर मिनियम, या धनकर मिनियम, या धनकर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती ज्ञारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सुविधा के लिए;

जतः न्यं उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण में के, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं की उपभारा (1) के क्षीन, निम्निनिधित व्यक्तियों, न्यांत ह—

(1) श्री रामाजी आताजी ठाकोर, गांव वेजलपुर, जिला अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती फागुनीबेन सुमन्तराय जोशी, केयर आफ प्रमिलाबेन पटेल, 3/54, सुन्दर नगर, नारनपुरा, अहमदाबाद-380013 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना अपरो करके पूर्वोक्त समाति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियों. करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षीप :--

- (त्त) इन सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की स्रविध या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की स्रविध, को भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में ने किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उबत ग्रिक्षियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रबं होगा, जो उस ग्रव्याय में दिया गया है।

वद्सूची

जमीन (बाधकाम सहित) जिसका क्षेत्रफल 660 वर्ग यार्ड है जो वेजलपुर, जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रिजस्ट्रार, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत न० 16153/ 8-11-1982 है ।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , अहमदाबाद।

तारीख : 29−6-83

मोहरः

भक्ष बाई • टी • एन • एस •----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अजन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2494/अर्जन रेंज 23-1/ . 83-84--अतः मुझें, आर० आर० शाह,

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'69-रू के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य और जिसकी सं एफ पी० नं 202/2 पंकी है तथा जो गांव वेजलपुर, जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, शारीख 8 नवम्बर, 1982

को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरिशियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिसित वास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य मास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामाजी आताजी ठाकोर, गांव वेजलपुर, जिला अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शिल्याबेंन जमीयत राम पण्डित, केयर आफ प्रमिला बेन पर्टेल, 3/54, सुन्दर नगर, नारनपुरा, अहमदाबाद-380013!

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कर कम्पृतित के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पृतित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीत से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हिकरण्:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

जमीन (बांध काम सहित) जिसका क्षेत्रफल 660 वर्ग यार्ड है जो वेजलपुर, जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 16158/8-11-1982 है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 29-6-1983

मोहर 🤃

प्ररूप भार्षे .टी .एन .एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जन 1983

निदेण सं० पी० आर० नं० 2495/अर्जन रेंज-23-]/ 83-84-अतः मुझ, आर० आर० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 202/2 पैकी है तथा जो गांव वेजलपुर जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 नवम्बर, 1982

को प्वोंकत संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से क्रम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और रिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धानता, उक्त बिधितयम, के क्षीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्धा के सिए;

गतः भव, उक्त विधिविसम की भारा 269-ग के भनुसरण में, में उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रामानी आताजी ठाकोर, गांव वेजलपुर, जिला अहमदाबाद ।

(अन्तरकः)

(2) नर्मदा बेन भगवानदास पटेल,
·केयर आफ प्रेमिलाबेन पटेल,
3/54, सुन्दर नगर,
नारनपुरा,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत संपृत्ति के सर्जन के सम्जन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्मष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जॉ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, 'जो उस अध्याय में विया प्याहै।

अनुसुप्री

जमीन (बाध काम सहित) जिसका क्षेत्रफल 660 वर्ग यार्ड है जो गांव वेजलपुर, जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता बिक्षी खत नंद 16159/8-11-1982 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त• (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 29-6-1983

प्रकप भाई० डी• एन• एक०---

भायकर अधिनियम: 1961 (1961 का 43) की घार। 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद,दिनांक 29 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2496/अर्जन रेंज 23-र-83-84--अत: मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गैया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र संग्रधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 24 पैकी 1/4 है तथा जो वेजलपुर, जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 नवम्बर, 1982

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के सधीन कर केने के सम्बद्ध के दायिश्व में कमी करने या इससे बचनें में सुविद्या के सिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आक्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए।

र अतः सच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्री रसिकलाल कचराभाई पटेल, गांव जोधपुर, जिला अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शांताबेन बेचरदास पटेल, केयर आफ प्रेमिलाबेन पटेल, 3/54, सुन्दर नगर, नारनपुरा, अहमदाबाद-380013।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अवधि या तस्त्रक्ष्मण्यी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवात, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की वारी का से 45 दिन के भीवर उनत स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 910 वर्ग मीटर है जो वेजलपुर, जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रिजस्ट्रार, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकर्ता विकीखत नं 16147/8-11-1982 है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

नारीख : .29-6-1983

बाबुकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

BISG BARIS

कार्यास्य, सहायक थायकर थायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2497/अर्जन रेंज-23/1 83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह,

बावकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 24 पैकी 1/4 है तथा जो वेजलपुर, जिला अहमवाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 नवस्बर, 1982

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उसते अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दामिएक में कभी करने या उससे सकने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अध्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाजा आहिए था, जिनाने को स्विभा के लिए;

(।) श्री रसिक लाल कचरामाई पटेल, गांच जोधपुर, जिला अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(३) श्री अवालाल तिलोचन दास पटेल क्षेयर आफ श्रीमती प्रेमिलाबेन पटेल 3/54 सुन्दर नगर, नारनपुरा, अक्शदाबाद।

(अन्तरिती)

का यह स्वान कारी करके पूर्वोंक्स स्म्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 विन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक मिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगी, जो उस अध्याय में दिया ह्या है।

अनुसुची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 910 वर्ग मीटर है जो वेजलपुर, जिला अहमदावार्दें में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदावार्दें में रियत है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदावाद में रजिस्ट्रीकर्ता विकाखत नं० 16142/8-11-1982 है।

आर० आर० शाह सक्षमं प्राधिकारी इायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज—I, अहमदाबाद

शत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, को उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभाग (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 29-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>घायकर घायुक्त (निरीक्</mark>षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2498/अर्जन रेंज-23/I/83-84--असः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रंज. से अधिक है

और जिसकी सं एफ पिं नं 24 पैकी 1/4 है तथा जो बेजलपुर, जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 नवम्बर, 1982

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 नवम्बर, 1982 का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मूफे यह विश्वास क,रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रिसकलाल कचराभाई पटेल, गांव जोधपुर, जिला अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रामती चेयाबेन बाबूलाल पटेल, केयर आफ श्रीमती प्रीमिलाबेंन पटेल, 3/54, सुन्दर नगर, नारनपुरा, अहमदाबाद-380013।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 910 वर्ग मीटर है जो गांव वेजलपुर, जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा सब–रजिस्ट्रार, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 16143/8–11– 1982 है।

आर० आर० णाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-1, अहमदाबाद

सारीख: 29-6-1983

प्रकर बार्ड, टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमद्राबाद, दिनांक 29 जून 1983

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 2499/अर्जन रेंज <math>23/I/83-84—अतः मुक्षे, आर० आर० गाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ఈ से अधिक है

अौर जिसकी सं० एफ० पी 0 नं० 24 की 1/4 है तथा जो वेजलपुर, जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य,, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की शायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने अचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के निक्;

नतः नव, उक्त अधिनियम् क्री वाद्य 269-ग के वनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धाद्य 269-ग की उपभारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रसिंक लाल कचराभाई पटेल, गांव जोधपुर, जिला अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) प्रमीलाबेन व्रिकमलाल पटेल, केयर आफ प्रमीलाबेन एम० पटेल, 3/54, सुन्दर नगर, नारनपुरा, अहमदाबाद-380013।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी बुसे 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्पीक्त यों पर सूचना की वासील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल विद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिंसित में किए जा सके थे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 910 वर्ग मीटर है ज गांव बेजलपुर, जिला अहमवाबाद में स्थित है तथा अहमवाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत न० 16146/8-11-1982 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमवाबाद

तारीख: 29-6-1983

मोहर

प्ररूप कार्षं, टी. इन्. एस्.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 23-I, अहमवाबाद अहमवाबाद, दिनांक 29 जून 1983 निवेश सं० पी० आर० नं० 2500/अर्जन रेंज 23-I,/ 83--84---अत: मुझे, आर० आर० शाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० चैस्न सर्वे न० 209, प्लाट न० 21/ए है सथा जो देसार नगर, विस्तार चैत्र भाव नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इप से क्थित नहीं किया गया है:—

- (क) शन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
 -) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती अनुसुयाबेन सेम्पुल चापड़ा, फुल मुखतयार :
अपनीबेन रजनीकांत क्रिश्चयन, देरी रोड, 634/बी, भावनगर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ग्लोरियाबेन सेम्पुल चापड़ा, 634, देरी रोड, भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित् बुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलिकयत जो देसारी विस्सार चैन्न सर्वे न० 209, पैकी प्लाट न० 21/ए, भावनगर में स्थित हैं।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-^I, अहमदाबाद

तारीखं: 28-6-1983

प्रक्रम बाहे. टी. एन. एस.

नाय्कर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) ने संशीत स्वता

शास्त इंस्कार

कार्यालय, सहायक मायकर मायकत (निरक्षिण)

अर्जन रिंज $-{
m I}$, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 जून 1983

निदेण सं० पी० आर० नं० 2501/अर्जन रेंज 23/I/ 83-84—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

नायकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उन्तां अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2150 बी/2 है तथा जो बाघ-पाड़ी के पीछें, भावनगर में स्थित है (और इसमे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ती अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 नवम्बर, 1982 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य ते उक्त अन्तरण निचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) वन्तरण से हुन्दं किसी वाय की वावत, उपतः वृत्तिष्ववृत् के वृत्तीम् कर दोने के वन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा के तिवृत्त कृष्टिंगा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों अर्थात्—ः

(1) श्री वसंतराय बेनीलाल मेहता, 30, प्रकृतिकुंज सोसाइटी, श्रेयस टेकरो, मदरपुरा रोड, अहमवाबाद-15।

(अन्तरक)

(2) श्री निशीथ पोपटलाल मेहता, मेहसा टेरेस, सत्य नारायण रोड, भावनगर।

('अन्सरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्नर सुम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष्:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृथानित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उकत अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषितः ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

्लाट न० 2150 बी/2, जो बाघपाडी रोख, भावनगर में स्थित हैं ।

आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 28-6-1983

मोहर 🖁

प्रस्थ मार्ड. टी. एन. एस्.-----

आयकड अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीनु सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2502/अर्जन रेंज 23 /I/ 83-84--अतः मझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित गजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं जामपुरी एस्टेंट सीटी सर्वे नं 1/जी/4 हैं तथा जो प्लाट नं 2 एस० पी० नं 21/1, जामनगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुष्ची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उफ्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :-- (1) श्रीमती दमयन्तीवेंन मुकेश कुमार ध्रुव, कायस्थकी आंबलीके नजवीक, जामनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री वीरेन्द्र मनीलाल मेहता, श्रीमती प्रीति रजनीकांत मेहता, 45, दिग्विजय प्लाट, जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यो

खुली जमीन का प्लाट जो जामपुरी एस्टेंट सीटी सर्वें न० $1/\overline{\text{जी}}/4$, प्लांट नं० 2, सब प्लाट न० 21/1, पर स्थित है जिसका क्षेत्रफल 464.50 वर्ग मीटर है ।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I अर्गहिद

ारीख : 28-6-1983

मोहर

प्ररूप बाइ टी एन एस .-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अष्टमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 जून 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2503/अर्जन रेंख 23/I/ 83-84-अतः मुझें, आर० आर० गाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ₍रतः संबधिक **ह**ै

और जिसकी सं० सर्वे न० 1676, 1717, 1675 और 1716 सीं० न० 386-8-6-7 है क्षया जो कालुपुर ट्रफीक सर्कल, कालुपुर दरवाजा बारर, रेलवेपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 4 नवम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल के पन्त्रहप्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई कि सी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय भायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-**कर अभि**नियम, 1957 (1957 का 27) .के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में सुविधा

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः---

> सूर्यकांता सोभा भाई पटेल, ज्योत्स्नाबेन सोमाभाई पटेल, 29, अंबिका सोसाइटी, उस्मानपुरा, अहमदाबाद । **की ओर** से फुल मुख्तयारः मनेजिंग डायरेक्टर.

विजय को० आ० बैंक लिमिडेंड, नोबल्स, ग्राउण्ड फ्लोर, आश्रम रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री नटबर लाल प्रभुदास पटेल, मनेजिंग डायरेक्टर : श्री विजय को० आ० बैंक लिमिटेंड, 'नोबस्स', ग्रांउड फ्लोर, आश्रम रोड, अहमदाबाद ।

(अन्सरिती)

- 1. चीन्भाई मंगलरास, माप नं० 386/7 ।
- 2. श्री चीनुभा न्यालचन्द, **शाप न० 386/8** ।
- 3. सौराष्ट्र टी डिपो, शाप न० 386/8 । भानुप्रसाद पी० पटेल, 386/8 1 पुंजीराम हरगोपनदास, शाप न० 386/8 । केयर/आफ विजय को० आ० बैक लि०, ग्राउण्ड फ्लोर, कालूपुर दरवाजा बारर ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोक में सपत्ति है)

को महस्चना जारी करफो पूर्वोक्त संपरित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चुना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उत्तस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

मकान जो रेलवेपुरा अहमदाबाद में स्थित है सथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं 0 15917 श्रीर 4-11-1982 और 4-11-1982 है।

आर० आर० शाह सक्षाम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 30-6-1983

मोहार 🖫

प्ररूप साई • टी • एन • एस • ------

भ्रायकर भ्र**धिनियम, 1961 (1961 का 43) की बार।** 269-**च(1)** के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज $-\mathbf{I}$, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2504/अर्जन रेंज 23/I/83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह,

थाय कर श्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तर्में इसके पश्चात् 'उक्त श्रीविनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रीविन ब्राम्स श्रीविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- र से ध्रीविक है

और जिसकी स० सर्वे नं० 1718 और 1719, सी० नं० 386-4 है सथा जो कालूपुर, ट्रिफक सेन्टर, कालूपुर दरावजा बारर, रेलवेपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 नवम्बर, 1982

तो पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार रूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का नद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिश्व में कमी करने या उक्षणे कमने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किनी पाय या किसी धन या घरण आस्तियों की, जिरहें शारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) हसुमतीबेन बेचरवास पटेल, 29, अंबिका सोसाइटी, उस्मानपुरा, अहमवाबाद। की ओर से पुल मुख्तयारः मनेर्जिग डायरेक्टर: विजय को० आ० बैंक लि०, नोबल्स ग्राउण्ड फ्लोर, आश्रम रोड, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री नटबरलाल प्रभुवास पटेल, मनेजिंग डायरेक्टर : व विजय को० आ० बैंक लि०, 'नोबल्स', ग्राउण्ड फ्लोर, अक्ष्मम रोड, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

- (3) 1. श्री जसवन्तलाल अंबालाल , गाप न० 386/3 ।
 - श्री हीरालाल साफरलाल, गाप न० 386/4 ।
 - 3. डिलाइट आटो स्टोर्स भाप नं० 386/5 ।
 - श्री किशनचन्द दीपचन्द , शाप न० 386/5/1 । केयर आफ विजय को० आप० बैंक लि०, कालूपुर दरवाजा बारर, कालूपुर, अहमदाबाद ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के <mark>सर्</mark>जन के ंलिए कार्यवाहियां करताहूं।

उनत सम्पति के प्रजंन के सन्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्ता भीर पर्तो का, जो सन्त प्रक्षिनियम के ब्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है.।

अनुसूची

बिल्डिंग जो रेलवेपुरा, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 15927, 15940, 15961/4-11-1982 है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमवाबाद

तारीख : 30-6-1983

प्ररूप् भारं . टी., एन., एस्.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2505/अर्जन रेंज 23/I/83-84—यतः मुझे, आर० आर० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हर, से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 1721, सी० नं० 386-2 और - सर्वे नं० 1722 सी० नं० 386-1 है लथा जो कालूपुर ट्रैफिक सेन्टर, कालूपुर दरवाजा बापुर, रेलवेपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आयकी बाबत, उक्त शिक्षियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृतिका के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) सुणीलाबेंन मानेकलाल पटेल, 5, मित्र मंडल सोसाइटी, उस्मानपुरा, अहमदाबाद की ओर से कुल मुख्तयार : मैनेजिंग डायरेक्टर : विजय को० आप० बैंक लि०, 'नोबल्स', ग्रांउड फ्लोर, आश्रम रोड, अहमदाबाद । (अन्तरक)
- (2) श्री नटवालाल प्रभुदास पटेल मैनेजिंग डायरेक्टर; दी विजय को० आ० बैंक लि०, 'नोबस्स', ग्राउण्ड फ्लोर, आश्रम रोड, अहमदाबाद ।

(अन्सरिती)

- (3) 1 श्री संकलसम्द खुमानी, गाप नं० 386/2 ।
 - श्री गंगाराम भगवानदास,
 शाप नं० 386/1 ।
 - श्री नगीनदास जुमखराम,
 शाप नं० 386 ।

(वह ट्यंक्ति, जिसके अधिक्योग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- स्यूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उत्तर अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान जो रेलवेपुरा, अहमवाबाद में स्थित है तथा सब-रिजस्ट्रार, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं 15966/ 4-11-1982 और 5-11-1982 है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निदीक्षण) अर्जन रोंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 30-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2506/अर्जन रेंज <math>23/I/83-84—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और इजसकी सं० सर्वे नं० 466, फ्लोर नं० 43, पैकी 124 वर्ग यार्ड है तथा जो एरोड़ाम रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 (6 अक्तूबर, 1982)

को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएवोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;
- भों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंश व्यक्तियों, अर्थात् :——
 के अधीन, निम्निसिंश व्यक्तियों, अर्थाद्ध ध——
 16—196 GI/83

(1) श्री लक्ष्मीदास कालीदास कोटेचा, खाखड़ाबेला, तालुका, पठारी । जिला राजकोट ।

(अन्तरक)

'(2) श्री विनोदचन्द्र हरीदास पन्पन, 27, करनपरा, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग एरीड्राम रोड, सर्वे नं० 466, प्लाट नं० 43, पैकी 125-6-0 वर्ग यार्ड है।

> आर० आर० णाह ंसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, अहमबाबाद

तारीख: 30-6-1983

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2507/अर्जन रेंज 23/1/

83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- स अधिक है

और जिंमकी सं दुकान है तथा केनाल रोड, ग्राउण्ड फ्लोर, ओनरिशप में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 नवम्बर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत प्रिषक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पोया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (192? का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

ज्ञतः अज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स शेंड बिल्डर्स, लीलम चेम्बर, ढेबर रोड, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभावेन अमृतलाल, सट्टा बाजार, पेरापल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कः स्ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया है।

अनुस्ची

केनाल रोड, ग्राउण्ड पलोर पर स्थित है जिसका बिल्ट एरिया का क्षेत्रफल 300-08 वर्ण फीट है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, अहमदाबाद

तारीख : 30~6**–19**83

प्ररूप आहें े टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 जुन 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2508/अर्जन रेंज 23/1/83-84—यतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० बोर्ड नं० 7, शीट नं० 232 है तथा जो मावडी प्लाट शेरी नं० 6, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वॉणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ६—

(1) कोटाचा दिनेशचन्द्र गोवर्धनदास, 14/15, रामकिशन नगर, पुष्पकुंज, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) बोरा रमेणभाई गोषरभाई, 3, गुरुजन सोसाइटी, मेलडीकृया, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो भावडी प्लाट, शेरी नं० 6 पर स्थित है जिसका सी० एस० बोर्ड नं० 7, शीट नं० 232 सनद नं० 459 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अष्टमदाबाद

तारीख: 30-6-1983

मोहर: .

प्ररूप आईं. टी. १२न., एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2509/अर्जन रेंज 23/1/ 83-84--यतः मुझे, आर० आर० साह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 'आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकी सं शेरी नं 22/23, जगन्नाथ प्लाट है तथा जो सेकण्ड फ्लोर, राजकीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 नवम्बर, 1982

को पूर्विक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरम लिखित में कास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्ते अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और्∕या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानां चहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् र्~- (1) जयेश कुमार हरखलाल कक्कड़, 23, जगन्नाय फ्लोर, राजकोट ।

(अन्सरकः)

(2) हंसाबेन चमनलाल बुआरीया, 10, मनहर फ्लोर, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

<u>जनस्त्री</u>

पर्लंट नं० 16, सेकण्ड पस्तोर, जगझाथ प्लाट मोंरी नं० 22/16 परस्थित है क्षेत्रफल 742 वर्ग फीट है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—1, अष्टमदाबाद

तारीख: 2 जुलाई 1983

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2510/अर्जन रेंज 23/1/ 83-84--अतः मुझे, आर० आर० गाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद कुला अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट वैभव एपार्टमेंट में है तथा जो रामकृष्ण नगर, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्नलिखित उद्देश्य से उसते अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुई किसी आयुकी बाबस, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना बाहिए आ, ष्टिपाने में सुविभा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्रीमती मंजुलाबेन मनहरलाल, 12/35, करनपरा, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स महाबीर कंस्ट्रक्शन कं० और भागीदार, रामकृष्ण नगर, वैभव एपार्टमेंट, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्यव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट जो वैक्सक एपार्टमेंट, रामकृष्ण नगर, राजकोट न स्थित है, क्षेत्रफल 1120 वर्ग फीट है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

नारीख: 2-7-1983

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2511/अर्जन रेंज 23/1/ 83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं० पलैंट रामकृष्ण नगर, एपार्टमेंट में है तथा जो राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) महाबीर कन्स्ट्रवशन कम्पनी, वैभव एपार्टमेंट, रामकृष्ण नगर, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हीराबेन एम० गाह और श्री महेग कुमार एस० गाह, 7, रामकृष्ण नगर, वैभव एपार्टभेंट, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यमाहिया करता हूं।

उक्त सम्पह्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

फ्लैंट जो रामकृष्ण नगर, वैभव एपार्टमेंट 2 पर स्थित है तथा क्षेत्रफल 1120 वर्ग फीट है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आंयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, अहमदाबाद

तारीख : 2-7-1983

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत गर्दार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1982 निदेश सं० पी॰ आर० नं० 2512/अर्जन रेंज 23/I/, 83-84--अतः मझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपक्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग भिनतनगर सोसाइटी में है तथा जो गोरी नं० 9 फ्लैंट नं० 34 ए राजकोट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिश्वित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिक हमा की स्था से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की शबत उक्त विधि-नियम के वधीन कर दोने के अन्तरुक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सविधा के सिये: वीर∕या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात्:--- (1) चंदनपेन जेहालाल मेहता, 13, प्ले ग्राउज्ड रोड, बीले पारले (ईस्ट), बम्बई-57 ।

(अन्तरक)

(2) श्री नवीन भाई चन्दूलाल दवे, 33, प्रह्लाद फ्लोर, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारों, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त इः ब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो भिक्तनगर सोसाइटी शेरी नं० 9 फ्लोट नं० 34 ए पर स्थित है तथा जिसका क्षेत्रफल 690 वर्ग यार्ड है ।

> आर० आर० णाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, अहमदाबाद

तारीख +: 2-7-1983

प्ररूप साईक टीक एनव एसक--

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ंष (1) के ग्रश्नीन सुचना

भारत् सरकार

कार्यालय सहायक आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2513/अर्जन रेंज 23/1/83-84- तः मुक्षें, आर० आर० शाह

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० 369, एस० पी० नं० 1, टी० पी० एस० 20, म्युनिसिपल नं० 369-3 और 369--1 है तथा जो गुलबाई टेंकरा, अहमदाबद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे शश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/मा
- (ख) ऐसो किसी आय पा किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था खिपाने में संविधा के लिए।

अतः अन, उक्त अधिनियस की धारा 269-ग के अनुसरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री इन्द्रबदन करुनाशंकर अद्धार, दी न्यू सन मिल्स कम्पनी प्राइवेट लि०, न्यू सम मिल रोड, लोवर परेल, बम्बई-13 ।

(अन्तर**क**)

(2) श्री लालचन्द भोगीलाल शाह, श्रीमती इन्द्रीशबेंन लालचन्द शाह, श्री परेश लालचन्द शाह, श्री विनेश लालचन्द शाह, श्री जीगर लालचन्द शाह, लीना एपार्टमेंट, म्युनिसिपल मार्केट, के नजदीक, नवरंगपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपल सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्होकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

बिल्डिंग जिवका जमीन का क्षेरफल 945 वर्ग मीटर है जो तटी० पी० एस० एस० 20, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 14922/10-11-82 है ।

आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 2-7-1983

प्ररूप आई'.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

शास्त्र सरकार

कार्यालय सहायक जायकर जायूक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, निांक 2 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2514/अर्जन रेंज 23/1/83-84-- तः मुझें, आर० आर० शाह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 44, 545 पैकी 46, 47, 53 पैकी है तथा जो मेमनगर, टी० पी० एस० 1 एफ० पी० 99 और 105, मेमनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से काम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (बंदिरितकों) के बीच एसे अन्तरम के लिए तम पासा गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक स्व के किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उसत् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के निष्ट; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, चिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

(1) श्री शादूलभाई जयंत कुमार पासापाली और अन्य, न्तन सोसाइटी, पालडी, श्रह्मदाबाद-380007।

(अन्तरक)

(2) श्री अभिनन्दन स्वामी मेम नगर को० आप० सोसाइटी लि०, चेयरमैन : श्री प्रवीन चन्द्र अमृत लाल शाह, 50, हरी सिंह चेम्बर्स, आश्रम रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके प्यॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के हिन्छ कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृद्धींका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निवास में किए जा सकोंगे।

स्पाक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अम्स्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 7182—7832 वर्ग मीटर है जो मेम नगर, अहमवाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमवाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 11593 और 11592 4-11-1982 है।

> , आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 2-7-1983

माहरु 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबद, दिनांक 1 जुलाई 1983

निदेश से० पी० आर० नं० 2515/अर्जन रेंज 23/1/83-84--अतः मुझें, आर० आर० माह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्सके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 50-2, 51-5 पैकी है तथा जो जो हांसोल, जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देषयों से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ट अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्थ / गर
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

ं अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- ् (1) श्री सुदर्शन लक्ष्मी मंकर जोशी,
 - क्वाह्मण मित्र मंडल सोसाइटी, ओल्ड शारदा मंदिर रोड, एलिस क्रिज, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

- (2) श्री जयहरी कृष्ण नगर को० आ० सोसाइटी, चेयरमैन : रावजी भाई नारनभाई पटेल,
- स्वामी गुभातीत सोसाइटी, मेम नगर, बस स्टैंड के नजबीक, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकवृष् किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्पन्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क्र में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस मुख्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

जमीन जो हांसोल, जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं॰ 16006, 16007, 16010, 15942, 15943 15947, 15955, 15956/नवम्बर, 1982 है।

> आर० आर० भाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) · अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख: 1-7-1983

त्रक्य बाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जुलाई 1983

निर्देश नं० पी० आर० नं० 251,6-प्रर्जन रेंज-23-I/83-84---अतः मुक्ते, आर०आर० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी०टी सर्वे नं० 148, एस० पी नं० 738 से 740, 742 चैकी है तथा जो ऋषिकेश अपार्टमेंट, फ्लेट नं० 15, माइनर प्लाट, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इस आफिस में फोम नं० 37 ख 29-11-82 को दाखिल किया है में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 29-11-82

को पूर्वेक्ति संपरित् के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्प्रमान प्रतिफल से, एसे इस्प्रमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उच्चेस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ज्ञन्तरण से ष्टुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्रास या किसो घन या भन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर भिक्ष-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भश्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण धों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री रसिक लाल माघुर दास मेहता 26, मील परा, 'मातृष्ठाया' राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री दिलीप कुमार आनदजी कांठारी श्रृषिकेश एपार्टमेंट फ्लेट नं ज 15; मनहर प्लाट, स्ट्रीट नं ज 1, डा० पारिक रोड, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र से 45 चिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सूकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

)जो मनहर प्लाट भेरी नं० 1 जो पारिक रोड, ऋषिकेश अमेन्ट फ्लेट नं० 15 पर स्थित है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहुमदाबाद

तारीख: 7-7-85

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानम्, सहामक नायकर नामकत् (निरक्षिण्)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जुलाई 1983

निदेश नं० पी० आर० नं० 2517-अर्जन रेंज-1/83-84--अतः भूक्षे, आर० आर० भाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की भाउ 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी०टी० सर्वे नं० 148, एम०पी० नं०7, एस०पी० नं० 738 से 740 और 742 है तथा जो 742 पैकी मनहर प्लाट, जो यग्निक रोड, ऋषिकेश एपार्टमेंट फ्लेट नं० 7, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 37 ईई इस ओफिस में फाईल किया है में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-11-82

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तविक क्ष्य से किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की शावत, उज्जत अभिनियम के जुमीन कार दोने के जुन्तरक के बादित्य में कभी कड़ने या उस्से ब्युने में सुदिशा के सिए; बाड़/बा
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्;

नतः भव, उनत अधिनियम की धारा 269-म के मनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रसीकलाल मथुरादास महता 26, मील पारा 'मातछाया' राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) अनंतराय आनंदजी कोठारी ऋषीकेष एपार्टमेन्ट फ्लेट नं० 7 मनहर प्लाट स्ट्रीट नं 1, राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशीक्तः सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब वें
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समापा होती हो, के भीतर पूर्विक्त
 क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ किथिनियम, के बुध्याय 20 क में प्रिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

फ्लेट जो ऋषीकेश एपार्टमेन्ट, स्ट्रीट नं 1 फ्लेट नं 7 मनहर प्लाट राजकोट में स्थित है

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, अहमदाबाद

दिनांक 7-7-83 मोहर : प्ररूप आर्द्र, टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 7 जुलाई 83

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सीटी सर्वे नं० 12, बोर्ड नं० 12 सीट नं० 290 है. तथा जो रनछोडनगर हा० सोसायटीं बेदीपुरा, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फार्म नं० 3755, 11–11–82 को फाईल किया है में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 11–11–82

कां पूर्वोंका संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लास में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे लिए;

अतः अब, अवत अधिनियम का भारा 269-ग क, अन्सरण मों, मों उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अभीत्ः— (1) श्री रामजी धरमशी और भाना प्रेमजी गांव मलिगासन तालुका राजकोट

(अन्तरक)

- (2) पंचोली कुंबरवेन दाभर भाई और श्रन्थ 10, रनछोड-नगर सीसाइटी राजकोट
 - (2) सर्वदा भाषालाल हुकाभाई 10 रनछोडनगर, बेदीयरा, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तिल के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्युक्तियों पर सूचना की शामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रायाः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तें।

स्मस्तीकरणः--इसमें प्रयुक्त प्रव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जिसका सीटी सर्वे नं० (बोर्ड) 12, शीट नं० 290, रनींग नं० 808 है जो 10 रनछोडनगर को हा० सोसायटी बेदीपुरा, राजकोट में स्थित है

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 7-7-83

मोहर 🕄

मुक्स बार्ड्य टी. युन्त पुर्यापुर------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमधाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 मई 83

निर्देश नं पी० आर० नं 2287 ए० एस म्यू -23-11 /83-84--अतः मुझे आर० भार० माह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 3268 है। तथा जो देसरा, ता० गनदेवी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से विणत है ', रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गनदेवी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पेग्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करूने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बार्ट/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब, उनत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उपत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अभीन निम्नलिखित अपिकतमों, अभीत् ि

- (1) श्री शांति कन्स्ट्रंक्शन कंपनी श्री जयप्रकाश नीष्ठुभाई देसाई महादेवनगर बीलीमोरा ता गनदेवी (अन्तरक)
- (2) केमिक्टस आम्ससालारी सर्दिस लि॰ देशय ता॰ गनदेवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पृत्रों कर सम्मृति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

चन्तु बुस्पास क जजन क सम्बन्ध सं काह् भा बाक्सप ध---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय तें 45 दिन की अविभ या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत् व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत अधिनियम, के अध्याद 20 क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

सर्वं नं. 329/1, कोथुर तालुका निफाड जिला नासिक क्षेत्र 2 होकेटयर 81 आर. है। (जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलेख के. 1857 जो नवस्वर 82 की बुख्यम निबंधक निफाड के दक्तर में लिखा है।)

अनुसूची

प्लाट नं 1 सेन्सस नं 3268 जिसका कुल क्षेत्रफल 90 चौ वार है जो देसरा में स्थित है । सब रजिस्टार गनदेवी में 1050 नम्बर पर नं 20-11-82 को र्रीजस्टर्ड किया गया ।

> आर० आर० माह० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II अहमवाबाब

दिनांक :- 30-5-83

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 11 अहमदाबाद

अहमदाबाद,दिनांक 31 मई 83

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2288 ए सी क्यू -23 II/83-84-अतः मृझे आर० आर० शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० प्लाट नं० 175 सर्वे नं० 341/4 हैं।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 175 सर्वे नं० 341/4 है। तथा जो तान्ती पैया, त० पलसाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधि-कारी के कार्यालय पलसाणा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1008 का 16) के अधीन दिनांक 22-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमात । तिफल के लिए अग्वरित की गई है खोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त उम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित स्युक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री लल्लूभाई परबुभाई नायक तांतीथैया, त० पलसाणा जिं० सूरत

(बन्तरक)

(2) श्री हसमुखभाई खंडुभाई नागी, तातीपैया त॰ पलसाणा जि॰ सूरत

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए, जा स्केंगे।

स्थव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्ता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भनुसूची

जमीन प्लाट नं० 275 सर्वे 275 सर्वे नं० 341/4 जिस का कुल क्षेत्रफल 2 हेक्टेयर 28 गुटठास जो तार्तिपेया, . त० पलशाणा में स्थित है। सब र्राजस्ट्रार, कामरेज में र्राजस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० भाह सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 31-5-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 2 जून 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2289 एस क्यू-23-II 83-84-अत: मुझे, आर० आर० शाह

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है तथा जो अली भरुच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरुच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-11-82

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत सक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाणित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य धनसरिती दारा प्रकर्ट नहीं किया सवा या मा किया आया चाहिए वा जियाने में सविधा के लिए;

मतः बन, उन्त अधिनियम की धारा 269-व के धनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के ध्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति:—

(1) श्री किणोरभाई पूंजाभाई प्रजापति नारायण ट्रेडर्स का भागीदार, अणंव ।

(अन्तरक)

(2) श्री रावजीभाई लस्लुभाई पटेल चेयरमैन श्री जयनारायण को०ओ०रा०सो०लि०, भरुच। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी कुर्वे प्रवेषिक धूंपरित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीम सर्वे नं 11 जिसका कुल क्षेत्रफल 1940 चौ वार है जो भरुच में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, झरुच में 5310 नम्बर पर दिनांक 2-11-82 को रिजस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक: 2-6-83

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 हा 43) की घारा 269-प (1) डे पथीन (चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 2 जून 1983

निदेश नं० पी०आर० नं० 2290 एसी० क्यू०—23—II/83— 84——यतः मुझे, आर० आर० शाह्

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी संख्या $156/1-\nu/\bar{q}$ की है तथा जो डुंगरी-भक्त में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रुच में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-11-82

को पृष्यमत सम्पत्ति के उचित नाजार मृह्य से कम के पृथ्यमान प्रतिकल के सिए मन्तरित की गई है भीर मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल है भीर मन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निस्तिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तर सिं शास्त्रक कर में कथि। उन्हों किया मण्डे का

- (क) अन्तरण म हुद्द किसी आय की याबत, तक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जमसंबचने म सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) "या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

अतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में.. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित्:——
18—196GI/83

(1) वाई फातमा अहमद इस्माहल और अन्य हुगरी। तहसील, भरुव।

(अन्तरक)

(2) न्यू शास्त्रीनगर को० आ० हा० सो० लि०, 2, मूर्यदेव मार्केट, भरुच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स् 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और दहों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उत्तर अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

जमीन सर्वे नं० 156/1-ए पैकी 23 गूंठा (2783 चौ० वार) है जो डुंगरी गाम, भरुच में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, भरुच में, 5371 नंबर पर दिनांक 11-11-82 में रिजस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-[[, अहमदाबाद

दिनांक: 2-6-83

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद अहमदाबाद, दिनाँक 2 जून 1983

निदेश सं० पी०आर० नं० 2291 एस०/क्यू०-23-II 83-84-- मतः मुझे, आर० आर० शाह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे नं० 132 पैकी है तथा जो नखतामपुर-भरुष में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भरुष में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे छश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिखत उद्वर्भ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की शायत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जतः जब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री सैयद फरीदमीयां रसुलिमयां नखतामपुर, भरुच।

(अन्तरक)

(2) मगदुमनगर को०ओ०हा०सो०लि०, प्रमुख श्री नाजिर हुसैन मुस्तकली पीरजादा। मकतानपुर ता० भरुष।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकरें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

जमीन सर्वे नं० 132 जिसका कुल क्षेत्रफल 1030 चौ० मीटर है जो भिक्तानपुर भरुष में 5383 नंबर पर दिनांक 12-11-82 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-॥, अहमदाबाद

दिनांक: 2-6-83

प्ररूप आहे. दी. एन. एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयंकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जून 1983

निर्वेश नं० पी० आर० नं० 2292 एस/क्यू -23-II 83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 1995/3 है तथा जो मेहसाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में मेहसाणा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन विनांक 12-11-82

को पूर्वोक्त संपित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धीरा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) श्री मफतलाल जायताराम प्रजापति
 - (2) श्री प्रहलादभाई मफतलाल एण्ड को०
 - (3) श्री बाबुलाल मफतंलाल एण्ड को.
 - (4) श्री बाल् भाई म्फतलाल एण्डको.
 - (5) श्रीः ईश्वर लाल जायताराम प्रजापति मोहसाणा

(अन्तरक)

 नटराज को० ओ० हा० सो० लि० आयोजक श्री गैलेश कुमार चन्दुलाल गाह मेहसाणा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्ष,रि के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिएण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 1995/3 जिसका कुल क्षेत्रफल 2 एकड़ 5 गुंठा है जो मेहसाणा में स्थत है सब रिजस्ट्रार मेहसाणा में नम्बर 2959 पर ता० 12-11-82 को रिजस्ट्रार्ड की गई है।

> आर० आर० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख :13-682 माहरुः। प्ररूप आहूर.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II-अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जून 1983

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 2293 एसीक्यू-23-II/ 83-84—अत: मुझे, आर० आर० शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 1995/3 है तथा जो मेहसाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचं में और पूर्ण रूप रें। विणित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेहसाणा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दा० 12-11-82

को पूर्वोक्षत सम्प्रति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखित उद्दर्श्य से उबत अंतरण निम्ति में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए;
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. (1) श्री मुफललाल जायेताराम प्रजापति
 - (2) श्री प्रलाद भाई मुफतलाल एण्ड कां०
 - (3) श्री बाब् भाई। मुफतलाल एण्ड को०
 - (4) श्री बाल भाई मुफनलाल एण्ड को०
 - (5) श्री ईक्ष्वर लाल जायेताराम प्रजापति महसाणा

(अन्तरक)

 सुरुचि को० औ० हा० सो० लि० आयोजक श्री राजेण कुमार जशवंतलाल महसाणा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन की सम्बन्ध में करेहें भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से िस्सी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से .45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबकृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं 1995/3 जिसका कुल क्षेत्रफल 2 एकर 5 गूंठा है जो मेहसाणा में स्थित है। सब राजस्ट्रार सेहसाणा में 2958 नम्बर पर दिनांक 12-11-82 की राजस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० णाह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 13-6-83

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जून 1983

िंदेश सं० पी० आर० नं० 2294 ए० एस० क्यू०-23-JI/

83–84⊶–यतंः मुझे, आर० आर० शाह् शासकर अभिनियम — 1061 (1061

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रप्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे नं० 1995/4 है तथा जो महसान। में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महसाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-11-83

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का एक्ति पाडार यला, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्षित उद्वरियों में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) रुडे अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- . (1) श्री ईश्वरभाई जयताराम प्रजापति
 - (2) श्रीमती भंगबहुत ईश्वरलाल
 - (3) श्रीमती कमलाबहन 🕠 🦠
 - (4) श्रीमती मीना बहुन ,,

(अन्तरक)

(2) हरणयार्क को०ओ०हा०सो०लि०, मार्फत श्री हमन्त कुमार हीरालाल शाह महमाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अन्सची

जमीन मर्वे नं० 1995/4 जिसका कुल क्षेफल 3 एकड़ 16 गट्टा है जो महसोना में 2925 नंसर पर दिनांक 12-11-82 में रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 13-6-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जून, 1983

निर्देश सं० पी०आर० नं० 2295 ए०सी०क्यु०-23-II/ 83-84--यत: मुझे, आर० आर० शाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे नं० 1200, 121, 122 है तथा जो सनावाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. (1) श्री शंकराजी मगनजी ठाकोर
 - (2) श्री रमेशभाई शंकराजी ठाकोर
 - (3) श्री चंदासरन मगनणी ठाकोर सांतेज, तहसील कलोल।

(अन्तरक)

 क्षु डायमंड को०ओ०हा०सो०लि० मार्फत
 श्री जगत वीरेन्द्र सेठ 'केशव कुपा' गोरी की शेरी, खाड़िया, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जंमीन जो सनवाड में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 11 एकड़ 2 गंट्ठा है। उनका सर्वे नं० 1201, 121, 122 है। सब रजिस्ट्रार कलोल में 2440, 2441, 2442 दिनांक 5-11-82 में रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

स।रीख: 13-6-83

मोहर 🗄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- Π , अहमदाबाद

अहमदाबाष, दिनांक 13 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2296/एस० म्यू०-23-II/ 83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे नं ० 107/1, 107/3, है तथा जो सईज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यास्य कलील में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक 22-11-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—— (1) श्री मोहनभाई प्रह्लादभाई पटेल सईज, तहसील कलील, जिला महसाणा ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीनाथ को०ओ०हाउसिंग सो० लि०, केयर आफ श्री अंसालाल जोयेतायम पटेल महेन्द्र लाल, कलील।
 - श्री धनीजीभाई व यशभाई लुरार महेन्द्रमाल, कलील।
 - श्री पाषुभाई मणीलाल शेख
 माल कामवार सोसायटी, कलील ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्युष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यायं 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसची

जमीन सर्वे नं० 107/1, 107/3 जिसका कुल क्षेत्रफल 7139 चौ० पार जो कलील में स्थित है। सब रजिस्ट्रार कलील में 2653 और 2636 नंबर्स पर दिनांक 22-11-82 में रजिस्टर्फ की गई है।

आर० आर० **भाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, अहमदाबाद

सारीख: 13-6-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जून 1983

निदेश सं० पी०आर० नं० 2297/एस० क्यू०-23-II/ 83-84—यतः मुझे, आर० आर० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या मर्वे नं० 2247 है तथा जो निडयाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्झ्यान कर्ती अधिकारी के कार्यालय, निडयाद में रिजर्झीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अल्लिरित को गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त जन्तरण लिखित गें वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसता को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रामभाई ड्रंगरभाई पटेल मार्फत श्री चंद्रकांत रामभाई पटेल बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री बलदेवभाई बेचरभाई पटेल छायवाड़-नडियाद । 2. श्री अशोकभाई रामभाई पटेल शमडी चौक -नडियाद ।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

अन्सूची

जमीन सर्वे नं० 2247 जिसका कुल क्षेत्रफल 3743 चौ० मीटर है जो निष्याद में स्थित है। सब रेजिस्ट्रार निष्याद में 7686 नम्बर पर दिनांक 4-11-82 को रिजस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० णाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-JI, अहमदाबाव

तारीख: 13-6-83

र्षः अद्भः टी. एन. एस.-----

आंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2298/ए० सी० क्यू०-23-II/ 83-84--यतः मुझे, आर० आर० शाह,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे नं० 2247 है तथा जो निष्याद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निष्याद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-11-82

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान शितफल के लिए बन्तरित की गर्क है और सुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृस्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्नह् प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्मिलिक उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिस्ति में वास्तिवक रूप से किथात नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

क्ता: अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ज्ञीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री नवीनचन्द्र रावजीभाई पटेल समुशी चकला, नडियाद ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री बनदेत्रभाई बेचरशाई पटेन छांटीवाड, नडियाद ।
 - 2. श्री अणोकभाई रामभाई पटेन समडी चक्ता, नडियाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, स्त्रे भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र भी प्रकाशन की तारी सा से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित मा हित-सद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्साक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- हम्में प्रयुक्त सन्दों और १दा का, को उसक अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 224 जिसका कुल क्षेत्रफरा 3852 चौ० मीटर है जो नडियाद में स्थित है। सब रिजस्ट्रार निष्याद में 7687 नंबर पर दिनांक 5-11-82 में रिजस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० **शाह** सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण)** अर्जन रेंज-11, अ**हमदांबाद**

तारीख: 13 जून, 1983

भीहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , अहमदावाद अहमदाबाद, दिनांक 13 जून 1981

निदेश सं० पी०आर० नंबर 2299/एस०क्यू०/23—JI/ 83—84—-अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे नं० 532-प्लाट नं० 63-61 है तथा जो वड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्यूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्थाण्य, वड़ौड़ा में र्वाजर्ट्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विभाक 5-11-82

कां प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निरवास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का जिल्ला बाजार मृत्य, ज्यके दरयमान प्रतिकत से एसे दरयमान प्रतिकत का पन्द्र प्रश्चित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और जन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निचित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्तं अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपना अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मूजिधा से निए;

ाः अप, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री अमर बिल्डर्स और कन्स्ट्रक्शन श्री प्रेमचन्दभाई शांतिभाई पटेल परमजी रोड, बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुंदनसरन मनुभाई भट्ट, निष्याद।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सर्वे नं० 532 किएका कुल क्षेत्रफल 900 चौ० फीट है जो बड़ोदा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार बड़ौदा में 5655 नंबर पर दिनांक 5-11-82 में रिजस्टर्ड किया हुआ है।

> आर० आर० णाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 12 जून, 1983

प्ररूप् आहाँ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 13 जून, 1983

निदेण सं० पी०आर० नं० 2300/एस०क्यू०-23-II/83-84-यत: मुझे, आर० आर० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आर० एस० नं० 261 है तथा जो करमसाउ में स्थित है (और इससे उपाबन अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनन्द में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-11-82

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मैं नास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उनते अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक की बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुजिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्थित व्यक्तितयों, अर्थात् :--- (1) श्री पुरुषोत्तमभाई अवेरभाई पटेल, कुलपुखत्यार, के द्वारा श्री चन्द्रकांत वीतलदास गांधी, सारदारगंज, आनन्द।

(अन्तरक)

(2) शशिकान्ता वीतलदास गांधी, सर्वारगंज, अतन्त्व।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेवित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ग) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवड्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम किये जा सकों।

स्थादकेरारण:---इसमें प्रयुवत कादी और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिनाधिक हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश गुंगा हैं।

अनुसुची

जमीत जो करमसाद एस० नं० 261 जिमका माप 1316 चौरस मीटर पर स्थित है। जो सत्र रजिस्ट्रार, आनन्द के कार्यालय में चित्री कर नं० 5199 पर रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० भार सक्षम प्राधिकारी इायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रोज-मा अहमदायाद

नारीख: 13--6-8**3**

मोहर ३

अरूष् आह्र'. टी. एन्. एस ,-------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1], अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 13 जुन, 1083

निदेश सं० पी०आर० नं० 2301/एस०क्यू०/23ा1I-83-84 अतः मुझे, आर० आर० आहः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या नं० 675/1 प्लाट नं० 1 है तथा जो आर० सी रोड, बेरोडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), प्रजिल्हीकारी अधिकारी के वार्यलय, बेरोडा में रिजिस्ट्रीकरण अधिकार, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-11-1982

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मूफे यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथाएथीं ते संपर्तित वा उचित बाजार मूल्य, समके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रात्वात से अधिक ही और जन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोल किया उच्चे ये से उचत अन्तरण लिखित के बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त मधितियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मी कमी करने या उससे बचने मी सुविधा को लिए: और/भा
- (ख) एसी किली आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तौरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भीं, उक्त श्रीपिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निकिंधित व्यक्तियों. अर्थात्:—— (1) हेमन्त पासढीक, जी०ए०डी०सी०, मकारपुरा, बेरोडा।

(अन्तरक)

(2) प्रोप्रभी आरगेनाइजर, रेस कोर्स रोड, बेरोडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

जात सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टोकरण:--- १६ में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

जमीत जो आर०सी० रोड, बरोटा एस० नं० 675/1 जिसका माप 3112 चोरस बार पर स्थित है जो बेरोडा सब राजिस्ट्रार के कार्यालय में बिकी खाता नं. 6007 पर तारीख 6-11-1982 में रिजिस्ट्री की गई है।

> आर० आर० **गाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीखा : 13--6-83

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-Ii, अहमदाबाद

अहमदाबाद, 13 जून दिनांक

निर्देश पी०आर० नं० 2302/एक्यू०-23/11/83-84--

अतः मुझे, आर० आर० शाह

वावकर जिम्मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से विभिक्त है

और जिसकी संख्या नं० 40, प्लाट नं० 10 है तथा जो बावाजीपुरा बड़ौदा में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-11-82

को पूर्वेक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूख, उसके द्रश्यमान प्रतिफल के एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसिस उद्वेश में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुर्द किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृदिधा के लिए; और/या
- (ख) एति किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानी में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नियमिका लिएनायों, अर्थान :---

(1) श्री कृष्णकान्त उसेदराम झवेरी, 10, कृष्णानगर, भागी खान रोड, बड़ीदा।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रशायकुमार प्रवीण कान्त मेहता,10, कृष्णानगर, झागी खान रोड, बड़ौदा।

ेरती)

को यह सूचना करी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताभूरी पी पान निर्माह में किए जा सकरों।

स्मद्यीकरणः --- रसभा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्ताट भी वाद्याजीपुरा, बड़ौदा एस० नं० 401 बनाया हुआ विस्तार भाग816 घोरम वार पर जमीन पर स्थित है। जो सक-र्याजम्हार वड़ौदा के कार्याचव में विकी खाता नं० 6699 पर तारीख 10-11-1982 में रजिस्ही की गई है।

> आर० अ।र० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

नारीखा 13-6-83 मेहरि ≟ प्रक्प बाईं. टी. एन. एस. - - - ---

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 209-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज. अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जून 1983

. निदेश सं० पी०आर० नं० 2303/एक्यू०--23/II/ 83--84---अन: मुझे, आर० आर० शाह

श्रमासंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्षारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस० नं० 87 है तथा जो खोरज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य'से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दशमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; आहु/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्याँ का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अंत: अंब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नित्मित व्यक्तितयों, अर्थात् --- (1) श्री शंकरभाई मणि।भाई पटेन, खोरज, जिला गांधी नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रहलाद भाई शामजीभाई पटेल, 55 रचना सोसायटी , सैटवैंट रोड, जोधपुर, अहमदाबाद ।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोद्धत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यविहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इतार:
- (अ) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी दे पास लिखित में किए जा भकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ हागा, जो उप अध्याय में दिया गया हो।

भ्रम्स्की

जमीत जो कोरज एस० नं० 87 ितना साप एकड़-1, शुणडा-10 पर स्थित है। जो सब रिवस्कार मंदितगर के कार्यालय में बिकी खाता नं० 1957 पर दिनांक 12-11-1932 में रिजस्ट्री की गई है।

> जार० आर**० भाह,** सक्षयक आयकर आयका **(निरक्षिण)** अर्जन रेज, अ**हमदाबाद**

दिनोक: 15-6-83

प्ररूप आर्ध<u>ः</u> टी. एन्. एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमराबाद, दिनांक 15 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2304/एक्वी०-23/II/ 83-84--अतः मुझे, श्रार० आर० शाह

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० 87 है तथा जो खोरज में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 12 नवम्बर, 1982

को प्यंचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रमान प्रतिफल के लिए अर्जारत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वों के सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, 'उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्विद में वास्तियक एप से किश्रत गहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्न बास्तियाँ करों, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा यनकर अधिनियम, बा यनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपानं में स्थिया के लिए,

अतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:--- (1) णंकर भाई मणि भाई पटेल, खोरज, ता० गांधी नगर, जिला गांधी नगर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीलाबेन प्रह्लाद भाई पटेल, 55, रचना सोसाइटी, सस्टेंलाइट रोड, जोधपुर, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संत्रात्ति के अविष् के विक्क कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी नाक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधः, सी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्द सम्मित्त में हिसम्बूधः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाकः तिकित में किए का सकारी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, भो उस अभ्याय में दिया ग्या है।

वन्त्वी

जमीन जो खोरण एस० नं० 87 जिसका माप 1 एकड़, 10 गृंटा पर स्थित है। जो गांधी नगर, सब-रिजस्ट्रार के कार्यालय में बिकीखत नं० 1958 पर तारीख 12-11-1982 में रिजस्ट्री की गई है।

> आर० आर० शाह **स्थान शाविकारी** स**हायक आयकर बायूक्त (निरक्षि)** अर्जन रेज—II, अहमदा**बाद**

तारीख: 15-6-1983

प्ररूप आहु .टी.एन.एस.-----

जायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सराजर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणं)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 ज्न 1983

निदेश सं० पी० आर० न० 2305/एक्की०/23/II/ 83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं ,

और जिसकी सं० 51 है तथा जो गोब्रा में स्थित है (और इससे उपाबद अनसूची में और पूर्ण रूप संधिणत है), रिजस्ट्री—कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोब्रा में रिजस्ट्रीकरण अधिरियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 नवम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की, गईं है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिषति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तीबक रूप से किथित नहीं किया गया ही:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-किस अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं क्रिया गया या या किया जाना चाहिए था. ज्वितार्थ में स्विधा के लिए:

कतः अध, उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, इथीत् :---

- .(1) 1. श्री नारायणदास वाडीलाल पटेल,
 - 2. श्री शांति लाल वाडीलाल पटेल,
 - 3. श्री बातालाल वाडीलाल पटेल, काछीवाडे स्कृत के पास,

गोद्राः।

(अन्तरक)

(2) मुक्तानन्द अर्गेनाइजर, के द्वारा कणुभाई भगवानदास पटेल, राणीवाडी सोमाइटी, गोद्रा।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन् के किए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप /--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच दें 45 दिन की अविधि या हत्सवंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच बैं 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास सिखित में किए जा सकी।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, ह¹, वहीं तथे होगा जो उस अध्याय में विया गना है।

अनुसूची

जमीन जो गोदा एस० नं० 51 जिसका माप 51 चौरस बार पर स्थित है। जो सब-रिजस्ट्रार, गोद्रा के कार्यालय में बिकीखत नं० 2525 पर तारीख 4-11-1982 में रिजस्ट्री की गई है।

> आर० आर० **शाह** सक्ष**म प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अ**हमदाबाद**

तारीख : 15~6~1983

प्ररूप बाहुर, टी. एन. एस.,------

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च् (1) के अधीन सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 15 जून 1983 निदेश सं० पी० आर० नं० 2306/एक्वी०-23/II/ 83-84-अतः मझे, आर० आर० शाह

वासकर अभिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके परवात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया है), को धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर स्ट्पित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जस की सं० 87 है तथा जो खोरण में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्निलिवत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;
- क्तं: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः⊸⊸ 20—196GI/83

- (1) 1. श्रामती ज्योतिबेन माथाभाई,
 - 2. श्रीमती मानगुर्वेन मायाभाई,
 - 3. श्रीनती शान्ताबेन मायाभाई,
 - श्री मगनभाई मायाभाई, खोरज,

ता० गांधी नगर।

(अन्तरक)

(2) मनगुभाई रणछोड़ भाई, गालज एस्टेट, घदेशर रोड, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो खोरण एस० नं० 87 जिसका माप 1 एक ए 12 ग्टा पर स्थित हैं। जो गांधी नगर सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्रीखत नं० 1959 पर तारीख 12-11-1982 में रजिस्ट्री की गई है।

> आर० आर० गाह सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

नारीख: 15-6-1983

मोहर ::

प्रस्त आहु^{*}. टौ. एन. एस. -----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 मई 1983

निदेश सं० पी० आरं० नं० 2307/एक्वी०-23/II/
83-84-अतः मुझे, आरं० आरं० शाह
आवकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके क्रमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 600 और 601, 1— ए और 602 है तथा जो और सी० एस० नं० 4890 भगदावाड़ा, बेंलसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंलसार में रिजस्ट्रीकरणअधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशित उद्देश्य से उपत अन्तरण निश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बनन में सुविधा के जिये. और/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हा भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1322 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब., उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह ;—

- (1) 1. श्री मनसुख लाल हरीलाल वासाणी,
 - श्रीमती ऊषाबेंन मनसुखलाल वासाणी, उधना, ता० चोरयासी, जिला सुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री अमृतलाल भीमभाई देसाई, धाय-छा, तालुका ज्ञानदेवी, जिला बलसाड़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

एक्त बम्मिति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सै 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त 'स्थाधर संपत्ति में हित- उद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्वव्यक्तिरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सुची

जमीन और मकान जो आर० एस० नं० 600/601/1–ए, और 602, सी० एस० नं० 4890 पर भगदावाड़ा, बेंल्सार में जिसका माप 264.21 चौरस बार मीटर्स जमीन और बनाया हुआ मकान विस्तार 78.46 चौरस मीटर पर स्थित है । जो बेंलसार सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्रीखत नं० 233/1982 पर तारीख 18-2-1982 में रजिस्ट्री की गई है। नवम्बर, 1982 में है :

आर० आर० णाह यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, अहमदाबाद

तारीख 31-5-1983 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 मई 1983 निदेश सं० पी० आर० नं० 2308/एक्त्री—23/II/83—84 —-अतः मर्झे, आर० आर० शाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- vs. से अधिक है

और जिसकी सं० 4732 और 4733 है तथा जो बारदोली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बारदोली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के तारीख 5 नवम्बर, 1982

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अंतरण लिखित में बाल्यिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की जायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी क्षाय या किसी क्षन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय अभ्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उन्तत अधिनियम की धारा 269-गंके अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- ं (1) श्री धीमनभाई हरीभाई नायिक, और श्रीमती कांताबेंन हरीभाई नायिक, मोढा, तालुक बारदौली । (अन्तरक)
 - (2) अध्यक्ष, श्री दत्ताकृषा को० आप० हा० स्रोसाइटी लिमिटेड, सरवार भाग, भारदोली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्कों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इ.स. सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितंबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

जमीन जो एस० नं० 4732 और 4733 बारदोली में जिसका माप 471-62 चौरस मीटर्स पर स्थित है। जो सब-रिजस्ट्रार, बारदोली के कार्यालय में बिक्रीखत नं० 1359 पर तारीख 5-11-1982 में रिजस्ट्री की गई है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 30-5-1983

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

भायकर जिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2309/एक्वी०-23/II/83-84 --अतः मझे. आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा

269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 231-1-2 पैकी -लाटस 13-ए और 13-बी है तथा जो वापी काली गाय में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वापी में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के रूरयमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्प, उसके इस्पमान प्रतिफल से, ऐसे इस्पमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नष्टीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हु**ई** किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा केलिए:

मतः अब उनत मिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) क् अधीन, निम्नीलिस्ति व्यक्तियों, अर्थातः ---

- (1) श्री जलाराम सोसाइटी, भागीदार:---
 - श्री छोटभाई लल्लभाई पटेल,
 - 2. श्री इन्द्रवदन गुलाबचन्द और दूसरे, वापी, ता० परडी ।

(अन्तरक)

- (2) बन्दावन को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाष्टी लिमिटेड (प्रस्तावित), प्रमोटर्स :
 - 1. श्री दीकमभाई शंकरभाई पटेल,
 - 2. श्री वसन्त शामराव, वापी, ता० पारकी ।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। 🕠

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना कों तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवुध किसी अन्य व्यक्ति बुबारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर्स 13-ए और 13-बी चौरस मीटर्स, सर्वे नं० 235-1-2 पैकी, काछीगाय रोड, वापी में स्थित हैं। जो सब-रजिस्ट्रार, पारडी के कार्यालय में बिकीखत सं० 1718 पर तारीख 11-11-1982 में रजिस्दी की गई है।

> आर० आर० गाह• सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीखा : 30--5-1983

प्रकृष जाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० न० 2310/एक्वी०/23/IU/83-84--अत: मुझे, आर० आर० शाह मायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'तक्त सम्रिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षण प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुहय 25,000/- रू से अधिक है और जिसकी सं० 1250-10 पैकी 1278 पैकी जमीन है उमारसाडी, ता० पारडी में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 . (1908 का 16) के अधीन न्तारीख 20 नवम्बर, 1982 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐते दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है घीर धन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिता (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण सिसित में बास्तविक का से किया तहीं किया गया है :---

- (क) गार : दिई तिसं नाम का माना ना अकि नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम [1922] (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिहरी वृंबारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण कें, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1 श्रीमती मनिबेन भगवानजी भीखाभाई की त्रिधवा,
 - श्री राजेंन्द्रा कुमार नाथूभाई, देसाई फलीया, उमरसाडी, ता० पारडी ।

(अन्तरक)

(2) विनीत आईस० मनुफैक्चरिंग प्राईवेट लि०, 36, प्राकटम कर्मागयल सेन्टर-1, सलापस रोड, अक्रमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः—- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्थहोंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसची

जमीन जो एस० नं० 1250-10 पैकी और 1278 पैकी; जिसका माप 7485-84 चौरस मीटर्स प्रेपर उमरसाडी, ता० पारडी पर स्थित हैं। जो सब-रजिस्ट्रार, पारडी के कार्यालय में तारीख 20-11-1982 में बिक्कीखत नं० 1730 पर रजिस्ट्री की गई है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

तारीख: 30-5-1983

मोहरु 😗

प्ररूप बाई . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2311/एनवी०-23/II/83-84-अतः मुझें, आर० आर० शाह जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 30-ए और 30-बी, सी० एस० हैं तथा जो नं० 2181 और 2182 चीकली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीकली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख नयम्बर, 1982

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्श्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उक्दिश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुइ किसी जाय की बाबता, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उक्क बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था ख्रिपाने में स्विधा के सिंग्रा

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उल्धारा (1) (1) श्री धीरूभाई रणछोड़ जि देसाई, (वाडी वाला) देसाई वाड, चीकली, जिला बलसार ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री मनुभाई कालीदास शाह, अशोक निवास, ढौर पासे, नवसारी ।
 - श्री चन्द्रकांता मोतीराम, वयास, 410/3, खात्रीवाड, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जन्मि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जनविष, जो भी जनकि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बत्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा दकींगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त वस्यों और पदों का, जो उकत जिथ-नियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नुवाही।

अनुसूची

जमीन जिसका मकान साथ कुआं 3, इलेक्ट्रिक मोटर, बाटर पम्प अतिरिक्त जिसका माप 35917 चौरस मोटर्स पर ब्लाक नं० 30-ए और 30-बी, सी० एस० नं० 2181 और 2182 पर चीकली जिला बलसार में स्थित है जो सब ्रिज़्स्ट्रार चीकली के कार्यालय में विश्रीखत नं० 918/1982 पर नियम्बर, 1982 में पत्र-विधि रजिस्ट्री की गई है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, अहुमदाबाव

तारीख : 31-5-1983

मोहरु 🖫

प्रकृष वाहाँ, टर्रे. एवं. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2312/एक्वी०—23/II/83— 84——अतः मझें, आर० आर० णाह

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उकत मिशिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/ रु. से मधिक हैं

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 592 सी० एस० 4889/ ए पैंकी है तथा जो भागदवाडा, बेंलसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री- कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंलसार में रजिस्ट्रीकरण अधि- नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 नयम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) से बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिधित उद्वदेश्य में अध्य अन्तरण जिल्हित में बार्विक्ष इप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी अपरने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या अब-कर अधिनियम, या अब-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्वारिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या जा वा किया वाना वाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण मों, मौं अन्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, मर्थात् ह—

(1) श्री बेबुभाई रसनलाल देमाई, मोटा भागादा, बलसाड ।

(अन्तरक)

(2) टी॰ ए॰ पी॰ सी॰ ओ॰, दी इण्डस्ट्रीयल प्लास्टिक कार्पोरेशन लिमिटेड, कयारी रोड, मालाद, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकारन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गय। है।

अनुसूची

जमीन और मकान भगदवाडा, बलसाड आर० एस० नं० 592, सी० एस० नं० 4889ए पैकी छ्लाक नं० 6 जमीन जिसका माप 240 वर्ग गज परस्थित हैं। जो सब-रजिस्ट्रार, बलसाड के कार्यालय, में बिकीखत नं० 2569 पर तारीख 26-11-82 में रजिस्ट्री की गई है।

आर० आर० भाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, अहमदाबाद

तारीख : 25-6-1983

1म्बर ।

बुक्ष्युः आर्ष्ट्यः दीः, युन्ः, एसः, २०००

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमता

भारत सुरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जुन 1983

निदेण सं० पी० आर० न० 2313/एक्यू०-23/II/ 83-84--अतः मुझे, आर०आर० शाह

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूक्व 25,000/- रा. से नधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 41 सर्वे नं० 66/1 है तथा जो सीलावासा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीलवासा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाब करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की गावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विभा के जिए;

अतः जय उक्त अभिनियम की भाग 269-ग के जन्सरण में, जें, क्यत अभिनियम की भाग 269-म की उपभाषा (1) के जभीन, निक्तिवित अधिकारों, अर्थात् ः—

(1) श्री कर्बार दास केवल राम, केयर आफ केवलराम डाईंग एण्ड पैकिंग वर्क्स, 110/115, जूना हनुमान लेन, 10वीं महादेवी क्लाथ मर्चेण्ट, बम्बई-400002 ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० आर० शाह,
केयर आफ विजय आर्गेनिक केमिकल्स
इण्डस्ट्रीज,
1218, दालेमले टावर,
नरीमन प्वांइट,
बम्बई । (श्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्संबंधी स्थितियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्थितियों में से किसी स्थिति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितशव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जमीन प्लाट नं० 41, सर्वे नं० 66/1 जो सिलवासा में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 2400 चौ० मीटर्स है । सब-रजिस्ट्रार, सिलवासा में 243 नम्बर पर 5-11-82 में रजिस्टर्ड की गई है ।

> आर० आर० णाह सक्षम प्रश्विकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन II, अहमदाबाद

तारीख: 30-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अायकर अधि-ित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1983

निदेण सं० पी० आर० न० 2314/ एक्क्यू०-23/II/ 83-84--अतः मुझे, आर० आर० णाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 2/3 पैकी है तथा जो कालियावाडी नवसारी में स्थित है (और इसमे उपावत अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रि--21---196GI/83

(1) श्री ठाकुरभाई गुलाबभाई, रनसोद्रा गणेंश, ता० नवसारी, जिला बलसाज्ञ

(अन्तरक)

(2) 1. श्री रामजीभाई खेतशीभाई पटेल.
2. र्शा गंगादास खेतशीभाई पटेल.
कालियावाडी,
नवा रोड,
ता० नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 2/3 जिसका कुल क्षेत्रफल 8203 चौ० फीट है जो कलियाबाडी, गांव ता० नवसारी में स्थित है। सब—रजिस्ट्रार, नवसारी में 3663 नम्बर पर 3-11-1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० माह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 30-6-1983

मोहरू 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (रिरोक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 29 जून 1983

निदेण सं० पी० आर० नं० 2315/एक्यू० $-23/\Pi/$ 83-84-अतः मुद्धीं, आर० आर० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1.961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पोत्त, जिस्का उप्याप वाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० टीका नं० 11/2, सर्वे नं० 39-बी, वार्ड नं० 6 है तथा जो म्यु० नं० 213/4 नवसारी में स्थित है (और इससे उराबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 नवम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरका (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्से बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अन उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती गीता बैन भूपतराय देसाई, नागरवाडे । नवसारी।

(अन्सरक)

(2) 1. श्री प्रमुलचन्द्र प्रभुभाई पटेल,
 2. श्रीमती प्रेमी बेन प्रभुभाई पटेल,
 नागरवाड,
 नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे 11

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 5, पहला मंजिला, अपूर्व अपार्टमेंट, टीका नं० 11/1, सर्वे नं० 33/बी म्यु० बोर्ड नं० 6, सर्वे नं० 213 जिसका कुल क्षेत्रफल 918 चौ० फीट है। सब रजिस्ट्रार, नवसारी में 3787 नंबर पर तारीख 11-11-1982 में रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 29-6-1983

मोह्रर 🛚

प्ररूप आई. दी, एन. एस. - - - ----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 अअहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2316/एस्त्रयू-23/II/83-84---अतः मुझें, आर० आर० णाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित द्वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 188/1 है तथा जो कबीत पुर, ता० नवसारें। में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसार्रा में रजिस्ट्रीकरण अधियामम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान 12 नवस्वर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक हम ने कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निएं।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री हसन इब्राहिम, डावःखाना नाशीलपुर, ता० नवसारी ।

(अन्तरक)

(2) डा० डी० एच० राठोड, पगावाड, खतीवाड, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उवत सम्पान के अर्जन के सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन की अविधि या नत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जमीन जो कबिलपुर ता० नवसारी में स्थित है जिसका सर्वे नं० 188/1 है और जिसका कुल क्षेत्रफाग 74 गूठा है। सब-रजिस्ट्रार, नवसारी में 3807 नम्बर पर ता० 12-11-1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) े अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 30-6-1983:

मोद्रर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2317/एक्यू०~23/II/ 83~84---अतः मुझे, आर० आर० शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मृल्य 25.000∕∵रु. से अधिक है

25.000/ रु. से अधिक हैं और जिसकी सं 187/3 पैंकी प्लाट नं 4 और 5 है तथा जो छापरा, नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि—कारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 नवम्बर, 1982

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री शांतिलाल सोमाभाई टेन्डल और अन्य, नवसारी।

(अन्तरक)

(2) श्री सागर सर्वोदय को० आप० सोसाइटी लिमिटेड, प्रमुख श्री लालुभाई भगवानजी टन्डल, कृष्णापुर, सा० नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्वना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख की 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 18//3 पकी प्लाट नं० 4 और 5 जिमका कुल क्षेत्रफल 15260 चौ० फीट है। सब-रजिस्ट्रार, नक्सारी में 3828 नं० पर ता० 18-11-1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आकयर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 30-6-1983

मोहरू 🖫

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. - - - ----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाव

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1983

निदेश स० पी० आर० न० 2318/एक्यू०-23/II/ 83-84--अतः मुझें, आर० आर० शाह

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 258 है तथा जो उना, ता० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ग का से वर्गित है), एजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

नतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्री हीराभाई उकाभाई पटेल, खडसूपा, ता० नवसारी।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश भाई डाय्याभाई पटेल और श्री जयरामभाई, 'सूर्यदर्शन', लुसीकुई, नजसारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के रिल्ए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खु सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शितर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औ उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

खेंत-जमीन ब्लाक नं० 258 जिसका कुल क्षेत्रफल 6 एकड़ 12 गठा जो उसा, ता० नवसारी में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, नवसारी में 3881 नं० पर ता० 24-11-1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

तारीख : 30--6--1983

प्रेरूप नाइ. टी. एन. एस.-----

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2319/एक्यू०-23/II/ 83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० बार्ड नं० 7 नाँध नं० 3384-ए, फ्लैंट नं० 801 है तथा जो डायमंड अपार्टमेंट, सूरत में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 नवम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्कों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयं की आयत उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा पकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री अशोक कुमार बच्भाई मेहता,41, शांतिनिकेतन सोसाइटो,
 - वस्तावेषडी रोड, सुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री समीतेश प्रवीण कुमार जवेरी, 203/ए, माक्षर टावर, परेल, बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत मा प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिट मों किए जा सकारो।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय दिया गया है।

अन्स्ची

विल्डिंग सूरत वार्ड नं० 7 नाँध नं० 3784/ए, डायमंड अगर्दमेंट्स को० आ० हा० सो० लि०, फ्लैंट नं० 601, छठा मंजिला, पर स्थित है जिसका कुल क्षेंत्रफल 811 चौ० फोट है। अत्र-रजिस्ट्रार, सूरत में 8222 नं० पर रजिस्टर्ड किया हुआ है।

> आर० आर० शाह संक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयंक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाव

तारीखा : 30-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद-2, विनाक 30 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2320/एक्यू०-23/II/ 83-84--अतः मुझे, आर० आर० णाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मजुरा वार्ड, कंचन पार्क, सूरत है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 नवस्बर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्नविक स्व से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के मधीन, निमन्तिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल (1) श्री परसराम मंघाराम थडाजी, 37, रुपाली अपार्टमेंट्स, भट्ट रोड, मुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरिश्चन्द नारारण सिंह खुराना, केयर आफ 305, सत्य गुरु अपार्टमेंट, मजुरा रोड, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी भ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्वींक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति नुवास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्वों और पदों का, को उक्त अधिन्यम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 9 एण्ड 10 कंचन पार्क को० आप० हा० सो० लि०, मजुरा बोर्ड, नोंध नं० 1935, 1936 और 1937, भट्ट रोड, सूरत में स्थित है । सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 8230 नं० पर ता० 5-11-1982 में रजिस्टर्ड किया गया है ।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज–II, अहमदाबाद

तारीख: 30-6-1983

मोहर 🙏

प्ररूप बार्षः, टी. एन. एस्.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमसाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1983

् निदेश सं० पी० आर० नं० 2321/एक्यू०-23/II/ 83-84—अतः मुझे, आर० आर० शाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 1, नोंध नं० 1808, टी॰ पी॰ एस॰-2 है तथा जो एफ॰ पी॰ 12, नानपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजर्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रत प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन के दोने के अन्तरक के दिश्यत्व में कमी करने या उससे अधने में मुनिया के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) दें उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अज, अंक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, सर्धात् :---

(1) श्री इन्द्रवदन नानालाल शाह और श्रीमती हंसा सरन इन्द्रवदन शाह विधेश्वर एस्टेट, डी० ब्लाक फ्लैट नं० 4, "सीमालिया वार्ड, नानपुरा, सुरक्ष ।

(अन्तरक)

(2) श्री बटेंरामणा नवरोजी डेसू, अगियारी मोहल्ला, मालेसर गोरी, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी कन्य स्थावत क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में तथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अन्**स्ची**

पलेट नं० 4, विश्वेषवर एस्टेट, ब्लाक ई०, निमालीवाइ, नानपुरा में स्थित है । वार्ड नं० 1, नोंध नं० 308B, टी० पी० एस०-U, एस० पी० 12, जिसका कुल क्षेत्रफल 535 चौ० फीट है । सत्र-रजिस्ट्रार, सूरत सें 8083 नं० पर तारीख 4 नवम्बर, 1982 में रजिस्टर्ड किया गया है। .

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयक**ुर **आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जेद रेंजच्या, अहमवाबाद

तारीख : 30-6-1983

प्रकृष कार्याः दी : प्रनः प्रसः : ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2322/vव्यू०-23/II/ 83-84-्यतः, मुझें, आर० आर० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं 0 1 शिल्प सोसाइटी, राम नगर है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के का गीलय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 नवम्बर, 1982

को प्रवेषित संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रवयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषयों से उक्त अन्तरण विचित्त के बाच से किया गया है:--

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्यू आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

ू अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिश्चत व्यक्तियों, अर्थात् :--22—196GI/83

(1) श्री मूलजीभाई कुंबरजी राठोड, शिरूप सोसाइटी, रांदरे रोड, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री संतु कुमार महलामल बटवाणी, 464, राम नगर, राहरे, सरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अदिधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

बंगलो नं 1, जो शिल्प सोसाइटी में स्थित है और जिसका कुल क्षेंत्रफल 90 ची गज है। सब-रिजस्ट्रार, सूरत में 8330 नं पर ता 6-11-1982 में रिजस्टर्ड किया हुआ है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

तारीख: 30-6-1983

प्रस्पु बार्ड. टी. एन्. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2323/एक्यू०-23/II/ 83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संव वार्ड नंव 7, नोंध नंव 2587 की, 2558 और 2559 है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अढधीन, सारीख 12 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गांग प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुई किती आय की बाबत, उक्त जिमीनसन के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करेंगै या उत्तरी बचने में सुविधा के निए; औड़/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बनुसरेण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री नन्दसुख लाल मणीलाल, हरीपुरा, मासादीया गोरी, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री निरंजन नन्दसुखलाल और अन्य, नवापरा, मछली शेंरी, झांपा बाजार, सूरत ।

(जन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतरे पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना की राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति मों हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पांस लिसित मों किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं कां; जी उक्त श्रिष्ठित्यम हे शब्दाय 20 में परिभावित दै, बही अर्थ होगा; को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान बार्ड नं० 7, नोंध नं० 2557-बी, 2538 और 2539 जिसका कुल क्षेत्रफल 470 चौ० गज है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 8485 नं० पर ता० 12-11-1982 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० शाह सक्षम प्रापिकारी सहायक आयक्द आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनं रेंज∸ाः, अहमदाबा≰

तारीख: 30-6-1983

मृक्य नार्षं ु टी. एन्. एस्. -------

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269क (1) के मधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यात्रस् , सञ्चासक जायकर गायुक्त (जिड्डीक्सण) अर्जन रेज-11, अञ्चमताबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2324/एक्यू०-23/II/ 83-84-अतः मुझे, आर० आर० माह झायकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके परचात् 'उक्त प्रक्रितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/-द० से प्रधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 59 ए, प्लाट 5 और 6 है तथा जो वार्ड नं० 13, सी० एस० नं० 335/1, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है मीर अन्तरक (अन्तरकों) मौर अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखात में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बायत, जनत प्रधिनियम के प्रधीन कर वेले के अन्तरक के दायिस्य में कमी करते सा उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी अप या किसी अन या धस्य प्रास्तियों को जिन्हें धारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्रा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

बदः श्रव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ग के, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उप-भारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री ठक्कर कन्स्ट्रवशन, धांटी गोरी, वाडी फलिया, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी उष्मा राजेग कुमार तबोली, जी-4, नटराज अपार्टमेंट, भगा तालाब, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए चार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से
 45 दिन की भविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी
 भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रम्य क्यक्ति द्वारा, भाषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पक्षतीकरण:--इसमें प्रयुष्त शक्तों ग्रीर पर्दो का, जो सकत श्रिक्षित्रयम के ग्रज्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रंथ होगा, जा उस प्रज्याय में दिया गया है।

वृत्युची

प्लाट नं० 3, सर्वे नं० 59-ए, प्लाट नं० 5 और 6 वार्ड नं० 13, सी० एस० नं० 335/1, 335/2 और 2044 और 2043 फीट जो धर्मेश अपार्टमेंट, सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 8430 नं० पर ता० 11-11-1982 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयक्**र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज—II, अहमदाबाद

बारीख: 30-6-1983

मोहर ः

प्ररूपः वाहाँ टी. एनः एसः ----

भायकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार 🦈

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2325/एक्मू०-23/II/ 83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह,

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपल ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- के से प्रधिक है

और जिसकी संव सर्वे नंव 15, टीव पीव एसव 4, एकव पीव 158—वी है तथा जो नवा गाव, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रति-फल के सिये अन्तरित की गई है भीर मृते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मृत्य, उसके धूष्यमान प्रतिकल से ृष्धे वृष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से श्रोक्षक है और कत्तरक (अन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच पेसे सन्तर्य के निये तय शया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रशासन बिखित में बादनिक कप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई निसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या (उसके अकने के जिल्हा के जिल्हा धीर/या
- ्ख ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या मन्य कास्तियों को जिम्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तिरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, जिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मिलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् हि— (1) श्रीमती माधुरी बेन जो मनसुखलाल छोटूभाई की विधवा, बारच्छा रोड, सुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हंससा बेन दिलीप भाई चोकसी, 104, महावीर अपार्टमेंट, आठवा रोड, सुरप्त ।

(अन्तरिती)

को यह मूचन। जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंत के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहक्ताकारी के पास लिखित में किए जा सर्वेगें।

श्वष्टीकरण :--दसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदौँ का; जो उपत ग्रेषिः नियम के घट्टपाय 20-क में परिचावित हैं; बहुः ग्रंथ होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 545-80 चौ० मी० है जो नवागांव, सूरत में स्थित है। सर्वे नं० 15, टी० पी० नं० 4, एफ० पी० नं० 1588 है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 8437 नं० पर तारीख 11-11-1982 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० गाष्ट्र सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

तारीख : 30-6-1983

प्ररूप आहा. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद
अहमवाबाद, दिनांक 30 जुन 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2326/एक्यू०/23/II/

83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 15, ट्री० पी० एस० 4, एफ० पी० 158 पी० है तथा जो नवागांव, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रमनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया:——

- (च) अन्तरण से हुई किसी आम की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री रोहित मनसुखलाल कर्पाड़िया और अन्य, वारच्छा मार्ग, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपकभाई रसिक लाल रगरीज, बाली -श्री रसिकलाल मगनलाल, रगरेज नथा पुरा, पारसी गरी, मुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसुची

मकान सर्वे नं० 15, पैकी टी० पी० एस० नं० 4, जिसका कुल क्षेत्रफल 324.74 चौ० मीटर्स है और नवागंब, सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 8434 नं० पर ता० 11-11-1982 को रजिस्टर्ड किया हुआ है।

आर० आर० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन_, रेज-^{II}, अहमदाबाद

तारीख : 30-6-1983

भारत सरकार कार्यां स्वयं सहायक नायकड नायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमवाबाद

अहमबाबाब, दिनांक 30 जून 1972

निदेश सं० पी० आर० नं० 2327/एक्यू-23/II/83-४4--यतः मुझें, आर० आर० शाह स्याक्त क्षरिनियमः 1061 /1061 का 42) (क्रिये क्या

नायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने प्रकार उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पर्सित, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/-एउ. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 1, नाध नं० 987 और 990 है तथा जी गीता अपार्टमेंट सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से बणित है), रिकस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्य, भूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 नवम्बर, 1982

को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उन्तित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के सिए जन्तिरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि युवापूर्वेक्त संपृत्ति का उपित बाजार ब्रूब्ड, क्रसके स्थवान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह ब्रिक्ड ते अधिक हैं जार एसे अंतरक (अन्तर्की) और अंतरिती (जन्तिरितिक्तें) के शीम एसे जन्तरम् के लिए तब पामा गमा प्रतिफल, निम्नितिब्तें क्रम्योक्स से उक्त जन्तरण निम्नित् में बास्तिब्क क्या से क्षिण सुद्धी किया गया हैं:—

- (क) कृत्तरण सं हुई किसी जान की बाबत, उक्त जीभिनियम के जभीन कर देने के जन्तरक के बासिस्य में कमी करने या उससे व्याने में सुविभा की सिए; और मा
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तिग्रों की, ज़िल्ह अरितीय जाय-कर सिंधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धनतिरती द्वारा प्रक्रप्ट नहीं किया गया का का किया जाना चाहिये था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री नरेन्द्र कुमार आर० मेहता, 4, निकुंज सोसाइटी, नानपुरा, सूरत । (अन्तरक)

(2) श्रीमती भारती बेन जितेन्द्र कुमार शाह, ए-6, अर्पण अपार्टमेंट, नानपुरा, तिमलिया वाड, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इताहा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस जा सकीं।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जुक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र्वी

फ्लैट नं E-4, गीला अपार्टमेंट, वार्ड नं 1, नाध नं 967 और 990 ई जो नानपुरा, पालिया स्ट्रीट सूरत में स्थित है। और जिसका कुल क्षेत्रफल 771 चौ फीट है। सब-रिजस्ट्रार, सूरत में 8477 नं पर सा 12-11-1982 को रिजस्टर्ड किया गया है।

आर॰ आर॰ शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंअ-2, अहमदाबाष

ज्ञः अय, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीय, निम्मीलिया व्यक्तियों, जथात ह—

तारीख : 30-6-1983

प्ररूप आईं ुटी. एन. एस ु------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाध

अहमदाबाव, दिनांक 29 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2328/एक्यू०-23/II/ 83-84--अतः मुझें, आर० आर० शाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा भया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० बी स्वीट होम अपार्टमेंट, नानपुरा है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सेय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) तिशूल इंटरप्राइजेंज,
प्रो० के० श्री० पाचाल,
चन्त्र महल अपार्टमेंट,
पहली मंजिल,
नानपुरा,
सुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र कुमार जमियतराम मेहता, मिश्रा खान टेंकरा, बेगम पुरा, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में और भी बार्संप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तौरीब से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र के प्रकाशन की सारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हिस्तकृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पाछ लिखित में फिए जा सकेंगी।

वन्सूची

पर्लैट नं 11, पहला मंजिला, स्वीट होम अपार्टमेंट, अवागर मोहल्ला, नानपुरा,, सूरत में स्वित है जिसका कुल क्षेत्रफल 575 चौ० फीट है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 8517 नं पर ता० 12-11-1982 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० झार० माह स्थम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 29-6-1983

मोहर 🛭

भ्र**र**म् बाह्र^१् टी ः पुन् <u>पुन्-----</u>-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2329/एक्यू-23/II/83--84--यतः मुझे, आर० आर० शाह सर्वकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है।

और जिसकी सं क्षेत्र नं 16, पैकी, फ्लैट नं 25 है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम् के द्रायमान्
प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूख्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल् का
पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरिक (अन्तर्कों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल्, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण
सिचित में बास्तिकक कर से किथात नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों कारे जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती काकू वासुवेव नरसीगामी, 204-बी, सिद्धि अपार्टमेंट, कवमपल्ली, नानपुरा, सुरता ।

(अन्तरक)

(2) श्री मकरंव अमृतलाल देसाई, कदमपल्ली सोसाइटी, नानपुरा, सूरत (

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्च किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वृधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अनुसूची

पलैट नं० 25, शिव शंकर अपार्टमेंट को० आ० हा० सा० जि० उधना में स्थित है। जिसका सर्वे नं० 16 है और कुल क्षेत्रफल 390 चौ० फीट है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 8585 नं० पर ता० 18-11-1982 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 30-6-1983

प्रस्प बाइ'. टी. एन्. एस.-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भाग्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-ाा, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2330/एक्यू०-23/।।/ 83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 433, हिस्सा 1/पी, टी० पी० एस० 3 है तथा जो एफ० पी० नं० 303, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणतहैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 नवस्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों), और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को सिए;

अतः अतः, उंकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, अकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
23—196 GI/83

(1) श्रो दिलीन माई प्रमुँमाई, ईदगाल, कतारगाम, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) महावीर टिम्बर कार्पोरेशन, नन्दी दोगी जी वाडी, बस्तादेवी रोड, कतार गाम, भूरता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 433, हिस्सा 1, पैकी टी० पी० एस० नं० 303, फ्लोर नं० 5, जिसका कुल क्षेत्रफल 1130 चौ० बार है। सत्र—रजिस्ट्रार, सूप्त में 8572 पर ता० 12-11-1982 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आ्र० आर० शह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--11, अहमदाबाद

तारीख: 30-6-1983

मोहर 🖫

प्रकार गाँद हो. एन. एस ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2331/एक्यू०-23/।।/ 83-84--अतः मुझें, आर० आर० शाह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 2, नार्थ नं० 1939, पलैट नं० 4 है तथा जो संग्राम पुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कैंप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिमुचित में बास्तिक इन् से किया गया है:---

- (क) जन्तरण से शुर्च किसी नाम की सावत जनत अभि-निवस के अभीन कर वाने के अन्तरक के सामित्य में कमी करने या उत्तर्ध मुंचने में सुविधा के मिए; और/या
- (स) एंसी किसी श्राय या किसी धन था अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निस्निलिखित स्यक्तियों, अभीत् :---- (1) मैसर्स अजन्ता कन्स्ट्रक्शन कं०, 34, अलकापुरी सोसाइटी, सुमुला डेंरी रोड; सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री धरभाई नारायदास मेस नाला और अन्य, 2, नवसजन अपाटेंमेन्ट, पहला मंजिला, संग्राम पुरा, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

तक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र के प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिंसित में किए जा सकोंगे

स्थव्यकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उनत् अभिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 4, संग्रामपुरा, सूरत में वार्ड नं० 2, नार्थ नं० 1929/पी, बिस्डिंग नं० 2, पहला मंजिला जिसका कुल क्षेत्रफल 101.5 चौ० वार है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 1774 नं० पर ता० 31-3-1982 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, अहमदाबाद

तारीब : 30-6-1983

प्ररूप माइ. टी. एत. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० पी०आर० नं० 2332/एक्यू०-23-II/83-84---यतः मुझे, आर० आर० शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-■ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-का से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 794. स्वाश्रय सोसायटी नौंध नं० 705 है तथा जों दिवाली बाग एरिया, मूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे बंतरण के निए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक स्था से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने ये सूनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-घ के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री ताराचंद हरपरदास मनसुखानी 5, प्रकाश सोसायदी, आठवा लाईन्स, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रफुल्ल चन्व ग्रमरचन्द शाह महि्धरपुर, भूतगोरी, सुरत।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी साथ 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधः; जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ना सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिशा भवा है।

अनुसूची

बंगला नं 6-सीं , स्वाश्रय सोसायटी दिवाली बाग एरिया आम्बा लाईन्स, सूरत में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 149.50 चौ भीटर्स है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 8582 नंबर पर दिनीक 18-11-82 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> भार आर पा**ष्** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्वन रेंज-II, सहमदाबाद

तारीख: 20-6-83

कोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1983

निदेश नं० पी'०आर० नं० 2333/एक्यू०-23-II/ 83-84---यतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), का धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी संख्या सर्वे नं 532/37 है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतिमती (अंतरितियों) के दीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ऑधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था रा किया जाना नाहिए था, छिपाने भें सूर्विभा के सिए;

श्री पोपट चन्द्रकान्त श्रागजीभाई
 35, बड़ौदा पीपल्स सोसायटी, बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रवीण कुमार जेठालाल दवे वांडिया बाजार, विवेक बिल्डिंग, बडौदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकीं।

स्मध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैट सर्वे नं० 532/37 जिसका कुल क्षेत्रफल 1'800 चौ० फीट है। सब-रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 6675 नंबर पर दिनांक 9-11-82 को रजिस्टर्ज किया गया है।

> आर० आर० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र-

तारीख: 1-7-83

मोहर 🌣

प्ररूप आई टी. एन. एसं. ----- '

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सृधना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक बायक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

· अहमदाबाद, क्लांक 1 जुलाई 1983

निदृष्ण नं० पी०आर० नं० $2334/\eta$ क्यू० $-23-\Pi/83-84-$ -यतः मुझे, आर० आर० शाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रंग. से अधिक है

और जिसकी संख्या सैक्टर नं० 22, प्लाट नं० 152/2, है तथा जो गांधीनगर में स्थित (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक 2-11-82

को पूर्विक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अर्तारत की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, "नम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तावक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर जाधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वार ज्कट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुजिधा के लिए;

(1) श्रीमती कलावती बंन वासुदेव व्यास साकडोशेरी, माणिक चॉक, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री नवनीतलाल नटवरलाल भट्ट, सेक्टर नं० 20, ब्लॉक 17/10, गांधीनगर।

(अन्तरिती)

को यह स्वनः जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫--

- (क) इस सूचना के. राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्त में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नभा है।

अनुसुधी

जमीन और मकान जो गांधी नगर, सेक्टर नं ० 22, प्लाट नं ० 152/2 है, सब रिजस्ट्रार गांधीनगर में 1909 नम्बर पर दिनांक 2-11-82 में रिजस्टडें की गई है।

आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाव

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारी**ख**ः 1-7-83

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकत्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-गा, अहमदाबाद

अहमदावाद, दिनाक 5 जुलाई 1983

निदेश नं० पी०आर० नं० 2335 एक्यू०-23-II/83-84-यतः मुझे, आर० आर० शाह

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 303, श्रीराम अपार्टमेन्ट है तथा जो नानपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक नवस्बर 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके रूक्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वृजने में सुविधा के लिए: और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अथितः—

(1) श्री अजय चिमनलाल शाह, दीवाली बाग, अठवा लाईन्स, सुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रंजनबेन दिलीपभाई शाह, 410, डायमन्ड अपार्टमेंट, सैयदपुरा, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ऑधनियम के अध्याय 20-क में गरभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

अन्स्ची

प्लाट नं० 303, श्रीराम अपार्टपेन्ट, नानपुरा सूरत में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 920 चौ० फीट है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 4002 नंबर पर दिनांक 6-11-82 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-U, ग्रहम**दाबाट**

तारीख: 5-7-1983

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-च (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 जलाई 1983

निवेश न० पी०आर० 2336/ए०क्यू०-23-11/83-85-अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च वे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि उन्तुस्ची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्स्ची में और पूर्ण रूप भें विणित है, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नदम्बर 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व है और मुफे यह दिक्शम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह, प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्नलिखित उद्देश्य से उद्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सृविधा के लिए;

जत अब, जस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष-

- (1) श्री आदम वली पटेल,
- ् ्र चूनाखण्ड, भरुच ।

(अन्तरक)

(2) श्री जीतेन्द्रप्रसाद हरिप्रसाद देसाई, भरुच,।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्षन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवभि, यो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य स्थावर स्थाहर क्यांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्योकरण:—हरमें प्रयुक्त खट्यों और पदों का, जो उक्त अभिनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे न० 42-ए, 1, ए, 1 अली, भरुच में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 34 गज है। सब र्राजस्ट्रार भरुच में 5376 नंबर पर 5-11-82 में र्राजस्टर्ड की गई है।

आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, **सह**मदाबाब

तारीख: 3-7-83

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) व अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 6 जुलाई, 1083 🗋

निर्देश नं० पी०आर० नं० 2337, एस०क्यू०-23-॥/ 84-85-अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या बार्ड नं० 7, एन० नं० 2474 है तथा जो मैयदपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिस उद्देष्य से उक्ष्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने भें सविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आर या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिणाने में स्विधा के लिए;

जतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

(1) श्री चिन्तनलाल भजनलाल मरावाला निवेदिता—चितनलाल गणदेवी,

णू**गर फै**क्टरी रोड, सिंलीमोटा, बलसाइ ।

(अन्तरक)

(2) श्री कान्सीलाल छोटालाल, मछली चाठ, लुटारपोल, सूरत।

′ान्तरिती)

्को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन की अविधि था, तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान 60-201-58.22 चौ॰ मीटर है जो सैयददूरा, सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 2960 नम्बर पर दिनांक 15-5-82 को रिजस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।, अहमदाबाद

विनांक : 6-7-83

प्ररूप भाई• टी॰ एन• एस०----

भ्रायक्तर प्रविनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 26% म (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

ं कार्यालय सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई कम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1983

निवेश नं० ए०आर० 1/37 ई-64/83-84-अतः, मुझे, आर० के० बकाया,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्समें ध्सके पश्चाल 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-दपए से ग्राधिक है

और जिसकी संख्या आफिस नं० 3-इ-2, 3रा माला, कोर्ट चैंबर्स और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका— के कार्यालय में दिनांक 25-11-82 को र्राजस्ट्री है, तथा जो न्यू परीख लाईन्स में स्थित है (और इससे छपाब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 25-11-82

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के वृष्य-मान प्रतिखल के लिए प्रस्तरित की गई है पीर मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्त से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पग्डह प्रतिशत प्रधिक है ग्रीर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) ग्रीर प्रम्तिरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के निए तम पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बाह्तविक लग ने स्थान नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहूर किसी जाय की वावत उक्त विध-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों को, चिन्हें भारतीय कायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के स्थि:

जतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधास (1) है अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—— 24—196 G1/83

(1) एस० जैन एन्ड सन्स ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स रूबी इन्डस्ट्रीज।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स रूबी इन्डस्ट्रीज

(बंह व्यक्ति जिसके श्रेधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के धर्जन के खिए कार्पवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ष्वार;
- (ख) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन को भीतर उकत स्थावर संपंक्षि में हिसंब बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

आफिस नं० 3-इ-2, 3रा माला, कोर्ट चैंबस, 25 न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई-400020।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका कः 2-32/82-83 और जो सक्षम अधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ृअस्०ि के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 8-7-83

प्रकृत वार्ष , दी , एव , एवं ,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकारु

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 15 जुलाई 1983

निर्देश नं 0 1307/ए सी भ्यू आर-III/83~85--अतः मुझे, र एम ० अहमव

शायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (शिसं इसमें स्वाके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूज्यये हे अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या 18-ए है तथा जो गुरुसदय रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-11-1982

कौ पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥--

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्टि/या
- '(च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्धी

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण वें, जें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) में अधीन, निम्नितिविक स्थितियों, अर्थात् क्र- 1. इंडियन इन्डस्ट्रीयल ट्रेडर्स और डिलास लि०,

(अन्तरक)

2. ज्वालामुखी इनवेस्टमेंट और ट्रेडिंग कम्पनी लि॰

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पर्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोह भी आक्षेप 🖫

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकायो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

18-ए, गुरु सदय रोड, कलकत्ता 552.5 चौ० मीटर जमीन तथा मकान तीसरा हिस्सा ग्रेयर) ।

> एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-JII, कलकत्ता

तारीख: 15-7-83

मोहर 🛭

श्रुप्त बाहु^{*}्टी<u>. एष. एष</u> =======

(1) श्री कमल कुमार वासु

(अन्सरक)

बायुक्तर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

भारत 269-स (1) से अपीन समया

भारत सरकार

कार्यालुग्, सहायक जायक र आगुक्त (निर्देशिण) अर्जन रेजागा-, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश सं० 1306/एक्यू० स्नार०/—83-84--यतः मुझे, एम० अहमद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- उत्त से अधिक है

भौर जिसकी सं 13 ए० है तथा जो वलराम घोष स्ट्रीट कलकता में स्थित है (और इससे उपायन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलका में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-11-1982

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वन्तद प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियारें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निशित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तु-

- (क)) जन्तरक से हुए किसी बाब की बाबत, उक्त जीवीनयुग के जभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कभी कड़ने या उक्कस बुबने में सुविधा के शिष; कोंद्र/वा
- (ख) प्रेसी किसी जाय या किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियस, या धनकर जिधिनियस, या धनकर जिधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना आहिए था जियाने में सुविधा के हिस्स;

खतः वर्ष, खक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में', खक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (2) श्री अतिन लाल गांगुलि ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पृश्नीकत सम्प्रीत्त के वर्षत के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत् सम्मृत्ति, के वर्षन् नों सम्बन्ध् में कोई भी वालीप धः

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कहा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पूर्वा हारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं,। बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा ग्या है।

अनुसूची

प्लाट सं० 9 दूसरी मंजिल, 13 ए वलराम मोष स्ट्रीट कलकता ।

> एम० अहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III; 54, रफी अहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता -16

तारीख: 13-7-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप आहें, टी. एव. एस प्रान्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायफ आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश सं० टी० श्रार०/271/82-83/एस० एल० 753 आई ए सी एक्यू आर- /कल--यतः मुझे, एम० अहमद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं० 48ए से 48एच एंड 48जे एम है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-11-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचितः साधार मूल्य से काम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेग से उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय़ाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्रीमती तीरा देवी वासीरिया एंड अदर्स (अन्तरक)
- (2) मैसरी सितल कन्स्ट्रवसन लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कुोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की द्वारींस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क्क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधान्नुस्ताक्षानी की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धविकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाकित है, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आंशिक तिन और आंशिक दो तल्ला और आंशिक एक तल्ला मकान जो एक बिधा 8 कट्टा (on actual measurement 1B-4C-16 sq. ft.) जमीन 48 ए से 48 एच और 48 जे से 48 एम पार्क स्ट्रीट में अवस्थित और एस० आर० ए० कलकत्ता में डीड नं० 9804 अनुसार 10-11-82 में रजिस्ट्री हुआ।

एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकता -16

विनांक: 13-7-1983

प्ररूप आई., टी. एन. एस., -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-म (1) के भुधीन सुप्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्वेश सं० टी० ग्रार०-281/82-83/एस० एल० 755 ग्राई० एसी एक्यू ग्रार-1/कल-यतः मुझे, एम० अहमद

आसकतः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 24 बि० है तथा जो राधानाथ चौधरी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर०ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 – 12-82

करें पूर्वोक्त संपरित के जिसत बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उन्तर मृत्तरण लिश्वित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के हिस्सू; द्वार/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री हरिमोहन दे

(अन्तरक)

2. मेसर्स आई० एच०, बिकर एन्ड को०,

(अन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पृत्रां कत् सम्पृत्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्?--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी. व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृथीं का, जो खन्न स्पिनियम, के सभ्याय 20-क में पृष्टिभाष्टित् हैं, वहीं अर्थ होगा जो सस अभ्याय में किया गया है।

अनुसूची

24 बि०, राधानाथ चौधरी रोड कलकत्ता में अवस्थित, 15 ऋय 2 छटांक, 23 वर्ग गज, जमीन पर जोड़ नं० 10827 अनुसार 16-12-82 तारीख में आर०ए० कलकत्ता दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ।

एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 54 रकी श्रहमृद किदबई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 13-7-83

मोहर 😘

प्रकप आहें, दी : एन : एस ::=====

श्री कृष्ण मोहन दे

(अन्तरक)

बायकर ब्राप्टिंभगियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ख (1) के अभीन सुचना 2. आई० एच० बार्किर एन्ड कं०

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश सं० टी॰ ब्रार॰ - 273/82-83 एस एल 756, ब्राई ए सी एक्यू श्रार कल/ब्राई - यतः मुझे, एम॰ अहमद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं लया जो राधानाय चौधरी रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण

भार जिसका सक्या 25 वि० ह तथा आ राघानाय चाधरा राड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-11-1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से एसे इरयमान प्रतिफल का पृन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गृया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप से कृथित नहीं किया गया है ह—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; औद्ध/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन्, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।)

उक्त सम्पर्ित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🖫 ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाउा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त घष्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पृरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

25 बि॰ राधानाय घौधरी रोड कलकत्ता में अवस्थित 15 गज 2 छटांक, 23 वर्ग फीट, जमीन पर अविभक्त आधा हिस्सा जो 19-11-82 तारीख में डीड नं॰ 0002 अनुसार आर॰ए॰ कलकत्ता के दफ्तर में रिजिस्ट्री हुआ।

> एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता 54, रफी महस्रक किदवई रोड, कलकत्ता

तारी**ख**ः 13-7-83

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०---

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के स्पीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-], कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 13 जुलाई 1983

निर्वेश सं० ए० सी०/रेंज-IV/कल/19—यतः मुझे, एम० अहमद,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269- का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 12 एन्ड 18 है तथा जो राधा उडमन्ड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिघत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्विषय से उक्त कन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी कहने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन_ा निम्नुमिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 1. श्री रथिन्द्र नाथ चटर्जी

(अन्तरक)

2. श्री सैथेन्द्र नाथ चटार्जी

(अन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्द सम्पूरिः हो वृश्व है कार्यवाहियां करता हुं।

उनत् सम्पत्ति के नुर्जन के तुम्बन्ध में कोई भी बालेप्:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्मव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में विया ग्या ह⁸।

अनुसूची

12 और 18 राधा उडमन्ड, स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित है, 4 कट्टा, 13 ब्लाक, 50 वर्ग फीट, जमीन, आंशिक चार तल्ला और आंशिक पांच तल्ला मकान का 1/6 हिस्सा जो डीड नं० 9788 अनुसार 4-11-82 तारीख में आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्री हुआ।

एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज-I, कलकत्ता

दिनांक 1 13-7-83 मोहर: प्रस्थ **आह**ु टी. एन्, एस्., - -- -

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता; दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्वेश सं० ए० सी०/रेंज/-IV/कल/19---यतः मुझे, एम० अहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 7 है तथा जो कवामाथ स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Competent Authority में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-1-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उच्य अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया ग्या है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की याजत उपत आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आदु/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृक्षिण के लिए;

सतः। वस, उक्त अभिनियमं की भारा 269-त के अनुसरण भौ, मी, उक्त अभिनियमं की भारा 269-त की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1. श्री सुनीता देवी सिंधनिया ट्रस्ट

(अन्तरक)

- 2. श्री बिसाण दयाल गोयल
- 3. श्री कुमार चन्द सि० वाढोरिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्परित के वर्षम के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेपः ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पृत्रों कड़ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् सिसित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

7. कथामाक, स्ट्रीट, "आमीमगन्ज हाउस" में 1657 वर्ग फीट, स्पेस है जो ब्लाक नं० 8 4 तल्ला में अवस्थित और जो 20-1-83 तारीख में 3 नं० अनुसार Competent Authority सहायक, आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज-I दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, कलकला

तारीख: 13-7-83

मोहर 🛚

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक भाषकर भाष्यकत (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश सं० वण्डी/185/82-83—अतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं 1105 मेक्टर 35 सी है तथा जी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूबिधा के लिए; आर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूयिधा के लिए।

 मेजर नोनिहाल सिंह पुत्र श्री अर्जन सिंह निवासी 1422, मोहल्ला बेरियान, गुरदासपुर । (पंजाब) ।

(अन्तरक)

 श्री दिलबाग सिंह मान पुल श्री बसंत गिंह व श्रीमती हरबन्स कौर पत्नी श्री दिलबाग सिंह मान वासी गांव व डाकखाना, झाम तहसील मुकतसर, जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तुरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1105 सैक्टर 35-सी चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चंडीगढ़ के कार्यालय के विलेख नं० संख्या 1171, नवम्बर 1982 के अधीन दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , लुधियाना

दिनांक : 13-7-83

मोहर 🛭

प्रकल आहुरै. ट्री. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 जुलाई 83

निर्देश सं० चण्डीग $\bar{c}/180/82-83$ —अतः मुझे सुखदेव चन्द

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 567 सैक्टर 33-वी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे. उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (का) बन्तरण से हुई िकसी आम की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए, था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) लेफट० कर्नल कंबर प्रितपाल सिंह पुत्र श्री ताजदार सिंह खुद व अटारनी आफ दी मन्दिप सिंह पुत्र लेफट० कर्नल के० पी० सिंह वासी 8 ए० नाथ आमवजरी रोड़ नागपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री बसदेव शारवा पुत्र श्री राम रखा मल रूकद व अटारनी आफ व बालदायन मासटर विकरम शारदा कमास्टर विकरम शारदा मोहन बेटे श्री वम देश शारदा व श्रीमती बिन्ना शारदा पत्नी श्री तम देव दासी मकान नं० 1263 सैक्टर 22 बी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वा, जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

'स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 567, सैक्टर 33-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है। जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या नं० 1191 माह नवस्वर 1982 में दर्ज है।

> सुखयेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15-7-83

मोहर 🖫

प्ररूप आइ. टी. एन. एस . -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुवृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज लुधियाना लुधियाना, दिनांक 14 जुलाई 1983

निर्देश सं : चण्डीगढ़/182/82 - 83/—-यतः मुझे सुखदेव $^{-}$ अन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान नं० 3303 सैक्टर 35 डी० है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निशिवत उद्देश्य से उक्त जन्तरण जिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने धा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- (1) श्रीमती देवी बाई पत्नी श्री एस० आर० बाजाज द्वारा जनरल ग्रटारनी श्री डी० सी० बाजाज वासी 1103, सैक्टर 35 सी चण्डीगढ़ । . (अन्तरक)
- (2) सर्व श्री बलवन्त सिंह व निरन्द्र सिंह बेटे वासी मकान नं० 27, सैक्टर 20 ए० चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सकान नं० 3303, सैंक्टर 35 डी, चण्डीगढ़ में स्थित है। जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख सं० 1149, नवम्बर 1982 के अधीन दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14-7-83

प्ररूप बाहैं दी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश सं० चण्डी/184/82-83--अतः मुझे सुखदेव चन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं 1604 सैक्टर 7-सी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गद्दें हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपील का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- सर्वश्री नरेन्द्र सिंह पुत्र लेट श्री बिरान सिंह, श्री लक्ष्मण सिंह पुत्र श्री मुन्गी सिंह बासी नकोदर, जिला जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्री आर० सी० कपूर पुत्र श्री सोहन लाल व श्रीमती सुरिन्द्र कपूर पत्नी श्री आर० सी० कपूर वासी 1604 सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ ।

(अन्तरिती)

श्री बलवन्त सिंह सालूझा,
 श्री हंस राज शर्मा
 श्री आनन्द प्रकाश शर्मा
 वासी मकान नं० 1604, सैक्टर 7~सी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं 1604 सैक्टर 7-सी चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1166 माह नवम्बर 1982 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-7-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश संख्या चण्डी०/183/82-83-अतः मुझे सुखाचेव चन्च

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या मकान नं० 767 सैक्टर 8 बी है तथा जो चण्डी-गढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधिस में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायिक्य में कभी करते या उससे मचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श्व) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में मुखिधा के सिए।

प्रत: प्रव, उन्त भविनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात:— सर्व श्री इन्द्रजीत सिंह व सुखदेव सिंह सपुन्नान श्री मोहन सिंह निवासी मकान नं० 130 सैक्टर 9-बी चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री उपेन्द्र सिंह बेदी पुत्र श्री मोहन सिंह बेदी, श्रीमती सन्तोष बेदी पत्नी श्री उपेन्द्र सिंह बेदी मिप सावित्री बेदी मिन टॉवकन बेदी, मिस विन्कल बेदी पुत्रीयान श्री उपेन्द्र सिंह बेदी निवासी सी/I-ए, सनौदी, जमशेदपर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मिर्स्त के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकोंगे।

स्पच्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान नं० 767, सैक्टर 8 बी चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1154 नवम्बर 1982 के अधीन दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-7-83

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 28th June 1983

No. A. 32013/1/83-Admn, II.—In continuation of this office Notification of even number dated 13th April, 1983, the Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Pradeep Mehta, a Permanent Engineer in the office of Union Public Service Commission to officiate as Senior Engineer (Group 'A' Rs. 1100-50-1600) in the office of Union Public Service Commission on ad hoc basis for a further period of three months w.e.f. 23-6-1983, or till the Recruitment Rules are notified whichever is earlier.

2. The appointment of Shri Pradeep Mehta, as Senior Engineer is purely on ad-hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment or seniority to the post of Senior Engineer.

Y. R. GANDHI Under Secy (Admn.) for Chairman Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 1st July 1983

No. 2/1/82-Adm.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri A. K. Garde an officer of Central Secretariat Service—Selection Grade; and approved for appointment as Director, as Commissioner for Departmental Inquiries in the Central Vigilance Commission in the scale of pay Rs. 2000-2250 in officiating capacity with effect from the forenoon of 16th June, 1983 until further orders.

The 8th July 1983

No. 2/23/82-Admn.—Shri R. P. Sharma, an Assistant Engineer of the Central Public Works Department, who was officiating as Assistant Technical Examiner in the Central Vigilance Commission has relinquished charge of his office in the afternoon of 8th July, 1983 on his repatriation to his parent cadre.

K. L. MALHOTRA Under Secy. for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A.R.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 20th July 1983

No. A-19036/3/80-AD. V.—Consequent on his repatriation from the C.D.T.S. Calcutta, Shri D. N. Das, Dy. S. (FP)/CBI joined C.F.P.B. Calcutta on 27-6-1983 (Forenoon) in the same capacity.

The 25th July 1983

No. B-5/69 AD.V.—The President is pleased to appoint the following Sr. Public Prosecutors/ C.B.I. as Dy. Legal Advisers in the Central Bureau of Investigation with effect from 2nd June, 1983 forenoon on regular basis:—

- 1. Shri B. Y. Raju, DLA, Zone-IV.
- 2. Shri A. T. Dante, DLA GOW : CBl : Madras.
- 3. Shri J. P. Sharma, DLA, CBI, Zone-III.

No. A/19036/7/83/Ad. V.—The Director, CBI and Inspector General of Police, SPE hereby appoints Shri Mohinder Kumar, Inspector of Police, Delhi Police as officiating Dy. Superintendent of Police in C.B.I., S.P.E. on deputation with effect from 20-6-1983 F.N. until further orders.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL RESERVE POLICE FORCE New Delhi-110 003, the 22nd July 1983

No. O. II-1756/82-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Vijay Kumar Dandge as Juniot

Medical Officer in the CRPF on ad hoc hasis with effect from the forenoon of the 24th May, 1983 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 25th July 1983

No. F. 2/18/82-Estt. (CRPF).— In partial modification of this Directorate notification of even number dated 12-10-82, the President is now pleased to confirm Shri Inderjit Singh in the rank of Asstt. Comdt. in the CRPF w.e.f. 19-3-1981.

No. Q.II 1797/83-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Shankar Dayal Singh as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy. Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 25th March, 1983.

A. K. SURI Asstt, Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110 003, the 20th July 1983

No. E-31013(2)/2/82-GA-I.—The President is pleased to promote the following officers (Assistant Commandants—ad-hoc) to officiate in the rank of Assistant Commandant on regular basis with effect from 13-1-1983:—

- 1. Shri P. K. Dasgupta
- 2. Shri B. P. Prabhakaran
- 3. Shri T, S. Makkar
- 4. Shri P. Shukla
- 5. Shri S. S. Kadian
- 6. Shri Mangal Singh
- 7. Shri Vasudevan Nair
- 8. Shri R. M. Ahluwalia
- 9. Shri A. S. Panesar
- 10. Shri M. Arvindakshan
- 11. Shri D. Vishwanath
- 12. Shri B. K. Mehta
- 13. Shri S. P. Kinra
- 14. Shri S. S. Pathania
- 15. Shri R. S. Srivastava
- 16. Shri G. S. Balaggan
- 17. Shri S. K. Abrol
- 18. Shri G. S. Kapoor
- 19. Shri Y. P. Sabharwal

The 22nd July 1983

No. E-31015/1/83-GA. I.—The Director General/CISF is pleased to appoint Shri Janak Raj Sharma, a permanent Assistant (ad hoc Section Officer) on promotion to officiate as Section Officer in CISF Hqrs New Delhi with effect from the forenoon of 3rd March, 1983.

SURENDRA NATH Director General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 22nd July 1983

No. 11/98/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. D. Kapur Chief Secretary to the Andaman & Nicobar Islands Administration, as Director of Census Operations, Andaman & Nicobar Islands, Port Blair, in an ex-officio capacity, with effect from the forenoon of the 7th June, 1983 until further orders.

2. The headquarters of Shri R. D. Kapur will be at Port Blair.

No. 11/98/79-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri R. Padmanabhan, Chief Secretary to the Andaman & Nicobar Islands Administration, as Director of Census Operations, Andaman & Nicobar Islands, Port Blair, in an ex-officio capacity, with effect from the

afternoon of the 28th May, 1983 to the 7th June, 1983 (FN)

2. The headquarters of Shri R. Padmanabhan will be at Port Blair.

No. 11/43/80-Ad.I.—In continuation of this Office Notification of even number dated the 14th February, 1983, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri Dina Nath Sharma, an Office Superintendent, as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Himachal Pradesh, Simla, for a further period upto the 31st December, 1983 under the existing terms and conditions.

2. The headquarters of Shri Sharma will be at Simla.

No. 11/25/81-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 26-12-1981, the President

is pleased to appoint, by transfer on deputation, Shri M. M. Dass, an officer of Orissa Administrative Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Orissa, Bhubaneswar, on a purely temporary and ad hoc basis, for a further period upto the 30th September, 1983 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Dass will be at Bhubaneswar.

No. 10/17/82-Ad. I.— On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint, through direct recruitment, Dr. S. P. Datta, Senior Technical Assistant in the office of the Registrar General, India (Language Division), Calcutta, as Research Officer (Language) in the same office, in temporary capacity, with effect from the forenoon of the 23rd May, 1983, until further orders.

2. His headquarters will be at Calcutta.

No. 11/5/82-Ad.I.—The President is pleased to appoint, on deputation, the under-mentioned officials as Assistant Director (Data Processing) in the office as mentioned against each on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period not exceeding one year, with effect from the date as mentioned against their names or till the post is filled in on a regular basis, which ever period is shorter:—

Sl. No.	Name								Office in which Pres working	cribed head- quarters	Date of appointment
i i	2								3 .	4	5
1. Shri	S. S. Niket .								RGI, New Delhi.	New Delhi	6-6-1983(AN
	R. S. Lal								-do-	-do-	6-6-1983 (AN
	Subhash Garg						•	-	-do-	-do-	6-6-1983 ,,
	Ganesh Dass .	•		•	•		•		-do-	-do-	6-6-1983 ,,
	Gyan Prakash .	•		•	•	٠			-do-	-do-	6-6-1983 (FN)
	Khaja Moinuddin	•	٠				•		,		8-6-1983 ,,
	S. K. Sinha.	•		•	•	•	•	•	DCO, Bihar	Patna	9-6-1983 ,,
8. Shri	G. N. Gowda		٠.				•	•	DCO, Karnataka	Bangalore	8-6-1983 ,,
9. Shrì	S. R. Raghavendra	Rao					•		-do-	-do-	8-6-1983 ,,
10. Shri	H. R. Keshava Mu	ırthy							-do-	-do-	8-6-1983 ,,
l I. Shri	M. Peetambaram							•	DCO, Kerala	Trivandrum	13-6-1983
12. Shri	K. K. Akolkar ,								DCO, Maharashtra	Bombay	10-6-1983 ,,
13. Shri	V. S. Nagle .				•				-do-	-do-	13-6-1983
l4. Shri	Harbhajan Singh		-	•					DCO, Uttar Pradesh	Lucknow	9-6-1983 ,,
15. Shri	M. C. Padalia .		•						-do-	-do-	9-6-1983 ,,
l 6. Shri	K. C. Upadhyay	•						,	-do-	-do-	9-6-1983 ,,
17. Shri	L. C. Rastogi .		•						-do-	-do-	9-6-1983 ,,
18. Shri	K. K. Mehrotra				٠.		-		-do-	-do-	9-6-1983
19. Shri	Ram Sahai .								-do-	-do-	9-6-1983
20. Miss	Shefali Chakravort	у .							DCO, West Bengal	Calcutta	13-6-1983 ,,

^{2.} The appointment, on deputation, of the above-mentioned 20 officers to the post of Assistant Director (Data processing) will be governed under the terms and conditions of deputation as contained in the Ministry of Finance O. M. No. F. 10(24) E. III (B)/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time. The above mentioned ad-hoc appointments may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA, Registrar General, India

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

LABOUR BUREAU

Simla-171 004, the 6th August 1983

No. 23/3/83-CPI.—The All India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by twelve points to reach 533 (Five hundred and thirty three), during the month of June 1983 Converted to Base: 1949=100 the index for the month of June, 1983 works out to 648 (Six hundred and forty eight).

A. S. BHARDWAJ Director, Labour Bureau

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 22nd July 1983

No. Admn.I/8-132/83-84/539.—The Accountant General I Andhra Pradesh Hyderabad is pleased to promote the following Section Officers in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad to officiate as Accounts Officers in the Scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200

5. S. 6. S. 18-7-83 FN 19-7-83 FN

with effect from the dates noted further orders:—	against their names until
Name	Date of Assumption of charge
S/Shri	
1. N. Srinivasan II	14-7-83 FN
2. S. Krishna Murthy III	13-7-83 AN
3. S. V. Subramaniam II	13-7-83 AN
4. K. Adinarayana	13-7-83 AN

The promotions ordered are without prejudice to the claims of their seniors if any and also subject to result of the writ petitions pending in the A. P. High Court/Supreme Court

T. G. Bindumadhava V. Seetha Rama Rao

> B. MASON Sr. Dy. Accountant General (Admu.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL UTTAR PRADESH

Allahabad, the 22nd July 1983

No. Admn./11-14/Notf./2908.—The following Accounts Officers have retired from service with effect from 30-6-1983 (AN) on attaining the age of superannuation:—

- 1. Shri S. B. L. Srivastava, substantive Accounts Officer, Office of the Accountant General-II, Under Pradesh, Allahabad.
- 2. Shri Ghanshyam Dass, Officiating Accounts Officer, Office of the Accountant General-I, Uttar Pradesh, Allahabad.

S J. S. AHLUWALIA Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, POSTS AND TELEGRAPHS

Delhi-110054, the 23rd July 1983

No. Admn. III-169/23(A)(2)Notification.—The Director of Audit, Posts & Telegraphs has been pleased to promote and appoint the following Section Officers as Officiating Audit Officers and to post them in the P&T Branch Audit Offices indicated against each until further orders. These promotions are on ad-hoc basis and are subject to revision:—

Sl. Name No.	P&T Branch Audit Offices to which belongs as Section Officer	Branch Audit Office to which posted as Audit Officer	Date of promotion
S/Shri 1. Durga Das Sharma	Kapurthala	Delhi	14-3-83 (FN)
2. Devidas Champat Rao Choudhari	Nagpur	Given proforma pro- motion under Next Below Rule	29-1-83 ,,
3. Vishnudayal Kishorilal Nigam	Nagpur	Ahmedabad	29-1-83
4. Vithal Sadashiv Kharbade	Nagpur	Bombay :	28-2-83
5. Chaman Lal Khurana	Kapurthala	Delhi	12-3-83 ,,
6. Deorao Patruji Khanko	Nagpur	Ahmedabad	21-3-83
7. Nirmalendu Debnath	Calcutta	Patna	10-3-83
8. Janak Raj	Kapurthala	Lucknow	14-3-83 ,,
9. Atluri Suryanarayana	Hyderabad	Bangalore	28-3-83
10. Behari Lal Kadal Baju	Kapurthala	Given proforma, Pro- motion under Next Below Rule	10-5-83 ,,
11. Murlidhar Vithal Patankar	Ņagpur	Ahmedabad	10-5-83 ,,

K. K. THAPAR Deputy Director of Audit (H. Qrs.)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 8th July 1983

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

ESTABLISHMENT

No. 6/1172/77-ADMN(G).—Shri D. C. Chakraborty, Assistant Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta expired on 26-4-1983.

The 11th July 1983

No. 6/1367/81-ADMN(G).—On attaining the age of superannuation, Shri A. N. Rajagopalan an officer of Selection Grade of CSS and Additional Chief Controller of Imports and Exports in this office has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 30th June, 1983.

V. K. MEHTA
Deputy Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta-700 069, the 25th July 1983

No. Jute (A)/147/58-Vol. V.—The President is pleased to appoint Shri Bhupendra Nath Basu, Asstt. Director (Jute Manufacture) in the Office of the Jute Commissioner as Industrial Adviser (Jute Production) in the same office with effect from the forenoon of 4th June, 1983 until further orders.

S. P. MALLIK Jute Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY

OFFICE OF THE ECONOMIC ADVISER

New Delhi, the 30th June 1983

No. A-32013(1)/81-Ec. Ad.—The President is pleased to appoint Dr. M. L. Lakhera, a Grade II Officer of the Indian Economic Service as Deputy Economic Adviser, a Grade I post of that service in the Office of the Economic Adviser, Ministry of Industry with effect from the forenoon of 30th June, 1983.

MANMOHAN SINGH Addl, Economic Adviser

DIRECTROATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-110 001, the 19th July 1983

No. A-6/247(555)/76. II.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Roy, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Calcutta as Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) on ad-hoc basis in the same office for a period of six months with effect from the forenoon of 20th April, 1983.

2. Shri Roy relinquished the charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engineering) at Calcutta with effect from 20-4-1983 (F.N.) and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engineering) on the same date and at the same station.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Admn.)
for Director General, Supplies & Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 7th June 1983

No. 6304B/A-19012(4-PMGN)/82-19B.—Shri P. M. Gopala Krishnan Nair, S. T. A. (Drilling) of the Geological Survey of India, is appointed as Driller in the same Department on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 2nd May, 1983, until further orders.

No. 6317B/A-19012(4-NKC)/82-19B.—Shri Naresh Kr. Chopra, Sr. Technical Asstt. (Drilling) of the Geological Survey of India is appointed as Driller in the same Department on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 17th May, 1983, until further orders.

No. 6330B/A-19012 (4-CLN/82-19B.—Shri Chiranji Lal Nautiyal, STA (Drilling) of the Geological Survey of India is appointed as Driller in the same Deptt. on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 2nd May, 1983, until further orders.

The 18th July 1983

No. 6378B/A-19012(4-BVNR)/82-j9B.—Shri B. V. Nageswar Rao is appointed as Driller in the Geological Survey of India on pay of minimum in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the afternoon of 18th May, 1983, until further orders.

The 20 July 1983

No. 6475B/A-19012(1-RK)/82/19A.—Shri Rajendra Kumar is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of Ingra on an initial pay of Rs. 650/- per 26—196G1/83 month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 27-4-1983, until further orders.

S. K. MUKERJEE Dir. Gen.

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 18th July 1983

No. A-19011(174)/75-Estt. A.—Shri M. T. Devasia, Assistant Mineral Economist (Statistics) is appointed to officiate as Deputy Mineral Economist (Statistics) a Grade JII post of I.S.S., w.e.f. the afternoon of 16th May, 1983, until further orders,

B. C. MISHRA Head of Office Indian Bureau of Mines

DEPARTMENT OF ENVIRONMENT BOTANCIAL SURVEY OF INDIA OFFICE OF THE DIRECTOR

Howrah-711 103, the 20th July 1983

No. BSI-66/150/83. Estt.—Shri Surendia Kumar Jain, Assistant (Office), Zoological Survey of India, Dehra Dun who joined the post of Hindi Officer, Botanical Survey of India (on deputation) Gr. 'B' Gazetted on FN of 11-4-83 has relinquished the charge of the post of Hindi Officer. Botanical Survey of India, consequent on his reversion to his parent Department with effect from the AN of 2-7-83 on his own request, on being released from this Survey with effect from AN of 2-7-83.

S. N. KAR Administrative Officer

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 20th July 1983

No. 4(76)/77-SI.—Consequent on his appointment as Regional Secretary, Sahitya Akademi, Madras, Shri P. S. Gopalakrishna, Programme Executive, All India Radio, Madras was relieved of his duties at All India Radio, Madras on the forenoon of 17th May, 1983.

No. 4(59)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Suresh Pandcy as Programme Executive, All India Radio, Jabalpur in a temporary capacity with effect from the 31st March, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

The 22nd July 1983

No. 4(33)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Kum. M. Kalavathi as Programme Executive, All India Radio, Madras in a temporary capacity with effect from 28th May, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

The 23rd July 19831

No. 4(63)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Bhagwan Mehirchandani as Programme Executive, All India Radio, Bornbay in a temporary capacity with effect from 31st March, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(83)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Shikhar Ray as Programme Executive, All India Radio, Imphal in a temporary capacity with effect from 24th June, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000 EB-40-1200.

The 26th July 1983

No. 4(90)/82-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Probin Chandra Bhattacharyya as Programme Executive, AIR, Dibrugarh in a temporary

capacity with effect from 15th June, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

H. C. JAYAL Dy. Dir. (Admn.) for Dir. General

New Delhi, the 21st July 1983

No. 2/3/71-SII (Vol. III) — The Director General All India Radio is pleased to appoint Shri R. N. Rathi, Accountant to officiate as Administrative Officer on ad-hoc basis at AIR Jaipur w.c.f. 16-7-1983 (FN).

RUKMINI DAS GUPTA Dy, Dir. (Admn.) for Dir. General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 20th July 1983

No. A-12025/21/81-Admn, I (Pt. II).—The President is pleased to appoint Shri D. R. Mandia to the post of Architect in the Central Design Bureau of the Directorate General of Health Services, New Delhi, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 4th July, 1983 and until further orders

No. A-12025/21/81-Admn-I (HQ).—The President is pleased to appoint Shri V. K. Bugga to the post of Architect in the C.D.B. of the Directorate General of Health Services, New Delhi, in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 6-7-1983, and until further orders.

T. C. JAIN Dy. Dir. (Admn.) (O&M)

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTROATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 2nd July 1983

No. A. 19024/1/81-A-III.—The ad-hoc appointment of Shri R. D. Gupta to the post of Jr. Scientific Officer, under this Dte. at General Agmark Laboratory, Nagpur, has been extended for a further period w.e.f. 1-4-83 to 6-4-83.

G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 7th July 1983

No. PPED4(899)/81/Adn./9424.—On being permitted to retire voluntarily from service Kum. N. M. Merchant, a permanent Asstt. Accounts Officer and officiating Accounts Officer-II in this Division has relinquished charge of her post in this Division on the forenoon of July 1, 1983.

The 19th July 1983

No. PPED/4(712) /77/Adm./7884.—On being permitted to retire voluntarily from service Shri C. R. Valiu, a permanent Accountant and officiating Accounts Officer-II in this Division has relinquished charge of his post in this Division on the forencon of July 14, 1983.

B. V. THATTE Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township-202 389, the 18th July 1983

No NAPP/Admn./26(1)/83/S/7219.—Chief Project Engineer, Natora Atomic Power Project appoints the undermentioned Foreman/Scientific Assistants to officiate as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in the Narora Atomic Powe Project, with effect from the forenoon of February 1, 1983 until fur-ther order:—

S Name	Present Desig- nation	Grade to which appointed
1. Shri S. B. Saxena	. Foreman	Scientific Officer/ Engineer Grade SB
2. Sad O. P. Hintiy	a Scientific Assistant 'C'	-do-
3. SWri A. S. Khan	do-	-do-
4. Shri S. K. Agarv	wal Scientific Assistant 'A'	-do-

No. NAPP/Adm/26(1)/83/S/7220.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri R.N. Shukla, a permanent Personal Assistant and officiating Assistant Personal Officer to officiate as Industrial Relations Officer on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- in the Narora Atomic Power Project, with effect from the forenoon of 13-7-1983 until further orders.

No. NAPP/Adm/26(1)/83/S/7221.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, hereby appoints Shri Om Prakash, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer on ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960/- in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of 13-7-1983 until further orders vice Shri R. N. Shukla, Assistant Personnel Officer appointed to officiate as Industrial Relations Officer on ad hoc basis

The 21st July 1983

No. NAPP/Adm/26(1)/83/S/7360.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri J.C. Modwel, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts Officer in Rajasthan Atomic Power Project, Kota, to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of payof Rs. 650—30—740—35—880—E8—40—960/- in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of 11-7-1983 until further orders.

The 23rd July 1983

No NAPP/Adm/R/12(2)/83-7965.—Chief Project Engineer. Narora Atomic Power Project appoints Shri Viiay Pal Singh, an officiating Assistant Security Officer to officiate as Security Officer on ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960/- in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of 18-7-1983 until further orders.

R. K. PALI Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 15th July 1983

No. DPS/2/1(3)/82-Adm/22768.—The Director Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Monkattil Naravanan, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant in B.A.R.C., Bombay, Department of Atomic Energy to officiate as an Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in this Directorate in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—FB—40—960/- with effect from the forenoon of July 1, 1983 until further orders.

The 19th July 1983

Ref. No. DPS/41/1/83-Adm/22947.—The Director, Directorate of Purchase and Stores Department of Atomic Energy appoints Shri Kovar Mukund Naik a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of nav of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 from 6-6-83 (FN) to 8-7-1983 (AN) in the same Directorate vice Shri D. Nayak, Assistant Purchase Officer granted leave.

The 20th July 1983

Ref. No. DPS/41/16/83-Adm/23092.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri M. R. Menon a permanent Junior Store-keeper and officiating as Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000—EB—40—1200/- from 10-5-1983 (FN) to 18-6-1983 (AN) in the same Directorate vice Shri H. R. Dua, Assistant Stores Officer granted leave.

P. GOPAJ AN Administrative Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 2nd June 1983

ORDER

Ref. No. NFC/PA.V/2606/1126/665.—WHEREAS, Shri B. Narasimha Reddy, T/A. EUOP. NFC was remaining absent from duty unauthorisedly without prior intimation/sanction of leave from 29-12-80 to 10-2-81;

AND WHEREAS Shri B. Narsimha Reddy reported for duty on 11-2-81 and submitted leave application for 42 days EOL;

AND WHEREAS the leave was sanctioned taking a lenient view by the leave Sanctioning Authority;

AND WHEREAS Shri B. Narsimha Reddy was against remaining absent from duty unauthorisedly with effect from 25-4-81 onwards.

AND WHEREAS a telegram was issued on 1-6-81 to the said Shri B. Narsimha Reday directing him to report for duty immediately;

AND WHEREAS the post copy of the telegram bearing No. NFC/PA.II/1126/EUOP/1515 dated 1-6-81 was also sent to him by registered post A.D. to his residential address at 2-5, Bakshiguda, Mallapuram, Hyderabad-40;

AND WHEREAS the post copy of the telegram was returned underivered by the postal authorities with a remark that (continuously absent—5-6-81 to 12-6-81 returned to centre;

AND WHEREAS the said Shri B. Narsimha Reddy continued to remain absent from duty unauthorisedly and thus committed an act of misconduct in terms of Rule 3(1) of CCS (Conduct) Rules, 1964 read with para 39(5) of NFC Standing Orders;

AND WEREAS the said Shri B. Narsimha Reddy was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/1765 dated 11-10-1981;

AND WHEREAS the said memorandum of charge dated 11-10-1981 sent by registered post A.D. to his above mentioned local address was returned undelivered by the postal authorities with the remark 'party 7 days absent returned to 'centre';

AND WHEREAS the said Shri B. Narsimha Reddy continued to remain absent from duty unauthorisedly and did not inform NI·C of his whereabouts which amounted to voluntarily abandoning his service with NFC;

AND WHEREAS it was considered that an inquiry should be held into the charge framed against the said Shri B. Narsimha Reddy and accordingly an inquiry Officer was appointed vide order No. NFC/PA.V/2606/1740/2072 dated 3-12-81;

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted his report dated 9-2-83 stating that it has been practically impossible to get the presence of the accused Government servant, Shri-B. Narsimha Reddy to the inquiry and as such the proceedings were concluded exparte, and hold the charge as proved;

AND WHEREAS the undersigned after carefully going through the records of the case including the inquiry report dated 9-2-83 held the charge as proved and came to the provisional conclusion that the said Shri B. Narasimha Reddy was not a fit person to be retained in service and that the penalty of removal from service should be imposed on him;

AND WHEREAS the said Shri B. Narsimha Reddy was informed of the provisional conclusion as aforesaid vide Memorandum No. NFC/P.A.V/2606/1126/577 dated 10-5-83;

AND WHEREAS the said Memorandum dated 10-5-83 sent by registered post A.D. to his residential address at 2-5, Bakshiguda, Mallapuram P.O., Hyderabad-500040 was also returned undeliered by the postal authorities with the remarks 'Party absent 7 days in delivery time R/Sender';

AND WHEREAS the undersigned on the basis of the records of the case and inquiry report has come to the final conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Siri B. Narsimha Reddy;

NOW THEREFORE, the undersigned in exercise of powers conferred on him under Rule 19(ii) of the Central Civil Service (Classification, Countrol and Appeal) Rules 1965 read

with para 43 of NFC Standing Orders and DAE Order No. 22(1)/68-Adm.II dated 7-7-79, hereby removes the said Shri B. Narsimha Reddy from service with immediate effect.

R. RAJENDRAN Deputy Chief Executive (F)

Shri B. Narsimha Reddy 2-5, Bakshiguda Mallapuram P.O. Hyderabad-500040

ORDER

Hyderabad-500 762, the 16th June 1983

Ref. NFC/PA.OV/2606/1860/705.—WHEREAS, Shri L. Satyanarayana, H|B, ZFP, E.C. No. 1860, NFC has been remaining absent from duty unauthorisedly (without prior intimation|sanction of leave) from 15-5-1982;

AND WHEREAS Shri Satyanarayana was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him vide memorandum No. NFC/PA. V/2606/1860/1446 dated 26-8-1982;

AND WHEREAS the said Shri Satyanarayana has received the charge sheet on 2-9-1982, but did not submit any representation;

AND WHEREAS the said Shri Satyanarayana was again given an opportunity to state whether he admits the charge or denies the charge framed against him vide memorandum No. NFC/P.A.V/2606/1860/1829 dated 9-11-1982;

AND WHEREAS the said letter was returned undelivered by the postal authorities with a remark 'returned';

AND WHEREAS it was considered that an inquiry should be held into the charge and accordingly an Inquiry Officer was appointed vide order No. NFC/PA. V/2606/1860/764 dated 10-2-1983;

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted his report dated 14-5-1983, stating that an inquiry was held ex-parte as the said Shri Satyanarayana did not attend the inquiry and the charge was proved;

AND WHEREAS the undersigned, after carefully going through the records of the case including the inquiry report (copy enclosed) held the charge as proved and came to the provisional conclusion that the said Shri Satyanarayana was not a fit person to be retained in service and the penalty of removal from service should be imposed on him;

AND WHEREAS the said Shri Satyanarayana was informed of the provisional conclusion as aforesaid vide memorandum No. NFC(PA. V|2606|1860|647 dated 25-5-1983 and was given an opportunity to make any representation on the penalty proposed within 10 days from the date of receipt of the memorandum;

AND WHEREAS the said memorandum dated 25-5-1983, sent by registered post A.D. to his known address was returned by the postal authorities with the remark returned:

AND WEHEREAS the undersigned on the basis of the records of the case including the inquiry report dated 14-5-1983 has come to the final conclusion that the said Shri Satyanaraynan is not a fit person to be retained in service and that the penalty of removal from service should be imposed on him;

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under DAE order No. 22(1)|68-Adm.II dated 7-7-79 read with para 43 of NFC Standing Orders hereby removes the said Shri Satyanarayana from service with immediate effect.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

Eucl: bnc Shri L. Satyanarayana 4-49, Balanagar Hyderabad-500 032

—By Regd, Post Ack. Due ce: Manager (Finance) Manager, ZFP APO-II (P. F. Copy) APO-I DCSO, NFC

Hyderabad-500762, the 16th July 1983

No. NFC/PAR/1702/1937.—The Deputy Chief Executive (A), Nuclear Fuel Complex appoints Shri Ch. Narasimha Chary, Asst. Accounts Officer to officiate as Accounts Officer-II in Nuclear Fuel Complex with effect from 14-5-1983 (AN) until further orders.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 21st July 1983

No. RAPP/04637/D. Cell/E-44/83/S/339.—Shri S. C. Mishra, S. o Shri D. N. Mishra, a resident of Paranipur, Allahabad, working as Tradesman 'C', in this Project was sanctioned three days leave from 16-11-1981 to 18-11-1981 and was subsequently granted extension of leave upto 23-1-1981 with instructions to report for duty on 24-11-1981 Shri S. C. Mishra had failed to report for duty on 24-11-1981 and has been absent from duty W.e.f. the said date. On 30-11-1981 a telegram was sent to him directing him to report for duty but he still continued to be absent. Thereafter another communication was sent to him by Registered A.D. post under No. RAPS/09002/0(167)/82/S/1453 dated 9-2-1982 once again directing him to join his duty within 10 days from the receipt of the said letter and also informing him that disciplinary action would be taken against him in case he failed to report for duty. The said letter has been received back undelivered with the remarks of the Postal authorities on the envelope as under:—

- 1. जिसके नाम संहै घर पर मौजूद नहीं है। 17-2-82
- 2. लेने वाला कहीं बाहर रहता है अतः वापस 19-2-82

Shri S. C. Mishra is hereby informed that disciplinary proceedings have been instituted against him, the charges being;

- (i) unauthorised absence from duty w.e.f. 24-11-1981.
- (ii) disregard of official communications directing him to report for duty
- (iii) and thus acting in a manner wholly unbecoming of a Government servant.

Shri Mishra is directed to collect the memorandum of charges alongwith its enclosures from the undersigned on any working day within 15 days of the publication of this Notification and submit his defence if any If he fails to comply with these instructions within the above stipulated period, further action under Rule 19(ii) of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965 would be taken inevitably.

M. S. R. SARMA, Chief Project Engineer

Anushakti, the 21st July 1983

No. RAPP/04637/D.Cell/E-44/83/S/340.—A memorandum of Charges No. RAPP/04637/82/Admn./D-Cell/S/E-122/271 dated 19th May, 1982 was sent to Shri H. C. Gupta, Tradesman E, O&M Section, RAPS, the charges against him being (1) acting in a manner wholly unbecoming of a Government Servant by leaving the Project without information or without leaving his address 2 his failure to discharge the obligations of serving the Project during the period of notice of resignation and (3) for unauthorised absence from duty with effect from 20th March, 1982. The above said memorandum of charges sent to him by Registered A.D. post to the last known address has been received back, undelivered with the remarks of the Postal authorities on the envelope as under:—

"addressee left the place"

The whereabout of the said Shri H. C. Gupta are thus not known.

By this Notification, Shri H. C. Gupta is informed that the undersigned as the Disciplinary Authority in his case would commence the Departmental proceedings on the aforesaid charges against him and for the purpose, Shri H. C. Gupta is directed to appear before the undersigned within 15 days from the date the appearance of this Notification in the

Gazette of India. In case Shri Gupta fails to appear before the undersigned by or within the period stipulated above, action as envisaged under Rule 19(ii) of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965 would be taken against him.

> M. S. R. SARMA, Chief Project Engineer

Anushakti, the 21st July 1983

No. RAPP/Rect/7(8)/83/S/327.—Chief Project Engineer Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri R. K. Chopra a permanent Personal Assistant in RAPS to officiate as Assistant Personnel Officer in Rajasthan Atomic Power Project in the grade of Rs. 650-960 in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 1, 1983

A. N. KATTI Administrative Officer(E)

HEAVY WATER PROJECTS.

Bombay-400 008, the 20th July 1983

No. 05052/Feb.83/2427.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Cevour Radhakrishnan Gajapathi, Tradesman 'C' of Heavy Water Project (Kota) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project w.e.f. the forenoon of February 1, 1983 until further orders.

No. 05052/Feb.83/2428.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Karan Singh Singhvi, Scientific Assistant 'B' of Heavy Water Project (Kota) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project w.e.f. the forenoon of February 1, 1983 until further orders.

No. 05052/Feb./2429.—Chicf Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Anil Kumar Acharya, Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Kota) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project w.e.f. the forenoon of February 1, 1983 until further orders.

The 21st July 1983

No. 05012/R5/2450.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri V. Krishnan Potty, Senior Stenographer, Kakrapar Atomic Power Project, Department of Atomic Energy to officiate as Assistant Personnel Officer in Heavy Water Project (Talcher), with effect from the forenoon of May 24, 1983 until further orders.

No. 05052/Feb.83/2451.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Dushyant Kumar Kantilal Joshi, Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Plant (Baroda) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same plant w.e.f. forenoon of February 1, 1983 until further orders.

The 22nd July 1983

No. 05012/R7/2468.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Vadlamudi Hanumantha Rao, Assistant Accounts Officer, Nuclear Fuel Complex, Department of Atomic Energy, to officiate as Accounts Officer-II in Heavy Water Project (Manuguru), with effect from the forencon of July 6, 1983 until further orders.

The 26th July 1983

No. 05052/Feb.83/2492.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Amratlal Mohanlal Patel, Scientific Assistant 'C', Heavy Water Plan (Baroda) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same plant w.e.f. afternoon of January 31, 1983 until further orders.

K. MUTHUSWAMY Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DEPARTMENT OF CIVIL AVIATION)

New Delhi, the 22nd July 1983

No. A,32013/DGM/CMAS/82-E.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Das, Additional Director General of Meteorology, India Meteorological Department as Director General of Meteorology in the same Department

on ad hoc basis for a further period of two months from 1st July 1983 to 31st August 1983 or till further orders whichever is earlier.

> R. N. BHARGAVA Under Secy.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-110022, the 7th July 1983

No. A. 32013/8/82-EA (Pt).:—The president is pleased to continue ad-hoc appointment of the under-mentioned aerodrome Officers upto 30th June, 1983:-

Sl, No, and Name S/Shri. 1. M. S. Mulik 2. K. C. Biswas 3. V. V. Devakar 4. S. L. Biswas 5. C. B. Yadnaik

6. S. A. Krishnan

7. A. C. Das

8. Inderjeet Singh 9. Y. P. Sahwney

10. G. B. Singh

Sl. No. ana Nam	Sl.	No.	and	Name
-----------------	-----	-----	-----	------

S/Shri

11. M. S. Rawat

12. J. P. Kapoor

13. N. C. Edbore

14. P. N. Dhantai

15. A. C. Jassal 16. J. C. Kartanai

17. D. K. Jain

18. S. B. Kamble 19. H. B. Khurade

20. C. V. Raisinghani

J. C. GARG Assistant Director of Admn. For Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 14th July 1983

No. A.32013/3/82-BC(PT)(.).—The President is pleased to appoint Shri S. D. Bansal, Technical Officer, Office of the Radio Construction and Development Units, New Delhi, to the grade of Senior Technical Officer on ad hoc basis for a period of six months w.e.f. 31st January 1983 and to post him in the same office.

The 16th July 1983

No. A-32013/10/82-EC:—The President is pleased to appoint the following Asstt. Comm. Officers to the grade of Comm. Officer on ad-hoc basis for a period of six months w. e. f. the date of taking over charge of the higher post and to post them at the stations indicated against each:~

S. No. Name			Present Station of Posting	Station to which posted	Date of taking over Charge.
S/Shri					(FN)
1. B. N. Karanjai .			ACS, Gauhati	ACS, Delhi	31-5-83 ,,
2. K. Rajagopalan .			ACS, Jamnagar	ACS, Bombay	7-5-83 ,,
3. G. K. Rao			ACS, Vijayawada	ACS, Hyderabad	1-7-83 ,,
4. M. Subramanian			ACS, Bombay	ACS, Bombay	7-3-83 ,,
5. S. N. Dutta .	,		 ACS, Gauhati	CATC, Allahabad	13-6-83 ,,
6. M. P. Kulkarni .			ACS, Bombay	ACS, Bombay	7-3-83 ,,
7. R. N. Mukherjce			ACS, Silchar	ACS, Calcutta	14-3-83 ,,
8. P. N. Kuppuswamy			ACS, Madras	RCC's Office Madras	10-3-83 ,,
9. S. Arokiam			ACS, Madras.	ACS Madras	10-3-83 ,,

The 18th July 1983

No. A-38013/8/82-BC,—Shri A. P. Sengupta, Assistant Technical officer attached to the office of Director of Com-munication, Aeronautical Communication Station, Calcutta in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of his office of appointment on attaining the age of w.e.f. 30th June 1983 (AN). superannuation

The 2nd August 1983

No. A.-31011/2/81-EC (.):—The President is pleased to appoint the following Twenty Seven officers in a substantive capacity in the grade of Technical Officer, in the civil Aviation Department w. e. f. the dates indicated against each:—

S. No. Name				Date
S/Shri.	_			
1. Vishwanath				9-7 -7 9
2. R. Sampath Ki	ıma	ran		1-8-79
3. U. N. Singh				11-1-80
4. P. K. B. Nair				4-7-80
5. D. K. Chadda				4-7-80
6. J. R. Danwar				` 4-7-80
7. Y. P. Batra				4-7-80
8. S. C. Duggal				4-7-80

S. No. Name			Date
S/Shri	 		
9. Sarwan Kumar			4-7-80
K. Viswanathan			4-7-80
11. P. D. Khanna			4-7-80
12. Kuldip Singh			4-7-80
13. S. Sundaraman			4-7-80
14. N. Parthasarathi			4-7-80
15. M. K. Paul .			4-7-80
16. R. K. Singhla .			4-7-80
17. V. Anantamoorthi			4- 7-80
18. P. J. Iyer .	,		4-7-80
19. N. Shanker .			4-7-80
20. S. P. Jain .			4-7-80
21. Kanbiya Lal .			4-7-80
22. A. N. Srivastava			4-7-80
23. J. C. Gupta (Rtd)			4-7-80
24. S. C. Dureja .			4-7-80
25. S. K. Sharma			4-7-80
26. Ravi Prakash .			4-7-80
27. D. K. Sharma	,	,	4-7-80

S. K. ARORA Assistant Director of Admn.

New Delhi, the 22nd July 1983

No. A.19011/24/80-E.I.—On attaining the age of superannuation Shri H. B. Singh, Director of Air Safety in the Office of the Director General of Civil Aviation retired from Government service on the afternoon of 30th April 1983.

Assistant Director of Administration, for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 19th July 1983

No. A. 32016/5/83-ES:—The Director General of Civil Aviation is pleased to allow the continuance of ad-hoc appointment of the following Suprintendents as Administrative Officer upto the dates shown against their names or till the posts are filled up on regular basis, whichever is earlier, on usual terms and conditions:—

S. No. Name	Date upto which appointed as Administrative Officer on ad-hoc basis.
1. Sh. H. G. Das .	19-5-83 to 31-7-83
2. Sh. S. R. Verma	5-5-83 to 5-11-83
3. Sh. D. Deb .	5-5-83 to 5-11-83

The 23rd July 1983

No. A.38015/3/80-ES.—Shri M. C. Mahay, Administrative Officer (Group 'B' post) in the office of the Regional Director, Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi, relinquished charge of his duties in the afternoon of the 30th June, 1983 on attaining the age of superannuation.

J. C. GARG Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 15th July 1983

No. A.12025/1/82-EW(.).—On the basis of recommendation of Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri M. SUBBA RAO to the post of Senior Electrical & Mechanical Officer in the Civil Aviation Department, in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600, in an officiating capacity with effect from 31st May, 1983 (fore-noon) and until further orders.

Shri M. Subba Rao is posted to the Office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi.

No. A.12025/1/82-EW(.).—On the basis of recommendation of Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri SARTAJ SINGH TAJ to the post of Senior Electrical and Mechanical Officer in the Civil Aviation Department in the Scale of Pay of Rs. 1100-50-1600, in an officiating capacity with effect from the 30th May, 1983 (fore-noon) and until further orders.

Shri Sartaj Singh Taj is posted to the E & M Workshop, Safdarjung Airport, New Delhi.

THAKAR DATT Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 22nd July 1983

No. 1/11/83-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. Velayudhan, Sr. Foreman, Madras Branch, as Chief Mechanician in an officiating capacity, in the same Branch for the period from 27-1-83 to 3-3-1983, against short-term vacancy, on *ad-hoc* basis and as local arrangement.

No. 1/523/83-Est.—The Director General, Overseas Communication Service, hereby appoints Shri K. P. Selvaraj, Supervisor, Madras Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from 17th May, 1983 and until further orders.

No. 1/523/83-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri K. P. Selvaraj, Supervisor, Madras Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 19-3-1983 to 23-4-1983, against a short-term vacancy, on ad-hoc basis and as a local arrangement.

V. D. KULKARNI Director (Admn.) for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Baroda, the 22nd April 1983

No. 5/1983.—Shri V. T. Meghrajani, Assistant Collector of Central Excise (GROUP-'A') Ahmedabad Dn-V, has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-3-1983.

No. 6/1983.—Shri C. S. Solanki, Superintendent of Central Excise (Group-'B') Ahmedabad Dn. III, has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-3-1983.

No. 7/1983,—Shri S. J. Raval, Superintendent of Central Ecise (Group-'B') Anand Dn. has voluntarily retired from Government, with effect from 7-4-1983 F.N.

The 4th May 1983

No. 8/1983.—Shri P. M. Pillai, Pay and Accounts Officer of Central Excise, Group-'A' (Hdgrs) Baroda, has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-4-1983.

The 6th June 1983

No. 9/1983.—Shri C. H. Jardosh, Senior Superintendent of Central Excise (Group-'A') Ahmedabad Din-1, has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-5-1983.

The 16th July 1983

No. 10/1983.—Shri N. D. Bhadresha, Superintendent of Central Excise (Group-B') Baroda Din-II, has voluntarily retired from Government Service, with effect from 10-6-1983 F.N.

No. 11/1983.—Shri K. B. Vora, Assistant Collector of Central Excise (Group-'A') Hdqrs (Tech.) Baroda, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-6-1983.

No. 12/1983.—Shri M. R. Paranjape, Assistant Collector of Central Excise (Group-'A') Baroda Din-I, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-6-1983.

No. 13/1983.—Shri G. M. Desai Assistant Collector of Central Excise (Group-'A') Ahmedabad Din-V, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-6-1983.

No. 14/1983.—Shri S. N. Pradhan, Senior Superintendent of Central Excise (Group-'A') Ahmedabad Din-I, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-6-1983.

No. 15/1983.—Shri D. K. Dhekane, Superintendent of Central Excise (Group-'B') Baroda Din-II, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-6-1983.

No. 16/1983.—Shri C. K. Shah, Superintendent of Central Excise (Group-'B') Baroda Din-II, has voluntarily retired from Government Service, with effect from 1-7-1983 FN

No. 17/1983.—Shri S. J. Thankoy, Superintendent of Cemtral Excise (Group-'B') Baroda Din-IV, has voluntarily re-

tired from Government Service, with effect from 1-7-1983

N. B. SONAVANE Collector of Central Excise, Baroda. struck off the register and the said company will be dissolved.

B. M. JAIN Registrar of Companies Punjab, H. P. and Chandigarh.

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 6th July 1983

No. 27-S/M(14)/76-ECII.—The President is pleased to accept the notice dated 16-5-1983 given by Shri S. P. Mathur, Superintending Engineer (Civil) of this department at present on deputation with I.C.A.O. in Lesotho for voluntary retirement from service. Accordingly Shri S. P. Mathur retires from service with effect from the afternoon of 30th June, 1983.

The 22nd July 1983

No. 27-S/J(4)/70-ECII.—The President is pleased to accept the notice of retirement dated 28-2-1983 given by Shri D. N. Joshi, Superintending Engineer (Civil) of this Department for voluntary retirement from service. Accordingly Shri D. N. Joshi retires from service with effect from the forenoon of 5th March, 1983.

No. 27-EE/C(14)/76-ECJI.—The President of India has been pleased to accept the notice of voluntary retirement of Shri A.C.E. Corera, Executive Engineer (Elect.), C.P.W.D., to retire Government Service. Accordingly Shri Corera retired from Government Service in the forenoon of 31-5-1983.

No. 27-C/T(1)/81-ECII.—The President is pleased to accept the notice of retirement dated 17th May, 1983 given by Shri M. S. Teleng, Chief Engineer (Civil) of this department for voluntary retirement from service. Accordingly Shri M. S. Teleng retires from service with effect from the forenoon of 15th May, 1983.

SHRIMATI NEENA GARG Dy. Director of Administration.

MINISTRY OF LAW JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW-BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

Jullundur City, the 25th July 1983

In the Matter of the Companies Act, 1956 and of Lyesur Drugs of Chemicals (P) Ltd.

No. G/STAT/560/3896/2877.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Lyesur Drugs Chemicals (P) Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved,

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Cement Fabrics (India) Private Ltd.

Jullandar City, the 21st July 1983

No. G/STAT/560/3022/2879.—Notice is hereby given puruant to Sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Cement Fabrics (India) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be

In the Matter of the Companies Act, 1956, and of Supply Syndicate Private Ltd.

Calcutta, the 19th July 1983

No. 33667/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Suppy Syndicate Private Limited, unless cause is shown to the contraty, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the Matter of the Companies Act, 1956, and of Rooster Food Products Private Limited

Calcutta, the 19th July 1983

No. 30873/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Rooster Food Products Private Limited, unless cause is shown to the contraty, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the Matter of the Companies Act, 1956, and of Choto-Nagpur Mica Syndicate (1932 Private Limited

Calcutta, the 19th July 1983

No. 7435/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Chotonagpur Mica Syndicate (1932) Private Limited, unless cause is shown to the contraty will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the Matter of the Companies Act, 1956, and of Hawker Saddeley Aircraft Corporation (India) Private Limited

Calcutta, the 19th July 1983

No. 9573/560(3) Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Hawker Saddeley Aircraft Corporation (India) Private Limited, unless cause is shown to the contraty, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the Matter of the Compunies Act, 1956, and of ACE Electricals Private Limited

Calcutta, the 19th July 1983

No. 29073/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the ACE Electricals Private Limited, unless cause is shown to the contraty, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA Asstt. Registrar Companies, West Bengal In the Matter of the Companies Act, 1956, and of M/s, Vedtka Finance Company Private Limited, Indore

Gwalior, the 22nd July 1983

No. 1302/CP/939.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3)of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/S VEDIKA FINANCE COMPANY PRIVATE LIMITED, INDORE, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies, Madhya Pradesh, Gwalior. OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CORRIGENDUM

Against column No. 2 of notice u/s 269D(1), the name of Master Pardeep Singh Munjral may be read as under:
"Master Randip Singh Munjral"

SUKHDEV CHAND
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/37FC/11-82/15.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. UB-12, 21 Barakhamba Road situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC, Acq-I, New Delhi on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
27—196GI/83

 Ansal Properties & Industries, Ltd. 115 Ansal Bhawan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Dharam Prakash, Mrs. Asha Prakash, D-37 Kalkaji, New Delhi,

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from this service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. UB-12 in 21 Barakhmba Road, New Delhi Area 360 Sft.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rtnge-I, Delhi/New Delhi.

Date: 6-7-1983.

FORM ITNS-

(1) Som Dutt Builders (P) Ltd. 56 Community Centre East of Kailash, New-Delhi-65.

(Transferor)

(2) Bhanot Properties & Industries 102-103 Raja House. 30-31 Ltd. Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/11-82/17.-Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Compact Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 120 on first floor situated at Building No. 9

at Bhikaiji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq-I, New Delhi on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesoid except, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sad iinstrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in tha Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 120 on first floor in building No. 9 at Bhikaij Cama Place, New Delhi Area 367 Sq. ft.

> NARINDAR SINGE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta: Acquisition Rtnge-I, Dclhi/New Delhi

Date: 6-7-1983. Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

FORM ITNS

(1) Ansal Properties & Industries, Ltd. 115 Ansal Bhawan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Dharam Prakash, Mrs. Asha Prakash, D-37 Kalkaji, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-82/16.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. UB-11 Flat, 21 Barakhamba Road, situated at New Delhu.

the dand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registation Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq-I, New Delhi on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the offerspild property and I have reason to

market value of the aforesoid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforgraid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. UB-11, 21 Barakhamba Road, New Delhi, Area 370 Sft.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rtnge-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 6-7-1983.

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ashok Rattan, B-2/73, Azad Apartments, New Delhi-110016.

(Transferor)

(2) Shri Bhanot Properties & Industries, Ltd. 102-103 Raja House, 30-31 Nehru-Place, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE NEW DELHI,

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-82/18.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 128, Building No. situated at Bhikaji Cama Place, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq-I, New Delhi on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 128 on first floor Building No. 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 6-7-1983.

FORM ITNS-

(1) Som Datt Builders (P) Ltd.
56 Community Centre, East of Kailash, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Satish Verma and Ms. Prem Prasad r/o 5-H, 51-A N.I.T. Faridabad. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE NEW DELHI.

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. 1AC/Acq.1/37FE/11-82/19.—Whereas, J, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax, 1961 (13 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.

Shop No. 103 on first floor in building No. 9
situated at Bhikaji Cama Place, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at IAC, Acq-I, New Delhi on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 103 on first floor in building No. 9 at Bhikaiji Cama Place, New Delhi Area 208 Sq. ft.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1983.

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE NEW DELHI.

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-82/22.—Whereas, I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 805 Devika Tower, 6, Nehru Place, situated at New
Delhi-19

(and more fully described in the Schedule annexed heretc.), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq-I, New Dolhi on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. H. K. Bros., 134 Majid Tower Khan Naya Bans, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Mrs. Harsh Malhotra W/o Satish Kumar Malhotra R/o 46-44, 218 Street Bayaite, New York though her General Attorney Sh. Prem Malik R/o E-35, Kirti Nagar, New Delhi-15.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

805, Devika Tower, 6; Nehru Place, New Delhi Area 325 sft.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 6-7-1983,

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE NEW DEI HI.

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-82/25.-Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 1105 7-Tolstoy Marg situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq-1, New Delhi on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesoid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Sandhya Asthana, D-36, Gulmeliar Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1105, 7-Tolstoy Marg, New Delhi Area 268 sq. ft.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 6-7-1983. Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/37-EE/11-82/24.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

H. No. 11, Block B-2 situated at Safdarjang Development Residential Scheme, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1AC, Acq-I, New Delhi on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prabhu Dayal Dabriwala, 8, Doctor Lane Gole Market, New Delhi. (Transferor)
- 1. Jagdish Pd. Gupta (HUF), Mrs. Lata Gupta W/o Jagdish Pd. Gupta & Sh. Pradeep Gupta (Minor) all R/o A-2/144 Safdarjang Enclave, New Delhi,

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 11, Block B-2, Safdarjang Development Residential Scheme, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dato: 6-7-1983,

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/37-EE/11-82/27.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 617, Devika Tower situated at 6 Nehru Place, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq-I, New Delhi on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the deduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—28-196GI/83

- (1) Mrs. Sumitra Narani and Miss Bindu Narani, A-289, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Devinder Mohini Khanna and Master Rahul Khanna (Minor) C-1/17, Safdarjung Development Area, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 617, Devika Tower, 6 Nehru Place, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 6-7-1983.

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATF, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/37-EE/11-82/26.Whereas, I,

NARINDAR SINGH, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat 9-G Hansalya Building situated at 15 Barakhamba Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1906

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq-I, New Delhi on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri O. P. Kapoor & Sons (HUF) W-24 Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajender Mohan R/o 12, Lucknow, Road, Delhi-7, Sh. Virender Mohan R/o 13, Lucknow Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (s) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 9-G Hansalya Buolding, 15 Barakhamba Road, New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 6-7-1983.

FORM LT.N.S.-

Ansal Properties & Industries
 Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Renu Sharma E-12, Green Park (Main) New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/37-EE/11-82/28.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Farms No. D-14 & D-15 Pushpanjali Farms situated at Bijwasan.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC, Acq-I, New Delhi on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income er any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Farms No. D-14 and D-15 in Pushpanjali Farms at Vill. Bijwasan.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 6-7-1983.

FORM ITN9 --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/37-EE/11-82/14.—Whereas, I. NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/- and bearing No. 1402, Hemkunt Tower, situated at 98 Nehru Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq-I, New Delhi on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stansfer the said instrument of transfer with the object of

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Lucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Santosh Brusher, A-50/1 Okhla Industrial Area, Phase-IL (Transferor)
- (2) Mrs. Joginder Kaur W/o Late S. Sohan Singh Kohli and Mrs. Jagmohan Sahni J-162-A, Rajouri Garden, New Delhi-27. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1402 at Hemkunt Tower, 98 Nehru Place, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-7-1983.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

Ref. No. 250/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F. No. 504 situated at Srinivasa Towers, Begumpet, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Srinivasa Builders Pvt. Ltd. M. No. 1-2-583/4/A, Ramachandra Mission Road, Hyderabad.

(Transferor)

Sri S, Rajan 17, Paigah Colony,
 P. Road, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504 in Srinivasa Towers 'A', M. No. 6-3-1187, Begumpet, Hyderabad admeasuring 1600 sft. registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2209/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 8-7-1983.

 M/s. Srinivasa Builders Pvt. Ltd. 1-2-593/4/A, Ramachandra Mission Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Usha Kiranlal, 902 Srinivasa Towers 'A', Begumpet, Hyderabad, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Hyderabad, the 8th July 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. RAC No. 251/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

F. No. 404 situated at Srinivasa Towers, Begumpet, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhangar on Nov. 1982.

EXPLANATION:—The terms and expressions usd herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Vallabhnagar on Nov., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 404, Srinivasa Towers 'A', Begumpet, Hyderabad admeasuring 1600 str. registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2210/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

Ref. No. RAC No. 252/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F. No. 906 situated at Srinivasa Towers, Begumpet, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vallabhnagar on Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Srinivasa Builders Pvt. Ltd. 1-2-593/4A, Ramachandra Mission Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri A. Krishnaswamy Aiyangar, Pr. in M/s. Amrith Estate, "Thilothama", H. No. 6-3-853/1, Begumpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 906, in Srinivasa Towers, Begumpet, Hyderabad admeasuring 1600 sft., registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2218/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Dato: 8-7-1983,

(1) M/s. Srinivasa Builders Pvt. Ltd. 1-2-493/4/A, Ramachandra Mission Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chitra Kapoor, F. No. 507, Srinivasa Towers 'A', Begumpet, Hyderabad, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

Ref. No. RAC No. 253/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Sectoin 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F. No. 507 situated at Srinivasa Towers, Begumpet, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Vallabhnagar on Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhagar on Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 507 in Srinivasa Towers 'A', Begumpet Hyggrabad admensuring 1700 sft. registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2211/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 8-7-1983.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नामकर अधिज्ञिया, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) को नभीन सुमृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज लुधियाना

लुधियाना, विनांक 14 जुलाई 1983

निर्देश सं: चण्डीगढ़/182/82-83/--यतः मुझे सुखदेव

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें त्रंत अधिनियम' कहा गया है), की धारा अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य रहे से अधिक हैं

सं० मकान नं० 3303 सैक्टर 35 डी० है ागढ़ में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी प, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 । 16) के अधीन दिनांक नवस्बर 1982

... ित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान उए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास रण है कि सभापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार देश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रति-रेय से उक्त बन्तरण बिक्ति में बास्त्विक गया है:---

> िकसी आय की बाबस, उक्त .ीन कर दोने के अन्तरक के

नी करने क्षा उससे बचने में सृविधा √मा

ायं या किसी भन या बन्य बास्तियों ारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 ज 11) या उक्त विधिनियम, या िनयम, 1957 (1957 का 27) मिक्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया किया जाना चाहिए था, छिपाने में

े नियम की भारा 269-ग के अनुसरण यम की भारा 269-ज की उपधारा (1) व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती देव । पत्नी श्री एस० आर० बाजाज द्वारा जनरल भ्रदारनी श्री डी० सी० बाजाज वासी 1103, सैक्टर 35- सी चण्डीगढ़ । (अन्तरक)
- (2) सर्व श्री बलवन्त सिंह व निरन्द्र सिंह बेटे वासी मकान नं० 27, सैक्टर 20 ए० चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के शिष्ट कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिस्ति, में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

धनुसूची

मकान नं० 3303, सैक्टर 35 डी, चण्डीगढ़ में स्थित है । जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख सं० 1149, नवम्बर 1982 के अर्धान दर्ज है ।

> सुखदेव **सन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियाना

ता**रीख** : 14-7-83

मोहर :

14.64

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लिधयाना लिधयाना, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश सं० चण्डी/184/82-83--अत: मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 ∕- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी संख्या मकान नं 1604 सैक्टर 7-सी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण घप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1982

को पूर्वोचित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपंशि का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; भौर/या
- (क) होसी किसी जाम या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--

- नी नरेन्द्र सिंह <u>पू</u>ज लेट श्री बिरान सह,
- १ लक्ष्मण सिंह पुन्न श्री मुन्शी सिंह वासी
- · । दर, जिला जालन्धर ।

---(अन्तरक)

2. श्री आर० सी० कपूर पुत श्री सोहन लाल व श्रीमृती सुरिन्द कपुर पत्नी श्री आर० मी० कपुर वासी 1604 सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

3. श्री बलयन्त सिंह सालुझा, श्री हंस राज गर्मा श्री आनन्द प्रकाश शर्मा वासी मकान नं० 1604, सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्परि को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन् 🗟 कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी 🐍

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यां सचना की तामील से 30 दिन की अन्ति , अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भी व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ल) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरणः --इसमे प्रयक्त शब्दों औ अधिनियम, के अ हैं, वहीं अर्थ होगा गया है।

अमुस्ची

मकान न० 1604 संबटर 7-सी ६ (जायबाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अि. के विलेख संख्या 1166 माह नवम्बर 19

सहायक 🗉 . .

तारीख : 13--7-83

मोहर:

FORM ITN:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ESCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

RAC No. 256/83-84.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 611 situated at Red Hills, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khairatabad in November 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s BF Grand Construction Co., Rep. by
 Sri Dinc (11-4-050/1, Red Hills, Hyderabad. (Transferor
- (2) Smt. Sita Devi, W/o Sri Jammadas Ghanshyamdas, Flat No. 611, M. No. 11-4-656/1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 611 in M. No. 11-4-656/1, Red Hills, Hyderabad admeasuring 1218 sft., registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 2141/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-7-1983

(Transferce)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-IONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

RAC. No. 257/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11-5-393 to 396, situated at Red Hills, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in November 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Tayaba Begum, 11-5-327/1, Red Hills, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Mir Asadullah Shah Quadri, 10-3-761/36, Vijayanagar Colony, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing No. 11-5-393 to 596, Red Hills, Hyderabad admeasuring 360 sq. yds. registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 2110/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-7-1983

FORM ITNS----

(1) Sri K. V. Gideon. 5-9-552, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Ashok Vihar Cooperative House Building Society, Rep. by Secretary Sri Thengne, National Mineral Development Corporation, 6-3-653, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

Ref. RAC No. 258/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 23 situated at Begumpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Vallabhnagar in November 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Plot No. 23, Methodist Colony. Begunnet, Hyderabud admeasuring 340 so, yds registered by the S.R.O., Vallabhangar, vide document No. 2241/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 8-7-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

Ref. RAC No. 259/83-84.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-3-1216/91 situated at Begumpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar in November 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. G. S. Murthy, H. No. 126, S. D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Dr. E. A. Ramaswamy, H. No. 6-3-1216/91, Methodist Colony, Begumpet, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 6-3-1216/91, Methodist Colony, Regumpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No 2236/82.

M. JEGAN MOHAN Component Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

·ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

Ref. RAC No. 260/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at A.C. Guarde, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in November 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- (1) M/s Venkataramana Construction Co., Rep. by Sri Ch. Krishna Rao, D-4, Matrusri, Apartments, Hyderguda, Hyderabad.

 (Transferor)
- (2) Smt, Aliya Begum, F. No. 8-2-351/1, Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in first floor in M. No. 11-4-634 and 634/1 & 2. A.C. Guards, Hyderabad admeasuring 2960 sft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 7658/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

Ref. RAC No. 261/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at A.G. Guards Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in November 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reductoin or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any inocme or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Venkataramana Construction Co., Rep. by Sri Ch. Krishna Rao, D-4, Mathrusri Apartments, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Maqbool Alam, H. No. 8-2-351/1, Road No. 3. Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in first floor in premises No. 11-4-634 and 634/1 & 2, A.G. Guards, Hyderabad admeasuring 1050 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 7659/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

Rcf. RAC No. 262/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 10-4-25, Masab Tank, situated at Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad in November 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
30——196GI/83

 Sri Mirza Vilayat Ali and Others, GPA Sri David R. Camaron, 4, Diamond Harbour Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Kubra Fatima, H. No. 16-8-436/1/2, Malakpet, Hydcrabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Masab Tank, Hyderabad registered vide 3 documents registered by the S.R.O., Hyderabad vide documents Nos. 7563, 7564 and 7565/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-7-1983

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

RAC. No. 263/83-84.—Whereas, I.M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5-9-30 situated at Basheerbagh, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Bharat Builders, Basheerbagh, Hyderabad, (Transferor)

(2) Smt. Renuka Mor alias Renumor, 5-9-30, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat bearing No. 5-9-30, Bashcerbagh, Hyderabad admeasuring 1300 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 7740/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

RAC. No. 264/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 5-9-30/I, situated at Bashcerbagh, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in th office of the Registering Officer at
Hyderabad on November 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Bharat Builders, Bashirbagh, Hyderabad, (Transferor)

(2) M/s Madanlal Sharatkumar Mor. Charitable Trust, 5-9-30, Bashcerbagh, Hyderabad-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5 in III floor of Prashanti commercial complex, admeasuring 200 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 7730/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hydetabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1983

FORM ITNS-

- (1) M/s Bharat Builders, Basheerbagh, Hyderabad, (Transferor)
- (2) Smt. Ameena Khatoon, 5-9-30, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

RAC. No. 265/83-84,—Whereas, I, M, JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 5-9-30 situated at Basheerbagh, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering officer at

Hyderabad in November 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

Flat in 5-9-30, Bashcerbagh, Hyderabad admeasuring 3000 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 7739/82.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian lucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-STAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

RAC. No. 266/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-68, Land & Godown situated at Sangareddy, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medak on November 1982, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Fakcerunnisa Begum and 4 others, R/o 17-9-57, Kurmaguda, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Hasiz Mohd, Osman S/o late Rasiz Mohd. Hussain, R/o Moghalpura, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Godown No. 11-68, at Sanga Reddy registered vide 2 documents, registered by the S.R.O., Medak vide document Nos. 4931, 4888/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

RAC. No. 267/83-84.—Whereas, I.M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 4-1-10/B/9/1, Tilak Road, situated at Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- (1) Smt. Lukshmi Bai, W/o C. Madanlal, Agarwal, 4-1-10/B/9/1, Tilak Road, Hyderabad.
- (2) Shri Kanti Bhai Patel, S/o Doribhai Patel, 3-5-347, Narayanguda Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 4-1-10/B/9/1, Tilak Road, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 7603/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri C. P. Krishna Kumar, S/o C. Padmaiah, H. No. 3-5-32, Ramkoti, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mir Ibrahim Ali Hashmi, S/o Late Mir Wajid Ali Hashmi, R/o Kotia Alija, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (Λ.Ρ.)

Hyderabad, the 8th July 1983

RAC. No. 268/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 41-297 & 298 Troop Bazar, situated at Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November 1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 4-1-297 and 298, Troop Bazar, Hyderabad admeasuring 182 sq. yds. and plinth area 784 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 7901/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

RAC. No. 269/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-3-617 & 618 situated at Shankerbagh, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on November 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shah Gaverchand, S/o Shah Ganeshmal Jain, 5-2-967, Nizam Shahi Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Badamilal, S/o late Thaver Chand Shah, 5-3-629, Topkhana Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two mulgies bearing M. No. 5-3-618 and 617, Shanker Bagh, Near Osman Gunj, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 7884/82,

M. IEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A,P.)

Date: 8-7-1983 Seal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, dated the 8th July 1983

Ref. No. RAC. No. 270/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open land situated at Narayanaguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chikkadpally on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—196GI/83

(1) Vijayatha Devi W/o M. Ashok Reddy, R/o 3-5-1039, Narayanaguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri B. Mohan Reddy, President of Panchayat Raj Teachers Association, 27/A, Old M.L.A. Quarters, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein his are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 330 sq. yards at Narayanaguda, Hyderabad registered by the S.R.O., Chikkadpally vide Document No. 1031/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-7-1983

Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Syceda Mirza W/o late Mirza Mujaba Ali & Others, 3-6-176/A,B,C, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Isheratullah Khan S/o Shamshulla Khan, 16-3-533, Chanchelguda, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

Ref. No. RAC. No. 271/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-176/A,B,C situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property beaing No. 3-6-176/A/B/C, Himayathnaga, Hydeabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 7512/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1983

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Bhagyanagar Constructions, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Yadav Tiles and Cement Works, 5-1-908, Putlibowli, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

Ref. No. RAC. No. 272/83-84.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 116 situated at Putlibowli, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair neglect value of the aforesald property and I have reason to

narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 116 in Shopping Complex, Putlibowli, Hyderabad admeasuring 236 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 7624/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1983

 Bhagyanagar Constructions, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri Vinod Rai, D. Hindocha, 5-1-908, Putlibowli, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

Ref. No. RAC. No. 273/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as: the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ref. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 132,133 situated at Putli Bowli, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sum. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 132 and 133 in Shopping Complex, Putli Bowli, Hyderabad admeasuring 342 sft; registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 7626/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-7-1983

FORM ITNS----

(1) Bhagyanagar Constructions, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. V. Lakshmi Devi, 5-1-908, Putlibowli, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

Rcf. No. 274/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Shop No. 103 situated at Putli Bowli, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Hyderabad on November, 1982
for an apparent consideration which is less that the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

said exceeds the apparent consideration therefor

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 103 in Shopping Complex, Putlibowli, Hydeabad admeasuring 111 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 7625/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

14614

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

Ref. No. RAC. No. 275/83-84,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 51 situated at Putli Bowli, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Bhagyanagar Constructions, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Genneal Batteries Corporation, 5-1-908, Putlibowli, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 51, in Shopping Complex, Putlibowli, Hyderabad admeasuring 228 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 7900/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

Ref. No. RAC. No. 276/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 881-A situated at Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. T. Visaalaxmi Ammal W/o T. Subramanyam, Near Police Station, Renigunta, Chittoor Dt.

(Transferor)

(2) Smt. D. Pramila, C/o P. Ramesh Reddy, Srinivasa Agraharam, Nellore-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 2 acres situated at Nellore registered by the S.R.O., Nellore vide Document No. 5361/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-7-1983

(1) Bharat Builders, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Kum Sangeetha Mor, 5-9-30, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

Ref. No. RAC. No. 277/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F. No. 5 in 2nd Floor situated at Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1982

reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 in 2nd floor of Prashanti Commercial Complex, admeasuring 200 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 7729/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely':--

Date: 8-7-1983

(1) Bharat Builders, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Sri Sanjayakumar Mor, 5-9-30, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

Ref. No. RAC. No. 278/83-84,--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 5 in 1st floor situated at Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

32-196GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 in 1st floor of Prashanti Commercial Complex, Basheerbagh, Hyderabad admeasuring 200 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 7728/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-7-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

Ref. No. RAC. No. 279/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Bashcerbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bharat Builders, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Kumari Prashanti Kumar Bhoopal, 5-9-30, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

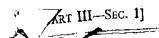
EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc., shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in Prashanti Commercial Complex Basheerbagh Hyderabad admeasuring 1700 sft. registered by the S.R.O. vide Document No. 7727/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-7-1983



NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PRAPUKAK SADAN, 60/6 ERANDAVANE, POONA-4

Pune-4, the 9th June 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/186.-Wereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 13, Peshawe Park Co-op. Housing Society situated at Gulmohar Building, Sane Guruji Road, Pune-411030 (and more fully described in the Schedule annexed berefo).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range Pune on 18-3-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Madhav Bhaskar Patankar, Block No. 5, Shripad Co-op. Housing Society Ltd., 483, Narayan Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Suryakant Shriram Pathak. 505, Kasba Peth, Pune-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, Peshawe Parke Co-op Housing Society Ltd., Gulmohar Building, Sane Guruji Road, Pune-411030-(Area 850 sq. ft.)

Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition in the month of March 1983 under No. 2773.

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Date: 9-6-1983

(1) 1. Shri Shankarrao T. Gholap, 2. Shri Sunil Shankarrao Gholap, 15, Shikshak Colony, Satara.

(Transferor)

(2) Shri Mahadeo A. Kumhbar, 207, Shaniwar Peth, Karad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PRAPUKAR SADAN, 60/6 ERANDAVANE, POONA-4

> > Pune-4, the 9th June 1983

Ref. No. CA-5/908/SR-Karad/83-84.-Whereas, I.

SHASHIKANT KULKARNI, bung the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing
F.P. No. 318, Plot No. 16, TPS. No. 1 situated at Shivaji
Nagar Co-operative Housing Society, Fal Karad, Dist. Satara
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Karnd on Nov. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Final Plot No. 318, Plot No. 16, Shivajinagar Co-operative Housing Society, T.P. Scheme—No. 1, Tal. Karad, Dist. Satura (Property as described in the sale deed registered in the office of the 1.A.C. Acquisition in the month of March, 1983 under No. 2773.

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poora.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Date: 9-6-1983

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPUKAR SADAN, 60/6 ERANDAVANE, POONA-4

Pune-4, the 27th June 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/189.-Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
C.T.S. No. 1192 and 1193, Sadashi Peth, Pune-30 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range Pune No. 534 on 29.11.82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. M. A. Bhagwat, 838, Shivajinagar, Gharpure Bungalow, Pune-4. (Transferor)

(2) Shri Pukhraj Babutmal Jain, M/s. Porwal Builders, 1482, Tilak Road, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 1192 & 1193 Sadashiv Peth, Pune-30-Area 204 Sq. mt. (Property as described in the sale of agreement registered

in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 534 dated 29-11-82.

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 9-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, PRAPUKAR SADAN, 60/6 ERANDAVANE, POONA-4

Pune-4, the 28th June 1983

Ref. No. CA5/37EE, 83-84/188.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 4, Saraswat Building, Plot No. 40 S. No. 45 and 43, Navgharfi Tal. Vasai, Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (19 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range Pune No. 374 on 11.11.82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officers now development consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) M/s Rohit Enterprises, 11, Tinwala Building Tribhuvan Road, Bombay-4.

(Transferor)

(2) Mr. Kamlakar Harishchandra Sawant, Chouriwada Village Salodi, Tal & Post Vasai, Dist. Thane.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Saraswati Building Plot No. 40 S. No. 45 & 43, Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane—Area 565 sq. ft. (Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 374 dated 11-11-82.

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 28-6-1983

Scal:

(1) Mrs. Asha U. Pungaliya, 81/11, Baner Road, Pune-411007.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Ganesh G. Purohit, 1478, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PRAPUKAR SADAN 60/6 ERANDAVANE, POONA-4

Pune-4, the 28th June 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/187.--Whereas, I,

Ref. No. CA-5/3/EE/83-84/18/.—whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Two Commercial Units, in CTS No. 126/A 127/B, Budhwar

Peth, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range Pune on 27-4-83

IAC Acqn. Range Pune on 27-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in the said instrument. of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two Commercial Units, C.T.S. No. 126/A and 127/B—Budhwar Peth, Pune-2—(Aea—1200 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 177 dt. 27-4-83).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-6-1983

FORM NO. I.T.N.S,----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SREENARAYANA BHAVAN, KALATHIPARAMBIL ROAD, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 13th July 1983

Ref. No. L.C. 648/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Quilon

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Quilon on 11/82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Janc, D/o Stella, W/o Peter, Vadakkekizhakkethil Veedu, Asramam, Quilon,
 Jerome S/o Peter, Vadakkekzihakkethil Veedu, Asramam, Quilon.

(Transferor)

(2) Sujir Vasudeva Nayak, Century Vashew Products, Quilon Lion's Nagar, Mundakkal West Ward, Quilon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 cents of vacant land in Sy. No. 9557 & 9558 of Quilon Village as per schedule attached to Doc. No. 3061/82 of Sub Registry Office, Quilon.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SREENARAYANA BHAVAN, COCHIN-682016

Cochin-662 016, the 8th July 1983

Ref. No. L.C. 646/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Kozhikkode (and more fully described in the Schedule tannexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Kozhikkode on 27-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:-

33-196GI/83

(1) Joseph Jacob Wayanad Road, Calicut.

(Transferor)

(2) 1. Nadukandy Abdulla, S/o Abdul Khader, Kunnummakara Amosom, Desam, Badagara Taluk.

Vellaramkot Meethal Jasheer, S/o Abdulla, Badagara Taluk, Ayoor Village.

Thekkendumpurathu Abdulla,

S/o Aboobacker, Badagara Taluk, Kunnummakara, Vanikapeedikayil Kunhi Moosa, S/o Kunhammed, Badagara Amsom Desam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

19 3/4 cents of land with foundation for multi-storeyed building on Mayoor Road in Kozhikkode as per schedule attached to Doc. No. 1375/82 of S.R.O. Kozhikkode.

> P. J. THOMASKUTTY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range, Ernakulam

Date: 8-7-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SREENARAYANA BHAVAN, COCHIN-682016

Cochin-662 016, the 8th July 1983

Ref. No. 647/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Kozhikkode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer a Ktozhikkode on 19-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269G of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Chembakassery Builders, Calicut-2.

(Transferor)

(2) T. T. Unnikrishnan & Mrs. K. C. Usha, P.B. No. 10065, Shuaiba, Kuwait.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10.23 cents of land in T.S. No. 183, ward No. 19, Plot No. 6 of Kozhikkode as per schedule attached to Document No. 1331/82 of Sub Registry Office, Kozhikkode.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Rangee, Ernakulam

Date: 8-7-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th July 1983

C.R. No. 62/575/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C.T.S. No. 1911 situated at Kadolkar Galli, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Belgaum under document No. 2752 82-83 on 24-11-1982

Belgaum under document No. 2752 82-83 on 24-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such fransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kashimsab Peersab Nadaf, Husband and P.A. Holder of Smt, Ramajabe Sulemansaheb Nadaf R/o Sankeshwar.

(Transferor)

 Shri Khalid Ibrahim Shoukat Saheb Mulla, H. No. 900, Arlikatti Desbpande Galli, Belgaum.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2752/82-83 dated 24-11-1982]
An old building bearing C.T.S. No. 1911 situated in Kadol-kar Galli, Belgaum.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-7-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (44 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th June 1983

C.R. No. 62/36709/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4/3 situated at Sounder's road, Clevaland Town,

Civil Station, Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer.

1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 2955/82-83 on 24-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri N. Lakshmipathy S/o Late Narayanaswamappa Kariyanapalaya, Bangalore-84.

(Transferor)

(2) Mrs. Elizabeth Dayalu W/o Captain Dayalu 4/3, Sounder's road, Cleveland Town, Civil Area, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (5) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2955/82-83

dated 24-12-82

All that property bearing No. 4/3, situated at Sounder's Road, Cleveland Town, Civil Station, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th July 1983

C.R. No. 62/36354/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 1599 & 1600 situated at VI Main, E-Block, II Stage, Rajajinagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration 'Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar under document No. 3348/82-83 on 22-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269G of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

I. Farnandis
 No. 1599 & 1600/36,
 II Stage, Rajajinagar,
 Bangalore-10:

(Transferor)

 Smt. Laxmamma, No. 17, III Cross, Padarayanapara, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3348/82-83 dated 22-11-82]
All that property bearing No. 1599 & 1600, situated at
VI Main, E-Block, II stage, Rajajinagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001 Bangalore-560 001, the 6th July 1983

C.R. No. 62/36500/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 706 situated at HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Shivajinagar under document No. 2307/82-83 on 3-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Shri Keshavananda,
 No. 177A, VIII Cross, VIII Main,
 Il Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferor)

 Shri Padmakar Govinda No. 48, Balaji Nilaya, Kharche Thrippasandha HAL III Stage, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2307/82-83 dated 3-11-82]
All that property bearing No. 706 situated at HAL II
Stage, Indiranagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-7-1983

FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st July 1983

C.R. No. 62/36554/82-83/ACQ/B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

reing the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 1667 situated at V Cross, Bunashankari I Stage

Bangalore

Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basauauagudi under document No. 2809/82-83 on 12-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. R. Janaki, 11, Basappa Layout, Ganipura Extn., Bangalore-19.

(Transferor)

(2) Shri D. R. Lakshman, 14, X Cross, Hanumanthanagar, Bangalore-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2809/82-83 dated 12-11-82] All that property bearing No. 1667 Situated at V cross, Banashankari I stage, II Block, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-7-1983

(1) Smt. Thimmamma, No. 73. Manjunathanagar, IV Main Road, West of Chord, Road, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. Venkatamma, No. 5, Lal Masjid Street-'B' OPH Road Cross, Bangalore-51.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st July 1983

C.R. No. 62/36496/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. 63 situated at II Main Road, Seshadipuram, Bangalore-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No. 2615/82-83 on 22-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2615/82-83 dated 22-11-82]
All that property bearing No. 63, situated at II Main Road,
Seshadipuram, Bangalore-20.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-7-1983

Scal:

FORM ITNS -- -

 M/s. Tirupathi Associates, a regd. partnership firm carrying on business at No. 1, Mogeuville Road, Longfold Town, Civil Station, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. Purushotham, S/o Late Narayana Reddy, No. 33/1, Mcauce Avenue Road, Civil Station, Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd July 1983

C.R. No 62/36297/82/83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 357, situated at HAL II Stage, VII Main, Bangalore-38 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 2333/82-83 on 3-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2333/82-83 Dated 3-11-82] All that property bearing No. 357 situated at HAL II Stage, VII main Bangalore-38.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 2-7-83

Scal:

34-196GI/83

 Shri Stanley Prabhakar Kunder S/o Hasel Kunder, Manager, Syndicate Bank, Lingaupathy, Hyderabad-27.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kenneth Santosh Wilson S/o Anchen Satyanath Wilson St. Manks Cathodal No. 1, M.G. Road, Bangalore-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th July 1983

C.R. No. 62/37170/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
No. 210/3 situated at Hesga Village, Udupi Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udupi under document No. 673/82-83 on 10-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 673/82-83 dated 10-11-82] All that property bearing No. 210/3, situated at Herga Village, Udupi Tq.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th July 1983

C.R. No. 62/36505/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1665 situated at HAL III Stage, Indiranagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Shivajinagar under document No. 2382/82-83 on 8-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Cyuthia, No. 338. Upstairs, VII Block, Koramangala, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri N. R. Mudaliar,No. 338, Upstairs,VII Block, Koramangala, Bangalore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2382/82-83 dated 8-11-1982]

All that property bearing No. 1665 situated at HAL III Stage, Indiranagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-7-1983

Seai :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th June 1983

C.R. No. 62/36740/82-83/ACQ/B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Old No. 6: 17, New No. 6: 35 situated at 4th Main Road, Chamarajpet, 24th Division Beausilors.

Bangalore,

flangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi under document No. 3483/82-83 on 4-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as apparent consideration therefor herefor hymography. aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Smt. K. Leela, No. 6:6A, 9th Cross, IV Main Road, Chamarajpet, Bangalore. (Transferor)
- (2) Shri S. Karuna, No. 398, 'H' Block, Binnypet, Bangalore City.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3483/82-83 dated 4-11-1982). All that property bearing Old No. 6:17, New No. 6:35 situated at 4th Main Road, 24th Dn., Chamarajpet, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-6-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 00

Bangalore-560 001, the 7th July 1983

C.R. No. 62/36327/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11 situated at Serpentine Street, Civil Station, Richmond Town Bangalore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. Nagar under document No. 7498/82-83 on 17-11-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different percent of such apparent consideration and that the reconsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:~

- (1) Lt. Col. C.N. Swamy (Retd.), No. 21, Serpentine Street, Richmond Town Bangalore-25.
 - (Transferor)
- Shri Hiralal Jain & Mrs. Sudesh Jain, No. 1, Purnaiah Chatram Road, I Cross Street, Bangalore-53.

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 7498/82-83 dated 17-11-1982] All that property bearing No. 11 situated at Serpentine Street Civil Station, Richmond Town, Bangalore.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th July 1983

C.R. No. 62/36342/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50, situated at Banaswadi Road, Bangalore, (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. Nagar under document No. 2641/82-83 on Nov 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Major R. Jagannathan, Two Storey house Talwara-144216.

(Transferor)

(2) M/s. Associated Builders, 1069, HAL II Stage, Tholain Road, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property . may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2641/82-83 dated Nov. 1982] All that property bearing No. 50, situated at Banaswadi Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-7-1983

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th July 1983

C.R. No. 62/36312/82-83/ACQ/B.—Whereas, 1, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refers to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sy. No. 19, situated at Mailasandra village, Kengeri Hobli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk under document No. 4496/82-83 on 8-11-1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri M. S. Raman 32/1, IV Main Road, Malleswayam Bangalore. (Transferor)
- (2) Shri Zarir Minoo Bharucha,7-C, Rulmohar Convent Road, Bangalore.(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ure defined in Chapter λXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4496/82-83 dated 8-11-1982] All that property bearing No. 19, situated at Mailasandra village Kengeri Hobli, Bangalore South Taluk.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley:—

Date: 7-7-1983

FORM ITNS----

. Handa karangan karan

(1) Shri B. S. Manjunath, No. 12, Church Road, Shanthinagar, Bangalore. (Transfer ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. R. K. Bammi, No. 20/5, Lavelle Road, Bangalore.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th July 1983

C.R. No. 62/36294/82-83/ACQ/B.-Whorens, I, MANJU MADHAVAN,

MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 758 situated at HAL II Stage Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 2309/82-83 on 3-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2309/82-83 dated 3-11-1982₁₄ All that property bearing No. 758 situated at HAL-II st. Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tas Acquisition Range, Bangalors

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely -

Date: 8-7-1983

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th July 1983

C.R. No. 62/36212/82-83/ACQ/B.—Whereas, 1, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 116-117, situated at Sultanpet Main Road, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No. 2402/82-83 on 15-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

35--196GI/83

- (1) Shri Y. Veerappa & others, No. 2733, Temple Street, V. V. Mohalla, Mysore-2. (Transferor)
- (2) Shri K. M. Chandrappa, Prop. Malnad Roadways MO/12, Sultanpet Main Road, Bangalore-53. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2402/82-83 dated 15-11-1982]
All that property bearing No. 116-117, situated at Sultanpe Main Road, Bangalore.

MANIU MADHAV
Competent Autho
Inspecting Assistant Commissioner of Income
Acquisition Range, Bange

Date: 7-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

grammer 1945 - Aller or a commence of the comm

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 000

Abmedabad-380 009, the 23rd June 1983

Ref. No. P.R. 2469 Acq. 23/I/83-84,--Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 75, 76, 77/1, SP No. 3, TPS. 7, FP 108 situated at Flat No. B, 2, Shreeji Apartment, Khokharamehmadabad Sim, A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

A bad on 2-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

w, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under subn (1) of Section 269D of the said Act, to the following is, namely:—

 Shri Kantilal Hargovandas Parikh 28, Jaynagar Society, Rambaug, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Sudhakarbhai Hiralal Desai, Patel Society, Near Jawahar Chawk, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 72 sq yd.—situated at Khokharamahemadabad sm A'bad duly regd. by S.R. A'bad vide R. No. 15808/2-11-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-6-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd June 1983

Ref. No. P.R. No. 2470 Acq 23/1/83-84.—Whereas. I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. FP No. 388—SP No. 12, TPS. 6, S. No. 142 situated at Paldi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 6-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any incomparising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kantilal Manilal Shah, Prashant Park, Fatchpura, Paldi, . Ahmedabad.

(Transferor)

Shri Kulvantsingh Ladhasingh,
 Jankalyan Society,
 Behrampura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 300 sq. yds—situated at Paldi, A'bad, duly registered by S.R. A'bad, vide sale deed No. 16080/6.11.82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 23-6-83

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmcdabad-380 009, the 23rd June 1983

Ref. No. P.R. No. 2471 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. S. No. 1158—Bunglow No. 34, Sector No 3 situated
nt. Sattraggeb. Voicinus A'bod.

at Satyagrah, Vejalpur, A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 22-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Anubhai. A. Zaveri—Power of Attorney Holder of Shri Jyotindra Kantilal Shah, 8, Milan Park Society, Swastik Char Rasta, Navrangpura, Stadium, Ahmedabad

(Transferor)

(2) Dr. Mohan Kaul, 402, Indian Institute of Management, Vastrapur, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with structure—S. No. 1158—B. No. 34, Sector No. 3—situated at Satyagrah Chhavani, Vejalpur, A'bad, duly regd, by S.R. A'bad, vide sale deed No. 16537/22-11-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 23-6-83

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 23rd June 1983

Ref. No. P.R. No. 2472 Acq.23/I/83-84.—Whereas I, R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 1158, plot No. 45, Satyagrah Chhavani situated at Vejalpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-11-82

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Shri Govindbhai Vithalbhai Patel, Dharamanath Flat, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Ramdhanji Ramjivan Kabra, 20, Suhas Nagar Society, opp: Dinesh Hall, Navra ngpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with structure—S. No. 1158—Plot No. 45, situated at Satyagrah Chhavni, Vejalpur A'bad, duly regd. by S.R. A'bad vide sale deed No. 15787/2-11-1982.

R. R. SHA:
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmed.

Date: 23-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 23rd June 1983

Ref. No. P.R. No. 2473/Acq.-23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 113 to 131 No .77 situated at Shardanagar, Vasna, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 at 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 8-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

- (1) Taraben Punamchand Mehta
 Through: Power of Attorney Holder—Shri Dinkerbhai Punamchand Mehta, Bunglow No 9,
 Adhyapak Mitramandal Society Old Sachivalaya,
 Ahmedabad-380 011.
 (Transferor)
- Jyotinaben Rohitkumar
 Shri Rohitkumar Hiralal Patel,
 Patel Tenament No. 77,
 Shardanagar, Vasna—Paldi, Ahmedabad.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tenament No. 77—situated at Shardanagar Co.op. Hsg. Society, Vasna (Paldi), A'bad, duly regd. by S.R. A'mad. Vide R. No. 15411/8-11-82

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 23-6-83

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Virbala Dineshkumar Chokshi, 5, Suvidhinath Society, Shantivan, Paldi, Ahmedabad-380 007

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shantilal Harilal Patel, Khandni Sheri, Jamalpur, Ahmedabad

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 23rd June 1983

Ref. No. P.R. No. 2474/Acq.-23/1/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1 to 12, F.P. 320, T.P.S. 22 Flat No. 3 situated at Deep Chhaya Society, Vasna, A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 9-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

Chapter.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat adm. 86 sq. yd.-situated at Vasna, A'bad, duly regd. by S.R A'bad, vide sale deed R. No. 16219/9-11-82

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 23-6-__

(1) Smt. Jayaben Parshottamdas Patel, Bunglow No. 5, Pritamnagar, Ellisbridge, Ahmedabad

(Transferor)

(2) Smt. Ramilaben Thakershi Parikh, Sreyas Colony, Near Stadium, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 069, the 23rd June 1983

Rcf. No. P.R. No. 2475 Acq.23/I/83-84.—Whereas 1

R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. FP 409 T.P.S. 3-Paiki-Flat-C-16

situated at Jaldarshan Co.op. Hsg. Society Ashram Road,

Ahmedabad

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Abad on Nov. 82 for art apparent consideration which is less than the fair marke, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferos to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat—adm. 131 sq. yd.—situated at Jaldarshan Co.op. Hsg. Socy, A'bad, duly registered by S.R. A'bad vide sale deed No. 14855/Nov. 82.

R. R. SHAH Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incom-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

dow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 23-6-83

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITITON RANGE 1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 23rd June 1983

Ref. No. P.R. No 2476 Acq. 23/I/83-84,--Whereas, I

Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(heremafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 34, 35, 37-2 & 82, Plot No. 26

situated at Sardar Smurti Co-op Hsg. Socy. Maktampura (Vasna) A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 fo 1908) in the office of the Registering Officer ut A'bad on 2-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-36--196GI/83

and and the first control of the con (1) Shri Mukundrai Shankerlal Shelat, 3, Saumali Apartments Hirabug, Ambawadi, Ahmedabad

(Transferor)

(2) Shri Kirankumar Becharial Bhatt, 9-A, Chandragupta Society. behind old Sachivalaya, Ahmedabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 437 sq.yds.—situated at Maktampura (Vasna) A'bad ,duly registered by S.R. A'bad vide R. No. 15817/2-11-82.

> R. R. SHAH Competent Authority In pecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range f, Ahmedabad

Date: 23-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITITON RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 23rd June 1983

Ref. No. P.R. No. 2477 Acq.23/I/83-84-Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. FP No. 451/3,—Flat situated Changispur, Mithakhali, T.P.S. 3, A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 10-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;—

(1) Shri Kantibhai Shamaldas Patel & Others, Near Mithakhali Bus Stand, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

1., Shri Ajitkumar Mansukhlal Sheth,
 2. Shri Jitendrakumar Mansukhlal Sheth,
 Near Mithakhali Bus Stand,
 Near Garnala, Ellisbridge, Ahmedabad.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

blat at 2nd Flooradm. 78.95 sq.yds.—situated at Changispur alias—Mithakhali—T.P.S. 3—F.P. No. 451/3—A'bad duly regd. by S.R. A'bad vide Sale deed R. No. 16246/2 -10-11-82,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 1, Ahmedabad

Date: 23-6-83

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd June 1983

Ref. No. P. R. No. 2478 Acq. 23/1/83-84.—Whereas, I. R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. FP No. 209/2, S.P. 2A, T.P.S. 3, Shaikhpur, situated at Khanpur, 2A, Premnagar Co.op. Hsg Socy. Nr. Stadium Rd., A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

A bad on 23-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indián Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Manoharlal Ashanand Bhatia (HUF)
 Premnugar Co.op. Hsg. Sucy. Ltd., Stadium Road, Ahmedabad-380 009

(2) Shri Sanskaran Jain, 283, New Cloth Market, Ahmedabad-380 002.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 253.30 sq. mtr.—situated of Shaikhpur, Khappur, A'bad, duly regd, by S. R. A'bad vide sale deed No. 16242/23-11-82.

R. R. SHAH
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmodab

Date: 23-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Premshankar Dave, (1) Shri Rameshchandra Subhadra Society, Satellite Road, Ahmedabad, (Transferor)

(2) Shri Uttamehand Lalchand Mehta, C-4, Suresh Apartment, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCEMETAX

ACQUISITION RANGE I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd June 1983

Ref. No. P.R. No. 2479 Acq 23/I/83-84.-Whereas, I, R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269-B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter 15ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

S. No. 1158, Sector No. 5, Plot No. 50 situated at Satyagrah Chhavani, Vejalpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been troly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 500 sq. yds.—45/2 structure thereon situated at—"Satyagrah Chhavni", Vejalpur, A'bad duly regd. by—S.R. A'bad, vide sale deed R. No. 15982/Nov., 82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Ahmedabad.

Date: 23 6-1983. Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd June 1983

Ref. No. P.R. No. 2480 Acq 23/1/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing F. P. No. 37-A paiki S. No. 116+152 Paiki Achier, Subermati, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 26-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shii Dhanrai Manchhalal, Mahavir Cloth Market, Railwaypura, Station Road, Ahmedabad

(2) Smt. Vimlaben Trilokchand Shah, Nenova Metal, 133, Bhandari Street, Nal Bazar, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other p rson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shull have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tenament No. 51- situated at Achier, Sabarmati, A'bad, dufy regd, by S.R. A'bad, vide sale deed R. No. 16703/2611-82.

R. R. SHAH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 23-6-1983, Sed:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd June 1983

Ref. No. P. R. No. 2481 Acq. 23/1/83-84.—Whereas, 1

R. R. SHAH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing FP No. 201, TPS. 22, Flat No. 7 situated at Jain Vihar Flats, Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Arvindbhai Mansukhlal Shah, Layai Niwas', Opp: Suvidha Shopping Centre, Mahalaxmi Road, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Prakashbhai Bhogilal Shah, Flat No. 7, Jain Vihar Flats, Behind Banker's Nursing Home,, Paldi, Towards Narayan Nagai Road, Ahmedabad. (Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable. property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat adm. 77 sq. yd.--situated at Pabl, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vid- Sale deed No. 16590/

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assis ant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 23-6-83 Scal:

FORM LT.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd June 1983

Ref. No. P. R. No. 2482 Acq 23/1/83-84.—Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FP No. 166, SP No. 3 TP.S. 3, situated at Office No. 5—Metro Commercial Centre, Near Gujarat H.C. A'bad and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 8-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said set, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely:—

 Shri Pankaj Retilal Shah (HUF) & as Karta, Opp: Bank of Baroda, Panchvati, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) N. R. Family Trust,
Through: Managing Trustee—
Shri Ravjibhai Dahyabhai Amin,
6-B, Jatan Flat, Gandhi Baug,
Opp: Law College, Ellisbridge, Ahmedabad.

may be made in writing to the undersigned :--

: Law Conege, Emsorage, Anmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 5, adm. 329 sq. ft. situated at Metro Commercial Centre, A'bad, duly regd. by S.R. A'bad, vide Sale deed No. 16182/82/8-11-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assis.ant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 23-6-83

Scal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Jankibai Pesumal Torani, 11, Julelal Society, Jawahar Chawk, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferor)

Shri Lalchand Murajmal,
 Zulelal Society, Jawahar Chawk,
 Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferee):

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 25th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2483 Acq 23, 1/83-84,—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FP No. 35 paiki, Plot No. 6, TPS. 23, S. No. 135-2 situated at Tenament No. 11, Sulelal Socy. Achier, A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the and instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followin persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tenament adm. 109.08 sq. yd. situated at 11, Zulelal Society, Jawahar Chawk, Sabarmati, A'bad, duly regd, by S.R. A'bad Vide Salo Deed R. No. 16267/10-11-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 25-6-83

Seal;

FORM 1.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 25th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2484 Acq 23/1/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. S. No. 712, S.P. No. 16, Vejalpur, situated at Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 10-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
37—196GI/83

 Rasmiben Ashwinkumar Pathak, 3-B, State Bank Staff Society, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Hamid'han Amirkhan Pathan, Halim's Khadki, Shahpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with structure—bearing S. No. 712, S.P. No. 16, A'bad, duly regd. by S.R. Ahmedabad vide Sale deed No. 16244/10-11-82,

R. R. SHAH
Computent Authority
Inspecting Assis ant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 25-6-83

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 25th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2485 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Flat No. D/20 situated at Jaldarshan Co. op. Hsg. Socy. Ashram Road, Ahmedabad as per 37EE form (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) (16 of 1908) in the Office of the

undersigned at Ahmedabad on Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pravin Karunashankar Adhiaru, 62/A, Mount Unique, Flat No. 53, 7, Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-400 026.

(Transferor)

(2) Shri Jaykrishna Jayantilal Kotak, D-20, Jaldarshan Co. op. Hsg. Socy. Ltd., Opp: Natraj Cinema, Ashram Road, Ahmedabad-380 009.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat-adm. 128 sq. yd.—situated at Ashram Road, A'bad-as per int mation reed. in 37EE form reed. on 12-11-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 25-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

> > Ahmedabad, the 25th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2486 Acq 23/I/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 819/2 situated at Makarba, Dist: Akmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Jayantilal Sendhabhai Patel,
 Shri Natverbhai Sendhabhai Patel,
 both @ Village : Mohmadpura,
 Dist : Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Amrakunj Plantation Pvt. Ltd., Through: Shri Jitendra Manilal Mistry, 'Madhumalti' Nr. High Court Rly. Crossing, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 38 Gunthas situated at Village Makrba, Dist: Ahmedabad, duly regd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed Nos. 16660 & 16661/29-11-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 25-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 25th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2487 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

and bearing No.
S. No. 797/1 situated at Makarba, Dit: Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Shri Maneklal Joitaram Patel,
 Rang Sojlam Society,
 Navrangpura, Ahmedabad-380 013.

(Transferor)

(2) Amrakuni Plantation Pvt. Ltd., 'Madhumalti' Near High Court Railway Crossing, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1A 30G situated at village Makarba Dist: Ahmedabad, duly regd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. Nos. 16663, 16665, 16666, 16668/29-11-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 25-6-83

Coal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

> > Ahmedabad, the 25th June 1983

Ref. No. P.R. No. 2488 Acq 23/1/83-84,-Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TPS-3, F.P. 621, S.P. No. 9-B situated at Patidar Co.-op. H. Scov. Ellisheider Abgradabet

Socy., Ellisbridge, Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred as per 37EE form reed, in the office of the undersigned on 4-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Harshvadan Ambalal Taktawala, 9-A, Patidar Society, Panchvati, Filisbridge, Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ushakan: Kanubhai Patel. Smt. Minaxiben Ushakant Patel, B-12, Friend's Colony, Navrangpura, Charrasta, Ahmedabad-380 014.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land adm. 690 sq. yd. situated in Patidar Society, Ellisbridge, Ahmedabad. Transaction intimated as per form No. 37EE reed. in the office of the undersigned on 4-11-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assis ant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 27th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2489 Acq 23/I/83-84.--Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 263-B-1, FP No. 297, TPS. 14, S. P. No. 1 situated at

Dariapur, Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per 37EE form recd.

in the office of the Registering Officer at

undersigned on 13-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Navnitlal Balabhai, 'Nobles' Building 'A', 3rd floor, Ashram Road, Opp: Nehru Bridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Harimandir Co. op. Hsg. Socy. Ltd., Chairman: Shri Amratlal Joitaram Patel, 7/38, Prabhunagar, Asarwa, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm, 829.50 sq. mtr. + 509.64 sq. mtd. situated at Dariapur, Kazipur, Ahmedabad—transferred as per intimation reed. in 37EE form Dt: 13-11-82 reed. on 19-11-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 27-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE J, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 27th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2490 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 263-B-1, F.P. No. 297, T.P.S. 14, S.P. No. 1 situated at Dariapur, Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per 37EE form

recd. in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad, undersigned on 13-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Purshottam Balabhai, 48. Satyagrah Chhavni, Satellite Road, (Jodhpur), Ahmedabad and also at 'Nobles'—'A'-Bldg., 3rd Floor, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Amratlal Joitaram Patel, 7—38, Prabhunagar, Asarva, Ahmedabad (Chairman of Harimadir Co. op. Hsg. Socy. Ltd.)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapte: XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and adm. 829.50+509.64 sq. mtr. situated at Dariapur—Kazipur, Ahmedabad, transferred as per intimation received in 37EE form Dt.: 13-11-82 received on 19-11-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 27-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 27th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2491 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 263-C, FP 297, TPS, 14, SP No. 2 situated at Dariapur, Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per 37EE form received in the office of the undersigned at Ahmedabad on 13-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) I. Purshottam Bolabhai self & on behalf of his minor son Deval Parshottam.
 - Navnitlal Balabhai Self & on behalf of his minor sons Kuldip Navnitlal & Bhushan Navnitlal. Both @ 'Nobles'—Bldg. 'A', 3rd Floor, Ashram Road, Opp: Nehru Bridge, Ahmedabad. (Transferee)

(2) Shri Amratlal Joitaram Patel, 7-38, Prabhu Nagar, Asarwa, Ahmedabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as olven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 2662 sq. yds.—situated at Darlapur, Kazipur, Ahmedabad—transferred as per intimation received in 37EE form dated 13-11-82 recd. on 19-11-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Comm scioner of Income-Tax
Acquisition Range I, Ahmedahad

Date: 27-6-83

FORM ITNS----

(1) Shri Ramaji Ataji Thakore, Village: Vejalpur, Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chaturbhai Ambalal Patel, C/o Premilaben Patel, 3,54, Sundernagar, Naranpura, Ahmedabad-380 013.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 29th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2492 Acq 23/I/83-84.—Whereus, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveble property baying a fair market value according movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. No. 202/2 paiki situated at village: Vejalpur, Dist:

Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 8-11-82

for an apparent consideration which is less than reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly extend in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of he said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 38-196GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with old plinth structure)—adm. 660 sq. mtr.→situated at Vejalpur, Dist: Ahmedabad, duly regd. by S.R. Ahmedabad, vide sale deed No. R. 16152/8-11-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 29-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

JULIA MENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 29th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2493 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. FP No. 202/2 paiki, situated at Village: Vejalpur, Dist:

Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 8-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the rarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ramaji Ataji Thakore, Village: Vejalpur, Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Falguniben Sumantrai Joshi, C/o Premilaben Patel, 3/54, Sundernagar, Naranpura, Ahmedabad-380 013.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with old plinth structure)—adm. 660 sq. mtr. situated—@ Vejalpur—Dist: Ahmedabad, duly regd. by S.R. Ahmedabad, vide sale deed No. 16153/8-11-82.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dato: 29 6-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSTRUCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 29th June 1983

Rcf. No. P. R. No. 2494 Acq 23/1/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 21,000, and bearing Ro.

F.P. No. 202/2 paiki, situated at village: Vejalpur, Dist: Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule control here.), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 8-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramaji Ataji Thakore, Village: Vejalpur, Dist: Ahmedabad.

(Transferee)

(2) Shiplaben Jamiyatram Pandit, C/o Premilaben Patel, 3/54, Sunder Nagar, Naranpura, Ahmedabad-380 013.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with old plinth structure)—adm. 660 sq. mtr.—situated at Vejalpur—Dist: Ahmedabad, duly regd. by S.R. Ahmedabad, vide sale deed No. 16158/8-11-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 29-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 29th June 1983

Ref. No. P. R.No. 2495 Acq 23/1/83-84,—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

F.P. No. 202/2 paiki situated at village: Vejalpur, Dist: at Ahmedabad on 8-11-82

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 8-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Ramaji Ataji Thakore, Village: Vejalpur, Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Narmadaben Bhagwandas Patel, C/o Premila Patel, 3/54, Sunder Nagar, Naranpura, Ahmedabad-380 013.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with old plinth structure)—adm. 660 sq. mtr. situated at Vejalpur Dist: Ahmedabad, duly regd. by S.R. Ahmedabad, vide sale deed No. 16159/8-11-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tux
Acquisition Range I, Ahmedabad

Seal:

Date: 29-6-1983

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AIIMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2496/Aca/23/1/83-84.—Whereas, I. R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

F. P. No. 24 Paiki 1/4th situated at Vejalpur, Dist., A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 8-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Rasiklal Kanharabhai Pate Village: Jodhpur—Dist. A'bac

(Transferor)

(2) Smt. Shantaben Bechaidas Patel, C/o Premilaben Patel, 3/54, Sunder Nagar, Naranpura, Ahmedabad-380 013.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land (with old plinth structure)—adm. 910 sq. mtr.—situated at Vejalpur Dist.: A'bad duly regd. by S.R. A'bad, vide R. No. 16147/8-11-1982.

Acquistiion Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-6-1983

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th June 1983

Ref. No. P. R .2497/Acq/23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

F. P. No. 24 Paiki 1/4th situated at Vejalpur, Dist., A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at A'bad on 8-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rasiklal Kanharabhai Patel, Village: Jodhpur-Dist. A'bad.

(Transferor)

(2) Shri Ambalal Tribhovandas Patel, C/o Smt. Premilaben Patel 3/54, Sunder Nagar, Naranpura, Ahmedabad-380 015.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with old plinth structure) adm 910 sq. mtr.—situated at Vejalpur—Dist.: A'bad, duly regd. by S.R. A'bad, vide sale deed R. No. 16142/8-11-1982.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-I, Ahmedabad

Date: 29-6-1983

Seni :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2498/Acq/23/I/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F. P. No. 24 Paiki 1/4th situated at Vejalpur, Dist., A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 8-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rasiklal Kanharabhai Patel, Village: Jodhpur—Dist. A'bad.

(Transferor)

(2) Smt. Champaben Babulal Patel, C/o Smt. Premilaben Patel, 3/54, Sunder Nagar, Narampura Ahmedabad-380 013.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with old plinth structure)—adm. 910 sq. mtr.—situaetd at—Vejalpur—Dist: A'bad duly regd. by S. R. A'bad, vide R. No. 16143/8-11-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 29-6-1983

Scal:

FORM ITNS----

(1) Shri Rasiklal Kanharabhai Patel, Village: Jodhpur—Dist. A'bad.

(Liansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Premilaben Trikamlal Patel, Co Premilaben M. Patel, , 3/54, Sunder Nagar, Naranpura, Ahmedabad-380 013.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDI.OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD:380 009

Ahmedabad, the 29th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2499/Acq/23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F. P. No. 24 Paiki I/4th situated at Veialpur, Dist., A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 8-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabiliof the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 29-6-1983

(1) Smt. Ansuyaben Samual Chavda, Power of Attorney of Avniben Rajnikant Christian, Deri Road, 634/B,

Bhaynagar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGÉ-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad, the 28th June 1983

Ref N.o. P. R. No 2.500/Acq/23/I/83-84.--Whereas, 1, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Chitra Survey No. 209, Plot No. 21/A situated at Desai Nagar Vistar, Chitra Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhavnagar on 24-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following 39—196GI/83

(2) Gloriyaben Samuel Chavda, 634, Deri Road, Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Desari Vistar, Chitra S. No. 209, Paiki, Plot No. 21/A, Bhavnagar.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistan Commissioner of Income-tax Acquistiion Range-I, Ahmedabad

Date: 28-6-1983

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 28th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2501/Acq/23/I/83-84.—Whereas, I,

R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2150B/2 situated at behind Waghawadi, Bhav-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the registering Officer at Bhavnagar on 19-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid proprty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tauly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in 1 80201 of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Vasantrai Venilal Mehta. 30. Prakruti Kuni Society. Shreyas Tekro, Bhudar Pura Road, Ahmedabad-15.

(Transferor)

(2) Shri Nisith Popatlal Mehta, Mchta Taresh, Satya Narayan Road, Bhavnagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE Plot No. 2150-B/2, at Behind Waghawada Road, Bhav-

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistiion Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 28-6-1983

Scal;

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA :

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 28th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2502/Acq.23/I/83-84.--Whereas, I.

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Jampuri Estate City S. No. 1/Gp4 situated at Plan No. 2, S.P. No. 21/1, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 11-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Smt. Domyantiben Mukeshkumar Dhruv, Nr. Kayasths Ambli, Jamnagar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Dhirendra Manilal Mehta, 2. Smt. Priti Rajnikant Mehta, 45, Digvijay Plot, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givin in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land at Jamouri From S. No. 1/G/4. Plan No. 2. Sub Plot No. 21/1, Adm. 464.50 sq. mtr.

R. R. SHAH Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Augustion Range-I Ahmedebad,

Date: 28-6-83 Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1, OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmodubad-380009, the 30th June 1983

Ref. No. P.R. No. 2505Acq/23/1/83-84.---Whereas I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immiovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1676, 1777, 1675 & 1716 C. No. 386-8, 386-6, 386-7, situated at Kalupur Traffic Circle, O/s Kalupur Gate, Railwaypura, 'A' bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 4-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Suryakanta Somabhai Patel, Jyotshanaben Somabhai Patel, both at 29, Ambica Society, Usmanpura, A'bad through their Power of Attorney Holder—Managing Director of Vijay Co. op. Bank Ltd. Nobles, Gr. Floor, Ashram Road, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Shri Natverlal Prabhudas Patel, Managing Director, The Vijay Co.op Bank Ltd. 'Nobles', Ground Floor Ashram Road. Ahmedabad.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Chinubhai Mangaldas Shop No. 386/7
 2. Shri Chunilal Nyalchand Shop No. 386/8

 - Shri Saurashtra Tea Depot ,
 Shri Bhanuprasad, P. Patel "
 - 386/6 5. Shri Punjiram Hargovandas (Person in occupation of the property)
 - (4) All @ C/o Vijay Co. op. Bank Ltd.
 Ground Floor, O/s Kalupur Gate, A'bad.
 (person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Building situated at Railwaypura, Abad duly regd: by S.R. Abad, vide sale deed No. 15917 & 159 13/4-11-82 & 4(11-1982,

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad.

Daie: 30-6-1983 Soul :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2504 Acq-23/1/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe, that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No.

to as the said Act), have reason to believe, that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 1718 & 1719 C. No. 386-5, 386-4 situated at Kalupur Traffic Circle O/s Kalupur Gate Rly. Pura, A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 4-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Hasmatiben Bechardas Patel,
 Ambica Society, Usmanpura, A'bad.
 through her Power of Attorney Holder—Managing Director of Vijay Co. op. Bank Ltd.
 Gr. Floor, Ashram Road, Ahmedabad.
 (Transferor)
- (2) Shri Natverlal Prabhudas Patel, Managing Director, The Vijay Co.op Bank Ltd. 'Nebles', Ground Floor Ashram Road. Ahmedabad.

(Transferce)
(3) Shri Jaswantlal Ambalal Shop No. 386/3
Sbri Hiralal Sakarlal "386/4
Shri Delite Auto Stores , 386/5
Shri Kishanchand Dipchand 386/5/1
(Person in occupation of the property)

(4) All & Cro Vijay Co. op. Bank Ltd.
Ground Floor. O/s Kalupur Gate, A'bad,
'(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE - REDULE

fluilding vitagent at Kailwaypura. Abad duly regd. by S.R. Abad vide sale deed R. No. 15927, 15940. 15961/4.11-82, 4-11-82&4-11-82

R. R. SHAII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Ahmedabad.

Date: 30-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Ahmedabad-380009, the 30th June 1983

Ref. No. P.R. No. 2505-Acq-23/I/83-84,-Whoreas, 1 R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
S. No. 1721-C. No. 386-2 & S. No. 1722 C. No. 386-1 situated at Kalupur Traffic Circle O/s Kalupur Gate, Kalupur Rail-

waypura, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 4-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Acr to the following persons, namely :---

(1) Shushilaben Maneklal Patel, s, Mitra Mandal Society—Usmanpura. A'bad through her Power of Attorney Holder—Managing Director of Vijay Co. op. Bank Ltd. 'Nobles' Gr. Floor, Ashram Road, Ahmedabad. (Transferor)

(2) Shri Natverlal Prabhudas Patel, Managing Director, The Vijay Co.op Bank Ltd. 'Nobles', Ground Floor Ashram Road. Ahmedabad.

(Transferec)

(3) 1. Shri Sankalchand Khumaji Shop No. 386/2 Shri Gangaram Bhagwandas Shop No. 386/1
 Shri Nagindas Zumakhram Shop No. 386 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building situated at Railwaypura. A' bad duly regd by S.R. A'bad vide sale deed R. No. 15966/4-11-82 & R. No. 15922/ 4-11-82

> R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedahad.

Date: 30-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOMPLIAX.

ACQUISITION RANGE-I

Ahmedabad-380009, the 30th June 1983

Ref. No. P.R. No. 2506-Acq-23/I/83-84.--Whereas I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing S. No. 466, Plot No. 43 paiki 124 sg. yds. situated at Aerodrame Road, Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 6th November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Laxmidas Kalidas Kotacha, Khukhudabela, Tal. Paddhari. Dist. Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Vinodchandra Haridas Palan 27, Karanpara, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Aerodrame Road S. No. 466 Plot No. 43 paiki 124-6-0 sq.yd.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Ahmedabad.

Date: 30-6-1983

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-1

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2507-Acq-23/I/83-84.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop situated at Canal Road, Ground floor Ownership (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 11-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Sheth Builders Lilam Chambers Dhebar Road Rajkot.
- (2) Smt. Prabhuben Amratlal Sata Bazar Verayal.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Canal Road at Ground Floor having 300.08 sq ft. built up area.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Ahmedabad.

Date: 30-6-1983

Kotacha Dineshebandra Gordhandas 14/15, Ramkishna Nagar Pushpkunj, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vora Rameshbhai Gobarbhai, Gurujan Society, Meldi Krupa, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1983

Ref No. P.R. 2508-Acq-23/I/83-84,---Whereas, I R. R. SHAH, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C. S. No. Ward No. 7, Sheet No. 232 situated at Mavdi Plot, Sheri No. 6, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have here transferred under the Peristration Act. 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 12-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Bldg, at Mavdi Plot Sherl No. 6 C. S. Ward No. 7 Sheet No. 232 Sanad No. 459..

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been cr which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition or the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---40-196GI/83

Date: 30-6-1983

Scal:

(1) Shri Jayeshkumar Harkhlal Kakkad, 23, Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hasuben Chimanlal Buvaria, 19, Manhar Plot, Raikot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1983

Ref No. P.R. No. 2509-Acq-23/I/83-84.—Whereas, I

R. R. SHAH, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Sheri No. 22-23, Jagnath Plot situated at 2nd Floor,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 3-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and to
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 2nd Floor at Jagnath Plot, Sheri No. 22/16 having 742 sq. feet, area.

> R. R. SHAH Competant Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow. ing persons, namely :-

Date: 2-7-1983,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Manjulaben Manharlal, 12/35, Karanpara, Rajkot

(Transferor)

(2) M/s Mahavir Construction Co. & Partners. Ramkrishna Nagar Vaibhav Apartment, Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1983

Ref. No. P. R. No. 2510 Acq.23/I/83-84,--Whereas, I,

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Page 250000 (property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat at Vaibhay Apartment situated Ramkrishna Nagar, Rajkot. ,

Rajkot., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 14-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a peirod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat at Vaibhav Apartment, Ramkrishna Nagar Rajkot having 1120-sq.ft., area

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 2-7-1983.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1983

Ref. No. P. R. No. 2511-Acq-23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat at Ramkrishna Nagar Apartment situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 24-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Mahavir Construction Co. Vaibhav Apartment, Ramkrishna Nagar, Rajkot,

- (Transferor)

(2) Hiraben. M. Shah and Shri Maheshkumar S. Shah, 7 Ramkrishna Nagar, Viabhav Apartment, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at 2, Ramkrishnanagar Vaibhav Aptt., having 1120 saft.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 2-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Chadanben Jethalal Mehta,
 Play Ground Road,
 Vill Parle (East)
 Bombay. 57

(Transferor)

(2) Navinbhai Chandulal Dave 33 Prahladplot Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1983

Ref. No. P.R. No. 2512Acq23/I/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Building at Bhaktinagar Society situated at Sheri No. 9 Plot No. 34A, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raikot on 29-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Bhaktinagar Society, Shesi No 9, Plot No. 34A, having 690 sq. yard. land.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I Ahmedabad.

Date: 2-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM RUAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1983

Ref. No. P. R. No. 2513 Acq 23/1/83-84,---Ref. No. P. R. No. 2513 Acq 23/I/83-84.— Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing FP No. 369, SP No. 1, TPS. 20, Mun. C. No. 369-3 & 369-3-1, situated at Gulbai Tekra, A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 10-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Indravadan Karunashankar Adhyrau, The new Sun Mills Co. Pvt. Ltd., New Saw Mill Road, Lower Parel, Bombay-13.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Lalchand Bhogilal Shah, 2. Smt. Indiraben Lalchand Shah,
 - 3. Shri Paresh Lalchand, 4. Shri Vinesh Lalchand,

 Shri Jiger Lalchand,
 All @ Lina Aptt. Opp : Municipal Market, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg, standing on land 945 sq. mtr.—situated at T. P. S. 20., A'bad, duly regd. by S. R. A'bad, vide R. No. 14922/ 10-11-82.

> R. R. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Date: 2-7-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1983

Ref. No. P. R. No. 2514 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to elieve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 44, 45 paiki & 46 paiki, 47 paiki & 53 paiki Memnagar TPS. 1, F. P. 99 & FP 105 situated at Memnagar, A'had

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 4-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shardulbhai Jayantkumar Pasawala & Others, Nutan Society, Paldi, Ahmedabad-380 007.

(Transferor)

(2) Abhinandan Swamy Memnagar Co.op. Hsg. Socy., Chairman: Shri Pravinchandra Amratlal Shah, 50, Harsiddh Chambers, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 7182 sq. mtr. + 7832 sq. mtr.—situated at Mcmnagar, A'bad, duly regd. vide sale deed R. No. 11593 & 11592/4-11-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Date: 2-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st July 1983

Ref. No. P. R. No. 2515 Acq 23/I/83-84.—Whereas I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 50-2, 51-5 paiki situated at Hansol, Dist: Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on Nov. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shri Sudershan Laxmishankar Joshi, Brahmani Mandal Society, Juna Sharda Mandir Road, Ahmedabad at Present Ganeshprasad, Slaterroad, Bombay.

(Transferor)

 Jay Hari Krishmanagar Co.op. Hsg. Socy. Ltd., Chairman: Ravjibhai Naranbhai Patel,
 Swami Gunatit Society, Memnagar, Near Bus Stand, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Hansol Dist: A'bad, duly regd. by S. R. A'bad, vide sale deed R. No. 16006, 16007, 16010, 15942, 15943, 15947, 15955, 15956/Nov., 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 1-7-1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Rasiklal Mathurdas Mehta, R/o. 26. Mill Para, Matru Chhaya, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Dilip Kumar Anandji Kothari, C/o Shri Sharad kumar Harilal Dosni, R/o 34, Karanpara, Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2516 Acq 23/1/83-84.--Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. City S. No. 148 of SP No. 738, 739, 740, 742 paiki situated

at Rushikesh Aptt. Flat No. 15, Manhar plot Street No. 1, Raikot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot The form No. 37FE filed on 29-11-82 in this office for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, '257 (27 of 1957);

Flat at Manhar, Plot Sheri No. 1, Dr. Yugnik Road, Rushikesh Aptt., Flat No. 15.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquistion Range-I, Ahmedabad

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely ;-41-196/83

Date: 7-7-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2517 Acq 23/I/83-84.— Whereas I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and City Survey No. 148, SP No. 7 SP N. 738, 739, 740 and 742 paiki situated at Manhar Plot, Dr. Yagnik Rd., Rushikesh Aptt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) form No. 37EE filed on 29-11-82 in this office for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Shri Rasiklal Mathurdan Mehta, R o 26, Mill Para, Matru Chhaya, Rajkot,

(Transferor)

(2) Shri Anantrai Anandji Kothari, R/o Rushikesh Apartment, Flat No. 7, Manhar Plot, Sheri No. 1, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Rushikesh Apartment, Sheet No. 1, Manhar Plot, Raikot Flat No. 7.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-7-1983

Shri Ramji Dharamshi, Shri Phana Premji, R/o Maligasan Tal; Rajkot.

(Transferor)

(2) Pancholi Kuvarben Desurbhai & Others, 10, Ranchhodnagar Society, Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th July 1983

Rcf. No. P. R. No. 2518 Acq 23/1/83-84.—Whereas I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
City S. No. 12, Ward No. 12, Sheet No. 290 situated at Ranchhod nagar Hsg. Socy. Bedipatu, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at form No. 37 EE filed on 11-11-82 in this office for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income--tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

w, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-secin (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-rooms, namely:—

THE SCHEDULE

Bldg. at city S. Ward No. 12, Sheet No. 290, running No. 808, 10, Ranchhod Nagar Co. Hsg. Socy., Bedipara, Rajkot.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Seal :

Date: 7-7-1983

(1) Shanti Construction Company, Prop: Shri Jay Prakash. Nichhubhai Desai, Mahadevnagar, Billimora, Tal: Gandevi.

(Transferors) (Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chemicals & Auxuliary Services Pvt. Ltd.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2287.Acq.23/II/83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 3268 situated at Desra Tal: Gandevi (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at Gandevi on 29-11-82. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, adm. 90 sq. yds., at C. S. No. 3268 at Desra, Tal: Gandevi, the document of registration was registered with S. R. Gandevi, under No. 1940 dt. 29-11-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Ran Ahmeda

Date: 30-5-1983

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDARAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st May 1983

Ref. No. P. R. No. 2288.Acq.23/II/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. 175 S. No. 341/4 Land situated at Tantithaiya Tal: Palsana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamrei on 22-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

No v, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:-

(1) Shri Lailubhai Parbhubhai Naik, Tathithaiya (Tal : Palsana) Dist. Surat.

(2) Shri Hasmukhbhai Khandubhai Vashi, Tathithaiya, fal: Palsana, Dist. Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Chazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the cate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used he cin as are defined in Chapter XXA of the sail Act, shall have the same meaning as given in tha Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Block No. 275 S. No. 341/4 situated at Thathithaiya Tal: Palsana, Dist. Surat adm. 2 Acre 28 Gunthas. The document of Conveyance was registered with S. R. Kamrej.

> R. R. SHAH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II Ahme labad.

Date: 31-5-83

الى برايا ئىلىنىدىلىلىنىدىلىلىدىلىدى بايارات ئىلى ئايىلىنى ئاياتىيى ئايارىيى ئايانىيى ئىلىنىيىلى بىلىنىدى <u>ئىلىنى</u>دى

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II 2ND 1-LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd June 1983

Ref. No. P. R. No. 2289.Acq;23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11 situated at Ali, Broach,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Broach on 2-11-82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agfreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Prabhuben Amratial Partner of Narayan, Traders, Anand.
- (Transferors)
 (2) Shri Ravjibhai Lallubhai Patel,
 Chairman: Jai Narayan Co. op. Hsg. Socy. Ltd.
 Bharuch.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used ferein as are deflued in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 11 at Ali Bharuch, adm. 1940 sq. yds. The document of conveyance was registered with S. R. Bharuch under S. No. 5310 dt. 2-11-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 2-6-83.

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 2nd June 1983

Ref. No. P. R. No. 2290.Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH.

R. R. SHAH.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 156/1-A. Paiki situated at Dungari, Broach.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on 11-11-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Bai Fatma Ahmed Asmal Iseleni & Others. Dungari, Tal: Broach.

(Transferor)

New Shastrinagar Co. op. Hsg. Socy. Ltd., Buddhdev Market, Bharuch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Dungari Bharuch an S. No. 156/1-A Paiki adm. 23 Gunthas (i.e. 2783 sq. yds.) the document of conveyance was registered with S.R. Bharuch under No. 5371 dated 11-11-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 2-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd June 1983

Ref. No. P. R. No. 2291.Acq.23/II/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and S. No. 132 paiki situated at Maktampur, Bharuch

S. No. 132 paiki situated at Maktampur, Bharuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bharuch on 12-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Saiyad Faridmiya Rasulmiya, Maktampura, Bharuch.

(Transferors)

(2) Magdumnagar Co. op. Hsg. Socy. Chairman, Shri Nazirhussein Mustfalia, Pirzada, Maktampur, Broach,

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Maktampur, Bharuch, at S. No. 132 adm. 1030 sq. mtrs. The document of conveyance was registered with S. R. Bharuch, under No. 5383 dt. 12-11-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 2-6-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2292.Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. S. No. 1995/3 situated at Mehsana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mehsana on 12-11-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsone, namely :--42--196GI/83

S/Shri

- (1) 1. Mafatlal Joitaram Prajapati,
 - Prachladbhai Mafatlal & Co.
 Babulal Mafatlal & Co.
 - 4. Balubhai Mafatlal & Co. 5. Ishwarlal Joitaram Prajapati.
 - Méhsana.

(Transferors)

(2) Natraj Co. op. Housing Socy. (Proposer). Shri Shaileshkumar Chandulal Shah, Mehsana.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 1995/3, adm. A2 G5. Document of transfer regd. with S. R. Mehsana under No. 2959 dt. 12-11-82,

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 13-6-83,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2293.Acq.23/JI/83-84.—Whereas, I, R, R. SHAII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 1995/3 situated at Mehsana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mehsana on 12-11-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than lifteen precent of such apparent consideration and that the conditionation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act remost of any income arising from the transfer: und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transfere for the nurnoses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

S/Shri

- (1) 1. Mafatlal Joitaram Prajapati,
 - 2. Prahladbhai Mafatlal & Co. 3. Babubhai Mafatlal & Co.
 - 4. Baldwbhai Mafatlal & Co.
 - 5. Ishverlal Joitaram Prajapati Mehsana,

(Transferors)

S/Shri (2) Suruchi Co. op. Hsg. Socy. Ltd., Promotor: Rajeshkumar Jashwantlal, Mchsana.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Mehsana S. No. 1995/3 adm. A2 G5. Document of transfer regd. with S. R. Mehsana under No. 2958 Dt. 12-11-82,

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said 7 t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the decreasil property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following phraous namely :--

Date: 13-6 83,

S/Shri

(1) 1. Ishverbhai Joitaram Prajapati

Smt. Manguben Ishvebhai Prajapati
 Smt. Kamlaben Ishverbhai Prajapati

Smt. Meenaben Ishverbhai Prajapati Mehsana,

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hiren Park Co. op. Hsg. Socy. C/o Hemantkumar Hiralal Shah, Mehsana.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2294.Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 1995/4 situated at Mehsana (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mehsana on 12-11-82

Mehsana on 12-11-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Mohsana S. No. 1995/4 adm. A3 G.16. Document of trappeder regd. with S. R. Mehsana under No. 2925/ 2960 Dt. 12-11-82.

> R. R. SHAU Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 13-6-83. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2295.Acq.23/11/83-84,—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 120, 121, 122 situated at Sanavad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act
1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on 5-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) 1. Shakraji Maganji Thakor,

Rumeshbhai Shakraji Thakor,
 Chandaben Maganji
 At Santej Tal. Kalol Dist. Mehsana

(Transferors)

(2) Blue Diamond Co. op. Hsg. Socy. Ltd. C/o Shri Jagat Virendra Sheth, 'Keshav Krupa' Gotini Sheri, Khadia, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sanavad S. No. 120, 121, 122 adm. total A 11 G.2. Document of transfer regd, with S. R. Kalol under No. 2440, 2441, 2442 dt. 5-11-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 13-6-1983

Scal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1983

Ref. No. P.R. 2296 Acq 23/11/83-84.--Whereas, 1, R. SHAH.

reing the Competent Authority under Section 269B of the neome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ind bearing

R.S. No. 107/1, 107/3, situated at Saij,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaloi on 22-11-82.

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Cax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mobanbhai Prahladbhai Patel, Saij, Tal: Kalol Distt: Mehsana.

 (Transferor)
- Shreenath Co-op. Hsq. Socy. Ltd. C/o Prombtor, Ambala Joharam Patei, C/o Mahendra Mill, Kalol, Distt. Mchsana.
 - 2. Dhanjibhai Jasbhai Luhar, Near Mahendra Mill, Kalol, Dist: Mehrana.
 - 3. Babubhai Manilal Sheth, Mill Kamdar Society, Kalol, Dist: Mehsona.

 (Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kalol R.S. No. 107/1, 107/3, admi. 7139 sq. yd. Document of transfer regd, with S.R. Kalol under No. 2653, 2636 dt: 22.11.82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 13 6,83.

Sept :

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1983

Ref. No. P.R. 2297 Acg 23/II/83-84.—Whereas, I. R. SHAH,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 2247, situated at Nadiad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 4-11-82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rambhai Dungarbhai Patel, C.o Chandrakant Rambhai Patel (P.A. Holder), Baroda. (Transferor)
- 1. Shri Baldevbhzi Becharbhai Patel, Chhantivad, Nadiad.
 - 2. Ashokbhai Rambhai Patel, Samdi Chawk, Nadiad. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nadiad S. No. 2247, adioensuring 3743 sq. m. Document of transfer regd, with S.R. Nadiad under No. 7686 Dt; 4.11.82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad,

Date: 13.6.837

Scal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM-HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1983

Ref. No. P.R. 2298 Acq 23/11/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 2247, situated at Nadiad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 4-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Navinchandra Ravjibhai Patel, Samdi Chakla, Nadiad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Baldevbhai Becharbhai Patel, Chhantlavad. Nadlad,

2. Ashokbhai Rambhai Patel, Samdi Chakla. Nadiad. (Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nadiad (S. No. 224) adm. 3642 sq. mtrs. Document of tunsfer regd. with S.R. Nadiad under No. 7687 dt: 4.11:82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 13.6.83.

Scal :

Builders (1) Amar & Contractors, Premchandbhal Shanjibhai Patel, Faramji Road, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kundanben Manubhai Bhatt, Nadiad. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1983

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Rof. No. P.R. 2299 Acq 23/II/83-84.—Wherens, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the authority under Section 269B of the Income-tax Act (43 of 1961) (hereinafter referred to act (property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

and bearing No.

S. No. 532, Plot No. 63-64, situated at Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda on 5.11.82, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - THE SCHEDULE
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat at R.C. Rosel, Baroda S. No. 532 adm, built up area 900 sq. ft. Document of transfer, regd, with S.R. Baroda under No. 5649/5.11.82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-It, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storaged property by the issue of this notice under submetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13.6.83.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1983

Ref. No. P.R. No. 2300 Acq 23/II/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 261, situated at Karamsad,

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Anand on 19.11.82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons namely:-43-196GI/83

(1) Shri Parshottambhai Zaverbhai Patel, P.A. Holder, C/o Shri Chandrakant Vithaldas Gandhi, Sardarganj, Anand.

(Transferor)

(2) Shri Shashikant Vithaldas Gandhi, SarJarganj, Anand.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Karamsad S. No. 261 adm. 1316 sq. mtrs. Document of transfer regd, with S.R. Anand under No. 4199 Dt: 19.11.82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 13.6.83.

Scal:

(Transferee)

FORM ITNS----

(1) Hemant Plastic, G.I.D.C., Makarpura, Baroda. (Transferor)

(2) Progressive Organisor, Race Course Road, Baroda,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 13th Tune 1983

Ref. No. P.R. No. 2301 Acq 23/11/83-84.—Whereas, IR. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 675/1 Plot No. 1, situated at R.C. Road, Baroda, and Proce fully described in the Schedule assets the text.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda on 6.11.82, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such opparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at R.C. Road, Baroda S. No. 675/1 adm. 3112 sq. ft. Document of transfer regd. with S.R. Baroda under No. 6007 Dt: 6.11.82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 13.6.83.

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Shri Krishnakant Umedram Zaveri, Krishnanagar, Bagi Khana Road, Baroda.

(2) Shri Prabhavkumar Pravinkant Mehta, 10, Krishna-

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1983

Ref. No. P.R. 2302 Acq 23/II/83-84.—Whereas, 1, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 401 Plat No. 10, situated at Babajipura, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 10.11.82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue or this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persous, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

nagar, Bagi Khana Road, Baroda.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Babajipura, Baroda S. No. 401. Built up area 816 sq. ft. at Ground floor. Document of transfer regd. with S.R. Baroda under No. 6699 dated 10.11.82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

'Date: 13.6.83.

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE, UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th June 1983

Ref. No. P.R. No. 2303 Acq 23/11/83-84.—Whereas, 1 R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

S. No. 87, situated at Khoraj,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 12.11.82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shankerbhai Manibhai Patel, Khoraj, Tal: Distt: Gandhinagar, (Transferot)
- (2) Shri Prahladbhai Shamjibhai Patel, 55 Rachna Society, Stellite Road, Jodhpur, Ahmedabad.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Khoraj S. No. 87 adm. A1 G 10. Document of transfer regd. with S.R. Gandhinagar under No. 1957 Dt: 12.11.82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 15.6.83

- (1) Shri Shankarbhai Manibhai Patel, Khoraj, Tal: Gandhinagar, Dist: Gandhinagar. (Transferor)
- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (2) Smt. Sushilaben Prahladbhai Patel, 55, Rachna Society Satellite Road, Jodhpur, Ahmedabad.

 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ahmedabad-380 009, the 15th June 1983

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. P.R. No. 2304 Acq 23/II/83-84.—Whereas, IR. R. SHAH,

publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

S. No. 87, situated at Khoraj,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 12.11,82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Khoraj S. No. 87 adm. A1 G.10. Document of transfer regd. with S.R. Gandhinagar under No. 1958 dt: 12.11.82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15.6.83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM

HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th June 1983

Ref. No. P.R. No. 2305 Acq 23/II/83-84.—Whereas, IR. R. SHAH,

being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 51, situated at Godhra,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Godhra on 4.11.82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri Narandas Vadilal Patel
 2. Shri Shantilal Vadilal Patel,
 3. Shri Nanalal Vadilal Patel,

Near Kachhiavad School, Godhra.

(Transferor)

(2) Muktanand Organiser, C.o Kanubhei Bhagwandas Patel, Rainwadi Society, Godhra.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Godhra S. No. 51 adm. 51 sq. yd. Document of transfer regd. with S.R. Godhra under No. 2525 Dt; 4.11.82.

R. R. SHAH
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.)
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 15.6.83.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Smt. Joitiben Madhabhai

Smt. Manguben Madhabhai
 Smt. Shantaben Madhabhai
 Shri Mafatbhai Madhabhai

Khoraj, Tal./Dist. Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Smt. Mangubhai Ranchhodbhai Galaj Estate, Dudheshwar Road, Ahmedabad,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPÉCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th June 1983.

Ref. No. PR. No. 2306 Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 87 situated at Khoraj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar on 12-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followfing persons, namely :- : -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Khoraj S. No. 87 adm. A1 G.12. Document of transfer registered with S.R. Gandhinagar No. 1959 Dated 12-11-1982.

> R. R. SHAH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-JI, Ahmedabad

Date: 15-6-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st May 1983

Ref. No. P.R. No. 2307 Acq.23/II/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS 600 & 600/1-A & 602 & CS No. 4890 situated at Bhagadwad, Bulsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulsar reed, in November 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the folfollowink persons, namely:—

 Shri Mansukhlal Harilal Vasani
 Smt. Ushaben Mansukhlal Vasani Udhana, Tal. Choryashi, Distt. Surat.

(Transferor)

 Shri Amratlal Bhimbhai Desai, Dham-chha, Tal. Gandevi, Distt. Valsad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at R.S. No. 600/601/1A and 602, C.S. No. 4890, at Bhagadavada, Bulsar land adm. 264.21 sq. mtrs. and built up area at Building, 7846 sq. mtrs. The document of conveyance was regd. with S.R. Bulsar under No. 233/1982 dated 18-2-1982 received in this office in November 1982.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commisscioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 31-5-1983

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 30th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2308 Acq.23/II/83-84.—Whereas, J, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 4732 & 4833 situated at Bardoli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bardoli on 5-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

44—196 GI/83

 Shri Dhimantbhai Haribhai Naik & Smt. Kantaben Haribhai Naik, Mota, Tal. Bardoli.

(Transferor)

(2) Chairman, Shree Datta Krupa Co-op, Housing Society Ltd. Sardar Baug, Bardoli.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 4732 & 4733 at Bardoli adm, 471-62 sq. mtrs. Document of conveyance was regd. with S.R. Bardoli under No. 1359 dated 5-11-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Ahmedabad

Date: 30-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th May 1983

Ref. No. P.R. 2309 Acq.23/II/83-84,—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 25 000/s and hearing No

Rs. 25,000/- and hearing No.
S. 231-1-2-Paiki plots 13A & 13B situated at Vapi Kachigam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vapi on 11-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Jalaram Society,
 - parters of 1. S/Shri Chhotubhai Lallubhai Patel,
 - Shri Indravadan Gulabchand & Others, Vapi, Tal. Pardi.

(Transferor)

D

- (2) Vrandavan Co-op. Housing Society Ltd. (Proposed)
 - Promoters—
 1. Shri Trikambhai Shankerbhai Patel
 2. Shri Vasant Shamrao
 - Shri Vasant Shamrao Yapi, Tal. Pardi.

(Trunsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos, 13A & 13B adm. 593,80 sq. mtrs, at S. No. 235-1-2 paiki, at Kachigam Road, Vapi. The document of conveyance was registered with SR. Pardi under No. 1718 dated 11-11-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 30-5-1983

Scal;

Maniben wd/o Bhagwanji Bhikhabhai
 Rajendrakumar Nathubhai,
 Desai Falia, Umarsadi
 (Tal. Pardi).

(Transferor)

(2) Vinit Ice Mfg. Pvt. Ltd. 36, Practum Commercial Centre-I, Salapas Road, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th May 1983

Ref. No. P.R No. 2310/Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1250-10 paiki 1278 paiki land situated at Umarsadi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on 20-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made iin writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in movable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at S. No. 1250-10 paik i& 1278 paiki, adm. 7485-84 sq. mtrs. at Umarsadi, Tal. Pardi. Document of conveyance was registered under No. 1730 dated 20-11-82 with S.R. Pardi.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thi nsotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 30th May 1983

Ref. No. P.R. No 2311 Acq.23/II/83-84.--Wheens, I,

k. K. Shan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block 30A & 20B, C.S. No. 2181 & 2182 situated at Chikhali (and mora fully described in the Schodule appared hereta).

Block 30A & 20B, C.S. No. 2181 & 2182 situated at Chikhali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikhli received in this office in November 82 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dhirubhai Ranchhodji Desai (Vadiwala), Desaiyad; Chikhali, Distt, Bulsar.

(Transferor)

 Shri Manubhai Kalidas Shah. Ashok Nivas, Nr. Tower, Navsari.

 Shri Chandrukant Motiram Vyas, 410/3, Khatrivad, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land with Buildings, Wells-3. Electric Motor, water pump etc. adm. 35917 sq. mtrs situated on Block No. 30-A, 30-B, C.S. No. 2181 & 2182 at Chikhali, Dist. Bulsad. The document of conveyance was registered with S.R. Chikhali under No. 918/1982 received in this office in November 1982.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inrome-Tax
Acquisition Range-II,
Ahmedahad

Date: 30-5-1983

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th June 1983

Ref. No. P.R. No. 2312 Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 592 C.S. 4889 A paiki situated at Bhagadwada, Bulsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bulsar on 26-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bachubhai Ramanlal Desai, Mota Bhagada, Valsad

(Transferor)

(2) T.I.P.C.O.
The Industrial Plastics Corp. Ltd.
Quarry Road, Malad, Bombay.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within, a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building at Bhagadvada, Valsad R.S. No. 592 C.S. No. 4889/A paiki on Block No. 5, land adm. 240 sq. yards and Building thereon he document of conveyance was regd, with S.R. Bulsar under No. 2569 dated 26-11-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-Is.
Ahmedabad

Date: 25-6-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 30th May 1983

Ref. No P.R. No. 2312 Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

xeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immove-tible property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Not 41, S. No. 66/1 situated at Silass

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at ilvasa on 5-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property, and I have reason o believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said astrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kabirdas Kevalram of Kevalram Dyeing & Ptg. Works 113/113 old Hanuman Lane, 10th Mahadeyji Cloth Merchant Bombay-400002.

(Transferor)

 Shri M, R, Shah of Vijay Organic Chemical Industry, 1218, Dalamal Tower, Nariman Point, Bombay.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land Plot No. 41, S. No. 66/1 at Silassa adm. 2400 sq. mtrs. The deed of conveyance was registered with S.R. Silvasa under No. 243 dated 5-11-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 30-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FI.OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 30th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2314 Acq.23/11/83-34.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-S. No. 2/3 paiki situated at Kaliawadi, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nasari on 3-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Thakorbhai Gulbbhai, Sishodhra Ganesh, Tal. Navsarl.

(Transferor)

 Shri Ramjibhai Khteshibhai Patel
 Shri Gangdasbhai Khetshibhai Patel Kaliayadi, Naya Road, Tal : Naysari.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 8203 sq. ft. at S. No. 2/3 paiki at Kaliavadi Village. Tal: Nasari, The document of conveyance was regd, under No. 3663 dated 3-11-82 with S.R. Navsari.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 30-5-1983

Cast.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th June 1983

Ref. No. P.R. No. 2315 Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

and bearing No. Tika No. 11/2, S. No. 33/B, Wd. No. 6, Muni. No. 213/4 situated at Nagarwada, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 11-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Gitaben Bhupatrai Desai Nagarwad, Navsari.
- (Transferor)
- (2) Prafulchandra Prabhubhai Patel Smt. Premiben Prabhubhai Patel, Nagarwad, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 1st Floor, Apurya Aptt. Nagarwada. Navsari, Tika No. 11/1, S. No. 33/B, Mun. Wd. 6 S. No. 213/4 adm. 913 sq. ft. The document of conveyance was registered with S. R. Navsari under No. 3787 dated 11-11-82.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Date: 30-5-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1983

Ref. No. P.R. No. 2316Acq-23/11/83-84.—Whereas 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 188/1 situated at Kabilpore, Tal. Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 12-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
45—196 GI/83

(1) Shri Hasan Ibrahim, at P.O. Nashilpor, Tal, Navsari,

(Transferor)

(2) Dr. D. H. Rathod, Paigawad, Khatrivad, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Kabilpore,

Tal: Navsarī bearing S. No. 188/1 adm. 74.5 guntha. The document of conveyance was regd. with S. R. Navsari under No. 3807/12-11-82.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 30-6-83 Seal : FORM I.T.N.S.---

(1) Shri Shantilal Somabhai Tandel & Others, Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shree Sagar Sarvodaya Co.op. Hsg. Socy. Ltd., President: Shri Lallubhai Bhagwanji Tandel,

Krishnapur. Tol: Navsari.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Abmedabad-380 009, the 30th June 1983

Ref. No. P.R. No. 2317Acq-23/II/83-84.--Whereas J. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 187/3 paiki Plot No. 4 & 5 situated at Chhapara, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 18-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Chhapara Tal: Navsari, R. S. No. 187/3, paiki Plot 4 & 5, adm. 15260 sq. ft. The document of conveyance regd. with S. R. Navsari under No. 3828 dt. 18-11-82.

R. R. SHAH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 30-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AIIMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 20th June 1983

Ref. No. P.R. No. 2318Acq-23/II/83-84,---Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Block 258 situated at Village: UNN—Tal: Navsari (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 24-1-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hirabhai Unkabhai Patel, at Viilage: Khadsupa, Tal: Navsari.

(Transferor)

(2) Shri Prakashbhai Dahyabhai Patel & Shri Jayrambhai Dahyabhai Patel, Surya Darshan, Luncikui, Navsari, Dist: Bulsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land being Block No. 258 adm. acre-6 Guntha-12 at village Unn. Tal: Navsari. The document of conveyance was regd. with S.R. Navsari regd No. 3881 dt. 24-11-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1983

Ref. No. P.R. No. 2319Acq-23/II/83-84.—Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Wd. 7 Nondh 3384/A, Flat No. 601 situated at Diamond Aptt. Co.op. Hsg. Socy. Ltd. Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 4-11-82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ashokkumar Buchubhai Mehta, 41, Shantiniketan Society, Vasta Devdi Road, Surat.

(Transferor)

Shri Samitesh Pravinkumar Zaveri,
 203/A. Maker Tower,
 Parel.
 Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Surat City Wd. No. 7, Nondh No. 3784/A, Diamond Aptt. Co.op. Hsg. Socy. Ltd. Flat No. 601, on 6th Floor, adm. 811 sq. ft. The document of conveyance was regd. with S.R. Surat under No. 8222 dt. 4-11-82.

R. R. SHAH
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1983

Ref. No. P.R. No. 2320Acq-23/II/83-84,---Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Majura Ward Nondh 1935-1936-1937, Flat situated at No. 9, 6, 19, of Kenghan Bark Coop Here Sooy, Ltd. Photos Rd.

9 & 19 of Kanchan Park Co.op. Hsg. Socy. Ltd. Bhatar Rd. Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offce of the Registering Officer at Surat on 5-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Parsuram Mangharam Thadani, Rupali Aptt., Bhatar Road. Surat.

Transferor(s)

(2) Shri Harichand Narayansinh Khurana, C/o 305, Satyaguri Apartment, Majura Gate, Surat.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION: -Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9 & 10 of Manchanpark Co.op. Hsg. Socy. Ltd. Majura Ward Nondh-1935-1936-1937 Bhatar Road, Surat adm. 835 sq.ft. The document of conveyance was regd. under No. 8230 dt. 5-11-82 with S. R. Surat.

> R. R. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1983

Ref. No. P.R. No. 2321Acq-23/II/83-84.—Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward-1, Nondh 1308/B, TPS No. 2Fp no. 12 situated at Vigneshwar Estate, Block-D, Flat-4, Timaliawad, Nanpura,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Surat on 4-11-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Indravadan Nanalal Shah, Smt. Hansaben Indravadan Shah, Vigneshwar Estate, D-Block, Flat No. 4, Timaliawad, Nanpura, Surat.

Transferor(s)

(2) Shri Baheramsha Navroji Debu, Agiari Muhollo, Malesar Street, Navsari.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Vigneshwar Estate, Block-E, Timaliawad, Nanpura, Surat, Wd. 1, Nondh No. 308-B, TPS. 2, FP No. 12. adm. 335 sq. ft. The document of conveyance was regd. with S.R. Surat under No. 8033/4-11-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Muljibhai Kunverji Rathod, Shilp Society. Bunglow No. 1. Rander Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Santukumar Mahalmal Vatwani, 464, Ramnagar, Rander. Surat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1983

Ref. No. P.R. No. 2322Acq-23/II/83 84.—Whereas I. R. R. SHAH,

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bunglow-1, Shilp Society, situated at Rander Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 6-11-82.

Surat on 6-11-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 1, Shilp Society, Rander Rd. Surat, adm. 90 sq. yds. The document of conveyance was regd. with S. R. Surat under No. 8330 Dt. 6-11-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-6-83

FORM LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1983

Ref. No. P.R. No. 2323Acq-23/II/83-84.—Whereas I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

No. Wd. 7, Nondh 2557-B, 2558 & 2559 situated at Saiyadpura-Khadi-Mohollo, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on 12-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Nandsukhlal Manilal, Haripura. Masidia Sheri, Surat.

Transferor(s)

(2) Shri Niranjan Nandsukhlal & Others, Navapura. Muchhala Sheri. Zampa Bazar. Surat.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Saiyadpura Khadi Mohollo, Surat, Wd. No. 7 Nondh No. 2557-B, 2558 & 2559 adm. 223, 137 & 100 (i.e. 470) sq. yds. The document of conveyance was regd. with S. R. Surat under No. 8489/12-11-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date : 30-6-83 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1983

Ref. No. P.R. No. 2324Acq-23/II/83-84.—Whereas J, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. 59-A, Plot 5 & 6 Wd. 13 CS No. 335/1 situated at 335/7, Ghoddod Rd. Athwa Lines, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 11-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
46—196 GI/83

 Partners of Thakkar Const. Ghanti Sheri. Wadi Fudia, Surat.

(Transferor)

(2) Kum. Ushma Rajeshkumar Tamboli, G-4, Natraj Apartment, Bhaga Talav. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 of Dharmesh Aptt. situated at R. S. No. 59-A, Plot 5 & 6, Wd. 13, C.S. No. 335/1 & 335/2 New C. S. No. 2044 & 2043 at Ghoddod Road, Athwa Lines, Surat. The document of conveyance was regd. with S. R. Surat under No. 8430 dt. 11-11-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 30-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1983

Ref. No. P.R. No. 2325Acq-23/II/83-84.--Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 15, T.P.S. 4, F.P. 158.B situated at Navagam.

Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), rus been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of .008) in the Office of the Registering Officer at Surat on 11-11-82.

for an apparent consideration which is less than the fair 'market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said- act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 195'7);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Shrimati Madhuriben Wd/o Mansukhlal Chhotubhai Varachha Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri, Humsaben Dilipbhai Chokshy, 104. Mahavic Apartment, Athwa Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg, adm. 545.60 sq.mtrs, situated at Navagam, Surat R. S. No. 15, T.P. 4, FP 158B. The document of conveyance was regd, with S. R. Surat under No. 8437 dt. 11-11-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA Surat.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2326 Acq. 23/II/83-84,-Whereas, I. R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 15 TPS. 4 F. P.158P situated at Navagam, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 11-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :---

(I) Rohit Mansukhlal Kapadia & Others Varachha Road, Surat.

(Transferor)

(2) Minor Deepakbhai Rasiklal Rangrej Guardian Rasiklal Maganlal Rangrej Parshi Sheri,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazene.

FUPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. adm. 324.74 sq. mtrs. situated at Navagam, Surat. R. S. No. 15 paiki TPS No. 4, FP No. 158B. The document of conveyance was regd. with S. R. Surat under No. 8434/11-11-1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 30-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Narendrakumar Revadas Mehta 4 Nikunj Society, Nanpura, Surat.

(2) Smt. Bhartiben Jitendrakumar Shah A-6, Arpan Aptt. Nanpura Timlia Vad.

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2327 Acq. 23/II/83-84.-Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Wd. 1, Nondh 987 & 99E. Gita Aptt. E. 4, situated at Nanpura, Palia Street, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 12-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E4, of Gita Aptt. situated at Wd. 1, Nondh 987 & 990E. Nanpura, Palia Street, Surat, adm. 771 sq. ft. The document of conveyance was regd. with S. R. Surat under No. 8477 dt. 12-11-1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2328 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B-First Floor of Sweet Home Aptt. situated at Nanpura,

Adagar Mahallo, Surat

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 12-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Trishul Enterprise Self & Prop. Shri K. D. Panchal, General Power of Attorney Holder, Shri B. D. Panchal, Chandramahal Aptt., Ist Floor, Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Mahendrakumar Jamayatram Mehta, Mishrakhan Tekro, Begampura,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

! Flat No. II., Ist For of Sweet Home Aptt., Adagar Mahallo, Nanpura, Surat, adm. 575 sq. ft. The document of conveyance was regd. with S. R. Surat under No. 8517 dt. 12-11-1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 29-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2329 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 16 paiki, Flat No. 25 situated at Shivshankar Aptt. Co op. Hsg. Socy Part-II, Udhana, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 18-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kaku Vasudev Narsingani B-204, Siddni Apartment Co. op. Hsg. Socy. Kadampalli, Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Makrand Amratlal Desai Kadampalli Society, Nanpura, Surat

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25 of Shivshankar Aptt. Co.op. Hsg. Socy. Ltd. at Udhna, Surat S. No. 16, Adm. 590 sq. ft. The document of conveyance was regd. with S. R. Surat under No. 8585 dt. 18-11-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 30-6-1983

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Dilipbhai Prabhubhai, Idgal Kalargam, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahavir Timber Corp. (firm) Nandi Doshini Vadi, Vastadevdi Road, Katargam; Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380-009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2330 Acq. 23/11/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R. S. No. 433, Hissa 1/p, TPS 3 FP 303 Nondh Plot situated at No. old 1, New 5, Katargam, Suret (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 12-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of .45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Katargam, R. S. 433, Hissa-1 paiki TPS No. 303 Nondh Plot No. old 1 New-5 adm. sq. yds. 1130. The documents of conveyance was regd, with S. R. Surat under Nos. 8572 & 8573 dt. 12-11-1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 30-6-1983

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-AHMEDABAD-380 009
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad-380 009, the 30th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2331 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section: 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Wd. 2, Nondh 1939, Flat No. 4 situated at Sagrampura, Surat

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 31-3-1982 recd. in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Ajanta Construction Co. 34, Alkapuri Society, Surnul Dairy Road, Surat.

(Transferor)

 (2) Dhirubhai Narayandas Metavala and Hiraben Narayandas Metavala, Navsarjan Apartment,
 2, Flat,
 1st Floor,
 Sagrampura,
 Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Sagrampura, Surat Wd. No. 2, Nondh 1939/P. Bldg. No. 2, First Floor, adm. 101.5 sq. yds. The document of conveyance was regd. with S. R. Surat under No. 1774 dt. 31-3-82 recd. in Nov. 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 30-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th June 1983

Ref. No. P. R. No. 2332 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Athwa Ward Nondh No. 794, Swashraya Socy. situated at Bunglow-6-C, Athwa Lines, Diwali Baug Area, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), thas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

1908) in the office of the Registering officer at Surat on 9-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-fax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefoe in pusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initially proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--47—196 GI/83

(1) Shri Tarachand Harpardas Mansukhani 4, Prakash Society, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Prafulchand Amarchand Shah, Mahidharpura, Bhutsheri, Surat.

(Transferee)

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 6-C of Swashraya Society, Diwalibaug area. Athwa Lines, Surat Athwa Ward Nondh No. 794. The document of conveyance was regd. with S. R. Surat under R. No. 8592 dt. 19-11-1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 29-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Popat Chandrakant Pragjibhai 35, Baroda Peoples Society, Baroda.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st July 1983

Ref. No. P. R. No. 2333 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing R. S. No. 532/37 situated at Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 9-11-1982

at Baroda on 9-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Pravinkumar Jethalal Dave. Dandia Bazar, Vivek Bldg., Baroda,

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at R. S. No. 532/37 adm. 1800 sq. ft. Document of cansfer regd with S. R. Baroda under No. 6575/9-11-82,

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-7-1983

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st July 1983

Ref. No. P. R. No. 2334 Acq. 23/II/83-84,—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sector No. 22 Plot No. 152/2 situated at Gandhinagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 2-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kalavatiben Vasudev Vyas Sankdi Sheri, Manek Chawk, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Navnitlal Natverlal Bhatt Sector 29, Block No. 17/10, Gandhinagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Bidg. at Gandhinagar Sector No. 22 Plot 152/2. Document of transfer regd. with S. R. Gandhinagar under No. 1909 dt. 2-11-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Alimedabad

Date: 1-7-1983

(1) Shri Ajay Chimanlal Shah Divali Baug, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ranjanben Dilipbhai Shah 410, Diamond-Apartment, Saiyadpura, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th July 1983

.Ref. No. P. R. No. 2335 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 303 of Shree Ram Aptt. situated at Nanpura,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Flat No. 303 of Shree Ram Aptt. Nanpura, Near Timaliawad, Surat adm. 920 sq. ft. The deed of conveyance was regd. with S. R. Surat under No. 4002/6-11-1982.

THE SCHEDULE

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 5-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Adam Vali Patel P. A. H. Shri Kiran Manharlal Thakkar, Chunarvad, Bharuch.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2336 Acq 23/11/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 42, A, 1, 1, A, 1 pairi (Last) situated at Ali Broach (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been trousterred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Broach on 5-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(2) Shri Jitendra Hariprasad Desai Sindwai, Rharuch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The rerms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 42, A, 1, 1, A, 1 at Ali Bharuch adm. 34 Gunthas. The document of conveyance was regd, with S. R. Broach under Regn. No. 5336 dt. 5-11-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 5-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSION OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 -

Ahmedabad-380 009, the 6th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2337 Acq 23 II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. Wd. 7 Nondh 2446—2494 situated at Sayadpura,
Ubhisheri, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 15-5-1982 reed. in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S/Shri Chhitvanlal Maganlal Jarivala & Others Gandevi Sugar Factory Sugar Udhyog Colony, Gandevi Via Billimora, Dits. Valsad.

(Transferor)

(2) Shri Kantilal Chhotalal Bhutvala Machhali Pith, Luhar Pole, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Bldg. adm. 60+58 i.e. 118 sq. mtrs. at Sayadpura, Ubhisheri, Surat Wd. 7, Nondh 2496—2494. The document of conveyance was regd. with S. R. Surat under No. 2960 dt. 15-5-1982 recd. in this office in Nov. 1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 6-7-1983

FORM I.T.N.S.-

(1) S. Jain & Sons.

(Transferor)

(2) M/s. Ruby Industries.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) M/s. Ruby Industries.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OF FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 8th July 1983

R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

Ref. No. ACQN, RANGE-I/37EE/64/83-84.—Whereas, I.

able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. Office No. 3-E2, 3rd floor, Court Chambers situated at New Marine Lines Bombay (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Component Authority at Bombay on 25-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofEXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

THE SCHEDULE

Office No. 3-E2, 3rd floor, Court Chambers, 35 New Marine Lines, Bombay-400 020. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/32/82-83 dated 25/11/1982.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 8-7-1983 Seal:

FORM ITNS----

(1) Indian Industrial Traders & Dealers Ltd.
(Transferor)

(2) Jwalamukhi Investment & Trading Co. Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th July 1983

Ref. No. 1307/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 18A situated at Gurusaday Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at calcutta on 26-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/3rd share of land measuring 552.4 sq. meters together with buildings and structure standing thereon being portion of premises No. 18A, Gurusaday Road, Calcutta.

M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date 14-7-1983

(1) Sri Kamal Kumar Basu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Atin Lal Ganguly.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 13th July 1983

Ref. No. 1306/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. 13A, situated at Balaram Ghosh Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 26-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person niterested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); IE SCHEDULE

All that flat No. 9 at 2nd floor having covered area 489 sq. ft. including the proportionate share of land of the premises No. 13A, Balaram Ghosh Street, Calcutta

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
48—196 GI/83

Date: 13-7-1983

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS----

(1) Smt. Neera Devi Bajoria & ors.

(Transferor)

(2) M/s. Sheetal Constructions Ltd.

(3) Tenants.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L CALCUTTA

Calcutta, the 13th July 1983

Ref. No. TR-271/82-83/Sl. 753 IAC/Acqn. R-I/Cal.— Whereas, I, M. AHMAD.

M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 48A to 48H & 48J to 48M (formerly collectively known as 48 situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 10-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly 3 storied, partly two storied and partly one storied building—land area: 1 bigha 8 cottahs (on actual measurement IB 4C & 16 sft.) at premises No. 48A to 48H & 48J to 48M (formerly collectively known as No. 48) Park Street, Calcutta, registered before the S.R.A., Calcutta vide Deed No. 9804 dated 10-11-1982.

M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16

Date: 13-7-1983

(1) Sri Hari Mohan Dey.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. I. H. Bagir & Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 13th July 1983

Ref. No. TR-281/82-83/Sl.755-IAC/Acqn.R-1/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 24B, situated at Radhanath Chowdhury Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R.A., Calcutta on 19-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later?
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of 24B, Radhanath Chowdhury Road, Calcutta, with land measuring 15K 2Ch 23 sft registered before the R.A., Calcutta vide Deed No. 10827 dated 16-12-82.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX.ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA

Calcutta-16, the 13th July 1983

Ref. No. TR-273/82-83/\$1.756-IAC/Acqn.R-I/Cal.—Whereas, I. M. Ahmad,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 24B, situated at Radhanath Chowdhury Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 19-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Krishna Mohan Dey.

(Transferor)

(2) M/s. I. H. Bakir & Co.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any ______resaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of Premises No. 24B, Radhanath Chowdhury Road, Calcutta, with land measuring 15K 2Ch. 23 sft. registered before the R.A., Calcutta vide Deed No. 9992 dated 19-11-1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1983

(1) Sri Rathindra Nath Chatterjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Sailendra Nath Chatterjee.

(Transferce)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, CALCUTTA

Calcutta, the 13th July 1983

Ref. No. TR-270/82-83/SI.757/IAC/Acqn.R-I/Cal.— Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12 & 18 situated at Raja Woodmond Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 4-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/6th share in partly four and partly five storied building at premises No. 12 & 18, Raja Woodmond Street, Calcutta, with land measuring 4 K 13Ch & 40 sft. registered before the R.A., Calcutta vide Deed No. 9788 dated 4-11-1982.

M. AHMAD Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 13-7-1973

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 15th July 1983

Ref. No. CA-3/82-83/Sl, IAC/Acnq.R-I/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 7, situated at Camac Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Competent Authority on 20-1-1983

Competent Authority on 20-1-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sunita Devi Singhania Trust,

(Transferor)

(2) Sri Bishan Dayal Goyal.

(Transferce)

(3) M/s. Kumar Chand Shigh Dudoda.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

office Block No. 8 on the 4th Floor, "Azimganj House", Camae Street, Calcutta measuring 1657 sq. ft, registered before the Competent Authority vide No. 3, dated 20-1-83.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 15-7-1973

FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMESTAR

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE GLICDING, EUDHIANA

Ludhiana, the 13th July 1983

Ref. No. CHD/185/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25.600/- and bearing

Plot No. 1105 situated at Sector 34C, Chandigarh (a. a. a., e. (m) described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Major Naunihal Singh S/o S. Arjan Singh, R/o 1422, Mohalla Berian, Gurdaspur (Punjab).

(Transferor)

(2) Shri Dilbah Singh Mann S/o S. Basant Singh & Smt. Harbans Kaur W/o S. Dilbagh Singh Mann, R/o V.P.O. Bam, Teh. Muktsar, Distt., Faridkot,

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 ways from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ---T.D. 1.1783 and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plet No. 1105, Sector 34C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1171 of 11/82 of S.R. Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th July 1983

Ref. No. CHD/180/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Plot No. 567 situated at Sector 33B, Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Lt. Col. Kanwar Pritpal Singh S/o Shri Tajdar Singh for self and attorney of Shri Mandeep Singh S/o Lt. Col. K. P. Singh, R/o 8A North Ambajari Road, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Vam Dev Sharda S/o Shri Ram Rakha Mal for self and as father & natural guardian of Master Vikranjit Sharda & Master Viresh Sharda minor Ss/o Shri Vam Dev Sharda & Mrs. Veena Sharda W/o Shri Vam Dev Sharda, R/o House No. 1263, Sec. 22B, Chandiagth Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 567, Sec 33B, Chandigath. (The property as mentioned in the sale deed No. 1191 of 11/82 of S.R. Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--- 12.

Date: 14-7-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th July 1983

Ref. No. CHD/182/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing House No. 3303 situated at Sector 35D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. Devi Bai
 W/o Shri S. R. Bajaj
 through General Power of Attorney
 Shri D. C. Bajaj
 R/o 1103/34C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Balwant Singh & Narinder Singh, R/o House No. 27, Sec. 20A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3303, Sec. 35D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1149 of 11/82 of S.R. Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 14-7-1900

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th July 1983

Ref. No. CHD/184/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1604 situated at Sector 7C, Chandigarh, '(and more fully describe.' in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfeand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Virinder Singh S/o Late S. Bishan Singh, Shri Lachhman Singh S/o S. Minshi Singh R/o VPO Nakodar, Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri R. C. Kapoor S/o S. Sohan Lal & Smt. Surinder Kapoor W/o Shri R. C. Kapoor, R/o 1604, Sector 7C, Chandigarh.

(Transferee)

(3) 1. S. Balwant Singh Saluja, 2. Shri Hans Raj Sharma & 3. Shri Anand Parkash Sharma R/o H. No. 1604, Sec. 7C, Chandigarh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1604, Sec. 7C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1166 of 11/82 of S.R. Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th July 1983

Ref. No. CHD/183/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impossible property beying a fair market value exceeding

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 767, Sec. 8B situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereio), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Newport 1908

Chandigarh in November, 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the projection for such that the projection is the projection of the projection and the projection for such that the projection is the projection of the projection and the projection is the projection of the projection and the projection is the projection of the projection and the projection is the projection of the projection and the projection is the projection of the projection and the projection of the projection and the projection of the projection and the projection of the projection of the projection and the projection of the projecti the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofS/Shri Iinderjit Singh & Sukhdev Singh s/o S. Mohan Singa R/o House No. 130, Sec. 9B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Opinder Singh Bedi S/o S. Mohan Bir Singh Bedi, Mrs. Santosh Bedi W/o Shri Opinder Singh Bedi, Miss Sweety Bedi, Miss Twinkle Bedi Miss Winkle Bedi Ds/o S. Opinder Singh Bedi, R/o C/I-A, Sonari, Jamshedpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 767, Sec. 8B, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1154 of 11/82 of S.R. Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-7-1983

Seal:

PRINTED BY THE MANAGER. GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1983